कॉपीराइट सामग्री

रहस्य #1

सर्वश्रेष्ठ लेखक

अगाथा क्रिस्टी

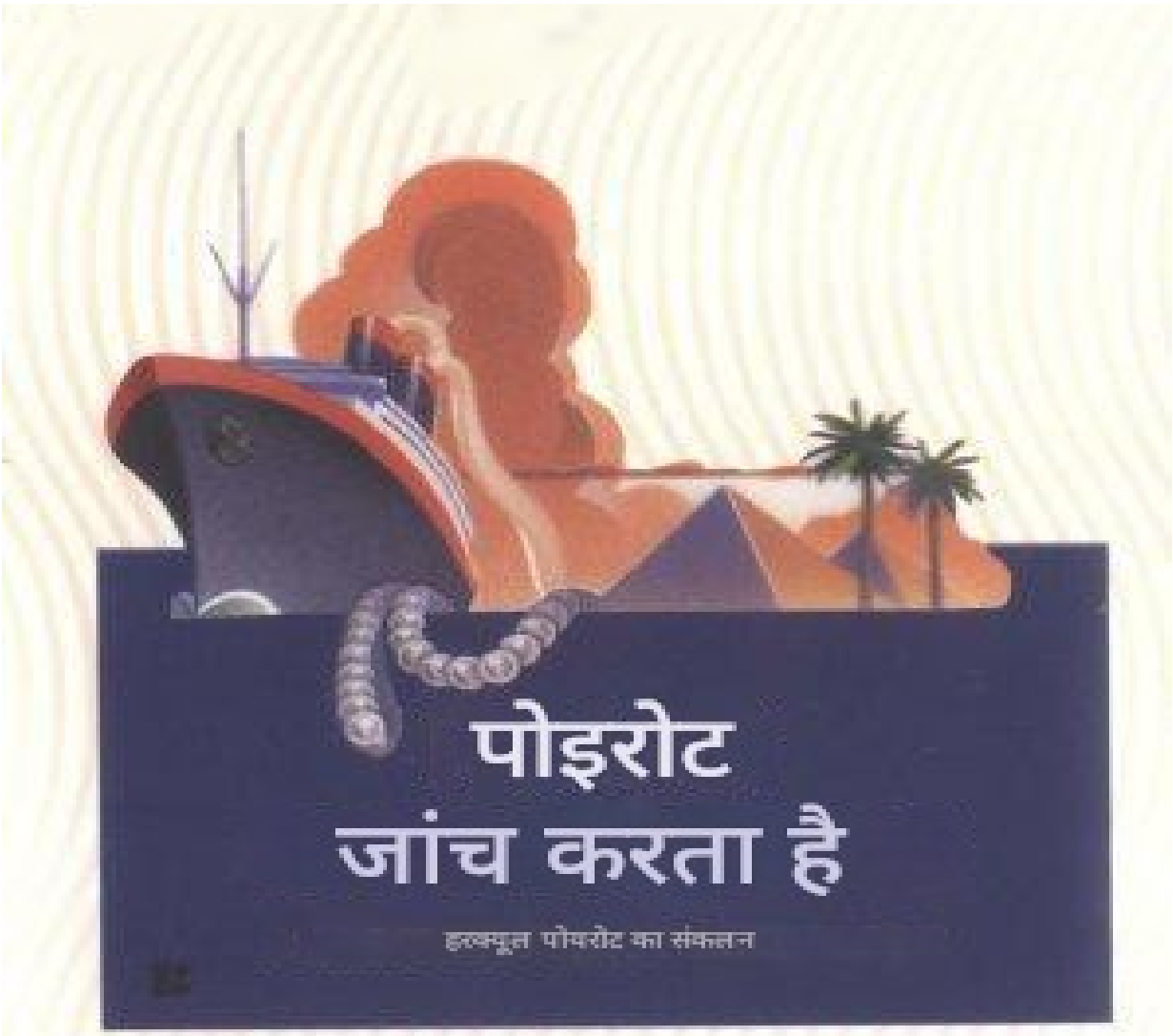

कॉपीराइट सामग्री

अगाथा क्रिस्टी

पोइरोट जांच करता है

[illegible] [illegible] (1924)
[illegible] [illegible]

"[illegible] [illegible]" [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

"द वेस्टर्न स्टार" का रोमांच

मैं पोइरोट के कमरे की खिड़की पर खड़ा होकर नीचे सड़क को यूं ही देख रहा था।
"ये तो अजीब है," मैंने अचानक धीमी आवाज़ में कहा।
"क्या है, मेरे दोस्त?" पोइरोट ने अपनी आरामदायक कुर्सी पर बैठे-बैठे शांत भाव से पूछा।
"पोइरोट, निम्नलिखित तथ्यों से निष्कर्ष निकालिए! यहाँ एक युवती है, जिसने शानदार कपड़े पहने हैं - फैशनेबल टोपी, भव्य फर। वह धीरे-धीरे चल रही है और रास्ते में घरों की ओर देख रही है। उसे पता नहीं है कि तीन पुरुष और एक अधेड़ उम्र की महिला उसका पीछा कर रहे हैं। अभी-अभी एक नौकर भी उनके साथ शामिल हो गया है, जो लड़की की ओर इशारा करते हुए इशारे कर रहा है। यह कौन सा नाटक चल रहा है? क्या लड़की कोई अपराधी है, और क्या पीछा करने वाले जासूस उसे गिरफ्तार करने की तैयारी कर रहे हैं? या वे खुद बदमाश हैं, और क्या वे किसी निर्दोष को अपना शिकार बनाने की साजिश रच रहे हैं? महान जासूस क्या कहते हैं?"
"महान जासूस, मेरे दोस्त, हमेशा की तरह सबसे सरल रास्ता चुनता है। वह खुद देखने के लिए उठता है।" और मेरा दोस्त खिड़की पर मेरे साथ आ गया।
एक मिनट में ही उसने खिलखिलाकर हंस दिया।

"हमेशा की तरह, आपके तथ्य आपके असाध्य रोमांटिकता से रंगे हुए हैं। ये हैं मिस मैरी मार्वेल, फिल्म स्टार। उनके पीछे प्रशंसकों का एक समूह है जिन्होंने उन्हें पहचान लिया है। और, वैसे, मेरे प्यारे हेस्टिंग्स, उन्हें इस बात का पूरा एहसास है!"
मैं हँस पड़ा।
"तो सब कुछ स्पष्ट हो गया! लेकिन इसके लिए आपको कोई अंक नहीं मिलेंगे, पोइरोट। यह तो बस पहचान का मामला था।"
"सचमुच! और तुमने मैरी मार्वेल को स्क्रीन पर कितनी बार देखा है, मेरे प्रिय?" मैंने सोचा।
"शायद करीब एक दर्जन बार।"
"और मैं - एक बार! फिर भी मैं उसे पहचानता हूँ, और तुम नहीं।"
मैंने बड़ी कमजोर आवाज में जवाब दिया, "वह कितनी अलग दिख रही है।"
"अरे! ये क्या!" पोइरोट चिल्लाया। "क्या आप उससे उम्मीद करते हैं कि वह लंदन की सड़कों पर काउबॉय हैट पहनकर, या नंगे पैर, और बालों का गुच्छा बांधकर, किसी आयरिश युवती की तरह घूमेगी? हमेशा आपके साथ यही होता है, गैर-जरूरी चीजों की बात! डांसर वैलेरी सेंटक्लेयर का मामला याद है?" मैंने थोड़ा चिढ़कर कंधे उचका दिए।
"लेकिन खुद को तसल्ली दो, मेरे दोस्त," पोइरोट ने शांत होते हुए कहा। "हर कोई हरक्यूल पोइरोट जैसा नहीं हो सकता! मैं यह अच्छी तरह जानता हूँ।" "तुम्हारा अपने बारे में सबसे अच्छा विचार है, जितना मैंने आज तक किसी को नहीं देखा!" मैंने हंसी और झुंझलाहट के बीच चिल्लाते हुए कहा।
"तुम क्या करोगे? जब कोई अद्वितीय होता है, तो उसे इसका एहसास होता है! और दूसरे भी इस राय से सहमत होते हैं - यहाँ तक कि, अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो मिस मैरी मार्वेल भी।"
"क्या?"
"निस्संदेह। वह यहाँ आ रही है।"
"आप इसे कैसे समझते हैं?"
"बिल्कुल सरल शब्दों में। यह गली कोई कुलीन गली नहीं है, मेरे दोस्त! यहाँ कोई फैशनेबल डॉक्टर नहीं है, कोई फैशनेबल दंत चिकित्सक नहीं है - और न ही कोई फैशनेबल टोपी बनाने वाला है! लेकिन यहाँ एक फैशनेबल जासूस ज़रूर है।

हाँ, मेरे दोस्त, यह सच है - मैं फैशन बन गया हूँ, सबसे नया चलन! एक दूसरे से पूछता है: 'कैसे?'"
क्या तुम्हारा सोने का पेंसिल बॉक्स खो गया है? तुम्हें उस छोटे बेल्जियन के पास जाना चाहिए। वह बहुत ही अद्भुत है! हर कोई वहीं जाता है! चलो चलते हैं! और वे आ जाते हैं! झुंड में, मेरे दोस्त! सबसे मूर्खतापूर्ण समस्याओं के साथ!" नीचे एक घंटी बजी। "मैंने तुमसे क्या कहा था? वह मिस मार्वेल हैं।"
हमेशा की तरह, पोइरोट सही थे। कुछ देर बाद, अमेरिकी फिल्म स्टार को अंदर लाया गया, और हम सब खड़े हो गए।
मैरी मार्वेल निःसंदेह पर्दे की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक थीं। वह हाल ही में अपने पति ग्रेगरी बी. रॉल्फ, जो स्वयं भी एक फिल्म अभिनेता थे, के साथ इंग्लैंड आई थीं। उनकी शादी लगभग एक साल पहले अमेरिका में हुई थी और यह इंग्लैंड की उनकी पहली यात्रा थी। उनका भव्य स्वागत हुआ था। हर कोई मैरी मार्वेल, उनके शानदार कपड़ों, उनके फर के लच्छों, उनके गहनों, और विशेष रूप से एक गहने, उस विशाल हीरे को देखकर मंत्रमुग्ध होने को तैयार था, जिसे उसके मालिक के नाम पर "द वेस्टर्न स्टार" उपनाम दिया गया था। इस प्रसिद्ध हीरे के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका था, सच और झूठ, जिसके बारे में कहा जाता था कि इसका पचास हजार पाउंड की भारी भरकम राशि का बीमा कराया गया था। ये सभी विवरण मेरे दिमाग में तेज़ी से घूम रहे थे जब मैं पोइरोट के साथ अपनी प्रिय ग्राहक का स्वागत करने के लिए शामिल हुआ। मिस मार्वेल कद में छोटी और दुबली-पतली थीं, बेहद गोरी और मासूम सी दिखने वाली, और उनकी आँखें एक बच्चे की तरह बड़ी और भोली थीं।
पोइरोट ने उसके लिए एक कुर्सी आगे खींची और उसने तुरंत बोलना शुरू कर दिया।
"शायद आप मुझे बहुत मूर्ख समझेंगे, महाशय पोइरोट, लेकिन लॉर्ड क्रैनशॉ कल रात मुझे बता रहे थे कि आपने उनके भतीजे की मौत का रहस्य कितनी शानदार तरीके से सुलझाया, और मुझे लगा कि मुझे आपकी सलाह लेनी ही चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि यह महज़ एक मज़ाक है - ग्रेगरी भी यही कहता है - लेकिन यह बात मुझे बहुत परेशान कर रही है।"
उसने सांस लेने के लिए थोड़ी देर रुक गई। पोइरोट ने मुस्कुराते हुए उसे हौसला दिया।

"आगे बढ़िए, महोदया। आप समझती हैं, मुझे अभी भी कुछ पता नहीं है।"
"ये पत्र हैं।" मिस मार्वेल ने अपना हैंडबैग खोला और उसमें से तीन लिफाफे निकाले जो उन्होंने पोइरोट को सौंप दिए। पोइरोट ने उन्हें ध्यान से देखा। "सस्ता कागज़ - नाम और पता बड़े ध्यान से छपा है। अंदर देखिए।" उसने लिफाफा बाहर निकाला।
मैं उसके पास आकर उसके कंधे पर झुक गया था। लिखावट में केवल एक वाक्य था, जो लिफाफे की तरह ही सावधानीपूर्वक छापा गया था। वह इस प्रकार था:
"वह महान हीरा जो देवता की बाईं आंख है, उसे वहीं लौटना होगा जहां से वह आया था।" दूसरा पत्र भी ठीक इन्हीं शब्दों में लिखा गया था, लेकिन तीसरा पत्र अधिक स्पष्ट था:
"तुम्हें चेतावनी दी गई थी। तुमने आज्ञा का पालन नहीं किया। अब हीरा तुमसे छीन लिया जाएगा। पूर्णिमा के दिन, देवता की बाईं और दाईं आंख के समान दो हीरे तुम्हें लौटा दिए जाएंगे। ऐसा लिखा है।"
"पहले पत्र को मैंने मजाक समझा," मिस मार्वेल ने बताया। "जब मुझे दूसरा पत्र मिला, तो मुझे शक होने लगा। तीसरा पत्र कल आया, और तब मुझे लगा कि मामला शायद मेरी कल्पना से कहीं ज्यादा गंभीर है।"
"मुझे लगता है कि ये पत्र डाक से नहीं आए हैं।"
"नहीं; इन्हें हाथ से छोड़ा गया था - एक चीनी व्यक्ति द्वारा। यही बात मुझे डराती है।"
"क्यों?"
"क्योंकि ग्रेगरी ने तीन साल पहले सैन फ्रांसिस्को के एक चीनी व्यक्ति से वह पत्थर खरीदा था।"
"मैं समझ गया, महोदया, कि आप मानती हैं कि जिस हीरे का जिक्र किया गया है वह

- "

"'द वेस्टर्न स्टार'," मिस मार्वेल ने बात पूरी की। "हाँ, बिल्कुल। उसी समय, ग्रेगरी को याद आया कि उस पत्थर से जुड़ी कोई कहानी थी, लेकिन चीनी पुलिस कोई जानकारी नहीं दे रही थी। ग्रेगरी का कहना है कि वह बहुत डरा हुआ था और उस चीज़ से छुटकारा पाने के लिए बेताब था। उसने उसकी कीमत का सिर्फ़ दसवां हिस्सा माँगा। यह ग्रेग का मेरे लिए शादी का तोहफ़ा था।" पोइरोट ने सोच-समझकर सिर हिलाया।

"कहानी लगभग अविश्वसनीय रूप से रोमांटिक लगती है। और फिर भी - कौन जानता है? हेस्टिंग्स, मैं आपसे विनती करता हूँ, कृपया मुझे मेरा छोटा पंचांग सौंप दें।"
मैंने बात मान ली।
"देखो!" पोइरोट ने पन्ने पलटते हुए कहा। "पूर्णिमा कब है? अरे, अगले शुक्रवार को। यानी तीन दिन बाद। खैर, महोदया, आप मुझसे सलाह मांग रही हैं - मैं आपको सलाह देता हूँ। यह सुंदर कहानी एक धोखा हो सकती है - लेकिन ऐसा नहीं भी हो सकता है! इसलिए मैं आपको सलाह देता हूँ कि हीरे को अगले शुक्रवार तक मेरे पास सुरक्षित रख लें। फिर हम जो चाहें कदम उठा सकते हैं।"
अभिनेत्री के चेहरे पर थोड़ी उदासी छा गई और उन्होंने संयमित स्वर में उत्तर दिया:
मुझे डर है कि यह असंभव है।
"क्या यह तुम्हारे पास है?" पोइरोट उसे ध्यान से देख रहा था। लड़की एक पल के लिए झिझकी, फिर उसने अपना हाथ अपने गाउन के सीने में डाला और एक लंबी पतली चेन निकाली। वह आगे झुकी और अपना हाथ खोला। उसकी हथेली में प्लैटिनम में जड़ा हुआ एक बेहद खूबसूरत पत्थर था, जो गंभीरता से हमारी ओर देख रहा था।
पोइरोट ने लंबी फुफकार के साथ सांस ली।
"वाह!" उसने धीरे से कहा। "क्या आप अनुमति देंगी, महोदया?" उसने गहना अपने हाथ में लिया और ध्यान से देखा, फिर थोड़ा झुककर उसे वापस उन्हें लौटा दिया। "एक शानदार पत्थर - बेदाग। आह, सौ टन! और आप इसे ऐसे ही अपने साथ लेकर चलती हैं!"
"नहीं, नहीं, मैं वास्तव में बहुत सावधान रहती हूँ, महाशय पोइरोट। आमतौर पर यह मेरे गहनों के बक्से में बंद रहती है और होटल के सेफ डिपॉजिट में रखी रहती है। हम 'द मैग्निफिसेंट' होटल में ठहरे हैं, आपको पता ही है। मैं इसे आज सिर्फ आपको दिखाने के लिए लाई हूँ।"
"और आप इसे मेरे भरोसे छोड़ देंगे, है ना? आपको पापा पोइरोट सलाह देंगे?" "देखिए, बात कुछ इस तरह है, महाशय पोइरोट। शुक्रवार को हम यार्डली चेज़ जा रहे हैं, लॉर्ड और लेडी यार्डली के साथ कुछ दिन बिताने के लिए।"

उनके शब्दों ने मेरे मन में धुंधली सी यादों की गूंज जगा दी। कुछ गपशप - क्या थी वो? कुछ साल पहले लॉर्ड और लेडी यार्डली अमेरिका गए थे, अफवाह थी कि लॉर्ड अपनी कुछ महिला मित्रों के साथ वहाँ मौज-मस्ती करने गए थे - लेकिन ज़रूर कुछ और भी था, कोई गपशप जिसमें लेडी यार्डली का नाम कैलिफोर्निया के एक "फिल्म" स्टार से जोड़ा गया था - अरे! मुझे अचानक याद आ गया! बेशक वो कोई और नहीं बल्कि ग्रेगरी बी. रॉल्फ थे।
"मैं आपको एक छोटा सा रहस्य बताती हूँ, महाशय पोइरोट," मिस मार्वेल अपनी बात जारी रखते हुए बोलीं। "हमने लॉर्ड यार्डली के साथ एक समझौता किया है। उनके पैतृक घर में एक नाटक की शूटिंग करने की कुछ संभावना है।"
"यार्डली चेज़ में?" मैंने उत्सुकता से पूछा। "अरे, यह तो इंग्लैंड के सबसे दर्शनीय स्थलों में से एक है।" मिस मार्वेल ने सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि यह बिल्कुल पुराने जमाने की सामंती व्यवस्था है। लेकिन वह काफी मोटी रकम मांग रहा है, और बेशक मुझे अभी पता नहीं है कि सौदा हो पाएगा या नहीं, लेकिन ग्रेग और मुझे हमेशा काम के साथ-साथ मौज-मस्ती करना पसंद है।"
"लेकिन - अगर मैं नासमझ लगूं तो क्षमा करें, महोदया - क्या हीरे को साथ लिए बिना यार्डली चेज़ जाना संभव नहीं है?"
मिस मार्वेल की आंखों में एक तीक्ष्ण और कठोर दृष्टि आ गई, जो उनकी मासूमियत भरी उपस्थिति के विपरीत थी। वह अचानक काफी बड़ी उम्र की लगने लगीं।
मैं इसे नीचे पहनना चाहता हूँ।
मैंने अचानक कहा, "ज़रूर, यार्डली संग्रह में कुछ बहुत प्रसिद्ध रत्न होंगे, जिनमें एक बड़ा हीरा भी शामिल होगा?"
"बिल्कुल सही," मिस मार्वेल ने संक्षेप में कहा।
मैंने पोइरोट को धीमी आवाज़ में बुदबुदाते सुना: "आह, ये तो ऐसा ही है!" फिर उन्होंने हमेशा की तरह सटीक निशाना लगाने की अपनी अद्भुत क्षमता के साथ ज़ोर से कहा (वे इसे मनोविज्ञान का नाम देते हैं): "तो आप निस्संदेह लेडी यार्डली से पहले से ही परिचित हैं, या शायद आपके पति?"
"ग्रेगरी उसे तीन साल पहले पश्चिम में जानता था," मिस मार्वेल ने कहा। वह एक पल के लिए झिझकी, और फिर अचानक बोली: "क्या आप दोनों कभी 'सोसाइटी गॉसिप' देखते हैं?" हम दोनों ने शर्मिंदा होकर अपनी गलती स्वीकार की।

"मैंने इसलिए पूछा क्योंकि इस सप्ताह के अंक में प्रसिद्ध आभूषणों पर एक लेख है, और यह वास्तव में बहुत ही रोचक है-" उसने अपनी बात अधूरी छोड़ दी। मैं उठा, कमरे के दूसरे छोर पर स्थित मेज पर गया और हाथ में वह कागज लेकर लौटा। उसने मुझसे कागज लिया, लेख ढूंढा और जोर से पढ़ना शुरू कर दिया: "...अन्य प्रसिद्ध रत्नों में 'स्टार ऑफ़ द ईस्ट' भी शामिल है, जो यार्डली परिवार के पास मौजूद एक हीरा है। वर्तमान लॉर्ड यार्डली के एक पूर्वज इसे चीन से अपने साथ लाए थे, और इससे जुड़ी एक रोचक कहानी है। इसके अनुसार, यह रत्न कभी एक मंदिर के देवता की दाहिनी आंख हुआ करता था। एक और हीरा, जो आकार और आकृति में बिल्कुल समान था, बाईं आंख का हिस्सा था, और कहानी यह है कि समय के साथ यह रत्न भी चोरी हो गया। 'एक आंख पश्चिम की ओर जाएगी, दूसरी पूर्व की ओर, जब तक कि वे फिर से न मिल जाएं। तब, वे विजय के साथ देवता के पास लौट आएंगे।' यह एक विचित्र संयोग है कि वर्तमान में एक ऐसा रत्न है जो विवरण में इससे काफी मिलता-जुलता है, और जिसे 'स्टार ऑफ़ द वेस्ट' या 'पश्चिमी तारा' के नाम से जाना जाता है। यह प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री मिस मैरी मार्वेल की संपत्ति है। इन दोनों रत्नों की तुलना करना रोचक होगा।" मैं रुक गया।
"शानदार!" पोइरोट ने धीरे से कहा। "निस्संदेह एक बेहतरीन प्रेम कहानी।" वह मैरी मार्वेल की ओर मुड़ा। "और आप डरती नहीं हैं, महोदया! क्या आपको कोई अंधविश्वासी डर नहीं है? क्या आप इन दो सियामी जुड़वा बच्चों को एक-दूसरे से मिलवाने से नहीं डरतीं, कहीं कोई चीनी आदमी प्रकट न हो जाए और बस!
उन दोनों को वापस चीन ले जाओ!
उसका लहजा उपहासपूर्ण था, लेकिन मुझे लगा कि उसके नीचे गंभीरता की एक अंतर्धारा छिपी हुई है।
"मुझे नहीं लगता कि लेडी यार्डली का हीरा मेरे हीरे जितना अच्छा है," मिस मार्वेल ने कहा। "खैर, मैं जाकर देखूंगी।"
पोइरोट आगे क्या कहते, यह मुझे नहीं पता, क्योंकि उसी क्षण दरवाजा खुल गया और एक शानदार दिखने वाला व्यक्ति कमरे में दाखिल हुआ। उसके घुंघराले काले बालों से लेकर उसके पेटेंट लेदर के बूटों तक, वह किसी प्रेम कहानी के नायक जैसा लग रहा था।
"मैंने कहा था कि मैं तुमसे मिलने आऊंगा, मैरी," ग्रेगरी रॉल्फ ने कहा, "और मैं आ गया। अच्छा, हमारे इस छोटे से मामले पर मिस्टर पोइरोट क्या कहते हैं!

बस एक बड़ा धोखा, जैसा मैं करता हूँ?" पोइरोट ने उस बड़े अभिनेता की ओर मुस्कुराते हुए देखा। दोनों में एक अजीब विरोधाभास था।
"धोखा हो या न हो, मिस्टर रॉल्फ," उन्होंने रूखेपन से कहा, "मैंने आपकी पत्नी मैडम को सलाह दी है कि वे शुक्रवार को यार्डली चेज़ में अपने साथ गहना न ले जाएं।"
"मैं आपसे सहमत हूँ, महोदय। मैंने मैरी से पहले ही यह बात कह दी है। लेकिन देखिए! वह पूरी तरह से एक महिला है, और मुझे लगता है कि वह यह सोच भी नहीं सकती कि आभूषणों के क्षेत्र में कोई दूसरी महिला उससे आगे निकल जाए।" "क्या बकवास है, ग्रेगरी!" मैरी मार्वेल ने तीखे स्वर में कहा। लेकिन वह गुस्से से लाल हो गई। पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
"महोदया, मैंने सलाह दे दी है। मैं इससे अधिक कुछ नहीं कर सकता। C'est fini." उसने उन दोनों को दरवाजे की ओर झुका दिया।
"आह! ला ला," उसने लौटते हुए कहा। "महिलाओं का इतिहास! भला पति, उसने बिल्कुल सही बात कही - फिर भी, वह चतुर नहीं था! बिल्कुल नहीं।"
मैंने उसे अपनी धुंधली यादें बताईं, और उसने जोर से सिर हिलाया।
"मैंने यही सोचा था। फिर भी, इस सब के पीछे कुछ रहस्यमय बात छिपी है। आपकी अनुमति से, मेरे मित्र, मैं थोड़ी देर के लिए बाहर जा रहा हूँ। कृपया मेरे लौटने का इंतज़ार कीजिएगा। मुझे ज़्यादा देर नहीं लगेगी।" मैं अपनी कुर्सी पर अधनी नींद में था जब मकान मालकिन ने दरवाज़े पर दस्तक दी और अपना सिर अंदर डाला।
"श्रीमान, एक और महिला श्री पोइरोट से मिलने आई हैं। मैंने उन्हें बताया था कि वे बाहर गए हुए हैं, लेकिन उनका कहना है कि वे इंतजार करेंगी, क्योंकि वे गांव से आई हैं।"
"ओह, श्रीमती मर्चिसन, इन्हें अंदर आने दीजिए। शायद मैं इनके लिए कुछ कर सकूँ।" अगले ही पल उस महिला को अंदर ले जाया गया।
उन्हें पहचानते ही मेरा दिल खुशी से उछल पड़ा। लेडी यार्डली का चित्र सोसाइटी के अखबारों में इतनी बार छप चुका था कि उन्हें गुमनाम रहने देना नामुमकिन था।
"लेडी यार्डली, कृपया बैठ जाइए," मैंने एक कुर्सी आगे खींचते हुए कहा। "मेरे मित्र पोइरोट बाहर गए हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वे बहुत जल्द वापस आ जाएंगे।"

उसने मुझे धन्यवाद दिया और बैठ गई। यह मिस मैरी मार्वेल से बिल्कुल अलग थी। लंबी, सांवली, चमकती आँखों वाली और एक शांत, गर्वित चेहरे वाली - फिर भी होठों की बनावट में कुछ उदासी झलक रही थी। मुझे उस मौके पर कुछ करने की इच्छा हुई। क्यों नहीं? पोइरोट की उपस्थिति में मुझे अक्सर असहजता महसूस होती है।
मैं अपने सर्वोत्तम रूप में नहीं दिख रहा हूँ। फिर भी, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मुझमें भी तार्किक क्षमता काफी हद तक मौजूद है। अचानक आवेग में आकर मैं आगे झुक गया।
मैंने कहा, "लेडी यार्डली, मैं जानती हूँ कि आप यहाँ क्यों आई हैं। आपको हीरे के बारे में ब्लैकमेल करने वाले पत्र मिले हैं।"
इसमें कोई शक नहीं था कि मेरा निशाना सही लगा था। वह मुझे मुंह खुला रखकर देखती रही, उसके चेहरे का रंग उड़ गया था।
"तुम्हें पता है?" वह हांफते हुए बोली। "कैसे?"
मैं मुस्कराया।
"एक पूर्णतः तार्किक प्रक्रिया द्वारा। यदि मिस मार्वेल को चेतावनी पत्र मिले हैं तो-"
"मिस मार्वेल! क्या वह यहाँ आई थीं?"
"वह अभी-अभी चली गई है। जैसा कि मैं कह रहा था, अगर उसे, जुड़वां हीरों में से एक की धारक होने के नाते, चेतावनियों की एक रहस्यमय श्रृंखला मिली है, तो आपको, दूसरे पत्थर के धारक होने के नाते, निश्चित रूप से ऐसा ही मिला होगा। देखा आपने, यह कितना आसान है? तो मैं सही हूँ, आपको भी ये अजीब संदेश मिले हैं?"
एक पल के लिए वह हिचकिचाई, मानो उसे संदेह हो कि मुझ पर भरोसा करना चाहिए या नहीं, फिर उसने हल्की मुस्कान के साथ सहमति में अपना सिर झुका लिया। "यह सच है," उसने स्वीकार किया।
"क्या तुम्हारे भी, किसी चीनी व्यक्ति द्वारा, हाथ से छोड़े गए थे?" "नहीं, वे डाक से आए थे; लेकिन, बताइए, क्या मिस मार्वेल को भी ऐसा ही अनुभव हुआ है?" मैंने उन्हें सुबह की सारी घटनाएँ सुनाईं। उन्होंने ध्यान से सुना।

"सब कुछ मेल खाता है। मेरे पत्र उसके पत्रों की हूबहू प्रतियां हैं। यह सच है कि वे डाक से आए, लेकिन उनमें एक अजीब सी खुशबू है - कुछ-कुछ अगरबत्ती जैसी - जिसने मुझे तुरंत पूरब की याद दिला दी। आखिर इसका क्या मतलब है?" मैंने अपना सिर हिलाया।
"हमें यही पता लगाना होगा। क्या आपके पास वे पत्र हैं? डाक टिकट की मुहरों से हमें कुछ जानकारी मिल सकती है।"
"दुर्भाग्यवश मैंने उन्हें नष्ट कर दिया। आप समझ रहे हैं ना, उस समय मैंने इसे एक मूर्खतापूर्ण मजाक समझा था। क्या यह सच हो सकता है कि कोई चीनी गिरोह सचमुच हीरों को वापस पाने की कोशिश कर रहा है? यह अविश्वसनीय लगता है।"
हमने तथ्यों की बार-बार समीक्षा की, लेकिन रहस्य को सुलझाने की दिशा में कोई प्रगति नहीं कर सके। अंत में लेडी यार्डली खड़ी हुईं।
"मुझे नहीं लगता कि मुझे महाशय पोइरोट का इंतज़ार करने की ज़रूरत है। आप उन्हें यह सब बता सकते हैं, है ना? बहुत-बहुत धन्यवाद, श्रीमान-"
वह हिचकिचाई, उसका हाथ आगे बढ़ा हुआ था।
"कैप्टन हेस्टिंग्स।"
"बेशक! मैं कितना मूर्ख था। आप कैवेंडिश परिवार के मित्र हैं, है ना? मुझे तो मैरी कैवेंडिश ने ही पोइरोट के पास भेजा था।"
जब मेरा दोस्त लौटा, तो मुझे उसे अपनी अनुपस्थिति के दौरान हुई सारी बातें सुनाने में बहुत मज़ा आया। उसने हमारी बातचीत के विवरण को लेकर मुझसे तीखे सवाल किए और मैं उसकी बातों से समझ गया कि वह मेरी अनुपस्थिति से खुश नहीं था। मुझे यह भी लगा कि वह बूढ़ा दोस्त ज़रा भी ईर्ष्या नहीं कर रहा था। मेरी क्षमताओं को लगातार कम आंकना उसकी आदत बन गई थी, और मुझे लगता है कि आलोचना करने का कोई बहाना न मिलने से वह निराश था। मैं मन ही मन खुद से खुश था, हालाँकि मैंने उसे नाराज़ करने के डर से इस बात को छिपाने की कोशिश की। उसकी इन अजीब आदतों के बावजूद, मैं अपने उस प्यारे से दोस्त से बहुत जुड़ा हुआ था।
"ठीक है!" उसने चेहरे पर जिज्ञासा का भाव लिए आखिरकार कहा। "कहानी आगे बढ़ रही है। कृपया मुझे वह 'पीयरेज' पत्रिका दीजिए जो ऊपर वाले शेल्फ पर रखी है।" उसने पन्ने पलटे। "आह, मिल गई! 'यार्डली... 10 वें विस्काउंट, दक्षिण अफ़्रीकी युद्ध में सेवा की'... इसका कोई महत्व नहीं है... 'मार्च 1907

माननीय मौड स्टॉपरटन, तीसरे बैरन कॉटरिल की चौथी बेटी'... उम, उम, उम,... 'उनकी दो बेटियाँ हैं, जिनका जन्म 1908 और 1910 में हुआ... क्लब... आवास।'... वाह, इससे तो ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। लेकिन कल सुबह हम इस मिलॉर्ड से मिलेंगे!"
"क्या?"
"हां। मैंने उसे टेलीग्राम भेजा था।"
"मुझे लगा था कि आपने इस मामले से अपना हाथ खींच लिया है?"
"मैं मिस मार्वेल के लिए काम नहीं कर रहा हूँ क्योंकि वह मेरी सलाह मानने से इनकार करती हैं। मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूँ वह मेरी अपनी संतुष्टि के लिए है - हरक्यूल पोइरोट की संतुष्टि के लिए! निश्चित रूप से, इस मामले में मेरा हाथ जरूर है।"
और आप अपनी सुविधा के लिए लॉर्ड यार्डली को शहर आने का तार भेज देते हैं। उन्हें यह पसंद नहीं आएगा।
इसके विपरीत, अगर मैं उसके लिए उसके खानदानी हीरे को सुरक्षित रखूं, तो उसे बहुत आभारी होना चाहिए।
"तो क्या आपको सच में लगता है कि इसके चोरी होने की संभावना है?" मैंने उत्सुकता से पूछा।
"लगभग निश्चित है," पोइरोट ने शांत भाव से उत्तर दिया। "सब कुछ इसी ओर इशारा करता है।"
"आख़िर कैसे -"
पोइरोट ने हाथ के एक हल्के इशारे से मेरे उत्सुक प्रश्नों को रोक दिया। "अभी नहीं, कृपया। आइए हम मन को भ्रमित न करें। और ध्यान दें कि 'पीयरेज' - आपने उसे कैसे बदल दिया है! क्या आप नहीं देखते कि सबसे लंबी किताबें सबसे ऊपर वाली शेल्फ में जाती हैं, उससे अगली सबसे लंबी किताब उसके नीचे वाली पंक्ति में, और इसी तरह। इस प्रकार हमारे पास व्यवस्था, विधि है, जिसे, जैसा कि मैंने आपको अक्सर बताया है, हेस्टिंग्स -"
"बिल्कुल सही," मैंने जल्दी से कहा और उस आपत्तिजनक वॉल्यूम को उसकी सही जगह पर रख दिया।
लॉर्ड यार्डली एक हंसमुख, मुखर आवाज वाले, थोड़े लाल चेहरे वाले खिलाड़ी निकले, लेकिन उनके मिलनसार स्वभाव में एक अलग ही आकर्षण था और यह उनकी किसी भी बौद्धिक कमी की भरपाई कर देता था।

"यह तो बिल्कुल अजीब मामला है, महाशय पोइरोट। कुछ समझ में नहीं आ रहा। लगता है मेरी पत्नी को अजीब तरह के पत्र मिल रहे हैं, और मिस मार्वेल को भी ऐसे ही पत्र मिले हैं। आखिर इसका मतलब क्या है?" पोइरोट ने उन्हें सोसाइटी गॉसिप की प्रति थमा दी।
"सबसे पहले, महाराज, मैं यह पूछना चाहूंगा कि क्या ये तथ्य मूलतः सही हैं?" सरदार ने इसे स्वीकार कर लिया। पढ़ते ही उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। "बिल्कुल बकवास!" वह गुस्से से बोला। "हीरे से जुड़ी कोई रोमांटिक कहानी कभी नहीं रही। मेरा मानना है कि यह मूल रूप से भारत से आया था। मैंने चीनी देवताओं वाली इन सब बातों के बारे में कभी नहीं सुना।"
फिर भी, इस पत्थर को 'पूर्व का तारा' के नाम से जाना जाता है।
"अगर ऐसा है तो क्या हुआ?" उसने क्रोधपूर्वक पूछा।
पोइरोट ने हल्की सी मुस्कान दी, लेकिन कोई सीधा जवाब नहीं दिया।
"महोदय, मैं आपसे यही अनुरोध करूंगा कि आप स्वयं को मेरे हवाले कर दें। यदि आप ऐसा निःसंकोच करते हैं, तो मुझे इस विपत्ति को टालने की पूरी उम्मीद है।"
"तो आपको लगता है कि इन जंगली बिल्लियों की कहानियों में वाकई कुछ सच्चाई है?"
"क्या तुम मेरी बात मानोगे?"
"बिल्कुल करूँगा, लेकिन-"
"ठीक है! तो मुझे आपसे कुछ प्रश्न पूछने की अनुमति दें। यार्डली चेज़ का यह मामला, जैसा कि आप कहते हैं, आपके और श्री रॉल्फ के बीच पूरी तरह से तय हो चुका है?"
"ओह, उसने आपको इसके बारे में बताया, है ना? नहीं, अभी कुछ तय नहीं हुआ है।" वह हिचकिचाया, उसके चेहरे का ईंट जैसा लाल रंग और गहरा हो गया। "बात साफ़ कर लेना ही बेहतर है। मैंने कई तरह से खुद को मूर्ख साबित किया है, महाशय पोइरोट - और मैं कर्ज़ में बुरी तरह डूबा हुआ हूँ - लेकिन मैं संभलना चाहता हूँ। मुझे बच्चों से बहुत प्यार है, और मैं सब कुछ ठीक करना चाहता हूँ, और अपने पुराने घर में आराम से रहना चाहता हूँ। ग्रेगरी रॉल्फ मुझे बड़ी रकम दे रहा है - इतनी कि मैं फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सकूँ। मैं यह करना नहीं चाहता - मुझे चेज़ के आसपास होने वाले उस सारे दिखावे का ख्याल ही पसंद नहीं है - लेकिन शायद मुझे करना ही पड़े, जब तक कि -" वह रुक गया।

पोइरोट ने उसे गौर से देखा, "तो फिर, आपके पास कोई और विकल्प भी है? क्या मैं अंदाज़ा लगा सकता हूँ?"
क्या इसका मतलब 'स्टार ऑफ ईस्ट' को बेचना है?
लॉर्ड यार्डली ने सिर हिलाया। "बस यही बात है। यह संपत्ति कई पीढ़ियों से हमारे परिवार की है, लेकिन यह वसीयत में दर्ज नहीं है। फिर भी, इसके लिए खरीदार ढूंढना इतना आसान नहीं है। हैटन गार्डन के मालिक हॉफबर्ग एक संभावित खरीदार की तलाश में हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही एक खरीदार मिल जाना चाहिए, वरना यह सौदा हाथ से निकल जाएगा।"
"एक और सवाल, परमेट्स - लेडी यार्डली, वह किस योजना को मंजूरी देती हैं?" "ओह, वह मेरे गहने बेचने के सख्त खिलाफ है। आप जानते ही हैं कि औरतें कैसी होती हैं। वह तो इस फिल्म स्टंट के पूरी तरह से पक्ष में है।"
"मैं समझ गया," पोइरोट ने कहा। वह कुछ पल सोच में डूबे रहे, फिर फुर्ती से खड़े हो गए।
"क्या आप तुरंत यार्डली चेज़ लौट रहे हैं? ठीक है! किसी को कुछ मत बताना - किसी को भी नहीं - लेकिन आज शाम हम वहाँ पहुँचेंगे। हम पाँच बजे के कुछ देर बाद पहुँचेंगे।"
"ठीक है, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है-"
"Ça n'a pas d'importance,"(कोई फर्क नहीं पड़ता कि,) पोइरोट ने विनम्रता से कहा। "आप चाहते हैं कि मैं आपके हीरे को आपके लिए सुरक्षित रखूँ, है ना?" "हाँ, लेकिन-"
"तो फिर जैसा मैं कहूँ वैसा करो।"
एक दुखी और व्याकुल रईस कमरे से बाहर चला गया।
जब हम यार्डली चेज़ पहुँचे तो साढ़े पाँच बज रहे थे, और हम अपने विनम्र बटलर के पीछे-पीछे पुराने पैनल वाले हॉल में गए जहाँ लकड़ियों की धधकती आग जल रही थी। वहाँ एक सुंदर दृश्य हमारी आँखों के सामने आया: लेडी यार्डली और उनके दो बच्चे, माँ का गर्व से भरा काला सिर दोनों गोरे बच्चों पर झुका हुआ था। लॉर्ड यार्डली पास ही खड़े थे, उन पर मुस्कुरा रहे थे।
"महाशय पोइरोट और कैप्टन हेस्टिंग्स," बटलर ने घोषणा की। लेडी यार्डली चौंककर ऊपर देखने लगीं, उनके पति अनिश्चितता से आगे बढ़े, उनकी निगाहें पोइरोट से निर्देश मांग रही थीं। छोटा कद काठी वाला व्यक्ति इस स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार था।

"माफ़ कीजिए! बात ये है कि मुझे मिस मार्वेल के मामले की अभी भी जाँच करनी है। वो शुक्रवार को आपके पास आ रही हैं, है ना? मैं पहले थोड़ा घूमकर देख लेती हूँ कि सब ठीक है या नहीं। साथ ही, मैं लेडी यार्डली से ये पूछना चाहती थी कि क्या उन्हें उन चिट्ठियों पर लगे पोस्टमार्क याद हैं जो उन्हें मिली थीं?" लेडी यार्डली ने अफ़सोस जताते हुए सिर हिलाया। "मुझे अफ़सोस है कि मुझे याद नहीं है। ये मेरी बेवकूफी है। लेकिन देखिए, मैंने कभी उन्हें गंभीरता से लेने के बारे में सोचा भी नहीं था।"
"क्या तुम आज रात यहीं रुकोगे?" लॉर्ड यार्डली ने कहा।
"हे महाराज, मुझे खेद है कि मैं आपको असुविधा पहुँचा रहा हूँ। हम अपना सामान सराय में ही छोड़ आए हैं।"
"कोई बात नहीं।" लॉर्ड यार्डली को इशारा मिल गया। "हम उन्हें बुलवा लेंगे। नहीं, नहीं - कोई परेशानी नहीं होगी, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ।" पोइरोट ने उनकी बात मान ली और लेडी यार्डली के पास बैठकर बच्चों से दोस्ती करने लगे। थोड़ी ही देर में वे सब मिलकर खेलने लगे और मुझे भी खेल में शामिल कर लिया।
"आप अच्छी माँ हैं," पोइरोट ने एक विनम्र छोटे से प्रणाम के साथ कहा, जब एक सख्त नर्स अनिच्छा से बच्चों को ले जा रही थी।
लेडी यार्डली ने अपने बिखरे हुए बालों को संवारा।
"मुझे वे बहुत पसंद हैं," उसने थोड़ी नम आवाज में कहा।
"और वे भी - उचित कारण से!" पोइरोट ने फिर से सिर झुकाया।
ड्रेसिंग-घंटी बजी और हम अपने कमरों में जाने के लिए उठ खड़े हुए। उसी समय बटलर एक थाली में टेलीग्राम लेकर अंदर आया और उसे लॉर्ड यार्डली को सौंप दिया। लॉर्ड यार्डली ने माफी मांगते हुए उसे फाड़कर खोला। जैसे ही उन्होंने उसे पढ़ा, उनका चेहरा एकदम सख्त हो गया।
वीर्यपात के साथ उसने वह अपनी पत्नी को दे दिया। फिर उसने मेरे दोस्त की ओर देखा।
"एक मिनट रुकिए, महाशय पोइरोट। मुझे लगता है कि आपको इसके बारे में पता होना चाहिए। यह हॉफबर्ग की ओर से है। उन्हें लगता है कि उन्हें हीरे के लिए एक ग्राहक मिल गया है - एक अमेरिकी, जो कल अमेरिका के लिए रवाना हो रहा है। वे आज रात हीरे की जांच के लिए एक व्यक्ति को भेज रहे हैं। हे भगवान, अगर यह सौदा हो गया तो..." उनके शब्द रुक गए।

लेडी यार्डली मुंह फेर चुकी थीं। उनके हाथ में अभी भी टेलीग्राम था। "काश तुम इसे न बेचते, जॉर्ज," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "यह हमारे परिवार में बहुत समय से है।" वह जवाब की प्रतीक्षा करती रही, लेकिन जब कोई जवाब नहीं आया तो उसका चेहरा सख्त हो गया। उसने कंधे उचका दिए। "मुझे जाकर कपड़े पहनने हैं। मुझे लगता है कि मुझे 'सामान' दिखाना चाहिए।" उसने थोड़ा मुंह बनाकर पोइरोट की ओर देखा।
"यह अब तक के सबसे भद्दे हारों में से एक है! जॉर्ज ने हमेशा मुझसे वादा किया है कि वह इसके पत्थरों को फिर से जड़वाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।" वह कमरे से चली गई। आधे घंटे बाद, हम तीनों बड़े ड्राइंग रूम में उस महिला का इंतज़ार कर रहे थे। खाने का समय बीतने में कुछ मिनट लग चुके थे।
अचानक एक हल्की सी सरसराहट हुई और लेडी यार्डली दरवाजे पर प्रकट हुईं, एक लंबी सफेद चमकदार पोशाक में वे बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनकी गर्दन के चारों ओर आग की एक धारा सी दौड़ रही थी। वे एक हाथ से हार को छूते हुए वहीं खड़ी थीं।
“देखो यह बलिदान,” उसने प्रसन्नता से कहा। उसका चिड़चिड़ापन मानो गायब हो गया था। “रुको, मैं बड़ी बत्ती जला देती हूँ, फिर तुम इंग्लैंड का सबसे बदसूरत हार देखोगे।” स्विच दरवाजे के ठीक बाहर थे। जैसे ही उसने स्विच की ओर हाथ बढ़ाया, एक अविश्वसनीय घटना घटी। अचानक बिना किसी चेतावनी के, सारी बत्तियाँ बुझ गईं, दरवाजा ज़ोर से बंद हुआ, और दूसरी तरफ से एक लंबी, तीखी औरत की चीख सुनाई दी।
“हे भगवान!” लॉर्ड यार्डली चिल्लाए। “ये तो मौड की आवाज़ थी! ये क्या हो गया?” हम अंधेरे में एक-दूसरे से टकराते हुए दरवाज़े की ओर बेतहाशा भागे। कुछ मिनटों बाद हमें दरवाज़ा मिला। हमारी आँखों के सामने क्या भयानक दृश्य था! लेडी यार्डली संगमरमर के फर्श पर बेसुध पड़ी थीं, उनके सफेद गले पर एक गहरा लाल निशान था जहाँ से हार उनके गले से छीन लिया गया था। जब हम उनके ऊपर झुके, उस पल अनिश्चित थे कि वो मरी हैं या ज़िंदा, तभी उनकी पलकें खुल गईं।
“वह चीनी आदमी,” उसने दर्द भरी आवाज़ में फुसफुसाया। “वह चीनी आदमी - बगल वाला दरवाज़ा।” लॉर्ड यार्डली गुस्से में उछल पड़े। मैं भी उनके पीछे- पीछे गई, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। फिर से वही चीनी आदमी! वह बगल वाला दरवाज़ा दीवार के कोने में बना एक छोटा सा दरवाज़ा था, त्रासदी वाली जगह से

बस कुछ ही गज की दूरी पर। जैसे ही हम वहाँ पहुँचे, मैं चिल्लाई। वहाँ, दहलीज से ठीक पहले, चमकता हुआ हार पड़ा था, जो जाहिर तौर पर चोर ने भागते समय घबराहट में गिरा दिया था। मैं खुशी से उस पर झपटी। फिर मैंने एक और चीख मारी, जिसे लॉर्ड यार्डली ने भी दोहराया। क्योंकि हार के बीचोंबीच एक बड़ा सा छेद था। पूरब का तारा गायब था!
"बस, बात यहीं खत्म होती है," मैंने गहरी सांस लेते हुए कहा। "ये कोई साधारण चोर नहीं थे। इन्हें बस यही एक पत्थर चाहिए था।"
"लेकिन वो आदमी अंदर कैसे घुस गया?"
"इस दरवाजे से होकर।"
"लेकिन यह हमेशा बंद रहता है।"
मैंने सिर हिलाया। "अब यह बंद नहीं है। देखो।" बोलते-बोलते मैंने उसे खोल दिया। ऐसा करते ही कुछ ज़मीन पर गिर पड़ा। मैंने उसे उठा लिया। वह रेशम का एक टुकड़ा था, और उस पर की गई कढ़ाई साफ पहचानी जा सकती थी। वह किसी चीनी व्यक्ति के वस्त्र से लिया गया था।
मैंने समझाया, "जल्दी में वह दरवाज़े में फंस गया। चलो, जल्दी करो। वह अभी तक ज़्यादा दूर नहीं गया होगा।" लेकिन हमारी खोज व्यर्थ रही। रात के घोर अंधेरे में चोर को भागने का आसान रास्ता मिल गया था। हम अनिच्छा से वापस लौटे, और लॉर्ड यार्डली ने तुरंत एक नौकर को पुलिस को बुलाने के लिए भेज दिया। लेडी यार्डली, जिनकी पोइरोट ने, जो इन मामलों में किसी महिला की तरह कुशल हैं, बखूबी देखभाल की, इतनी ठीक हो गई थीं कि अपनी कहानी सुना सकें। "मैं दूसरी बत्ती जलाने ही वाली थी," उसने कहा, "तभी एक आदमी पीछे से मुझ पर झपटा। उसने इतनी ज़ोर से मेरे गले से मेरा हार छीन लिया कि मैं ज़मीन पर सिर के बल गिर पड़ी। गिरते ही मैंने उसे बगल वाले दरवाज़े से गायब होते देखा। फिर मैंने उसकी चोटी और कढ़ाईदार चोगे से पहचान लिया कि वह एक चीनी था।"
वह सिहरते हुए रुक गई।
बटलर फिर से प्रकट हुआ। उसने लॉर्ड यार्डली से धीमी आवाज में बात की। "श्री हॉफबर्ग के यहाँ से एक सज्जन व्यक्ति आ रहे हैं, महोदय। उनका कहना है कि आप उनसे मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।"
"हे भगवान!" विचलित रईस चिल्लाया। "मुझे लगता है कि मुझे उससे मिलना ही होगा। नहीं, यहाँ नहीं, मुलिंग्स, पुस्तकालय में।"

मैंने पोइरोट को एक तरफ बुलाया।
"देखो मेरे प्यारे दोस्त, क्या हमें लंदन वापस नहीं जाना चाहिए?"
"क्या तुम्हें ऐसा लगता है, हेस्टिंग्स? क्यों?"
"अच्छा-" मैंने धीरे से खांसते हुए कहा- "चीजें ठीक नहीं रहीं, है ना? मेरा मतलब है, आप लॉर्ड यार्डली को अपने हाथों में सौंपने के लिए कहते हैं और कहते हैं कि सब ठीक हो जाएगा - और फिर हीरा आपकी नाक के नीचे से गायब हो जाता है!"
"सच है," पोइरोट ने कुछ निराश होकर कहा। "यह मेरी सबसे शानदार सफलताओं में से एक नहीं थी।" घटनाओं का यह वर्णन सुनकर मुझे लगभग हंसी आ गई, लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहा।
"तो, आपने - माफ कीजिएगा इस शब्द के लिए - सब कुछ गड़बड़ कर दिया है, तो क्या आपको नहीं लगता कि तुरंत चले जाना अधिक उचित होगा?"
"और वह रात्रिभोज, निसंदेह उत्कृष्ट रात्रिभोज, जो लॉर्ड यार्डली के शेफ ने तैयार किया है?"
"ओह, रात के खाने में क्या है!" मैंने बेसब्री से कहा।
पोइरोट ने भय से अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
"हे भगवान! इस देश में आप खान-पान के मामलों को आपराधिक उदासीनता से देखते हैं।"
मैंने आगे कहा, "लंदन वापस लौटने का एक और कारण है।"
"यह क्या है, मेरे दोस्त?"
मैंने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, "दूसरा हीरा। मिस मार्वेल का।"
"ठीक है, इसमें क्या है?"
"क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा?" उसकी असामान्य अज्ञानता ने मुझे चिढ़ा दिया। उसकी हमेशा की तेज बुद्धि को क्या हो गया था? "एक को तो उन्होंने पकड़ लिया, अब दूसरे पर टूट पड़ेंगे।"
"अरे वाह!" पोइरोट ने एक कदम पीछे हटते हुए और मेरी ओर प्रशंसा भरी निगाहों से देखते हुए कहा। "लेकिन तुम्हारा दिमाग तो कमाल का है, दोस्त! सोचो, मुझे तो इस पल का ख्याल ही नहीं आया था! लेकिन अभी बहुत समय है। पूर्णिमा तो शुक्रवार को है।" मैंने संदेह से सिर हिलाया। पूर्णिमा वाली बात मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आई। फिर भी, मैंने पोइरोट को मना लिया और हम तुरंत वहाँ से चले गए, लॉर्ड यार्डली के लिए एक स्पष्टीकरण और माफीनामा छोड़कर।

मेरा इरादा था कि मैं तुरंत मैग्निफिसेंट होटल जाऊं और मिस मार्वेल को सारी घटना बताऊं, लेकिन पोइरोट ने इस योजना को नामंजूर कर दिया और जोर देकर कहा कि सुबह का समय काफी होगा। मैंने अनिच्छा से उनकी बात मान ली।
सुबह पोइरोट अजीब तरह से बाहर निकलने के लिए अनिच्छुक लग रहे थे। मुझे शक होने लगा कि शुरुआत में ही गलती कर बैठने के कारण वे इस मामले को आगे बढ़ाने से बेहद कतरा रहे थे। मेरे समझाने पर उन्होंने बड़ी समझदारी से बताया कि यार्डली चेज़ की घटना का ब्यौरा सुबह के अखबारों में छप चुका है, इसलिए रॉल्फ परिवार को उतनी ही जानकारी होगी जितनी हम उन्हें बता सकते हैं। मैंने अनिच्छा से उनकी बात मान ली।
घटनाओं ने मेरी आशंकाओं को सही साबित कर दिया। लगभग दो बजे, टेलीफोन की घंटी बजी। पोइरोट ने फोन उठाया। उन्होंने कुछ क्षण सुना, फिर संक्षेप में "बिएन, जे वाई सेराई" कहकर फोन रख दिया और मेरी ओर मुड़ गए।
"क्या सोचते हो, मेरे दोस्त?" वह आधा शर्मिंदा और आधा उत्साहित लग रहा था। "मिस मार्वेल का हीरा चोरी हो गया है।"
"क्या?" मैं उछलकर चिल्लाई। "और अब 'पूर्णिमा' का क्या हुआ?" पोइरोट ने अपना सिर झुका लिया।
"कब की बात है ये?"
"आज सुबह, मुझे समझ आ गया।"
मैंने उदास होकर सिर हिलाया। "काश तुमने मेरी बात सुन ली होती। देखो, मैं सही थी।"
"ऐसा ही प्रतीत होता है, मेरे मित्र," पोइरोट ने सावधानी से कहा। "कहते हैं कि दिखावटें भ्रामक होती हैं, लेकिन ऐसा ही प्रतीत होता है।"
जब हम टैक्सी में बैठकर मैग्निफिसेंट की ओर तेजी से जा रहे थे, तब मुझे इस योजना की असली आंतरिकता समझ में आने लगी।
"वह 'पूर्णिमा' वाला विचार चतुराई भरा था। इसका पूरा मकसद हमें शुक्रवार पर ध्यान केंद्रित करवाना था, ताकि हम पहले से ही लापरवाह हो जाएं। यह खेदजनक है कि आप यह बात नहीं समझ पाए।"
"मा फोई!" पोइरोट ने बेपरवाही से कहा, उनकी थोड़ी देर की खामोशी के बाद उनकी बेफिक्री फिर से लौट आई थी। "हर चीज़ के बारे में सोचना मुमकिन नहीं है!"
मुझे उस पर तरस आया। उसे किसी भी तरह की असफलता से सख्त नफरत थी।

मैंने दिलासा देते हुए कहा, "हिम्मत रखो। अगली बार किस्मत अच्छी हो।" मैग्निफिसेंट होटल पहुँचते ही हमें तुरंत मैनेजर के दफ्तर में ले जाया गया। वहाँ ग्रेगरी रॉल्फ स्कॉटलैंड यार्ड के दो आदमियों के साथ मौजूद थे। उनके सामने एक पीला-सा क्लर्क बैठा था।
हमारे अंदर प्रवेश करते ही रॉल्फ ने सिर हिलाकर सहमति दी।
उन्होंने कहा, "हम मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह लगभग अविश्वसनीय है। उस आदमी में इतनी हिम्मत कैसे आई, यह मेरी समझ से परे है।"
कुछ ही मिनटों में हमें सारी बातें पता चल गईं। श्री रॉल्फ 11:15 बजे होटल से बाहर गए थे। 11:30 बजे, एक सज्जन, जो दिखने में बिल्कुल उनके जैसे थे, होटल में दाखिल हुए और तिजोरी से गहनों का डिब्बा मांगा। उन्होंने रसीद पर विधिवत हस्ताक्षर किए और ऐसा करते हुए लापरवाही से कहा:
“मेरी आम वाली से थोड़ी अलग दिखती है, लेकिन टैक्सी से उतरते समय मेरे हाथ में चोट लग गई।” क्लर्क ने बस मुस्कुराकर कहा कि उसे तो कोई खास फर्क नहीं दिख रहा। रॉल्फ हँसते हुए बोला, “खैर, इस बार मुझे बदमाश समझकर मत पकड़ लेना। मुझे एक चीनी आदमी से धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं, और सबसे बुरी बात ये है कि मैं खुद भी कुछ-कुछ चीनी जैसा दिखता हूँ - मेरी आँखों में कुछ तो फर्क है।”
"मैंने उसे देखा," हमें यह बता रहे क्लर्क ने कहा, "और मुझे तुरंत समझ आ गया कि उसका क्या मतलब था। उसकी आंखें कोनों से ऊपर की ओर उठी हुई थीं, जैसे किसी पूर्वी सभ्यता के लोगों की होती हैं। मैंने पहले कभी इस पर ध्यान नहीं दिया था।"
“अरे यार!!” ग्रेगरी रॉल्फ आगे झुकते हुए दहाड़ा। “अब तुम्हें समझ आया?” वह आदमी ऊपर उसकी ओर देखने लगा और चौंक गया।
"नहीं, महोदय," उन्होंने कहा। "मैं ऐसा नहीं कह सकता।" और वास्तव में, हमारी आँखों में झाँकती उनकी स्पष्ट भूरी आँखों में दूर-दूर तक कोई प्राच्य भाव नहीं था।
स्कॉटलैंड यार्ड के आदमी ने धीमी आवाज़ में कहा, "बड़ा दिलेर आदमी है। सोचा होगा कि आँखें नज़र आ जाएँगी, इसलिए शक को दूर करने के लिए उसने सीधे हमला बोल दिया। उसने होटल से निकलते समय आपका पीछा किया होगा, महोदय, और जैसे ही आप दूर चले गए, वह अंदर घुस गया।"

मैंने पूछा, "ज्वेल-केस का क्या हुआ?"
"यह होटल के गलियारे में मिला था। केवल एक ही चीज़ गायब थी - 'वेस्टर्न स्टार'।" हम एक-दूसरे को घूरते रहे - यह सब कुछ इतना विचित्र, इतना अवास्तविक था।
पोइरोट फुर्ती से उठ खड़ा हुआ। "मुझे डर है कि मैं कुछ खास काम नहीं कर पाया," उसने खेद से कहा। "क्या मुझे मैडम से मिलने की अनुमति है?"
"मुझे लगता है कि वह सदमे से चूर-चूर हो गई है," रॉल्फ ने समझाया।
"तो शायद मुझे आपसे कुछ देर अकेले में बात करने का मौका मिल जाए, महोदय?" "निश्चित रूप से।"
लगभग पांच मिनट बाद पोइरोट दोबारा प्रकट हुए।
"अब, मेरे दोस्त," उसने खुशी से कहा। "डाकघर चलते हैं। मुझे एक टेलीग्राम भेजना है।"
"कौन?"
"लॉर्ड यार्डली।" उन्होंने मेरी बांह में अपना हाथ डालकर आगे की पूछताछ को टाल दिया। "आओ, आओ, मेरे दोस्त। मैं जानता हूँ कि इस दुखद मामले में तुम कैसा महसूस कर रहे हो। मैंने कोई खास काम नहीं किया! तुम मेरी जगह होते तो शायद कर दिखाते! ठीक है! सब ठीक है। चलो इसे भूलकर दोपहर का भोजन करते हैं।" लगभग चार बजे हम पोइरोट के कमरे में दाखिल हुए। खिड़की के पास रखी कुर्सी से एक आकृति उठी। वह लॉर्ड यार्डली थे। वे थके हुए और परेशान दिख रहे थे।
"मुझे तुम्हारा तार मिल गया और मैं तुरंत आ गया। देखो, मैं हॉफबर्ग गया था, और उन्हें कल रात के उस आदमी के बारे में या तार के बारे में कुछ भी पता नहीं है। क्या तुम्हें लगता है कि-" पोइरोट ने अपना हाथ ऊपर उठाया।
"माफ़ कीजिए! मैंने ही वह तार भेजा था और उस सज्जन को काम पर रखा था।"
"तुम - लेकिन क्यों? क्या?" रईस ने बेबसी से कहा।
"मेरा छोटा सा विचार था कि मामले को चरम सीमा तक ले जाया जाए," पोइरोट ने शांत भाव से समझाया।
"मामले को चरम पर ले जाओ! हे भगवान!" लॉर्ड यार्डली चिल्लाए।
“और यह चाल कामयाब रही,” पोइरोट ने प्रसन्नता से कहा। “इसलिए, महाराज, मुझे आपको यह लौटाते हुए बहुत खुशी हो रही है!” नाटकीय अंदाज़ में उन्होंने एक चमकती हुई वस्तु निकाली। यह एक बड़ा हीरा था।

"पूर्व का तारा," लॉर्ड यार्डली ने हांफते हुए कहा। "लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा -"
"नहीं?" पोइरोट ने कहा। "कोई बात नहीं। यकीन मानिए, हीरे का चोरी होना ज़रूरी था। मैंने आपसे वादा किया था कि मैं इसे आपके पास सुरक्षित रखूंगा, और मैंने अपना वादा निभाया है। आपको मुझे अपना यह छोटा सा राज़ रखने की इजाज़त देनी होगी। आपसे निवेदन है कि लेडी यार्डली को मेरा हार्दिक सम्मान व्यक्त कीजिए और उन्हें बताइए कि मैं उनका गहना उन्हें लौटाकर कितना प्रसन्न हूं। कितना सुखद समय है, है ना?"
शुभ दिन, महोदय।
मुस्कुराते और बातें करते हुए, उस अद्भुत छोटे आदमी ने अचंभित रईस को दरवाजे तक पहुंचाया। वह धीरे से अपने हाथों को मलते हुए वापस लौटा। मैंने कहा, "पोइरोट, क्या मैं पूरी तरह से पागल हो गया हूँ?"
"नहीं, मेरे दोस्त, लेकिन तुम हमेशा की तरह मानसिक उलझन में हो।"
"आपको हीरा कैसे मिला?"
"श्री रॉल्फ की ओर से।"
"रोल्फ़?"
"हाँ बिल्कुल! चेतावनी भरे पत्र, वो चीनी आदमी, सोसाइटी गॉसिप में छपा लेख, सब कुछ श्री रॉल्फ के विलक्षण दिमाग की उपज थी! वो दो हीरे, जो चमत्कारिक रूप से एक जैसे माने जाते थे - छी! उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। मेरे दोस्त, सिर्फ़ एक ही हीरा था! मूल रूप से यार्डली संग्रह में था, तीन साल से श्री रॉल्फ के पास था। उन्होंने आज सुबह अपनी दोनों आँखों के कोनों पर थोड़ा सा ग्रीस पेंट लगाकर उसे चुरा लिया! आह, मुझे उन्हें फिल्म में देखना ही होगा, वो सचमुच एक कलाकार हैं!"
"लेकिन उसने अपना ही हीरा क्यों चुराया?" मैंने हैरानी से पूछा।
"कई कारणों से। सबसे पहले तो, लेडी यार्डली बेचैन हो रही थीं।"
"लेडी यार्डली?"
आप समझ सकते हैं कि कैलिफ़ोर्निया में वह काफी अकेली रह गई थीं। उनके पति कहीं और मौज-मस्ती कर रहे थे। मिस्टर रॉल्फ आकर्षक थे, उनमें एक रोमांटिक आभा थी। लेकिन असल में, वह बहुत ही व्यावसायिक व्यक्ति थे, महोदय! उन्होंने लेडी यार्डली के साथ प्रेम संबंध बनाए और फिर उन्हें ब्लैकमेल किया। मैंने पिछली रात लेडी से सच्चाई पूछी और उन्होंने स्वीकार किया।

उन्होंने कसम खाई कि वह केवल नासमझ थीं, और मैं उनकी बात पर विश्वास करता हूँ। लेकिन, निस्संदेह, रॉल्फ के पास उनके कुछ पत्र थे जिन्हें तोड़- मरोड़कर अलग अर्थ निकाला जा सकता था। तलाक के खतरे और अपने बच्चों से अलग होने की आशंका से भयभीत होकर, उन्होंने रॉल्फ की हर बात मान ली। उनके पास अपना कोई पैसा नहीं था, और उन्हें मजबूरन असली पत्थर की जगह नकली हीरा लगाने की अनुमति देनी पड़ी। 'द वेस्टर्न स्टार' के प्रकट होने की तारीख का संयोग मुझे तुरंत चौंका गया। सब कुछ ठीक चल रहा था। लॉर्ड यार्डली बसने की तैयारी कर रहे थे। और फिर हीरे की संभावित बिक्री का खतरा सामने आया। नकली हीरे का पता चल जाएगा। निस्संदेह, उन्होंने अपनी संपत्ति को रद्द कर दिया। वह घबराकर ग्रेगरी रॉल्फ से संपर्क करती है, जो अभी-अभी इंग्लैंड पहुंचा है। वह उसे सब कुछ व्यवस्थित करने का वादा करके शांत करता है और दोहरी डकैती की तैयारी करता है। इस तरह वह महिला को शांत कर देगा, जो संभवतः अपने पति को सब कुछ बता देगी, एक ऐसा मामला जो हमारे ब्लैकमेलर को बिल्कुल भी पसंद नहीं आएगा, उसे 50,000 पाउंड बीमा राशि मिल जाएगी (अहा, आप यह भूल गए थे!), और उसके पास हीरा भी रहेगा! यहीं पर मैं भी इस मामले में दखल देता हूँ। एक हीरा विशेषज्ञ के आने की घोषणा की जाती है। लेडी यार्डली, जैसा कि मुझे पूरा यकीन था, तुरंत एक डकैती की योजना बनाती है - और इसे बहुत अच्छे से अंजाम भी देती है! लेकिन हरक्यूल पोइरोट, वह केवल तथ्यों को देखता है। असल में क्या होता है? महिला लाइट बंद कर देती है, दरवाजा जोर से बंद कर देती है, हार को गलियारे में फेंक देती है और चीखने लगती है। उसने पहले ही ऊपर प्लास से हीरा निकाल लिया था।
"लेकिन हमने उसके गले में हार देखा था!" मैंने आपत्ति जताई।
"माफ़ करना, मेरे दोस्त। उसके हाथ ने उस हिस्से को छुपा रखा था जहाँ दरार दिख सकती थी। पहले से ही दरवाजे में रेशम का टुकड़ा रखना तो बच्चों का खेल है! बेशक, जैसे ही रॉल्फ को चोरी के बारे में पता चला, उसने अपनी छोटी-सी कॉमेडी रच दी। और उसने इसे बहुत अच्छे से निभाया!"
मैंने उत्सुकता से पूछा, "तुमने उससे क्या कहा?"
मैंने उससे कहा कि लेडी यार्डली ने अपने पति को सब कुछ बता दिया है, कि मुझे गहना बरामद करने का अधिकार है, और अगर इसे तुरंत नहीं सौंपा गया तो कानूनी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही मैंने कुछ और छोटे-मोटे झूठ भी बोले जो मेरे दिमाग में आए। वह मेरे हाथों की कठपुतली बन गया!

मैंने इस मामले पर विचार किया।
"यह मैरी मार्वेल के साथ थोड़ा अन्यायपूर्ण लगता है। उसने अपनी गलती के बिना ही अपना हीरा खो दिया है।"
"छी!" पोइरोट ने बेरहमी से कहा। "उसके पास एक शानदार विज्ञापन है। उसे बस उसी की परवाह है!"
अब दूसरी वाली की बात करें तो वो अलग है। एक अच्छी मां, एकदम नारीत्व से भरपूर!
"हाँ," मैंने संशय से कहा, मैं नारीत्व के बारे में पोइरोट के विचारों से बिल्कुल सहमत नहीं थी। "मुझे लगता है कि रॉल्फ ने ही उसे नकली पत्र भेजे थे।"
"बिल्कुल नहीं," पोइरोट ने फुर्ती से कहा। "वह मैरी कैवेंडिश की सलाह पर अपनी दुविधा में मेरी मदद मांगने आई थी। फिर उसे पता चला कि मैरी मार्वेल, जिसे वह अपनी दुश्मन मानती थी, यहाँ आई थी, और उसने अपना इरादा बदल लिया, और आपके द्वारा दिए गए बहाने का फायदा उठा लिया। कुछ ही सवालों से मुझे पता चल गया कि पत्रों के बारे में आपने उसे बताया था, न कि उसने आपको! उसने आपके शब्दों से मिले मौके का फायदा उठा लिया।"
"मुझे विश्वास नहीं हो रहा," मैं आहत होकर रो पड़ी।
जी हां, मेरे दोस्त, ये तो अफ़सोस की बात है कि तुम मनोविज्ञान नहीं पढ़ते। उसने तुम्हें बताया कि चिट्ठियाँ नष्ट हो गईं? अरे वाह, अगर मुमकिन हो तो कोई औरत कभी चिट्ठी नष्ट नहीं करती! चाहे ऐसा करना ज़्यादा समझदारी भरा ही क्यों न हो!
मैंने गुस्से से भरते हुए कहा, "सब ठीक है, लेकिन तुमने मुझे पूरी तरह से मूर्ख बना दिया! शुरू से अंत तक! नहीं, बाद में सफाई देने की कोशिश करना ठीक है। लेकिन हर चीज़ की एक सीमा होती है!"
"लेकिन तुम तो खूब मजे कर रहे थे, मेरे दोस्त। मेरा दिल नहीं चाहा कि मैं तुम्हारे भ्रम को तोड़ दूं।"
"यह ठीक नहीं है। इस बार तुमने हद से ज्यादा कर दिया है।"
"हे भगवान! मेरे दोस्त, तुम बेवजह इतना गुस्सा क्यों करते हो!"
"मैं तंग आ गया हूँ!" मैं दरवाजा पटकते हुए बाहर निकल गया। पोइरोट ने मेरा जमकर मजाक उड़ाया था। मैंने तय किया कि उसे सबक सिखाने की जरूरत है। मैं

उसे माफ करने से पहले कुछ समय इंतजार करूंगा। उसने मुझे खुद को पूरी तरह से मूर्ख साबित करने के लिए उकसाया था!

मार्सडन मनोर में हुई त्रासदी

मुझे कुछ दिनों के लिए शहर से बाहर जाना पड़ा था, और लौटने पर मैंने पोइरोट को अपना छोटा सूटकेस बांधते हुए पाया।
"अलविदा, हेस्टिंग्स। मुझे डर था कि तुम मेरे साथ आने के लिए समय पर वापस नहीं आ पाओगे।"
तो आपको किसी मामले के सिलसिले में बुलाया गया है?
"जी हां, हालांकि मुझे यह स्वीकार करना होगा कि पहली नजर में यह मामला आशाजनक नहीं लगता। नॉर्दर्न यूनियन इंश्योरेंस कंपनी ने मुझसे श्री माल्ट्रावर्स की मौत की जांच करने को कहा है, जिन्होंने कुछ सप्ताह पहले ही उनके साथ पचास हजार पाउंड की बड़ी रकम का जीवन बीमा कराया था।"
"जी?" मैंने बड़ी उत्सुकता से कहा।
पॉलिसी में आत्महत्या से संबंधित सामान्य प्रावधान तो था ही। एक वर्ष के भीतर आत्महत्या करने की स्थिति में प्रीमियम जब्त कर लिया जाता। श्री माल्ट्रावर्स की कंपनी के अपने डॉक्टर ने विधिवत जांच की थी, और हालांकि वे उम्रदराज थे, फिर भी उन्हें पूरी तरह स्वस्थ घोषित किया गया था। हालांकि, पिछले बुधवार को - परसों - श्री माल्ट्रावर्स का शव एसेक्स स्थित उनके घर, मार्सडन मैनर के परिसर में मिला, और उनकी मृत्यु का कारण आंतरिक रक्तस्राव बताया जा रहा है। यह अपने आप में कोई असाधारण बात नहीं होती, लेकिन हाल ही में श्री माल्ट्रावर्स की आर्थिक स्थिति को लेकर कुछ संदिग्ध अफवाहें फैली हुई थीं, और नॉर्दर्न यूनियन ने बिना किसी संदेह के यह पुष्टि कर ली है कि मृतक दिवालिया होने की कगार पर थे। अब इससे मामला काफी बदल जाता है। माल्ट्रावर्स की एक खूबसूरत युवा पत्नी थी, और ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने अपनी पत्नी के लाभ के लिए जीवन बीमा के प्रीमियम का भुगतान करने के लिए जितना भी पैसा इकट्ठा कर सकते थे, इकट्ठा किया और फिर आत्महत्या कर ली। ऐसी घटनाएँ असामान्य नहीं हैं। खैर, मेरे मित्र अल्फ्रेड राइट, जो नॉर्दर्न यूनियन के निदेशक हैं, ने मुझसे इस मामले की जांच करने को कहा है, लेकिन जैसा कि मैंने उन्हें बताया, मुझे सफलता की

बहुत उम्मीद नहीं है। अगर मौत का कारण दिल का दौरा होता, तो मैं अधिक आशावादी होता। दिल का दौरा पड़ने को अक्सर स्थानीय डॉक्टर की इस असमर्थता के रूप में देखा जाता है कि वह पता नहीं लगा पा रहे हैं कि उनके मरीज की वास्तव में मृत्यु किस कारण हुई, लेकिन रक्तस्राव काफी हद तक निश्चित कारण लगता है। फिर भी, हम कुछ आवश्यक पूछताछ ही कर सकते हैं। हेस्टिंग्स, अपना बैग पैक करने के लिए पाँच मिनट का समय है, और हम लिवरपूल स्ट्रीट के लिए टैक्सी लेंगे। लगभग एक घंटे बाद, हम मार्सडन ली के छोटे से स्टेशन पर ग्रेट ईस्टर्न ट्रेन से उतरे। स्टेशन पर पूछताछ करने पर पता चला कि मार्सडन मनोर लगभग एक मील दूर है। पोइरोट ने पैदल चलने का फैसला किया, और हम मुख्य सड़क पर चल पड़े।
मैंने पूछा, "हमारी चुनाव प्रचार योजना क्या है?"
"पहले मैं डॉक्टर से मिलने जाऊँगा। मैंने पता लगाया है कि मार्सडन ली में केवल एक ही डॉक्टर हैं, डॉ. राल्फ बर्नार्ड। आह, हम उनके घर पर आ गए हैं।" जिस घर की बात हो रही थी, वह एक आलीशान कॉटेज जैसा था, जो सड़क से थोड़ा पीछे हटकर बना था। गेट पर लगी पीतल की प्लेट पर डॉक्टर का नाम लिखा था। हम पगडंडी से ऊपर गए और घंटी बजाई। हमारा प्रयास कारगर साबित हुआ। डॉक्टर के परामर्श का समय था और उस समय कोई मरीज उनका इंतजार नहीं कर रहा था। डॉ. बर्नार्ड एक बुजुर्ग व्यक्ति थे, ऊंचे कंधों वाले और झुके हुए, जिनका व्यवहार सुखद और सहज था।
पोइरोट ने अपना परिचय दिया और हमारी यात्रा का उद्देश्य बताया, साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के मामले में बीमा कंपनियों का दायित्व है कि वे पूरी तरह से जांच करें।
"बिल्कुल, बिल्कुल," डॉ. बर्नार्ड ने अस्पष्ट स्वर में कहा। "मुझे लगता है, चूंकि वह इतना धनी व्यक्ति था, इसलिए उसकी जीवन बीमा राशि काफी अधिक होगी?"
"क्या आप उन्हें अमीर आदमी मानते हैं, डॉक्टर?"
डॉक्टर काफी हैरान दिखे।
"क्या वह नहीं था? उसके पास दो कारें थीं, और मार्सडन मैनर एक काफी बड़ी जगह है जिसकी देखभाल करना आसान नहीं है, हालांकि मुझे लगता है कि उसने इसे बहुत सस्ते में खरीदा था।"

"मुझे पता चला है कि हाल ही में उन्हें काफी नुकसान हुआ है," पोइरोट ने डॉक्टर को ध्यान से देखते हुए कहा।
लेकिन दूसरे ने केवल दुख से अपना सिर हिलाया।
"क्या सच में? जी हाँ। उनकी पत्नी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि उनके पास जीवन बीमा है। वह बहुत ही सुंदर और आकर्षक युवती हैं, लेकिन इस दुखद घटना से बुरी तरह टूट गई हैं। बेचारी बहुत घबराई हुई हैं। मैंने उन्हें हर संभव तरीके से बचाने की कोशिश की है, लेकिन जाहिर है कि उन्हें गहरा सदमा लगना ही था।"
"क्या आप हाल ही में मिस्टर माल्ट्रावर्स के यहाँ जा रहे थे?"
"मेरे प्रिय महोदय, मैंने कभी उनकी सेवा नहीं की।"
"क्या?"
"मुझे पता चला है कि श्री माल्ट्रावर्स एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट थे - या कुछ इसी तरह के।"
"लेकिन आपने शव की जांच की?"
"बिल्कुल। मुझे एक माली लेने आया था।"
"और मृत्यु का कारण स्पष्ट था?"
"बिल्कुल। होठों पर खून था, लेकिन अधिकांश रक्तस्राव आंतरिक ही रहा होगा।" "क्या वह अभी भी उसी स्थान पर पड़ा था जहां वह मिला था?"
"हाँ, शव को छुआ नहीं गया था। वह एक छोटे से बागान के किनारे पड़ा था। जाहिर तौर पर वह कौवों का शिकार करने गया था, उसके पास एक छोटी सी कौवे की राइफल पड़ी थी। रक्तस्राव अचानक हुआ होगा। निस्संदेह, गैस्ट्रिक अल्सर ही था।" "उसके गोली लगने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता, है ना?"
"मेरे प्रिय सर!"
"मैं क्षमा चाहता हूँ," पोइरोट ने विनम्रतापूर्वक कहा। "लेकिन, अगर मेरी याददाश्त सही है, तो हाल ही में हुई एक हत्या के मामले में, डॉक्टर ने पहले दिल का दौरा पड़ने का फैसला सुनाया था - लेकिन जब स्थानीय कांस्टेबल ने बताया कि सिर में गोली का घाव था, तो उन्होंने अपना फैसला बदल दिया!"
डॉ. बर्नार्ड ने रूखेपन से कहा, "श्री माल्ट्रावर्स के शरीर पर आपको गोली के कोई निशान नहीं मिलेंगे। अब, सज्जनों, अगर इसके अलावा और कुछ नहीं है तो-"
हमें इशारा समझ आ गया।

"शुभ प्रभात, और हमारे सवालों का इतनी कृपापूर्वक जवाब देने के लिए डॉक्टर साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। वैसे, आपको शव परीक्षण की कोई आवश्यकता नहीं लगी?"
"बिल्कुल नहीं।" डॉक्टर भड़क उठे। "मृत्यु का कारण स्पष्ट था, और हमारे पेशे में हम किसी मृत रोगी के परिजनों को अनावश्यक रूप से परेशान करने की कोई आवश्यकता नहीं समझते।" और मुड़कर, डॉक्टर ने हमारे मुंह पर दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया।
"और डॉ. बर्नार्ड के बारे में आपका क्या विचार है, हेस्टिंग्स?" पोइरोट ने पूछा, जब हम मनोर की ओर आगे बढ़ रहे थे।
"काफी बूढ़ा गधा है।"
"बिल्कुल सही। आपके चरित्र-निर्णय हमेशा गहन होते हैं, मेरे मित्र।" मैंने बेचैनी से उनकी ओर देखा, लेकिन वे पूरी तरह गंभीर लग रहे थे। हालांकि, उनकी आंखों में एक चमक आ गई और उन्होंने शरारती अंदाज़ में कहा:
"यानी, जब खूबसूरत औरत का कोई सवाल ही न हो!" मैंने उसे ठंडे लहजे में देखा। मैनरहाउस पहुँचने पर, एक अधेड़ उम्र की नौकरानी ने हमारे लिए दरवाज़ा खोला। पोइरोट ने उसे अपना कार्ड और श्रीमती माल्ट्रावर्स के लिए बीमा कंपनी का एक पत्र दिया। उसने हमें एक छोटे से कमरे में ले जाकर अपनी मालकिन को बताने के लिए अंदर चली गई। लगभग दस मिनट बीतने के बाद, दरवाज़ा खुला और विधवा के वस्त्रों में लिपटी एक दुबली-पतली महिला दहलीज पर खड़ी थी। "महाशय पोइरोट?" वह हिचकिचाई।
"महोदया!" पोइरोट फुर्ती से खड़े हुए और उनकी ओर बढ़े। "मैं आपको इस तरह परेशान करने के लिए कितना खेद व्यक्त कर रहा हूँ, यह मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। लेकिन आप क्या चाहती हैं? प्रेम-प्रसंगों में कोई दया नहीं होती।" श्रीमती माल्ट्रावर्स ने उन्हें कुर्सी तक ले जाने की अनुमति दी। उनकी आँखें रोने से लाल थीं, लेकिन इस क्षणिक विकृति से उनकी असाधारण सुंदरता छिप नहीं सकती थी। वह लगभग सत्ताईस या अट्ठाईस वर्ष की थीं, बेहद गोरी, बड़ी नीली आँखों वाली और सुंदर होंठों वाली थीं।
"क्या यह मेरे पति के बीमा से संबंधित कोई मामला है? लेकिन क्या मुझे अभी, इतनी जल्दी, इसकी चिंता करनी चाहिए?"
"हिम्मत रखिए, मेरी प्रिय महोदया। हिम्मत रखिए! देखिए, आपके दिवंगत पति ने काफी बड़ी रकम का जीवन बीमा कराया था, और ऐसे मामलों में कंपनी को कुछ

विवरणों की पुष्टि करनी ही पड़ती है। उन्होंने मुझे उनकी ओर से कार्य करने का अधिकार दिया है। आप निश्चिंत रहिए कि मैं इस मामले को आपके लिए ज्यादा अप्रिय न बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा। क्या आप मुझे बुधवार की दुखद घटनाओं का संक्षेप में वर्णन करेंगी?"
"मैं चाय के लिए कपड़े बदल रही थी तभी मेरी नौकरानी आई - एक माली अभी-अभी घर की ओर भागा था। उसने पाया था -"
उसकी आवाज धीमी पड़ गई। पोइरोट ने सहानुभूतिपूर्वक उसका हाथ दबाया।
"मैं समझ गई। बस! आपने दोपहर में अपने पति को देखा था?"
"दोपहर के भोजन के बाद से नहीं। मैं कुछ टिकट खरीदने के लिए गांव गया था, और मुझे लगता है कि वह आसपास के मैदानों में टहल रहा था।"
"कौवों का शिकार कर रहे हो, है ना?"
"हां, वह आमतौर पर अपनी छोटी सी राइफल अपने साथ ले जाता था, और मैंने दूर से एक या दो गोलियों की आवाज सुनी।"
"यह छोटी सी राइफल अब कहाँ है?"
"मुझे लगता है, हॉल में।"
वह कमरे से बाहर निकलने के लिए आगे-आगे चली और उसने वह छोटा हथियार ढूंढकर पोइरोट को सौंप दिया, जिसने सरसरी तौर पर उसकी जांच की।
"मुझे लगता है दो गोलियां चली हैं," उसने वापस देते हुए कहा। "और अब, महोदया, अगर मैं कुछ देख सकूँ तो-" वह थोड़ी देर रुका।
“नौकरानी आपको ले जाएगी,” उसने सिर झुकाते हुए धीरे से कहा। बुलाई गई नौकरानी पोइरोट को ऊपर ले गई। मैं उस प्यारी और दुर्भाग्यशाली महिला के साथ ही रहा। यह तय करना मुश्किल था कि बोलूं या चुप रहूं। मैंने कुछ सामान्य विचार व्यक्त करने की कोशिश की, जिन पर उसने बेमन से प्रतिक्रिया दी, और कुछ ही मिनटों में पोइरोट हमारे पास लौट आए।
"आपकी शिष्टाचार के लिए धन्यवाद, महोदया। मुझे नहीं लगता कि आपको इस मामले में और परेशान होने की ज़रूरत है। वैसे, क्या आपको अपने पति की आर्थिक स्थिति के बारे में कुछ पता है?" उन्होंने सिर हिलाया।
"कुछ भी नहीं। व्यापार संबंधी मामलों में मैं बहुत नासमझ हूँ।"
"मैं समझ गया। तो फिर आप हमें यह भी नहीं बता सकते कि उसने अचानक अपनी जान का बीमा क्यों करवाया? मुझे पता है कि उसने पहले ऐसा नहीं किया था।"

"हमारी शादी को अभी एक साल से थोड़ा ही ज़्यादा हुआ था। लेकिन, उन्होंने अपनी जान का बीमा क्यों करवाया था, इसका कारण यह था कि उन्होंने पूरी तरह से मन बना लिया था कि वे ज़्यादा दिन जीवित नहीं रहेंगे। उन्हें अपनी मृत्यु का प्रबल पूर्वाभास हो गया था। मुझे पता चला है कि उन्हें पहले ही एक बार रक्तस्राव हो चुका था, और वे जानते थे कि दूसरा रक्तस्राव जानलेवा साबित होगा। मैंने उनके इन निराशाजनक डर को दूर करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अफसोस, उनका डर बिल्कुल सही था!"
आँखों में आँसू लिए उसने हमें गरिमापूर्ण विदाई दी। पोइरोट ने हमारे साथ सड़क पर चलते हुए अपना विशिष्ट हावभाव दिखाया।
"अरे ठीक है, बात यहीं खत्म! लंदन वापस चलते हैं, मेरे दोस्त, इस चूहे के बिल में कोई चूहा नहीं दिखता। और फिर भी-"
"लेकिन क्या?"
"एक मामूली सी गड़बड़ी, बस! आपने ध्यान दिया? नहीं दिया? फिर भी, जीवन विसंगतियों से भरा है, और निश्चित रूप से उस आदमी ने आत्महत्या नहीं की होगी - ऐसा कोई ज़हर नहीं है जो उसके मुंह को खून से भर दे। नहीं, नहीं, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि सब कुछ साफ और स्पष्ट है - लेकिन यह कौन है?" एक लंबा युवक हमारी ओर बढ़ रहा था। वह बिना कोई संकेत दिए हमारे पास से गुजर गया, लेकिन मैंने गौर किया कि वह बदसूरत नहीं था, उसका दुबला-पतला, गहरा सांवला चेहरा उष्णकटिबंधीय जलवायु में जीवन का प्रमाण था। पत्तियां साफ कर रहा एक माली एक मिनट के लिए रुका था, और पोइरोट तेजी से उसके पास दौड़ा। "कृपा करके मुझे बताइए, वह सज्जन कौन हैं? क्या आप उन्हें जानते हैं?" "मुझे उनका नाम याद नहीं है, महोदय, हालांकि मैंने सुना जरूर था। वे पिछले हफ्ते एक रात के लिए यहां रुके थे। मंगलवार का दिन था।"
"जल्दी करो, मेरे दोस्त, चलो हम उसके पीछे चलते हैं।"
हम पीछे हटते हुए व्यक्ति के पीछे-पीछे तेज़ी से सड़क पर दौड़ पड़े। घर के किनारे बने चबूतरे पर काले वस्त्र पहने एक व्यक्ति की झलक मिलते ही, हमारा लक्ष्य अचानक मुड़ गया और हम भी उसके पीछे दौड़ पड़े, जिससे हम उस मुलाकात के साक्षी बन गए।
श्रीमती माल्ट्रावर्स जहां खड़ी थीं वहीं लगभग लड़खड़ा गईं और उनका चेहरा स्पष्ट रूप से पीला पड़ गया।

"तुम!" वह हांफते हुए बोली। "मुझे लगा तुम समुद्र में हो - पूर्वी अफ्रीका जा रहे हो?"
“मुझे मेरे वकीलों से कुछ बुरी खबर मिली, जिनकी वजह से मुझे यहाँ रोका गया है,” उस नौजवान ने बताया। “स्कॉटलैंड में मेरे बूढ़े चाचा का अचानक निधन हो गया और वे मेरे लिए कुछ पैसे छोड़ गए। इन हालातों में मुझे लगा कि यात्रा रद्द करना ही बेहतर होगा। फिर मैंने अखबार में यह बुरी खबर देखी और यह देखने आया कि क्या मैं कुछ मदद कर सकता हूँ। शायद आपको भी किसी की ज़रूरत हो जो आपके लिए कुछ काम संभाल ले।” उसी क्षण उन्हें हमारी मौजूदगी का एहसास हुआ। पोइरोट आगे बढ़े और बहुत माफी मांगते हुए बताया कि वे अपनी छड़ी हॉल में ही भूल गए हैं। मुझे लगा कि श्रीमती माल्ट्रावर्स ने कुछ हिचकिचाहट के साथ ज़रूरी परिचय कराया।
"महाशय पोइरोट, कैप्टन ब्लैक।"
कुछ मिनटों की बातचीत के दौरान, पोइरोट ने पता लगाया कि कैप्टन ब्लैक एंकर इन में ठहरे हुए थे। लापता छड़ी न मिलने पर (जो आश्चर्यजनक नहीं था), पोइरोट ने और माफी मांगी और हम वहां से चले गए।
हम बहुत तेज़ी से गांव लौटे, और पोइरोट सीधे एंकर इन की ओर चल पड़े।
“जब तक हमारे मित्र कैप्टन वापस नहीं आ जाते, हम यहीं ठहरेंगे,” उन्होंने समझाया। “आपने ध्यान दिया कि मैंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हम पहली ट्रेन से लंदन लौट रहे हैं? शायद आपको लगा होगा कि मेरा मतलब यही था। लेकिन नहीं - आपने श्रीमती माल्ट्रावर्स का चेहरा देखा होगा जब उन्होंने इस युवा अश्वेत को देखा?”
वह स्पष्ट रूप से अचंभित थी, और वह - खैर, वह बहुत समर्पित था, क्या आपको ऐसा नहीं लगता? और वह मंगलवार रात को यहाँ था - श्री माल्ट्रावर्स की मृत्यु से एक दिन पहले। हमें कैप्टन ब्लैक, हेस्टिंग्स के कारनामों की जांच करनी चाहिए।
लगभग आधे घंटे में हमने अपने लक्ष्य को सराय की ओर आते देखा। पोइरोट बाहर गया और उससे मिला तथा तुरंत उसे उस कमरे में ले आया जिसे हमने बुक किया था। “मैं कैप्टन ब्लैक को उस मिशन के बारे में बता रहा था जिसके लिए हम यहाँ आए हैं,” उन्होंने समझाया। “आप समझ सकते हैं, महाशय कैप्टन, कि मैं श्री माल्ट्रावर्स की मृत्यु से ठीक पहले उनकी मानसिक स्थिति का पता लगाने के लिए उत्सुक हूँ, और साथ ही मैं श्रीमती माल्ट्रावर्स को कष्टदायक प्रश्न

पूछकर अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करना चाहता। आप घटना से ठीक पहले यहाँ थे, और आप हमें उतनी ही महत्वपूर्ण जानकारी दे सकते हैं।”
"मैं आपकी मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा, मुझे पूरा यकीन है," युवा सैनिक ने उत्तर दिया; "लेकिन मुझे कुछ भी असामान्य नहीं लगा। दरअसल, माल्ट्रावर्स मेरे लोगों का पुराना मित्र था, लेकिन मैं उसे अच्छी तरह से नहीं जानता था।"
"तुम कब नीचे आए?"
"मंगलवार दोपहर। मैं बुधवार की सुबह जल्दी शहर गया, क्योंकि मेरी नाव लगभग बारह बजे टिलबरी से रवाना हुई। लेकिन मुझे कुछ ऐसी खबर मिली जिसके कारण मुझे अपनी योजना बदलनी पड़ी, जैसा कि मुझे लगता है कि आपने श्रीमती माल्ट्रावर्स को मेरी बात समझाते हुए सुना होगा।"
"मुझे लगता है कि आप पूर्वी अफ्रीका लौट रहे थे?"
"हां। मैं युद्ध के बाद से ही वहां रहा हूं - एक महान देश।"
"बिल्कुल सही। तो मंगलवार रात के खाने पर किस बारे में बात हुई थी?" "ओह, मुझे नहीं पता। वही हमेशा की तरह अजीबोगरीब विषय। माल्ट्रावर्स ने मेरे लोगों के बारे में पूछा, फिर हमने जर्मन क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर चर्चा की, और फिर श्रीमती माल्ट्रावर्स ने पूर्वी अफ्रीका के बारे में बहुत सारे सवाल पूछे, और मैंने उन्हें एक-दो किस्से सुनाए, बस इतना ही, मुझे लगता है।"
"धन्यवाद।"
पोइरोट कुछ पल चुप रहे, फिर उन्होंने धीरे से कहा:
"आपकी अनुमति से, मैं एक छोटा सा प्रयोग करना चाहूंगा। आपने हमें वह सब बता दिया है जो आपका चेतन मन जानता है, अब मैं आपके अवचेतन मन से प्रश्न करना चाहता हूं।"
"मनोविश्लेषण, क्या?" ब्लैक ने स्पष्ट घबराहट के साथ कहा।
"अरे नहीं," पोइरोट ने आश्वस्त करते हुए कहा। "देखिए, बात कुछ इस तरह है: मैं आपको एक शब्द दूंगा, आप उसका उत्तर दूसरे शब्द से देंगे, और इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे। कोई भी शब्द, जो पहला शब्द आपके दिमाग में आए। क्या हम शुरू करें?"
"ठीक है," ब्लैक ने धीरे से कहा, लेकिन वह असहज लग रहा था।

"हेस्टिंग्स, कृपया शब्द लिख लीजिए," पोइरोट ने कहा। फिर उन्होंने अपनी जेब से अपनी बड़ी शलजम के आकार की घड़ी निकाली और उसे अपने बगल की मेज पर रख दिया। "हम शुरू करते हैं। दिन।" एक पल का विराम हुआ, और फिर ब्लैक ने उत्तर दिया:
"रात।"
जैसे-जैसे पोइरोट आगे बढ़ते गए, उनके जवाब तेजी से आने लगे।
"नाम," पोइरोट ने कहा।
"जगह।"
"बर्नार्ड।"
"शॉ।"
"मंगलवार।"
"रात का खाना।"
"यात्रा।"
"जहाज।"
"देश।"
युगांडा।
"कहानी।"
"शेर।"
"रूक राइफल।"
"खेत।"
"गोली मारना।"
"आत्महत्या।"
"हाथी।"
"हाथी दांत।"
"धन।"
"वकील।"
"धन्यवाद, कैप्टन ब्लैक। क्या आप लगभग आधे घंटे में मुझे कुछ मिनट का समय दे सकते हैं?"
"ज़रूर।" युवा सैनिक ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा और उठते हुए अपना माथा पोंछा।

"और अब, हेस्टिंग्स," पोइरोट ने मुस्कुराते हुए मुझसे कहा, जैसे ही दरवाजा उनके पीछे बंद हुआ। "तुम सब कुछ देख रहे हो, है ना?"
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं।
"क्या शब्दों की वह सूची आपको कुछ नहीं बताती?" मैंने उसका बारीकी से अध्ययन किया, लेकिन अंत में सिर हिलाने पर मजबूर हो गया।
मैं आपकी सहायता करूँगा। सबसे पहले, ब्लैक ने सामान्य समय सीमा के भीतर, बिना रुके, अच्छी तरह से उत्तर दिया, इसलिए हम यह मान सकते हैं कि उसके पास छिपाने के लिए कोई दोषी जानकारी नहीं है। 'दिन' से 'रात' और 'स्थान' से
नाम एक सामान्य जुड़ाव है। मैंने 'बर्नार्ड' से काम शुरू किया, जिससे शायद स्थानीय डॉक्टर का संकेत मिलता, अगर वह उससे कभी मिला होता। जाहिर है, वह नहीं मिला था। हमारी हाल ही में हुई बातचीत के बाद, उसने
मेरे 'मंगलवार' के लिए 'रात का खाना', लेकिन 'यात्रा' और 'देश' का जवाब 'जहाज' और 'युगांडा' से दिया गया।
इससे स्पष्ट होता है कि उनके लिए विदेश यात्रा महत्वपूर्ण थी, न कि वह यात्रा जो उन्हें यहाँ लेकर आई। 'कहानी' उन्हें रात के खाने पर सुनाई गई 'शेर' की कहानियों में से एक की याद दिलाती है। मैं आगे बढ़ता हूँ...
'रूक राइफल' और उन्होंने बिल्कुल अप्रत्याशित शब्द 'फार्म' से जवाब दिया। जब मैंने 'गोली' कहा, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया 'आत्महत्या'। संबंध स्पष्ट प्रतीत होता है। उनका कोई परिचित कहीं किसी फार्म में रूक राइफल से आत्महत्या कर चुका था। यह भी याद रखें कि उनका दिमाग अभी भी उन कहानियों में डूबा हुआ है जो उन्होंने रात के खाने पर सुनाई थीं, और मुझे लगता है कि आप सहमत होंगे कि अगर मैं कैप्टन ब्लैक को वापस बुलाकर उनसे मंगलवार शाम को खाने की मेज पर सुनाई गई आत्महत्या की कहानी दोहराने के लिए कहूँ तो मैं सच्चाई से बहुत दूर नहीं होऊंगा। ब्लैक इस मामले में काफी स्पष्ट थे। "हाँ, मैंने उन्हें वो कहानी सुनाई थी, अब जब मुझे याद आ रहा है। एक आदमी ने वहाँ एक खेत में खुद को गोली मार ली थी। उसने एक राइफल से मुँह के ऊपरी हिस्से में गोली मारी, गोली दिमाग में जा फंसी थी। डॉक्टर इस पर बहुत हैरान थे - होंठों पर थोड़े से खून के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं दिया। लेकिन क्या -"
"इसका मिस्टर माल्ट्रावर्स से क्या लेना-देना है? मुझे लगता है कि आपको यह नहीं पता था कि उनके पास से एक शिकारी राइफल बरामद हुई थी।"

"आपका मतलब है कि मेरी कहानी ने उन्हें यह सुझाव दिया - ओह, लेकिन यह तो बहुत बुरा है!"
"चिंता मत करो - ऐसा होना ही था। खैर, मुझे लंदन फोन करना होगा।"
पोइरोट ने तार पर काफी देर तक बातचीत की और सोच-विचार करते हुए वापस लौटे। दोपहर में वे अकेले चले गए और शाम सात बजे तक उन्होंने यही कहा कि अब और टाला नहीं जा सकता, उन्हें उस युवा विधवा को यह दुखद खबर देनी ही होगी। मेरी सहानुभूति पहले से ही उनके साथ थी। बेसहारा रह जाना और यह जानना कि उनके पति ने उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए आत्महत्या कर ली, किसी भी महिला के लिए असहनीय बोझ था। हालांकि, मेरे मन में एक दबी हुई उम्मीद थी कि युवा ब्लैक उनके पहले दुख के बाद उन्हें सांत्वना दे पाएंगे। जाहिर है, वह उनका बहुत सम्मान करते थे।
उस महिला से हमारा साक्षात्कार कष्टदायक रहा। उसने पोइरोट द्वारा बताए गए तथ्यों पर विश्वास करने से साफ इनकार कर दिया और जब अंततः उसे यकीन हो गया तो वह फूट-फूटकर रोने लगी। शव की जांच से हमारे संदेह पुख्ता हो गए। पोइरोट को उस बेचारी महिला के लिए बहुत दुख हुआ, लेकिन आखिरकार वह बीमा कंपनी में कार्यरत था, और वह क्या कर सकता था? जाते समय उसने श्रीमती माल्ट्रावर्स से धीरे से कहा:
"महामहिम, आप तो सबसे अच्छी तरह जानती होंगी कि कोई मृत नहीं होता!" "तुम्हारा क्या मतलब है?" वह हिचकिचाई और उसकी आँखें चौड़ी हो गईं।
"क्या आपने कभी किसी आध्यात्मिक séances में भाग नहीं लिया? आप तो माध्यम हैं, आपको पता ही है।"
मुझे ऐसा बताया गया है। लेकिन आप अध्यात्मवाद में विश्वास नहीं करते, है ना?
"महोदया, मैंने कुछ अजीब चीजें देखी हैं। आपको पता है कि गांव में लोग कहते हैं कि यह घर भूतिया है?"
उसने सिर हिलाया, और उसी क्षण नौकरानी ने घोषणा की कि खाना तैयार है। "क्या तुम यहीं रुककर कुछ खा नहीं लोगे?"
हमने कृतज्ञतापूर्वक इसे स्वीकार कर लिया, और मुझे लगा कि हमारी उपस्थिति से उसे अपने दुखों से थोड़ा ध्यान हटाने में मदद मिलेगी।

हमने अभी-अभी अपना सूप खत्म किया ही था कि दरवाजे के बाहर चीख सुनाई दी और बर्तनों के टूटने की आवाज आई। हम चौंककर उठ खड़े हुए। नौकरानी सामने आई, उसका हाथ उसके दिल पर था।
"वह एक आदमी था - जो गलियारे में खड़ा था।"
पोइरोट तेजी से बाहर निकला और तुरंत वापस आ गया।
"वहाँ कोई नहीं है।"
"है ना, साहब!" नौकरानी ने कमजोर स्वर में कहा। "अरे, मुझे तो बहुत बड़ा झटका लगा!"
"लेकिन क्यों?"
उसने अपनी आवाज धीमी करके फुसफुसाते हुए बोलना शुरू कर दिया।
"मैंने सोचा - मैंने सोचा कि यह मालिक है - वह बिल्कुल उन्हीं की तरह दिख रहा था।" मैंने श्रीमती माल्ट्रावर्स को चौंकते हुए देखा, और मेरे मन में वह पुराना अंधविश्वास कौंध गया कि आत्महत्या करने वाले को शांति नहीं मिलती। मुझे यकीन है कि उन्होंने भी यही सोचा होगा, क्योंकि एक मिनट बाद ही उन्होंने चीखते हुए पोइरोट का हाथ पकड़ लिया।
"क्या तुमने वो आवाज़ नहीं सुनी? खिड़की पर तीन बार खटखटाने की आवाज़? जब भी वो घर में घूमता था, तो हमेशा इसी तरह खटखटाता था।"
“वो लता!” मैं चिल्लाई। “खिड़की के शीशे पर लता ही थी।” लेकिन हम सब पर एक अजीब सा डर छा रहा था। नौकरानी साफ़ तौर पर घबराई हुई थी, और खाना खत्म होने के बाद श्रीमती माल्ट्रावर्स ने पोइरोट से तुरंत न जाने की विनती की। वह अकेले रह जाने से साफ़ तौर पर डरी हुई थीं। हम छोटे से कमरे में बैठे थे। हवा तेज़ हो रही थी, और घर में अजीब सी गड़गड़ाहट कर रही थी। दो बार कमरे का दरवाज़ा खुल गया और धीरे-धीरे खुला, और हर बार वह डर के मारे हांफते हुए मुझसे लिपट गई।
"अरे, ये दरवाज़ा तो जादू से ग्रस्त है!" पोइरोट ने अंततः गुस्से से कहा। वह उठा और उसे एक बार फिर बंद कर दिया, फिर ताले में चाबी घुमाई। "मैं इसे बंद कर देता हूँ!"
“ऐसा मत करो,” वह हांफते हुए बोली, “अगर यह अभी खुल गया तो-” और उसके बोलते ही असंभव सा हो गया। बंद दरवाजा धीरे-धीरे खुल गया। मैं जहां बैठा था वहां से गलियारे के अंदर नहीं देख पा रहा था, लेकिन वह और पोइरोट उसकी ओर मुंह करके खड़े थे। पोइरोट की ओर मुड़ते हुए उसने एक लंबी चीख मारी।

"तुमने उसे देखा था - गलियारे में!" वह चिल्लाई।
वह असमंजस भरे चेहरे से उसे घूर रहा था, फिर उसने अपना सिर हिलाया। "मैंने उन्हें देखा - मेरे पति को - आपने भी उन्हें देखा होगा?"
"महोदया, मैंने कुछ नहीं देखा। आप ठीक नहीं हैं - आप मानसिक रूप से परेशान हैं।"
मैं बिल्कुल ठीक हूँ, मैं - हे भगवान!
अचानक, बिना किसी चेतावनी के, बत्तियाँ काँपने लगीं और बुझ गईं। अँधेरे में से तीन ज़ोरदार खटखटाहट सुनाई दी। मुझे श्रीमती माल्ट्रावर्स के कराहने की आवाज़ सुनाई दी।
और फिर - मैंने देखा!
ऊपर वाले कमरे में बिस्तर पर मैंने जिस आदमी को देखा था, वह हमारे सामने खड़ा था, उसके चेहरे पर हल्की सी रहस्यमयी रोशनी चमक रही थी। उसके होठों पर खून लगा था, और उसने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाकर इशारा किया। अचानक उससे एक तेज रोशनी निकली। वह पोइरोट और मेरे ऊपर से गुजरी, और श्रीमती माल्ट्रावर्स पर पड़ी। मैंने उनका सफेद, भयभीत चेहरा देखा, और कुछ और भी! "हे भगवान, पोइरोट!" मैं चिल्लाई। "उसके हाथ को देखो, उसके दाहिने हाथ को। यह पूरा लाल है!" उसकी नज़र भी उस पर पड़ी और वह ज़मीन पर ढेर हो गई।
"खून!" वह हिस्टीरिया में चिल्लाई। "हाँ, यह खून है। मैंने उसे मार डाला।
मैंने ही किया। वह मुझे दिखा रहा था, और फिर मैंने ट्रिगर पर हाथ रखा और दबा दिया। मुझे उससे बचाओ- मुझे बचाओ! वह वापस आ गया है!" उसकी आवाज़ एक कर्कश ध्वनि में गुम हो गई।
"लाइट्स," पोइरोट ने फुर्ती से कहा।
बत्तियाँ मानो जादू से जल उठीं।
“बस यही,” उसने आगे कहा। “सुना तुमने, हेस्टिंग्स? और तुम, एवरेट? ओह, वैसे, ये हैं मिस्टर एवरेट, थिएटर के बड़े ही शानदार कलाकार। मैंने आज दोपहर उनसे फोन पर बात की थी। उनका मेकअप कमाल का है, है ना? बिलकुल मरे हुए आदमी जैसा, और जेब में टॉर्च और ज़रूरी चमक के साथ उन्होंने बिल्कुल वैसा ही रूप धारण कर लिया। हेस्टिंग्स, अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो उसका दाहिना हाथ नहीं छूता। लाल रंग के निशान पड़ जाते हैं। जब बत्तियाँ बुझ गईं तो मैंने उसका हाथ थाम लिया था, तुम्हें पता है ना। वैसे, हमें अपनी ट्रेन नहीं

छोड़नी चाहिए। इंस्पेक्टर जैप खिड़की के बाहर हैं। रात अच्छी नहीं गुज़री
- लेकिन वो बीच-बीच में खिड़की पर दस्तक देकर समय बिताने में कामयाब रहे।” "देखिए," पोइरोट ने हवा और बारिश में तेज़ी से चलते हुए कहा, "एक छोटी सी गड़बड़ी थी। डॉक्टर को लगता था कि मृतक एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट था, और यह धारणा उसे श्रीमती माल्ट्रावर्स के अलावा और किसने दी होगी? लेकिन हमें उन्होंने बताया कि वह अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित था। फिर, युवा ब्लैक के दोबारा प्रकट होने पर वह इतनी हैरान क्यों थीं? और अंत में, हालांकि मैं जानता हूं कि परंपरा के अनुसार एक महिला को अपने पति के लिए शोक का शालीन दिखावा करना चाहिए, लेकिन मुझे इस तरह की बनावटी पलकें पसंद नहीं हैं! आपने उन्हें नहीं देखा, हेस्टिंग्स? नहीं? जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, आपको कुछ दिखाई नहीं देता!"
"खैर, बात तो यही थी। दो संभावनाएं थीं। क्या ब्लैक की कहानी से मिस्टर माल्ट्रावर्स को आत्महत्या करने का कोई चालाक तरीका सूझ रहा था, या उनकी दूसरी श्रोता, पत्नी, हत्या करने का कोई उतना ही चालाक तरीका देख रही थी? मेरा झुकाव दूसरे विचार की ओर है। बताए गए तरीके से खुद को गोली मारने के लिए, उन्हें शायद अपने पैर के अंगूठे से ट्रिगर दबाना पड़ा होगा - या कम से कम मैं ऐसा ही सोचता हूं। अब अगर माल्ट्रावर्स एक जूता उतारे हुए पाए गए होते, तो हमें लगभग निश्चित रूप से किसी न किसी से इसके बारे में पता चल जाता। ऐसी अजीब बात तो याद रह ही जाती।"
"नहीं, जैसा कि मैंने कहा, मेरा झुकाव इस विचार की ओर था कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला था, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि मेरे सिद्धांत के समर्थन में मेरे पास कोई सबूत नहीं था। इसीलिए आज रात आपने जो विस्तृत हास्य नाटक देखा, वह इसी का परिणाम था।"
मैंने कहा, "अभी भी मुझे अपराध के सभी विवरण पूरी तरह से समझ नहीं आए हैं।" चलिए शुरू से शुरू करते हैं। यहाँ एक चतुर और शातिर महिला है, जो अपने पति की आर्थिक बदहाली से वाकिफ है और उस बूढ़े साथी से तंग आ चुकी है जिससे उसने सिर्फ पैसे के लिए शादी की थी। वह उसे अपनी जान का बड़ा बीमा करवाने के लिए मना लेती है और फिर अपने मकसद को पूरा करने का जरिया तलाशने लगती है। एक दुर्घटना उसे वह जरिया दे देती है - उस नौजवान सिपाही की अजीबोगरीब कहानी। अगली दोपहर जब, जैसा कि वह सोचती है, महाशय कप्तान समुद्र में हैं, तो वह और उसका पति घर के मैदान में टहल रहे होते हैं। 'कल रात क्या

अजीबोगरीब कहानी थी!' वह कहती है। 'क्या कोई आदमी इस तरह खुद को गोली मार सकता है? मुझे दिखाओ अगर यह मुमकिन है!' बेचारा मूर्ख - वह उसे दिखाता है। वह राइफल का सिरा अपने मुंह में रखता है। वह नीचे झुकती है और अपनी उंगली ट्रिगर पर रखकर उस पर हंसती है। 'और अब, महोदय,' वह नखरे से कहती है, 'मान लीजिए कि मैं ट्रिगर दबा दूं?'
"और फिर - और फिर, हेस्टिंग्स - वह इसे खींच लेती है!"

सस्ते फ्लैट का रोमांच

अब तक मैंने जितने भी मामले दर्ज किए हैं, उनमें पोइरोट की जांच मुख्य तथ्य से शुरू होती है, चाहे वह हत्या हो या डकैती, और तार्किक निष्कर्ष के माध्यम से अंततः मामले के सफल समाधान तक पहुंचती है। जिन घटनाओं का मैं अब वर्णन करने जा रहा हूं, उनमें परिस्थितियों की एक असाधारण श्रृंखला ने उन मामूली घटनाओं से शुरुआत की, जिन्होंने पहले पोइरोट का ध्यान आकर्षित किया, और फिर उन भयावह घटनाओं तक पहुंची, जिन्होंने एक बेहद ही असामान्य मामले को पूरा किया। मैं शाम अपने एक पुराने दोस्त, जेराल्ड पार्कर के साथ बिता रहा था। मेरे और मेरे अलावा शायद लगभग आधा दर्जन लोग वहां मौजूद थे, और बातचीत, जैसा कि पार्कर जहां भी होता था, लंदन में घर ढूंढने के विषय पर आ गई। घर और फ्लैट पार्कर का खास शौक थे। युद्ध की समाप्ति के बाद से, वह कम से कम आधा दर्जन अलग-अलग फ्लैट और मेज़ोनेट में रह चुका था। जैसे ही वह कहीं बसता, उसे अचानक कोई नया घर मिल जाता और वह तुरंत अपना सारा सामान लेकर निकल पड़ता। उसके दांव-पेच लगभग हमेशा थोड़े-बहुत आर्थिक लाभ के लिए ही होते थे, क्योंकि वह एक चतुर कारोबारी दिमाग रखता था, लेकिन असल में खेल के प्रति उसका प्रेम ही उसे प्रेरित करता था, न कि उससे पैसा कमाने की इच्छा। हमने कुछ देर तक पार्कर की बातें सुनीं, मानो कोई नौसिखिया उस माहिर का सम्मान कर रहा हो। फिर हमारी बारी आई, और तरह-तरह की भाषाएं गूंज उठीं। आखिर में बोलने का मौका श्रीमती रॉबिन्सन को मिला, जो अपने पति के साथ वहां मौजूद एक प्यारी सी दुल्हन थीं। मैं उनसे पहले कभी नहीं मिला था, क्योंकि रॉबिन्सन पार्कर की हाल ही की जान-पहचान थीं।
"फ्लैट की बात करें तो," उसने कहा, "क्या आपने हमारी खुशखबरी सुनी है, मिस्टर पार्कर? हमें आखिरकार एक फ्लैट मिल गया है! मोंटागु मेंशन में।"

"खैर," पार्कर ने कहा, "मैंने हमेशा कहा है कि फ्लैटों की कोई कमी नहीं है - बस कीमत चुकानी पड़ती है!"
"हाँ, लेकिन इसकी कोई कीमत नहीं है। यह बेहद सस्ता है। साल में सिर्फ अस्सी पाउंड!"
"लेकिन - लेकिन मोंटागु मेंशन नाइट्सब्रिज के पास ही है, है ना? बड़ी-बड़ी खूबसूरत इमारतें। या आप उसी नाम के किसी गरीब रिश्तेदार की बात कर रहे हैं जो कहीं झुग्गी-झोपड़ियों में फंसा हुआ है?"
"नहीं, यह नाइट्सब्रिज वाला है। यही तो इसे इतना शानदार बनाता है।" "अद्भुत ही सही शब्द है! यह तो सचमुच एक चमत्कार है। लेकिन कहीं न कहीं कोई पेंच जरूर है। शायद भारी कीमत चुकानी पड़ेगी?"
"कोई प्रीमियम नहीं!"
"नहीं प्रेम-ओह, मेरा सिर पकड़ो, कोई!" पार्कर कराह उठा।
"लेकिन हमें फर्नीचर खरीदना होगा," श्रीमती रॉबिन्सन ने आगे कहा।
"आह!" पार्कर एकदम से चौंक गया। "मुझे पता था कि इसमें कोई न कोई चाल है!" "पचास पाउंड में। और यह खूबसूरती से सजा हुआ है!"
"मैं हार मानता हूँ," पार्कर ने कहा। "यहाँ रहने वाले लोग परोपकार के शौकीन पागल ही होंगे।" श्रीमती रॉबिन्सन थोड़ी परेशान लग रही थीं। उनकी सुंदर भौंहों के बीच हल्की सी सिकुड़न दिखाई दी।
"यह अजीब है, है ना? आपको नहीं लगता कि वह जगह भूतिया है?"
"मैंने कभी किसी भूतिया फ्लैट के बारे में नहीं सुना," पार्कर ने दृढ़ता से कहा।
"नहीं।" श्रीमती रॉबिन्सन को ज़रा भी यकीन नहीं हुआ। "लेकिन इस सबमें कई ऐसी बातें थीं जो मुझे - अजीब लगीं।"
"उदाहरण के लिए-" मैंने सुझाव दिया।
"आह," पार्कर ने कहा, "हमारे आपराधिक विशेषज्ञ का ध्यान इस ओर आकर्षित हो गया है! श्रीमती रॉबिन्सन, आप उनसे अपने सारे विचार साझा कर दीजिए। हेस्टिंग्स रहस्यों को सुलझाने में माहिर हैं।"
मुझे हंसी आ गई, थोड़ी शर्मिंदगी तो हुई लेकिन मुझ पर थोपी गई भूमिका से मैं पूरी तरह नाखुश नहीं थी।
"ओह, कैप्टन हेस्टिंग्स, सच में अजीब नहीं है, लेकिन जब हम एजेंटों, स्टैसर और पॉल के पास गए - हमने पहले उनसे संपर्क नहीं किया था क्योंकि उनके पास

केवल महंगे मेफेयर फ्लैट थे, लेकिन हमने सोचा कि किसी भी तरह से कोई नुकसान नहीं होगा - उन्होंने हमें जो भी पेशकश की वह चार सौ पांच सौ प्रति वर्ष थी, या फिर भारी प्रीमियम थे, और फिर, जैसे ही हम जा रहे थे, उन्होंने बताया कि उनके पास अस्सीवें नंबर पर एक फ्लैट है, लेकिन उन्हें संदेह था कि हमारा वहां जाना फायदेमंद होगा या नहीं, क्योंकि यह उनके रिकॉर्ड में काफी समय से था और उन्होंने इतने सारे लोगों को इसे देखने के लिए भेजा था कि यह लगभग निश्चित रूप से बिक जाएगा - 'तुरंत बिक जाएगा'।"
जैसा कि क्लर्क ने कहा - लोग जानबूझकर जानकारी नहीं देते थे, और फिर भी वे भेजते रहते थे, और लोग ऐसी जगह भेजे जाने पर नाराज़ हो जाते हैं जहाँ शायद कुछ समय पहले सूचना दी जा चुकी हो। श्रीमती रॉबिन्सन ने कुछ देर रुककर गहरी सांस ली, और फिर आगे कहा:
हमने उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि हम समझते हैं कि शायद यह फ्लैट हमारे लिए उपयुक्त नहीं होगा, लेकिन फिर भी हमें एक ऑर्डर चाहिए - एहतियात के तौर पर। और हम तुरंत टैक्सी से वहाँ चले गए, क्योंकि आखिर, आप कभी नहीं जानते। नंबर 4 दूसरी मंजिल पर था, और जैसे ही हम लिफ्ट का इंतजार कर रहे थे, एल्सी फर्ग्यूसन - वह मेरी दोस्त हैं, कैप्टन हेस्टिंग्स, और वे भी फ्लैट ढूंढ रही हैं - सीढ़ियों से तेजी से नीचे आईं। 'आज पहली बार आपसे आगे, मेरी प्यारी,' उन्होंने कहा। 'लेकिन यह फ्लैट हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। यह पहले ही किराए पर दिया जा चुका है।' ऐसा लगा कि बात यहीं खत्म हो गई, लेकिन - खैर, जैसा कि जॉन ने कहा, जगह बहुत सस्ती थी, हम और अधिक किराया दे सकते थे, और शायद अगर हम अधिक कीमत लगाते - बेशक, यह एक भयानक बात होगी, और मुझे आपको यह बताते हुए बहुत शर्म आ रही है, लेकिन आप जानते हैं कि फ्लैट ढूंढना कितना मुश्किल होता है।
मैंने उसे आश्वस्त किया कि मैं इस बात से भलीभांति अवगत हूं कि घर में जगह पाने के संघर्ष में मानव स्वभाव का नीच पक्ष अक्सर उच्च पक्ष पर हावी हो जाता है, और 'कुत्ते का कुत्ते को खाने' का सुप्रसिद्ध नियम हमेशा लागू होता है।
"तो हम ऊपर गए और यकीन मानिए, फ्लैट किराए पर दिया ही नहीं गया था। नौकरानी ने हमें फ्लैट दिखाया, फिर हमने मालकिन को देखा और बात वहीं तय हो गई। तुरंत कब्ज़ा और फर्नीचर के लिए पचास पाउंड। हमने अगले दिन समझौते पर

हस्ताक्षर कर दिए और हम कल ही उसमें रहने जा रहे हैं!" श्रीमती रॉबिन्सन ने विजयी भाव से कहा।
"और श्रीमती फर्ग्यूसन के बारे में क्या?" पार्कर ने पूछा। "हेस्टिंग्स, हमें अपने अनुमान बताइए।"
"'ज़ाहिर है, मेरे प्यारे वॉटसन,'" मैंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा। "वह गलत फ्लैट में चली गई।"
"ओह, कैप्टन हेस्टिंग्स, आप कितने चतुर हैं!" श्रीमती रॉबिन्सन ने प्रशंसा करते हुए कहा। काश पोइरोट भी वहाँ होते। कभी-कभी मुझे लगता है कि वे मेरी क्षमताओं को कम आंकते हैं।
यह सब कुछ काफी मनोरंजक था, और मैंने अगली सुबह पोइरोट के सामने इसे एक नकली समस्या के रूप में रखा। वह दिलचस्पी लेते दिखे और उन्होंने मुझसे विभिन्न इलाकों में फ्लैटों के किराए के बारे में काफी बारीकी से सवाल किए।
“अजीब कहानी है,” उन्होंने सोच-विचार करते हुए कहा। “माफ़ कीजिए, हेस्टिंग्स, मुझे थोड़ी देर टहलना है।” लगभग एक घंटे बाद जब वे लौटे, तो उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी। उन्होंने अपनी छड़ी मेज पर रखी और बोलने से पहले हमेशा की तरह बड़ी सावधानी से अपनी टोपी के रोएँ झाड़े।
"यह अच्छी बात है, मेरे मित्र, कि हमारे पास फिलहाल कोई महत्वपूर्ण काम नहीं है। हम पूरी तरह से वर्तमान जांच पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।" आप किस जांच की बात कर रहे हैं?
"आपकी सहेली, श्रीमती रॉबिन्सन के नए फ्लैट की उल्लेखनीय रूप से कम कीमत।" "पोइरोट, तुम मज़ाक कर रहे हो!"
"मैं बिल्कुल गंभीर हूं। मेरे दोस्त, खुद ही हिसाब लगा लो कि उन फ्लैटों का असली किराया 350 पाउंड है। मैंने अभी-अभी मकान मालिक के एजेंटों से इसकी पुष्टि की है। और फिर भी यह खास फ्लैट अस्सी पाउंड में सबलेट किया जा रहा है! क्यों?"
"इसमें कुछ तो गड़बड़ है। शायद यह भूतिया है, जैसा कि श्रीमती रॉबिन्सन ने सुझाव दिया था।" पोइरोट ने असंतुष्ट भाव से सिर हिलाया।
"फिर भी यह कितना अजीब है कि उसकी सहेली उसे बताती है कि फ्लैट किराए पर दिया गया है, और जब वह ऊपर जाती है, तो देखती है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है!"

"लेकिन आप मुझसे ज़रूर सहमत होंगे कि दूसरी महिला गलती से गलत फ्लैट में चली गई होगी। यही एकमात्र संभव समाधान है।"
"हेस्टिंग्स, आप इस बात पर सही हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन सच्चाई यह है कि इसे देखने के लिए कई अन्य आवेदकों को भेजा गया था, और फिर भी, इसकी उल्लेखनीय रूप से कम कीमत के बावजूद, श्रीमती रॉबिन्सन के आने पर यह अभी भी बाजार में मौजूद था।"
"इससे पता चलता है कि इसमें कुछ गड़बड़ जरूर है।"
"श्रीमती रॉबिन्सन को कुछ भी गड़बड़ नहीं दिखी। यह बहुत अजीब बात है, है ना? क्या हेस्टिंग्स, आपको वह एक ईमानदार महिला लगीं?"
वह एक अद्भुत प्राणी थी!
"ज़ाहिर है! क्योंकि वह आपको मेरे प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ बना देती है। तो मुझे उसके बारे में बताएं।"
"खैर, वह लंबी और गोरी है; उसके बाल सचमुच बहुत ही खूबसूरत भूरे रंग के हैं-"
"तुम्हें हमेशा से ही भूरे बालों का शौक रहा है!" पोइरोट ने धीरे से कहा। "लेकिन जारी रखो।"
"नीली आंखें और बहुत ही सुंदर रंगत और - बस, मुझे लगता है कि इतना ही है," मैंने बेमन से निष्कर्ष निकाला।
और उसका पति?
"ओह, वह काफी अच्छा आदमी है - कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है।"
"काला या गोरा?"
"मुझे नहीं पता - बीच का सा, और बस एक साधारण सा चेहरा।" पोइरोट ने सिर हिलाया।
"हाँ, ऐसे सैकड़ों औसत दर्जे के पुरुष हैं - और वैसे भी, आप महिलाओं के वर्णन में अधिक सहानुभूति और प्रशंसा का भाव लाते हैं। क्या आप इन लोगों के बारे में कुछ जानते हैं? क्या पार्कर उन्हें अच्छी तरह जानता है?" "मुझे लगता है कि वे हाल ही में मिले हैं। लेकिन निश्चित रूप से, पोइरोट, आप एक पल के लिए भी यह नहीं सोचते कि-" पोइरोट ने अपना हाथ उठाया।
"बिल्कुल धीरे से, मेरे दोस्त। क्या मैंने कुछ कहा है? मैं बस इतना ही कह रहा हूँ कि यह एक अजीब कहानी है। और इस पर प्रकाश डालने के लिए कुछ भी नहीं है; सिवाय शायद उस महिला के नाम के, अह, हेस्टिंग्स!"

मैंने कड़े स्वर में कहा, "उसका नाम स्टेला है, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि..." पोइरोट ने ज़ोरदार ठहाके के साथ मेरी बात काट दी। ऐसा लग रहा था कि कोई बात उन्हें बहुत मज़ेदार लग रही है।
"और स्टेला का मतलब तारा होता है, है ना? मशहूर!"
"यह सब क्या हो रहा है-"
और तारे प्रकाश देते हैं! वाह! शांत हो जाओ, हेस्टिंग्स। आहत प्रतिष्ठा का वह दिखावा मत करो। चलो, हम मोंटागु मेंशन चलते हैं और कुछ पूछताछ करते हैं। मैं बिना किसी हिचकिचाहट के उनके साथ चला गया। हवेली एक सुंदर इमारत थी जिसकी मरम्मत बहुत अच्छी तरह से की गई थी। वर्दी पहने एक चौकीदार दहलीज पर धूप सेंक रहा था, और पोइरोट ने उसी से बात की:
"माफ़ कीजिए, क्या आप बता सकते हैं कि यहाँ मिस्टर और मिसेज़ रॉबिन्सन रहते हैं?" चौकीदार कम बोलने वाला और दिखने में चिड़चिड़ा या शक्की स्वभाव का था। उसने हमारी तरफ देखा भी नहीं और बस इतना कहा:
"नंबर 4. दूसरी मंजिल।"
"धन्यवाद। क्या आप बता सकते हैं कि वे यहां कब से हैं?"
"छह महीने।"
मैं आश्चर्य से आगे बढ़ा, और ऐसा करते समय मुझे पोइरोट की शरारती मुस्कान का एहसास हुआ।
"असंभव," मैं चिल्लाई। "आपसे ज़रूर कोई गलती हो रही होगी।"
"छह महीने।"
"क्या आप निश्चित हैं? मेरा मतलब जिस महिला से है, वह लंबी और गोरी है, उसके बाल लाल-सुनहरे रंग के हैं और-"
“ये वही हैं,” चौकीदार ने कहा। “ये लोग माइकलमास क्वार्टर में आए थे। बस छह महीने पहले।” ऐसा लगा जैसे उसने हममें दिलचस्पी खो दी हो और धीरे-धीरे हॉल में आगे बढ़ गया। मैं पोइरोट के पीछे-पीछे बाहर चला गया।
"क्या सच में, हेस्टिंग्स?" मेरे दोस्त ने शरारती लहजे में पूछा। "क्या अब तुम्हें इतना यकीन है कि खूबसूरत औरतें हमेशा सच ही बोलती हैं?"
मैंने कोई जवाब नहीं दिया।
इससे पहले कि मैं पोइरोट से पूछता कि वह क्या करने जा रहा है और हम कहाँ जा रहे हैं, वह ब्रॉम्पटन रोड की ओर बढ़ चुका था।

"हाउस एजेंटों को, हेस्टिंग्स। मेरी मोंटागु मेंशन में एक फ्लैट लेने की बहुत इच्छा है। अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो वहाँ जल्द ही कई दिलचस्प घटनाएँ घटित होंगी।" हमारी खोज में हम भाग्यशाली रहे। चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर 8, दस गिनी प्रति सप्ताह के किराए पर फर्नीचर सहित उपलब्ध था। पोइरोट ने तुरंत इसे एक महीने के लिए किराए पर ले लिया। बाहर सड़क पर आकर, उन्होंने मेरे विरोध को चुप करा दिया:
"लेकिन आजकल तो मैं पैसे कमाता हूँ! अपनी मनपसंद चीज़ क्यों न बनाऊँ? वैसे, हेस्टिंग्स, क्या तुम्हारे पास रिवॉल्वर है?"
"हाँ - कहीं," मैंने थोड़ा रोमांचित होकर उत्तर दिया। "क्या आपको लगता है -" "क्या आपको इसकी ज़रूरत पड़ेगी? बिलकुल संभव है। मुझे लगता है कि आपको यह विचार पसंद आया। आपको हमेशा ही भव्यता और रोमांस का आकर्षण महसूस होता है।"
अगले दिन हम अपने अस्थायी घर में बस गए। फ्लैट अच्छी तरह से सजा हुआ था। यह इमारत में रॉबिन्सन के फ्लैट की ही जगह पर था, लेकिन दो मंजिल ऊपर था। हमारे बसने के अगले दिन रविवार था। दोपहर में, पोइरोट ने सामने का दरवाजा थोड़ा खुला छोड़ दिया, और नीचे से एक ज़ोरदार आवाज़ आने पर उसने मुझे जल्दी से बुलाया।
"सीढ़ी की रेलिंग के ऊपर से देखो। क्या वे तुम्हारे दोस्त हैं? उन्हें तुम्हें देखने मत देना।" मैंने गर्दन झुकाकर सीढ़ियों के ऊपर से देखा। "हाँ, वे ही हैं," मैंने व्याकरण की दृष्टि से अटपटी फुसफुसाहट में कहा।
"अच्छा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करो।"
लगभग आधे घंटे बाद, एक युवती चमकीले और रंगीन कपड़ों में बाहर निकली। संतुष्टि की एक गहरी सांस लेते हुए, पोइरोट दबे पांव फ्लैट में वापस चले गए।
"बस यही है। मालिक और मालकिन के बाद, नौकरानी। अब फ्लैट खाली होना चाहिए।" मैंने बेचैनी से पूछा, "हम क्या करेंगे?"
पोइरोट तेजी से रसोई में दाखिल हुआ और कोयला उठाने वाली मशीन की रस्सी को खींच रहा था।
“हम कूड़ेदानों की तरह नीचे उतरने वाले हैं,” उन्होंने हंसते हुए समझाया। “हमें कोई नहीं देखेगा। रविवार का संगीत कार्यक्रम, रविवार की दोपहर की

सैर, और अंत में इंग्लैंड के रविवार के खाने के बाद की झपकी - ये सब हरक्यूल पोइरोट के कारनामों से ध्यान भटका देंगे। आओ, मेरे दोस्त।”
वह खुरदुरे लकड़ी के उस उपकरण में दाखिल हुआ और मैं सावधानी से उसके पीछे- पीछे गया।
"क्या हम फ्लैट में जबरदस्ती घुसने वाले हैं?" मैंने संदेह भरे स्वर में पूछा।
पोइरोट का जवाब कुछ खास संतोषजनक नहीं था:
"ठीक आज नहीं," उसने जवाब दिया।
रस्सी खींचते हुए हम धीरे-धीरे नीचे उतरते हुए दूसरी मंजिल पर पहुँच गए। पोइरोट ने संतोष से कहा, जब उसने देखा कि रसोईघर का लकड़ी का दरवाजा खुला हुआ है।
"आपने देखा? दिन के समय इन दरवाजों पर कभी ताला नहीं लगाया जाता। फिर भी कोई भी आसानी से अंदर-बाहर आ-जा सकता है, जैसा कि हमने किया है। रात में हां
- हालांकि हमेशा नहीं - और इसी से बचाव के लिए हम व्यवस्था करने जा रहे हैं।"
बात करते-करते उन्होंने अपनी जेब से कुछ औजार निकाले और तुरंत कुशलता से काम में जुट गए। उनका उद्देश्य बोल्ट को इस तरह व्यवस्थित करना था कि उसे लिफ्ट से पीछे खींचा जा सके। इस काम में लगभग तीन मिनट लगे। फिर पोइरोट ने औजार वापस अपनी जेब में रख लिए और हम एक बार फिर अपने घर लौट आए।
सोमवार को पोइरोट पूरे दिन बाहर रहे, लेकिन जब वे शाम को लौटे तो उन्होंने संतुष्टि की एक गहरी सांस लेते हुए खुद को अपनी कुर्सी पर पटक दिया। हेस्टिंग्स, क्या मैं आपको थोड़ा इतिहास सुनाऊं? एक ऐसी कहानी जो आपके दिल को छू ले और जो आपको आपकी पसंदीदा फिल्म की याद दिलाए?
"आगे बढ़ो," मैं हँसा। "मुझे लगता है कि यह एक सच्ची कहानी है, तुम्हारी मनगढ़ंत कहानी नहीं।"
"यह बिल्कुल सच है। स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर जैप इसकी सत्यता की पुष्टि करेंगे, क्योंकि उन्हीं की कृपा से यह जानकारी मुझे मिली। सुनो, हेस्टिंग्स। लगभग छह महीने पहले अमेरिकी सरकार के एक विभाग से कुछ महत्वपूर्ण नौसैनिक योजनाएँ चोरी हो गईं। इनमें कुछ सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाह सुरक्षा प्रणालियों की स्थिति दर्शाई गई थी, और ये किसी भी विदेशी सरकार - उदाहरण के लिए जापान - के लिए काफी मूल्यवान होतीं। शक लुइगी

वाल्डार्नो नाम के एक युवक पर गया, जो जन्म से इतालवी था और विभाग में एक छोटे पद पर कार्यरत था। वह दस्तावेजों के साथ ही लापता हो गया था। लुइगी वाल्डार्नो चोर था या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन दो दिन बाद वह न्यूयॉर्क के ईस्ट साइड में मृत पाया गया। दस्तावेज उसके पास नहीं थे। अब कुछ समय से लुइगी वाल्डार्नो, मिस एल्सा हार्ड्ट नाम की एक युवा गायिका के साथ घूम रहा था, जो हाल ही में प्रसिद्धि पाई थी और वाशिंगटन में अपने भाई के साथ एक अपार्टमेंट में रहती थी। मिस एल्सा हार्ड्ट के बारे में कुछ भी ज्ञात नहीं था, और वाल्डार्नो के लापता होने के समय के आसपास ही वह अचानक गायब हो गई।" मृत्यु। यह मानने के कारण हैं कि वह वास्तव में एक कुशल अंतरराष्ट्रीय जासूस थी जिसने विभिन्न छद्म नामों से कई कुख्यात काम किए थे। अमेरिकी गुप्त सेवा, उसका पता लगाने की पूरी कोशिश करते हुए, वाशिंगटन में रहने वाले कुछ महत्वहीन जापानी सज्जनों पर भी नज़र रख रही थी। उन्हें पूरा यकीन था कि जब एल्सा हार्ड्ट अपने सारे निशान मिटा देगी, तो वह उन सज्जनों से संपर्क करेगी। उनमें से एक दो हफ्ते पहले अचानक इंग्लैंड के लिए रवाना हो गया। इसलिए, पहली नज़र में तो ऐसा लगता है कि एल्सा हार्ड्ट इंग्लैंड में है। पोइरोट रुका, और फिर धीरे से बोला: "एल्सा हार्ड्ट का आधिकारिक विवरण इस प्रकार है: कद 5 फीट 7 इंच, नीली आँखें, भूरे बाल, गोरा रंग, सीधी नाक, कोई विशेष पहचान चिह्न नहीं।"
"श्रीमती रॉबिन्सन!" मैंने हांफते हुए कहा।
"खैर, इसकी संभावना तो है ही," पोइरोट ने बात सुधारते हुए कहा। "और मुझे यह भी पता चला है कि आज सुबह ही एक सांवला आदमी, जो किसी तरह का विदेशी है, नंबर 4 के निवासियों के बारे में पूछताछ कर रहा था। इसलिए, मेरे दोस्त, मुझे डर है कि आज रात तुम्हें अपनी नींद त्यागनी पड़ेगी और नीचे वाले फ्लैट में मेरे साथ रात भर पहरा देना पड़ेगा - अपने उस बेहतरीन रिवाल्वर के साथ, जैसा कि मैंने समझा!"
“जी हां,” मैंने उत्साह से कहा। “हम कब शुरू करेंगे?”
"आधी रात का समय गंभीर और उपयुक्त है, मुझे लगता है। इससे पहले कुछ भी होने की संभावना नहीं है।" ठीक बारह बजे, हम सावधानी से कोयला लिफ्ट में घुसे और दूसरी मंजिल पर उतर गए। पोइरोट के इशारे पर लकड़ी का दरवाजा तेजी से अंदर की ओर खुल गया और हम फ्लैट में घुस गए। रसोई से होते हुए हम किचन में गए,

जहाँ हमने हॉल का दरवाजा थोड़ा खुला छोड़कर दो कुर्सियों पर आराम से बैठ गए।
"अब हमें बस इंतज़ार करना है," पोइरोट ने संतुष्टि से आँखें बंद करते हुए कहा। मुझे तो इंतज़ार अंतहीन लग रहा था। मुझे सोने से डर लग रहा था। ठीक उसी समय जब मुझे लगा कि मैं वहाँ लगभग आठ घंटे से हूँ - जबकि बाद में मुझे पता चला कि वास्तव में केवल एक घंटा बीस मिनट ही बीते थे - मेरे कानों में हल्की सी खरोंच की आवाज़ आई। पोइरोट का हाथ मेरे हाथ से छू गया। मैं उठा और हम दोनों सावधानी से हॉल की ओर बढ़े। आवाज़ वहीं से आ रही थी। पोइरोट ने अपने होंठ मेरे कान से लगा दिए।
"सामने वाले दरवाजे के बाहर। वे ताला तोड़ रहे हैं। जब मैं इशारा करूँ, उससे पहले नहीं, उसके पीछे से उस पर झपट पड़ो और उसे कसकर पकड़ लो। सावधान रहना, उसके पास चाकू होगा।" तभी एक टूटने की आवाज़ आई और दरवाजे से एक छोटा सा प्रकाश का गोला दिखाई दिया। वह तुरंत बुझ गया और फिर दरवाजा धीरे-धीरे खुल गया। पोइरोट और मैं दीवार से चिपक गए। जब वह हमारे पास से गुजरा तो मैंने एक आदमी की साँसें सुनीं। फिर उसने अपनी टॉर्च जलाई, और ऐसा करते ही पोइरोट ने मेरे कान में फुसफुसाया:
"चलो भी।"
हम दोनों झपटे, पोइरोट ने फुर्ती से घुसपैठिए के सिर को हल्के ऊनी स्कार्फ से लपेट दिया, जबकि मैंने उसकी बांहें जकड़ लीं। सारा काम जल्दी और बिना किसी आवाज के हो गया। मैंने उसके हाथ से खंजर छीन लिया, और जैसे ही पोइरोट ने उसके मुंह पर स्कार्फ कसकर रखते हुए उसकी आंखों से स्कार्फ नीचे किया, मैंने अपनी रिवॉल्वर ऊपर उठा ली ताकि वह उसे देख सके और समझ सके कि प्रतिरोध करना व्यर्थ है। जैसे ही उसने संघर्ष करना बंद किया, पोइरोट ने अपना मुंह उसके कान के पास किया और तेजी से फुसफुसाने लगा। एक मिनट बाद उस आदमी ने सिर हिलाया। फिर हाथ के इशारे से चुप रहने का आदेश देते हुए, पोइरोट फ्लैट से बाहर और सीढ़ियों से नीचे चला गया। हमारा बंदी उसके पीछे- पीछे आया, और मैं रिवॉल्वर लिए उसके पीछे-पीछे चल रहा था। जब हम सड़क पर पहुंचे, तो पोइरोट मेरी ओर मुड़ा।
"थोड़ी दूर पर एक टैक्सी खड़ी है। मुझे रिवॉल्वर दे दो। अभी हमें इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी।"
"लेकिन अगर यह आदमी भागने की कोशिश करे तो?"

पोइरोट मुस्कुराया।
"वह नहीं होगा।"
मैं एक मिनट में इंतज़ार कर रही टैक्सी लेकर लौट आया। अजनबी के चेहरे से स्कार्फ हट चुका था, और मैं आश्चर्य से चौंक गया।
मैंने फुसफुसाते हुए पोइरोट से कहा, "वह जापानी नहीं है।"
"तुम्हारी अवलोकन क्षमता हमेशा से ही तुम्हारी खूबी रही है, हेस्टिंग्स! तुमसे कुछ भी नहीं छूटता। नहीं, वह आदमी जापानी नहीं है। वह इतालवी है।" हम टैक्सी में बैठ गए, और पोइरोट ने ड्राइवर को सेंट जॉन्स वुड का पता बताया। मैं पूरी तरह से असमंजस में था। मुझे अपने बंदी के सामने पोइरोट से यह पूछना अच्छा नहीं लगा कि हम कहाँ जा रहे हैं, और मैंने घटनाक्रम को समझने की व्यर्थ कोशिश की।
हम सड़क से थोड़ा पीछे बने एक छोटे से घर के दरवाजे पर उतरे। एक राहगीर, जो थोड़ा नशे में था, फुटपाथ पर लड़खड़ाता हुआ चल रहा था और लगभग पोइरोट से टकरा गया। पोइरोट ने उससे कुछ तीखी बात कही, जो मुझे समझ नहीं आई। हम तीनों घर की सीढ़ियों पर चढ़ गए। पोइरोट ने घंटी बजाई और हमें थोड़ा किनारे खड़े होने का इशारा किया। कोई जवाब नहीं आया, तो उन्होंने दोबारा घंटी बजाई और फिर दरवाज़े की कुंडी उठाई और कुछ मिनट तक ज़ोर-ज़ोर से बजाते रहे। अचानक रोशनदान के ऊपर एक रोशनी दिखाई दी, और दरवाजे को सावधानीपूर्वक थोड़ा सा खोला गया।
"तुम्हें आखिर चाहिए क्या?" एक आदमी की आवाज ने कठोर स्वर में पूछा।
मुझे डॉक्टर चाहिए। मेरी पत्नी बीमार हो गई है।
"यहां कोई डॉक्टर नहीं है।"
वह व्यक्ति दरवाजा बंद करने ही वाला था कि पोइरोट ने बड़ी चतुराई से अपना पैर अंदर डाल दिया। अचानक वह क्रोधित फ्रांसीसी व्यक्ति का एक सटीक व्यंग्यचित्र बन गया।
"तुम्हारा कहना है कि यहाँ कोई डॉक्टर नहीं है? मैं तुमसे कानून के अनुसार पूछताछ करूँगा। तुम्हें आना ही होगा! मैं यहाँ रात भर रुकूँगा और घंटी बजाता रहूँगा और दरवाज़ा खटखटाता रहूँगा।"
"मेरे प्रिय महोदय-" दरवाजा फिर से खुला, ड्रेसिंग गाउन और चप्पल पहने हुए वह व्यक्ति बेचैन निगाहों से चारों ओर देखते हुए पोइरोट को शांत करने के लिए आगे बढ़ा।

"मैं पुलिस को बुलाउंगा।"
पोइरोट सीढ़ियों से नीचे उतरने की तैयारी करने लगा।
"नहीं, भगवान के लिए ऐसा मत करो!" वह आदमी उसके पीछे दौड़ा। पोइरोट ने एक जोरदार धक्का देकर उसे सीढ़ियों से नीचे गिरा दिया। एक मिनट के भीतर हम तीनों दरवाजे के अंदर थे और हमने दरवाजा बंद कर दिया और कुंडी लगा दी। "जल्दी - अंदर आओ।" पोइरोट आगे-आगे चलते हुए पास के कमरे में गए और अंदर जाते हुए लाइट जला दी। "और तुम - पर्दे के पीछे।"
"जी जी, महोदय," इतालवी ने कहा और खिड़की के फ्रेम पर लटके गुलाबी रंग के मखमली पर्दे की तहों के पीछे तेजी से खिसक गया।
बिलकुल सही समय पर। जैसे ही वह नज़रों से ओझल हुआ, एक महिला कमरे में दौड़कर आई। वह लंबी थी, उसके बाल लाल रंग के थे और उसने अपने पतले शरीर पर एक लाल रंग का किमोनो लपेटा हुआ था।
"मेरे पति कहाँ हैं?" उसने भयभीत निगाहों से देखते हुए पूछा। "आप कौन हैं?" पोइरोट झुककर आगे बढ़ा।
"उम्मीद है कि आपके पति को ठंड नहीं लगेगी। मैंने देखा कि उनके पैरों में चप्पलें थीं और उनका ड्रेसिंग गाउन गर्म था।"
"तुम कौन हो? मेरे घर में क्या कर रहे हो?"
"यह सच है कि हममें से किसी को भी आपसे मिलने का सौभाग्य नहीं मिला, महोदया। यह विशेष रूप से खेदजनक है क्योंकि हममें से एक व्यक्ति आपसे मिलने के लिए विशेष रूप से न्यूयॉर्क से आया है।" पर्दे हटे और इतालवी व्यक्ति बाहर निकला। मुझे यह देखकर बहुत भय हुआ कि वह मेरी रिवॉल्वर लहरा रहा था, जिसे पोइरोट ने टैक्सी में अनजाने में कहीं रख दिया होगा। महिला ने चीख मारी और भागने के लिए मुड़ी, लेकिन पोइरोट बंद दरवाजे के सामने खड़ा था।
"मुझे जाने दो," वह चीखी। "वह मेरी जान से मार देगा।"
"लुइगी वाल्डार्नो की यह कराह किसने मचाई?" इतालवी ने कर्कश स्वर में पूछा, हथियार लहराते हुए और हममें से हर एक पर वार करते हुए। हम हिलने की हिम्मत नहीं कर रहे थे।
"हे भगवान, पोइरोट, यह तो बहुत बुरा है। अब हम क्या करें?" मैं चिल्लाई। "हेस्टिंग्स, कृपया ज्यादा बात न करें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब तक मैं आदेश न दूं, हमारा मित्र गोली नहीं चलाएगा।"

"तुम्हें इस बात का पूरा यकीन है, है ना?" इतालवी ने घृणा से घूरते हुए कहा।
यह मेरी सोच से कहीं ज़्यादा था, लेकिन वह महिला पलक झपकते ही पोइरोट की ओर मुड़ गई।
"आपकी इच्छा क्या है?"
पोइरोट ने सिर झुकाया।
"मुझे नहीं लगता कि मिस एल्सा हार्ड्ट की बुद्धिमत्ता का अपमान करना ज़रूरी है।" एक झटके में, महिला ने एक बड़ी काली मखमली बिल्ली को उठा लिया जो टेलीफोन के कवर के रूप में काम करती थी।
"वे उसकी अस्तर में सिले हुए हैं।"
"बड़ी चतुराई से काम लिया," पोइरोट ने प्रशंसा करते हुए धीरे से कहा। वह दरवाजे से थोड़ा हटकर खड़ा हो गया। "शुभ संध्या, महोदया। मैं आपके न्यूयॉर्क से आए मित्र को तब तक रोके रखूंगा जब तक आप भाग नहीं जातीं।" "कितना मूर्ख है!" उस बड़े इतालवी ने दहाड़ते हुए कहा, और रिवाल्वर उठाकर उसने पीछे हटती हुई महिला पर एकदम करीब से गोली चला दी, ठीक उसी समय जब मैंने खुद को उस पर फेंक दिया।
लेकिन हथियार से केवल हानिरहित क्लिक की आवाज आई और पोइरोट की आवाज में हल्की सी फटकार का भाव आ गया।
"हेस्टिंग्स, तुम अपने पुराने दोस्त पर कभी भरोसा नहीं करोगे। मुझे अपने दोस्तों का अपने साथ भरी हुई पिस्तौल लेकर घूमना पसंद नहीं है और मैं किसी मामूली परिचित को भी ऐसा करने की इजाज़त नहीं दूंगा। नहीं, नहीं, मेरे दोस्त।" यह बात उन्होंने उस इतालवी से कही जो कर्कश स्वर में गालियां दे रहा था। पोइरोट ने हल्के से फटकार भरे लहजे में उससे बात करना जारी रखा। "देखो, मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है। मैंने तुम्हें फांसी से बचा लिया है। और यह मत सोचो कि हमारी सुंदर महिला बच निकलेगी। नहीं, नहीं, घर की पूरी निगरानी है। वे सीधे पुलिस के हाथों में जाएंगे। क्या यह एक सुंदर और सुकून देने वाला विचार नहीं है? हाँ, अब तुम कमरे से बाहर जा सकते हो। लेकिन सावधान रहना - बहुत सावधान रहना। मैं - आह, वह चला गया! और मेरा दोस्त हेस्टिंग्स मुझे तिरस्कार भरी निगाहों से देखता है। लेकिन यह सब इतना आसान था! शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोंटागु मेंशन नंबर 4 के लिए सैकड़ों आवेदकों में से केवल रॉबिन्सन परिवार को ही उपयुक्त समझा गया था। क्यों?

ऐसा क्या था जो उन्हें बाकियों से अलग करता था - लगभग एक नज़र में? उनका रूप-रंग? शायद, लेकिन यह इतना असामान्य नहीं था। फिर उनका नाम!"
"लेकिन रॉबिन्सन नाम में कुछ भी असामान्य नहीं है," मैंने चिल्लाकर कहा। "यह तो काफी आम नाम है।"
आह! सप्रिस्टी, बिल्कुल सही! यही तो बात थी। एल्सा हार्ड्ट और उनके पति, या भाई या जो भी वो असल में हैं, न्यूयॉर्क से आते हैं और मिस्टर और मिसेज़ रॉबिन्सन के नाम पर एक फ्लैट किराए पर लेते हैं। अचानक उन्हें पता चलता है कि कोई गुप्त संगठन, माफिया या कैमोरा, जिससे निस्संदेह लुइगी वाल्डार्नो जुड़ा हुआ था, उनका पीछा कर रहा है। वे क्या करते हैं! वे एक बेहद सरल योजना बनाते हैं। जाहिर है, वे जानते थे कि उनका पीछा करने वाले उनमें से किसी को भी व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते थे। तो फिर इससे सरल क्या हो सकता है? वे फ्लैट को बेहद कम किराए पर देने की पेशकश करते हैं। लंदन में फ्लैट ढूंढ रहे हजारों युवा जोड़ों में से कई रॉबिन्सन जरूर होंगे। बस इंतजार की बात है। अगर आप टेलीफोन डायरेक्टरी में रॉबिन्सन का नाम देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि सुनहरे बालों वाली मिसेज़ रॉबिन्सन जल्द ही या बाद में जरूर मिलेंगी। फिर क्या होगा? बदला लेने वाला आ जाता है। वह नाम जानता है, वह पता जानता है। वह हमला करता है! सब खत्म, बदला पूरा हो जाता है, और मिस एल्सा... हार्ड्ट एक बार फिर बाल-बाल बच गई। वैसे, हेस्टिंग्स, तुम्हें मुझे असली मिसेज़ रॉबिन्सन से मिलवाना होगा - वह कितनी प्यारी और सच्ची महिला हैं! जब उन्हें पता चलेगा कि उनके फ्लैट में चोरी हो गई है तो वे क्या सोचेंगे! हमें जल्दी वापस जाना चाहिए। आह, ऐसा लग रहा है जैसे जैप और उसके दोस्त आ रहे हैं।
दरवाजे की कुंडी पर एक जोरदार दस्तक सुनाई दी।
"आपको यह पता कैसे पता चला?" मैंने पोइरोट के पीछे-पीछे हॉल में जाते हुए पूछा। "अरे, बिल्कुल, आपने श्रीमती रॉबिन्सन का पीछा किया था जब वह दूसरे फ्लैट से निकली थीं।"
"शुभकामनाएं, हेस्टिंग्स। आखिरकार तुमने अपने दिमाग का इस्तेमाल किया। अब जैप के लिए एक छोटा सा सरप्राइज।" धीरे से दरवाजा खोलते हुए, उसने बिल्ली का सिर किनारे से बाहर निकाला और एक तीखी आवाज निकाली। "म्याऊं।"

स्कॉटलैंड यार्ड का इंस्पेक्टर, जो एक अन्य व्यक्ति के साथ बाहर खड़ा था, खुद पर काबू न रख पाने के कारण उछल पड़ा।
"अरे, ये तो मिस्टर पोइरोट हैं, जो अपने छोटे-मोटे मज़ाक कर रहे हैं!" उसने हैरानी से कहा, जैसे ही पोइरोट का सिर बिल्ली के पीछे-पीछे घूमा। "हमें अंदर आने दीजिए, महोदय।"
"क्या हमारे दोस्त सुरक्षित और स्वस्थ हैं?"
"हां, हमें पक्षी तो मिल गए हैं। लेकिन उनके पास सामान नहीं था।"
"मैं समझ गया। तो आप खोजने आए हैं। खैर, मैं हेस्टिंग्स के साथ रवाना होने वाला हूँ, लेकिन मैं आपको पालतू बिल्ली के इतिहास और आदतों के बारे में थोड़ा सा व्याख्यान देना चाहूँगा।"
"भगवान के लिए, क्या तुम पूरी तरह से पागल हो गए हो?"
पोइरोट ने वाक्पटुता से कहा, "प्राचीन मिस्रवासी बिल्ली की पूजा करते थे। आज भी काली बिल्ली का रास्ता काटना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। जैप, आज रात यही बिल्ली तुम्हारे रास्ते में आई। मुझे पता है, इंग्लैंड में किसी भी जानवर या व्यक्ति के आंतरिक अंगों के बारे में बात करना शिष्टाचार के विरुद्ध माना जाता है। लेकिन इस बिल्ली का आंतरिक अंग अत्यंत कोमल है। मेरा मतलब उसके आवरण से है।" अचानक एक कराह के साथ, दूसरे व्यक्ति ने पोइरोट के हाथ से बिल्ली छीन ली।
"ओह, मैं आपका परिचय कराना भूल गया," जैप ने कहा। "श्री पोइरोट, मैं अमेरिकी गुप्त सेवा का श्री बर्र हूँ।"
अमेरिकी की प्रशिक्षित उंगलियों ने वह महसूस कर लिया था जिसकी उसे तलाश थी। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और एक पल के लिए उसकी वाणी स्तब्ध रह गई। फिर उसने स्थिति को बखूबी संभाला।
श्री बर्र ने कहा, "आपसे मिलकर खुशी हुई।"

हंटर लॉज का रहस्य

“आखिरकार,” पोइरोट ने धीरे से कहा, “हो सकता है कि इस बार मैं न मरूँ।” एक बीमार मरीज़ से यह बात सुनकर मुझे अच्छा लगा, क्योंकि यह एक सकारात्मक आशावाद का संकेत था। मैं खुद इस बीमारी का पहला शिकार था। पोइरोट की बारी आई थी। अब वह तकियों के सहारे बिस्तर पर बैठे थे, उनका सिर ऊनी शॉल से ढका

हुआ था, और वह धीरे-धीरे एक तीखी हर्बल चाय पी रहे थे, जिसे मैंने उनके निर्देशानुसार तैयार किया था। उनकी नज़रें शेल्फ पर करीने से सजी दवाइयों की बोतलों की कतार पर टिकी हुई थीं।
"हाँ, हाँ," मेरे छोटे दोस्त ने आगे कहा। "एक बार फिर मैं वही महान हरक्यूल पोइरोट बनूँगा, अपराधियों का आतंक! ज़रा सोचो, मेरे दोस्त, कि सोसाइटी गॉसिप में मेरे लिए एक छोटा सा पैराग्राफ है। लेकिन हाँ! ये रहा! 'जाओ - अपराधियों - बाहर निकलो! हरक्यूल पोइरोट - और यकीन मानो, लड़कियों, वो वाकई में हरक्यूल है! - हमारा चहेता जासूस तुम्हें काबू में नहीं कर सकता। क्योंकि क्यों? क्योंकि उसे खुद ही फ्लू हो गया है!"
मैं हँस पड़ा।
"शाबाश, पोइरोट। आप तो काफी मशहूर हस्ती बनते जा रहे हैं। और सौभाग्य से इस दौरान आपने कोई भी खास दिलचस्प घटना नहीं छोड़ी है।"
"यह सच है। जिन कुछ मामलों को मुझे अस्वीकार करना पड़ा, उनका मुझे कोई अफसोस नहीं है।" हमारी मकान मालकिन ने दरवाजे से अपना सिर अंदर झाँका। "नीचे एक सज्जन हैं। उनका कहना है कि उन्हें श्री पोइरोट या आपसे, कैप्टन, मिलना है। चूंकि वे काफी व्यस्त थे - और वैसे भी काफी सज्जन व्यक्ति थे - इसलिए मैंने उनका कार्ड निकाला।" उन्होंने मुझे गत्ते का टुकड़ा थमा दिया। "श्री रोजर हैवरिंग," मैंने पढ़ा। पोइरोट ने किताबों की अलमारी की ओर इशारा किया, और मैंने आज्ञाकारी होकर "हूज़ हू" निकाल लिया। पोइरोट ने मुझसे वह लिया और पन्ने तेजी से पलटे।
"पांचवें बैरन विंडसर के दूसरे पुत्र। 1913 में विलियम क्रैब की चौथी पुत्री ज़ो से विवाह किया।"
"हम्म!" मैंने कहा। "मुझे लगता है कि ये वही लड़की है जो फ्रिवोलिटी थिएटर में अभिनय करती थी - बस वो अपना नाम ज़ो कैरिसब्रुक रखती थी। मुझे याद है कि उसने युद्ध से ठीक पहले शहर के किसी नौजवान से शादी कर ली थी।"
"क्या आपको, हेस्टिंग्स, नीचे जाकर यह सुनने में दिलचस्पी होगी कि हमारे आगंतुक को विशेष रूप से क्या परेशानी है?"
उसे मेरी सारी माफी बता देना।
रोजर हैवरिंग लगभग चालीस वर्ष का, सुगठित शरीर वाला और आकर्षक दिखने वाला व्यक्ति था। हालाँकि, उसका चेहरा थका हुआ लग रहा था और वह स्पष्ट रूप से अत्यधिक तनावग्रस्त था।

"कैप्टन हेस्टिंग्स? मुझे पता चला है कि आप महाशय पोइरोट के सहयोगी हैं। यह अत्यंत आवश्यक है कि वे आज मेरे साथ डर्बीशायर चलें।"
मैंने जवाब दिया, "मुझे खेद है कि यह असंभव है। पोइरोट बीमार हैं और बिस्तर पर पड़े हैं - उन्हें फ्लू हो गया है।" उनका चेहरा उतर गया।
"हे भगवान, यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका है।"
"जिस मामले पर आप उनसे परामर्श करना चाहते हैं, वह गंभीर है?"
"हे भगवान! हाँ! मेरे चाचा, जो दुनिया में मेरे सबसे अच्छे दोस्त थे, उनकी कल रात बेरहमी से हत्या कर दी गई।"
"यहाँ लंदन में?"
"नहीं, डर्बीशायर में। मैं शहर में था और आज सुबह मुझे अपनी पत्नी का एक टेलीग्राम मिला। इसे मिलते ही मैंने तुरंत यहाँ आने और महाशय पोइरोट से इस मामले को अपने हाथ में लेने की विनती करने का निश्चय किया।"
"अगर आप मुझे एक मिनट का समय दें," मैंने अचानक आए एक विचार से कहा। मैं दौड़कर ऊपर गया और कुछ संक्षिप्त शब्दों में पोइरोट को स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने मेरे मुंह से आगे के सारे शब्द छीन लिए।
"मैं समझ गया। मैं समझ गया। आप खुद जाना चाहते हैं, है ना? अच्छा, क्यों नहीं? आपको अब तक मेरे तरीके पता होने चाहिए। मेरी बस यही गुजारिश है कि आप मुझे हर दिन पूरी रिपोर्ट दें और मेरे द्वारा भेजे गए किसी भी निर्देश का अक्षरशः पालन करें।"
मैंने इस बात पर सहर्ष सहमति जताई।
एक घंटे बाद मैं मिडलैंड रेलवे के एक प्रथम श्रेणी के डिब्बे में श्री हैवरिंग के सामने बैठा था, जो लंदन से तेजी से दूर जा रहा था।
"सबसे पहले, कैप्टन हेस्टिंग्स, आपको यह समझना होगा कि हंटर लॉज, जहाँ हम जा रहे हैं और जहाँ यह त्रासदी घटी, डर्बीशायर के दलदली इलाकों के बीचोंबीच स्थित एक छोटा सा शिकारगाह मात्र है। हमारा असली घर न्यूमार्केट के पास है, और हम आमतौर पर सीज़न के लिए शहर में एक फ्लैट किराए पर लेते हैं। हंटर लॉज की देखभाल एक हाउसकीपर करती है जो हमारे कभी-कभार वीकेंड पर आने पर हमारी सभी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम है। बेशक, शिकार के मौसम के दौरान, हम न्यूमार्केट से अपने कुछ नौकरों को भी बुला लेते हैं। मेरे चाचा, श्री हैरिंगटन पेस (जैसा कि आप जानते होंगे, मेरी माँ न्यूयॉर्क की मिस पेस थीं), पिछले तीन वर्षों से हमारे साथ रह रहे हैं। उनके मेरे पिता

या मेरे बड़े भाई के साथ कभी अच्छे संबंध नहीं रहे, और मुझे लगता है कि मेरे कुछ हद तक फिजूलखर्ची करने वाले बेटे होने के कारण उनके मन में मेरे प्रति स्नेह कम होने के बजाय और बढ़ गया। बेशक मैं गरीब हूँ, और मेरे चाचा अमीर थे - दूसरे शब्दों में, उन्होंने ही सारा खर्च उठाया! लेकिन, कई मामलों में सख्त होने के बावजूद, उनके साथ तालमेल बिठाना वास्तव में मुश्किल नहीं था।" हम तीनों बहुत सौहार्दपूर्ण ढंग से साथ रहते थे। दो दिन पहले मेरे चाचा, शहर में हमारी हाल की कुछ मौज-मस्ती से तंग आकर, सुझाव दिया कि हमें एक-दो दिन के लिए डर्बीशायर चले जाना चाहिए। मेरी पत्नी ने गृहस्वामी श्रीमती मिडलटन को टेलीग्राम भेजा और हम उसी दोपहर वहाँ चले गए। कल शाम मुझे शहर लौटना पड़ा, लेकिन मेरी पत्नी और मेरे चाचा वहीं रह गए। आज सुबह मुझे यह टेलीग्राम मिला।
उन्होंने इसे मुझे सौंप दिया:
"अंकल हैरिंगटन की कल रात हत्या हो गई, तुरंत आओ। हो सके तो एक अच्छा जासूस ले आओ, लेकिन जरूर आओ - ज़ोई।"
"तो, अभी तक आपको कोई जानकारी नहीं है?"
"नहीं, मुझे लगता है यह शाम के अखबारों में छपेगा। इसमें कोई शक नहीं कि पुलिस ही मामले की जांच कर रही है।" जब हम एल्मर डेल के छोटे से थाने पहुंचे तो लगभग तीन बज रहे थे। वहां से पांच मील की दूरी तय करके हम बीहड़ मैदानों के बीच एक छोटी सी भूरे रंग की पत्थर की इमारत पर पहुंचे।
"एक सुनसान जगह," मैंने सिहरते हुए कहा।
हैवरिंग ने सिर हिलाया।
"मैं इसे हटाने की कोशिश करूंगा। मैं अब यहाँ कभी नहीं रह सकता।" हमने फाटक की कुंडी खोली और ओक के दरवाजे की ओर संकरे रास्ते पर चलने लगे, तभी एक जानी-पहचानी आकृति प्रकट हुई और हमसे मिलने आई।
"जप्प!" मैंने चीख मारी।
स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर ने मेरे साथी से बात करने से पहले मेरी ओर दोस्ताना अंदाज में मुस्कुराते हुए देखा।
"श्री हैवरिंग, मुझे लगता है? मुझे इस मामले की जिम्मेदारी लेने के लिए लंदन से भेजा गया है, और अगर अनुमति हो तो मैं आपसे कुछ बात करना चाहूंगा, महोदय।"
"मेरी पत्नी-"

"मैंने आपकी पत्नी और नौकरानी को देख लिया है, महोदय। मैं आपको एक पल भी नहीं रोकूंगा, लेकिन अब जब मैंने यहां सब कुछ देख लिया है, तो मुझे वापस गांव जाने की जल्दी है।"
मुझे अभी तक इस बारे में कुछ भी पता नहीं है कि किस बारे में-"
"बिल्कुल," जैप ने शांत भाव से कहा। "लेकिन फिर भी एक-दो छोटी-छोटी बातें हैं जिन पर मैं आपकी राय जानना चाहता हूँ। कैप्टन हेस्टिंग्स मुझे जानते हैं, और वो घर जाकर सबको बता देंगे कि आप आ रहे हैं। वैसे, कैप्टन हेस्टिंग्स, आपने उस छोटे आदमी का क्या किया?"
"वह फ्लू से बीमार होकर बिस्तर पर पड़ा है।"
"क्या अब वो यहाँ है? यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। ये तो घोड़े के बिना गाड़ी वाली बात हो गई, है ना? तुम्हारा उसके बिना यहाँ होना?"
और उसके इस बेतुके मजाक पर मैं घर की ओर चल पड़ा। मैंने घंटी बजाई, क्योंकि जैप ने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया था। कुछ देर बाद काले कपड़े पहने एक अधेड़ उम्र की महिला ने मेरे लिए दरवाजा खोला।
मैंने समझाया, "श्री हैवरिंग अभी यहाँ आ जाएँगे। उन्हें इंस्पेक्टर ने हिरासत में ले लिया है। मैं उनके साथ लंदन से इस मामले की जाँच करने आया हूँ। शायद आप मुझे संक्षेप में बता सकें कि कल रात क्या हुआ था।"
"अंदर आइए, महोदय।" उसने मेरे पीछे दरवाजा बंद कर दिया, और हम मंद रोशनी वाले हॉल में खड़े हो गए। "कल रात खाने के बाद, महोदय, वह आदमी आया था। उसने श्री पेस से मिलने की इच्छा जताई, और चूंकि वह उसी लहजे में बोलता था, इसलिए मैंने सोचा कि वह श्री पेस का कोई अमेरिकी सज्जन मित्र होगा, और मैंने उसे बंदूक वाले कमरे में ले जाकर श्री पेस को बताने का फैसला किया। उसने अपना नाम नहीं बताया, जो कि अब मुझे थोड़ा अजीब लगता है। मैंने श्री पेस को बताया, और वह कुछ उलझन में दिखे, लेकिन उन्होंने मालकिन से कहा: 'माफ़ कीजिए, ज़ो, मैं बस यह देख लूँ कि यह आदमी क्या चाहता है।'" वह बंदूक वाले कमरे में चला गया, और मैं रसोई में वापस चली गई, लेकिन थोड़ी देर बाद मुझे तेज़ आवाज़ें सुनाई दीं, जैसे कोई झगड़ रहा हो, और मैं बाहर हॉल में आ गई। उसी समय, मालकिन भी बाहर आई, और तभी एक गोली चली और फिर भयानक सन्नाटा छा गया। हम दोनों बंदूक वाले कमरे के दरवाजे की ओर भागे, लेकिन वह बंद था और हमें खिड़की के पास जाना पड़ा। खिड़की खुली थी, और अंदर मिस्टर पेस थे, गोली लगने से बुरी तरह घायल और खून बह रहा था।

उस आदमी का क्या हुआ?
"हमारे पहुंचने से पहले ही वह खिड़की से निकलकर भाग गया होगा, महोदय।" "और तब?"
"श्रीमती हैवरिंग ने मुझे पुलिस को लाने के लिए भेजा था। पाँच मील पैदल चलना था। वे मेरे साथ वापस आए, और कांस्टेबल पूरी रात वहीं रुका रहा, और आज सुबह लंदन से पुलिस का एक सज्जन व्यक्ति आ गया।"
"मिस्टर पेस से मिलने आए वो आदमी कैसा था?"
नौकरानी सोचने लगी।
"उनकी काली दाढ़ी थी, महोदय, वे लगभग अधेड़ उम्र के थे और उन्होंने एक हल्का ओवरकोट पहना हुआ था। उनके अमेरिकी लहजे में बोलने के अलावा मैंने उनमें और कुछ खास नहीं देखा।"
"मैं समझ गया। अब मुझे आश्चर्य हो रहा है कि क्या मैं श्रीमती हैवरिंग को देख सकता हूँ?"
"वह ऊपर हैं, महोदय। क्या मैं उन्हें बता दूं?"
"कृपया, उन्हें बता दीजिए कि श्री हैवरिंग इंस्पेक्टर जैप के साथ बाहर हैं, और वह सज्जन जिन्हें वह लंदन से अपने साथ लाए हैं, उनसे जल्द से जल्द बात करना चाहते हैं।"
"बहुत बढ़िया, महोदय।"
मुझे सारे तथ्य जानने की तीव्र इच्छा थी। जैप मुझसे दो-तीन घंटे आगे था, और उसके जाने की बेचैनी ने मुझे भी उसके पीछे-पीछे चलने के लिए उत्सुक कर दिया।
श्रीमती हैवरिंग ने मुझे ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं करवाया। कुछ ही मिनटों में मुझे सीढ़ियों से नीचे उतरती हल्की आहट सुनाई दी और मैंने ऊपर देखा तो एक बेहद खूबसूरत युवती मेरी ओर आ रही थी। उसने चमकीले लाल रंग का स्वेटर पहना हुआ था, जो उसके दुबले-पतले, लड़के जैसे शरीर को और भी आकर्षक बना रहा था। उसके काले सिर पर चमकीले लाल रंग की चमड़े की छोटी सी टोपी थी। वर्तमान त्रासदी भी उसके व्यक्तित्व की जीवंतता को कम नहीं कर पाई थी। मैंने अपना परिचय दिया और उसने तुरंत समझकर सिर हिलाया।
"मैंने आपके और आपके सहयोगी, महाशय पोइरोट के बारे में अक्सर सुना है। आप दोनों ने मिलकर कुछ अद्भुत काम किए हैं, है ना? मेरे पति ने आपको इतनी जल्दी बुलाकर बहुत ही समझदारी का काम किया। अब क्या आप मुझसे सवाल

पूछेंगे? इस भयानक मामले के बारे में आप जो कुछ भी जानना चाहते हैं, उसे जानने का यही सबसे आसान तरीका है, है ना?"
"धन्यवाद, श्रीमती हैवरिंग। अब यह आदमी किस समय आया था?"
"लगभग नौ बजने से ठीक पहले का समय रहा होगा। हमने रात का खाना खत्म कर लिया था और कॉफी और सिगरेट के साथ बैठे थे।"
"क्या आपके पति पहले ही लंदन के लिए रवाना हो चुके थे?"
"हां, वह 6:15 बजे तक ऊपर चला गया था।"
"क्या वह कार से स्टेशन गया था, या पैदल?"
"हमारी अपनी कार यहां नहीं है। उसे ट्रेन पकड़ने के लिए समय पर लाने के लिए एल्मर्स डेल के गैराज से एक कार भेजी गई थी।"
"क्या मिस्टर पेस बिल्कुल अपने सामान्य स्वभाव में थे?"
"बिल्कुल। हर तरह से सबसे सामान्य।"
"क्या आप इस आगंतुक का कुछ वर्णन कर सकते हैं?"
"मुझे अफसोस है कि नहीं। मैंने उसे नहीं देखा। श्रीमती मिडलटन उसे सीधे बंदूक वाले कमरे में ले गईं और फिर मेरे चाचा को बताने आईं।"
"तुम्हारे चाचा ने क्या कहा?"
"वह कुछ नाराज़ लग रहा था, लेकिन तुरंत चला गया। लगभग पाँच मिनट बाद मुझे तेज़ आवाज़ें सुनाई दीं। मैं दौड़कर हॉल में गई और श्रीमती मिडलटन से टकराते-टकराते बची। फिर हमें गोली चलने की आवाज़ सुनाई दी। बंदूक वाले कमरे का दरवाज़ा अंदर से बंद था, और हमें खिड़की तक पहुँचने के लिए पूरे घर का चक्कर लगाना पड़ा। ज़ाहिर है, इसमें कुछ समय लगा, और हत्यारा भागने में कामयाब हो गया। मेरे बेचारे चाचा—" उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई—"को सिर में गोली लगी थी। मैंने तुरंत देख लिया कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। मैंने श्रीमती मिडलटन को पुलिस को बुलाने के लिए भेजा। मैंने कमरे में किसी भी चीज़ को छूने से परहेज़ किया और उसे ठीक वैसे ही छोड़ दिया जैसा मैंने उसे पाया था।"
मैंने सहमति में सिर हिलाया।
"अब हथियार के बारे में क्या?"
"ठीक है, कैप्टन हेस्टिंग्स, मैं इसका अंदाज़ा लगा सकती हूँ। मेरे पति की दो रिवाल्वर दीवार पर टंगी हुई थीं। उनमें से एक गायब है। मैंने पुलिस को

इस बारे में बताया, और वे दूसरी रिवाल्वर अपने साथ ले गए। जब वे गोली निकाल लेंगे, तो मुझे लगता है कि उन्हें पक्का पता चल जाएगा।"
"क्या मैं बंदूक कक्ष में जा सकता हूँ?"
"ज़रूर। पुलिस ने मामला सुलझा लिया है। लेकिन शव हटा दिया गया है।" वह मेरे साथ घटनास्थल तक आईं। उसी क्षण हैवरिंग हॉल में दाखिल हुए और जल्दी से माफ़ी मांगते हुए उनकी पत्नी उनके पास दौड़ गईं। मुझे अपनी जांच अकेले ही करनी पड़ी। मैं अभी ही स्वीकार कर लेता हूँ कि मेरी जांच कुछ खास सफल नहीं हुई। जासूसी उपन्यासों में सुरागों की भरमार होती है, लेकिन यहाँ मुझे कुछ भी असामान्य नहीं मिला, सिवाय कालीन पर खून के एक बड़े धब्बे के, जहाँ मुझे लगा कि मृत व्यक्ति गिरा होगा। मैंने हर चीज़ की सावधानीपूर्वक जांच की और अपने साथ लाए छोटे कैमरे से कमरे की कुछ तस्वीरें लीं। मैंने खिड़की के बाहर की ज़मीन भी देखी, लेकिन वह इतनी बुरी तरह से रौंदी गई थी कि मुझे लगा कि उस पर समय बर्बाद करना व्यर्थ है। नहीं, हंटर लॉज में जो कुछ भी देखना बाकी था, मैंने देख लिया था। मुझे एल्मर्स डेल वापस जाना होगा और जैप से संपर्क करना होगा। इसी के अनुसार मैंने हैवरिंग परिवार से विदा ली और उस कार में बैठकर चला गया जो हमें थाने से यहाँ लाई थी। मैंने जैप को मैटलॉक आर्म्स में पाया और वह मुझे तुरंत शव दिखाने ले गया। हैरिंगटन पेस कद में छोटा, दुबला-पतला, दाढ़ी-मूंछ साफ किए हुए व्यक्ति थे, दिखने में बिल्कुल अमेरिकी जैसे। उनके सिर के पिछले हिस्से में गोली लगी थी और रिवाल्वर को बहुत करीब से चलाया गया था।
जैप ने कहा, "एक पल के लिए ही उसने नज़र हटाई थी, और दूसरे आदमी ने झट से रिवाल्वर उठाकर उसे गोली मार दी। श्रीमती हैवरिंग ने जो रिवाल्वर हमें सौंपी थी, वह पूरी तरह भरी हुई थी और मुझे लगता है कि दूसरी भी भरी हुई थी। लोग कितनी बेवकूफी भरी हरकतें करते हैं, ये देखकर हैरानी होती है। दीवार पर दो भरी हुई रिवाल्वर टांग कर रखना कितना अजीब है।"
"इस मामले के बारे में आपकी क्या राय है?" मैंने पूछा, जब हम उस भयावह कक्ष को पीछे छोड़कर बाहर निकल रहे थे।
"खैर, मेरी नज़र तो शुरू से ही हैवरिंग पर थी। ओह, हाँ!" मेरी हैरानी भरी अभिव्यक्ति को देखकर उन्होंने कहा।
हैवरिंग के अतीत में एक-दो संदिग्ध घटनाएँ हैं। जब वह ऑक्सफ़ोर्ड में पढ़ रहा था, तब उसके पिता के एक चेक पर हस्ताक्षर को लेकर कुछ गड़बड़ हुई थी।

ज़ाहिर है, सब कुछ दबा दिया गया था। अब वह काफ़ी कर्ज़ में डूबा हुआ है, और ये ऐसे कर्ज़ हैं जिनके बारे में वह अपने चाचा से बात नहीं करना चाहेगा, जबकि आप यकीन मान सकते हैं कि चाचा की वसीयत उसके पक्ष में होगी। हाँ, मेरी उस पर नज़र थी, और इसीलिए मैं उसकी पत्नी से मिलने से पहले उससे बात करना चाहता था, लेकिन उनके बयान बिल्कुल मेल खाते हैं, और मैं स्टेशन गया था और इसमें कोई शक नहीं है कि वह 6:15 बजे तक निकल गया था। वह ट्रेन लगभग 10:30 बजे लंदन पहुँचती है। वह कहता है कि वह सीधे अपने क्लब गया था, और अगर यह बात सही है तो।
- अरे, वो तो रात नौ बजे यहाँ अपने चाचा को काली दाढ़ी में गोली मार रहा होगा!
"अरे हाँ, मैं आपसे यही पूछने वाला था कि आपको वो दाढ़ी कैसी लगी?" जैप ने आँख मारी।
"मुझे लगता है कि यह बहुत तेज़ी से फैला - एल्मर्स डेल से हंटर्स लॉज तक पाँच मील के दायरे में ही फैल गया। मैंने जितने भी अमेरिकियों से मुलाकात की है, उनमें से ज़्यादातर क्लीन शेव्ड हैं। हाँ, हत्यारे को हमें मिस्टर पेस के अमेरिकी साथियों में ही खोजना होगा। मैंने पहले हाउसकीपर से पूछताछ की, फिर उसकी मालकिन से, और उनकी कहानियाँ लगभग एक जैसी हैं, लेकिन मुझे अफ़सोस है कि मिसेज़ हैवरिंग उस आदमी को नहीं देख पाईं। वह एक समझदार महिला हैं, और हो सकता है कि उन्होंने कुछ ऐसा देख लिया होता जिससे हमें सुराग मिल जाता।" मैं बैठ गया और पोइरोट को एक लंबा-चौड़ा विवरण लिखा। पत्र भेजने से पहले मैं उसमें कई और जानकारियाँ जोड़ पाया।
गोली निकाल ली गई थी और यह साबित हो गया था कि इसे उसी रिवॉल्वर से चलाया गया था जो पुलिस के पास थी। इसके अलावा, उस रात श्री हैवरिंग की गतिविधियों की जाँच और पुष्टि की गई थी, और यह निर्विवाद रूप से साबित हो गया था कि वे वास्तव में उसी ट्रेन से लंदन पहुँचे थे। और, तीसरी बात, एक सनसनीखेज घटनाक्रम हुआ। ईलिंग में रहने वाले एक शहर के सज्जन, उस सुबह डिस्ट्रिक्ट रेलवे स्टेशन जाने के लिए हेवन ग्रीन पार करते समय, रेलिंग के बीच फंसा हुआ एक भूरे कागज का पार्सल देखा। उसे खोलने पर, उन्होंने पाया कि उसमें एक रिवॉल्वर थी। उन्होंने पार्सल स्थानीय पुलिस स्टेशन को सौंप दिया, और रात होने से पहले ही यह साबित हो गया कि यह वही रिवॉल्वर थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे, वही रिवॉल्वर जो श्रीमती हैवरिंग ने हमें दी थी। इससे एक गोली चलाई

गई थी। यह सब मैंने अपनी रिपोर्ट में जोड़ा। अगली सुबह जब मैं नाश्ता कर रहा था, तब पोइरोट का एक तार आया:
"बेशक, काली दाढ़ी वाला आदमी हैवरिंग नहीं था, केवल तुम या जैप ही ऐसा सोच सकते थे। मुझे हाउसकीपर का विवरण और उसने आज सुबह क्या पहना था, श्रीमती हैवरिंग का भी विवरण भेजो। अंदरूनी हिस्सों की तस्वीरें लेने में समय बर्बाद मत करो, वे कम रोशनी वाली हैं और बिल्कुल भी कलात्मक नहीं हैं।" मुझे लगा कि पोइरोट की शैली अनावश्यक रूप से मज़ाकिया थी। मुझे यह भी लगा कि वह मामले को सुलझाने के लिए सभी सुविधाओं के साथ मौके पर मेरी स्थिति से कुछ हद तक ईर्ष्या कर रहा था। दोनों महिलाओं द्वारा पहने गए कपड़ों का विवरण देने का उसका अनुरोध मुझे सरासर हास्यास्पद लगा, लेकिन मैंने एक साधारण पुरुष होने के नाते अपनी क्षमता के अनुसार उसका पालन किया। ग्यारह बजे पोइरोट की ओर से एक जवाबी तार आया:
"जाप्प को सलाह दें कि नौकरानी को बहुत देर होने से पहले गिरफ्तार कर लें।" मैं अचंभित होकर तार लेकर जैप के पास गया। उसने धीमी आवाज़ में कुछ अपशब्द कहे।
"वह तो कमाल का आदमी है, महाशय पोइरोट! अगर वह ऐसा कहता है, तो उसमें कुछ सच्चाई जरूर है। और मैंने उस महिला पर मुश्किल से ही ध्यान दिया। मुझे नहीं पता कि मैं उसे गिरफ्तार करने की हद तक जा सकता हूँ या नहीं, लेकिन मैं उस पर नजर रखूंगा। हम अभी ऊपर जाएंगे और उस पर एक बार फिर नजर डालेंगे।"
लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। श्रीमती मिडलटन, वह शांत स्वभाव की अधेड़ महिला, जो देखने में इतनी सामान्य और सम्मानित लगती थीं, अचानक गायब हो गईं। उनका बक्सा वहीं छूट गया था। उसमें केवल साधारण कपड़े थे। उसमें उनकी पहचान या उनके ठिकाने के बारे में कोई सुराग नहीं था। श्रीमती हैवरिंग से हमने हर संभव जानकारी जुटाई:
"मैंने उसे लगभग तीन हफ्ते पहले काम पर रखा था जब हमारी पूर्व हाउसकीपर श्रीमती एमरी चली गई थीं। वह माउंट स्ट्रीट स्थित श्रीमती सेलबोर्न की एजेंसी से मेरे पास आई थीं - जो एक बहुत प्रसिद्ध जगह है। मैं अपने सभी नौकर वहीं से लेता हूँ। उन्होंने कई महिलाओं को मुझसे मिलने भेजा था, लेकिन श्रीमती मिडलटन मुझे सबसे अच्छी लगीं और उनके बारे में बहुत अच्छी सिफारिशें थीं। मैंने उन्हें तुरंत काम पर रख लिया और एजेंसी को इसकी

सूचना दे दी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि उनमें कुछ गड़बड़ थी। वह इतनी अच्छी और शांत महिला थीं।" यह मामला वाकई रहस्यमय था। हालांकि यह स्पष्ट था कि महिला ने खुद अपराध नहीं किया होगा, क्योंकि जिस समय गोली चली, श्रीमती हैवरिंग उनके साथ हॉल में थीं, फिर भी हत्या से उनका कुछ न कुछ संबंध जरूर रहा होगा, वरना वह अचानक भाग क्यों जातीं?
मैंने पोइरोट को नवीनतम घटनाक्रम की सूचना तार से दी और सुझाव दिया कि वे लंदन लौटकर सेलबोर्न की एजेंसी में पूछताछ करें।
पोइरोट का जवाब तुरंत आया:
"एजेंसी में पूछताछ करना बेकार है, उन्होंने उसके बारे में कभी सुना ही नहीं होगा। पता लगाइए कि जब वह पहली बार हंटर्स लॉज पहुंची थी तो उसे वहां तक ले जाने वाला वाहन कौन सा था।"
हालांकि मैं असमंजस में था, फिर भी मैंने आज्ञा का पालन किया। एल्मर डेल में परिवहन के साधन सीमित थे। स्थानीय गैराज में दो खस्ताहाल फोर्ड कारें थीं, और दो चमचमाती गाड़ियाँ थीं।
इनमें से किसी की भी उस तारीख को मांग नहीं रखी गई थी। पूछताछ करने पर, श्रीमती हैवरिंग ने बताया कि उन्होंने उस महिला को डर्बीशायर तक के किराए के लिए पैसे दिए थे और हंटर लॉज तक जाने के लिए कार किराए पर लेने या हवाई जहाज से जाने के लिए पर्याप्त पैसे दिए थे। स्टेशन पर आमतौर पर एक फोर्ड कार मौजूद रहती थी, इस उम्मीद में कि शायद उसकी ज़रूरत पड़ जाए। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस मनहूस शाम को स्टेशन पर किसी ने भी किसी अजनबी, चाहे वह काली दाढ़ी वाला हो या नहीं, के आने पर ध्यान नहीं दिया था, सब कुछ इस निष्कर्ष की ओर इशारा करता प्रतीत होता है कि हत्यारा एक कार में घटनास्थल पर आया था, जो उसके भागने में मदद के लिए पास ही इंतजार कर रही थी, और उसी कार ने उस रहस्यमय हाउसकीपर को उसके नए पद पर पहुंचाया था। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि लंदन स्थित एजेंसी में पूछताछ से पोइरोट की भविष्यवाणी की पुष्टि हुई। उनके रिकॉर्ड में "श्रीमती मिडलटन" नाम की कोई महिला कभी दर्ज नहीं थी। उन्हें माननीय श्रीमती हैवरिंग का हाउसकीपर पद के लिए आवेदन प्राप्त हुआ था, और उन्होंने उन्हें इस पद के लिए कई आवेदकों के नाम भेजे थे। जब उन्होंने उन्हें नियुक्ति शुल्क भेजा, तो उन्होंने यह उल्लेख नहीं किया कि उन्होंने किस महिला का चयन किया था।

कुछ निराश होकर मैं लंदन लौट आया। मैंने देखा कि पोइरोट भड़कीले रेशमी गाउन में आग के पास एक आरामकुर्सी पर बैठे हुए थे। उन्होंने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया।
"मेरे मित्र हेस्टिंग्स! तुम्हें देखकर मुझे कितनी खुशी हुई! सचमुच, मुझे तुमसे बहुत स्नेह है! और तुमने खूब आनंद लिया? अच्छे जापानी के साथ खूब भागदौड़ की? जी भर के पूछताछ और छानबीन की?"
मैंने चिल्लाकर कहा, "पोइरोट, यह मामला एक गहरा रहस्य है! इसका कभी समाधान नहीं होगा।"
"यह सच है कि हमें इस पर कोई गौरव प्राप्त होने की संभावना नहीं है।"
"जी नहीं, बिल्कुल। यह एक मुश्किल काम है।"
"ओह, जहाँ तक इसकी बात है, मैं अखरोट तोड़ने में बहुत माहिर हूँ! बिलकुल गिलहरी जैसा! लेकिन इससे मुझे शर्म नहीं आती। मुझे अच्छी तरह पता है कि मिस्टर हैरिंगटन पेस को किसने मारा था।"
"पता है? आपको कैसे पता चला?"
"मेरे पत्रों के आपके ज्ञानवर्धक उत्तरों ने मुझे सच्चाई से अवगत कराया। देखिए, हेस्टिंग्स, आइए तथ्यों की व्यवस्थित और क्रमबद्ध तरीके से जांच करें। श्री हैरिंगटन पेस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास काफी संपत्ति है, जो उनकी मृत्यु के बाद निस्संदेह उनके भतीजे को मिलेगी। बिंदु संख्या 1. उनके भतीजे की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। बिंदु संख्या 2. उनके भतीजे के बारे में यह भी ज्ञात है कि वे - क्या हम कह सकते हैं कि - कुछ हद तक अनैतिक चरित्र के हैं। बिंदु संख्या 3।"
लेकिन यह साबित हो चुका है कि रोजर हैवरिंग सीधे लंदन तक की यात्रा पर गए थे।
"स्पष्टतः - और इसलिए, चूंकि श्री हैवरिंग ने एल्मर्स डेल को 6:15 बजे छोड़ा था, और चूंकि श्री पेस की हत्या उनके जाने से पहले नहीं हो सकती थी, अन्यथा डॉक्टर ने शव की जांच करते समय अपराध के समय को गलत बताया होता, इसलिए हम बिल्कुल सही निष्कर्ष निकालते हैं कि श्री हैवरिंग ने अपने चाचा को गोली नहीं मारी। लेकिन हेस्टिंग्स में एक श्रीमती हैवरिंग हैं।" "असंभव! गोली चलने के समय नौकरानी उसके साथ थी।"
"अरे हाँ, नौकरानी। लेकिन वह गायब हो गई है।"
वह मिल जाएगी।

"मुझे नहीं लगता। उस हाउसकीपर के बारे में कुछ अजीब सी रहस्यमयी बात है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता, हेस्टिंग्स? मुझे तो यह बात तुरंत समझ आ गई।" "मुझे लगता है कि उसने अपनी भूमिका निभाई और ऐन मौके पर बाहर निकल गई।"
और उसकी भूमिका क्या थी?
"खैर, शायद अपने साथी, उस काली दाढ़ी वाले आदमी को स्वीकार करने के लिए।" "अरे नहीं, यह उसका काम नहीं था! उसका काम तो वही था जिसका आपने अभी ज़िक्र किया, गोली चलने के समय श्रीमती हैवरिंग के लिए एक पुख्ता सबूत पेश करना। और उसे कोई कभी नहीं ढूंढ पाएगा, मेरे दोस्त, क्योंकि उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है! 'ऐसा कोई व्यक्ति होता ही नहीं,' जैसा कि आपके महान शेक्सपियर ने कहा है।"
"ये डिकेंस थे," मैंने धीरे से कहा, अपनी मुस्कान को रोके बिना। "लेकिन आपका मतलब क्या है, पोइरोट?"
"मेरा मतलब है कि ज़ोई हैवरिंग शादी से पहले एक अभिनेत्री थीं, कि आपने और जैप ने नौकरानी को सिर्फ़ एक अंधेरे हॉल में देखा था, काले कपड़ों में एक धुंधली अधेड़ उम्र की आकृति, धीमी और दबी हुई आवाज़ के साथ, और अंत में न तो आपने, न जैप ने, और न ही नौकरानी द्वारा बुलाई गई स्थानीय पुलिस ने, श्रीमती मिडलटन और उनकी मालकिन को कभी एक साथ देखा था। उस चतुर और साहसी महिला के लिए यह बच्चों का खेल था। अपनी मालकिन को बुलाने के बहाने, वह ऊपर भागी, एक चमकीला जम्पर और काले घुंघराले बालों वाली टोपी पहनी, जिसे उसने अपने धूसर चेहरे पर कसकर लगा लिया। कुछ ही कुशल स्पर्शों से मेकअप हट गया, रूज की हल्की सी परत लगी, और प्रतिभाशाली ज़ोई हैवरिंग अपनी स्पष्ट और गूंजती हुई आवाज़ के साथ नीचे आ गईं। किसी ने भी नौकरानी की तरफ़ विशेष ध्यान नहीं दिया। उन्हें क्यों देना चाहिए? अपराध से उसका कोई संबंध नहीं है। उसके पास भी पुख्ता सबूत है।"
"लेकिन ईटिंग में मिली रिवॉल्वर? श्रीमती हैवरिंग उसे वहां नहीं रख सकती थीं?"
नहीं, वह तो रोजर हैवरिंग का काम था - लेकिन यह उनकी गलती थी। इसने मुझे सही राह दिखाई। एक आदमी जिसने घटनास्थल पर मिली रिवॉल्वर से हत्या की हो, वह उसे तुरंत फेंक देगा, वह उसे अपने साथ लंदन नहीं ले जाएगा। नहीं, मकसद साफ था, अपराधी पुलिस का ध्यान डर्बीशायर से दूर किसी जगह पर केंद्रित करना चाहते थे; वे हंटर लॉज के आसपास के इलाके से पुलिस को जल्द से जल्द हटाना

चाहते थे। बेशक, ईलिंग में मिली रिवॉल्वर वह नहीं थी जिससे मिस्टर पेस को गोली मारी गई थी। रोजर हैवरिंग ने उससे एक गोली चलाई, उसे लंदन ले आया, सीधे अपने क्लब गया ताकि अपनी बेगुनाही साबित कर सके, फिर जल्दी से ईलिंग के रास्ते गया, लगभग बीस मिनट में, पार्सल को वहीं रख दिया जहां वह मिला था और वापस शहर आ गया। उसकी पत्नी, जो एक आकर्षक महिला है, ने रात के खाने के बाद चुपचाप मिस्टर पेस को गोली मार दी - आपको याद है, उन्हें पीछे से गोली मारी गई थी? एक और महत्वपूर्ण बात! - रिवॉल्वर को फिर से लोड किया और उसे वापस उसकी जगह पर रख दिया, और फिर निकल पड़ी... उसकी हताश कर देने वाली छोटी सी कॉमेडी।"
"यह अविश्वसनीय है," मैंने मंत्रमुग्ध होकर बुदबुदाया, "और फिर भी -"
"और फिर भी यह सच है। बिल्कुल, मेरे दोस्त, यह सच है। लेकिन उस अनमोल जोड़ी को न्याय के कटघरे में लाना, यह एक अलग बात है। खैर, जैप को जो करना चाहिए वह करना चाहिए - मैंने उसे विस्तार से लिख दिया है - लेकिन मुझे बहुत डर है, हेस्टिंग्स, कि हमें उन्हें भाग्य के भरोसे छोड़ना पड़ेगा, या कहें कि भगवान के भरोसे, जो भी आप चाहें।"
मैंने उसे याद दिलाया, "दुष्ट लोग हरे-भरे तेजपत्ता की तरह फलते-फूलते हैं।"
"लेकिन एक कीमत पर, हेस्टिंग्स, हमेशा एक कीमत पर, मुझ पर भरोसा करो!" पोइरोट की आशंकाएं सच साबित हुईं। जैप, हालांकि अपने सिद्धांत की सत्यता के प्रति आश्वस्त था, लेकिन दोष सिद्ध करने के लिए आवश्यक सबूत जुटाने में असमर्थ रहा।
श्री पेस की अपार संपत्ति उनके हत्यारों के हाथ में चली गई। फिर भी, उनके कर्मों का फल उन्हें अवश्य मिला, और जब मैंने अखबार में पढ़ा कि पेरिस जाने वाली एयर मेल के दुर्घटनाग्रस्त होने में माननीय रोजर और श्रीमती हैवरिंग भी मारे गए लोगों में शामिल थे, तो मुझे पता चल गया कि न्याय अवश्य प्राप्त हुआ।

मिलियन डॉलर बॉन्ड डकैती

"आजकल जमानत लूट की कितनी सारी घटनाएं हुई हैं!" मैंने एक सुबह अखबार एक तरफ रखते हुए कहा। "पोइरोट, चलो जासूसी के विज्ञान को छोड़ दें और अपराध की दुनिया में उतरें!"
"तुम रातोंरात अमीर बनने की राह पर हो, है ना, मेरे दोस्त?"
"देखिए, इस आखिरी कारनामे को, लंदन और स्कॉटिश बैंक द्वारा न्यूयॉर्क भेजे जा रहे दस लाख डॉलर मूल्य के लिबर्टी बॉन्ड, जो ओलंपिया जहाज पर इतने उल्लेखनीय तरीके से गायब हो गए।"
"अगर समुद्री बीमारी और लावेर्गियर की उत्कृष्ट विधि का अभ्यास करने में आने वाली कठिनाई न होती, जो कि चैनल पार करने के कुछ घंटों से अधिक समय तक चलती है, तो मुझे स्वयं इन बड़े जहाजों में से किसी एक पर यात्रा करने में बहुत आनंद आता," पोइरोट ने स्वप्निल स्वर में बुदबुदाया।
"जी हां, बिल्कुल," मैंने उत्साह से कहा। "उनमें से कुछ तो वाकई महल जैसे होंगे; स्विमिंग पूल, लाउंज, रेस्टोरेंट, ताड़ के पेड़ों से घिरे आंगन - सच में, यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि कोई समुद्र के किनारे पर स्थित है।" "मैं तो हमेशा जान जाता हूँ कि मैं समुद्र में हूँ," पोइरोट ने उदास होकर कहा। "और वे सारी छोटी-मोटी बातें जिनका आपने ज़िक्र किया है, उनसे मुझे कोई मतलब नहीं है; लेकिन, मेरे दोस्त, ज़रा उन प्रतिभाशाली लोगों के बारे में सोचो जो मानो छुपकर सफ़र करते हैं! इन तैरते हुए महलों पर, जैसा कि आपने उन्हें सही कहा है, अपराध जगत के कुलीन वर्ग, उच्च कोटि के लोग मिलते हैं!"
मैं हँस पड़ा।
"तो यही है आपका उत्साह! क्या आप उस व्यक्ति से तलवारबाजी करना चाहते थे जिसने चुपके से लिबर्टी बॉन्ड्स की तस्करी की थी?"
मकान मालकिन ने हमारी बातचीत में दखल दिया।
"एक युवती आपसे मिलना चाहती है, श्री पोइरोट। यह रहा उनका कार्ड।" कार्ड पर लिखा था: मिस एस्मी फारक्वार। पोइरोट ने मेज के नीचे झुककर एक टुकड़ा उठाया और उसे सावधानीपूर्वक कूड़ेदान में डाल दिया। फिर उन्होंने मकान मालकिन को उन्हें अंदर आने की अनुमति देने के लिए सिर हिलाया।

एक मिनट के भीतर ही, मैंने अब तक जितनी भी सुंदर लड़कियाँ देखी हैं, उनमें से एक को कमरे में लाया गया। वह शायद पच्चीस वर्ष की थी, उसकी बड़ी-बड़ी भूरी आँखें थीं और उसका शरीर सुडौल था। उसने अच्छे कपड़े पहने थे और उसका व्यवहार अत्यंत संयमित था।
"कृपया बैठ जाइए, महोदया। ये मेरे मित्र कैप्टन हेस्टिंग्स हैं, जो मेरी छोटी-मोटी समस्याओं में मेरी मदद करते हैं।"
"मुझे खेद है कि मैं आज आपके लिए एक बड़ा मामला लेकर आई हूँ, महाशय पोइरोट," लड़की ने बैठते हुए विनम्रतापूर्वक झुककर कहा। "मुझे लगता है कि आपने इसके बारे में अखबारों में पढ़ा होगा। मैं ओलंपिया में लिबर्टी बॉन्ड्स की चोरी की बात कर रही हूँ।" पोइरोट के चेहरे पर कुछ हैरानी ज़रूर दिखी होगी, क्योंकि उसने जल्दी से आगे कहा: "आप निश्चित रूप से सोच रहे होंगे कि लंदन एंड स्कॉटिश बैंक जैसी गंभीर संस्था से मेरा क्या लेना-देना है। एक अर्थ में कुछ नहीं, दूसरे अर्थ में सब कुछ। देखिए, महाशय पोइरोट, मेरी सगाई श्री फिलिप रिजवे से हुई है।"
"अहा! और श्री फिलिप रिजवे -"
जब बॉन्ड चोरी हुए, तब वह उनकी देखरेख में था। बेशक, उस पर कोई सीधा दोष नहीं लगाया जा सकता, इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी। फिर भी, वह इस मामले से काफी परेशान है, और मुझे पता है कि उसके चाचा का कहना है कि उसने शायद लापरवाही से ही बॉन्ड अपने पास होने का ज़िक्र किया होगा। यह उसके करियर के लिए एक बड़ा झटका है।
"उसका चाचा कौन है?"
"श्री वावासौर, लंदन और स्कॉटिश बैंक के संयुक्त महाप्रबंधक।"
"मान लीजिए, मिस फारक्वार, कि आप मुझे पूरी कहानी सुनाएं?"
"बहुत खूब। जैसा कि आप जानते हैं, बैंक अमेरिका में अपनी साख बढ़ाना चाहता था, और इसके लिए उसने दस लाख डॉलर से अधिक के लिबर्टी बॉन्ड भेजने का फैसला किया। श्री वावासौर ने अपने भतीजे को, जो कई वर्षों से बैंक में एक भरोसेमंद पद पर थे और न्यूयॉर्क में बैंक के सभी लेन-देन की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ थे, इस यात्रा के लिए चुना। ओलंपिया जहाज 23 तारीख को लिवरपूल से रवाना हुआ, और उसी दिन सुबह श्री वावासौर और श्री शॉ, जो लंदन और स्कॉटिश बैंक के दो संयुक्त महाप्रबंधक थे, ने फिलिप को बॉन्ड सौंप

दिए। बॉन्ड गिने गए, एक पैकेट में बंद किए गए और उनकी उपस्थिति में सील कर दिए गए, और फिर उन्होंने तुरंत उस पैकेट को अपने सूटकेस में बंद कर लिया।" "एक साधारण ताले वाला सूटकेस?"
नहीं, श्री शॉ ने हब्स की कंपनी से इसमें एक विशेष ताला लगवाने पर जोर दिया था। जैसा कि मैंने बताया, फिलिप ने पैकेज को ट्रंक के सबसे नीचे रख दिया था। न्यूयॉर्क पहुँचने से कुछ ही घंटे पहले यह चोरी हो गया। पूरे जहाज की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ नहीं मिला। ऐसा लगा जैसे बॉन्ड हवा में गायब हो गए हों।
पोइरोट ने मुंह बनाया।
"लेकिन वे पूरी तरह से गायब नहीं हुए, क्योंकि मुझे पता चला है कि ओलंपिया के बंदरगाह पर पहुंचने के आधे घंटे के भीतर ही उन्हें छोटे-छोटे हिस्सों में बेच दिया गया था! खैर, अब अगली बात तो यही है कि मैं मिस्टर रिजवे से मिलूं।"
"मैं आपको 'चेशायर चीज़' में मेरे साथ दोपहर का भोजन करने का सुझाव देने ही वाली थी। फिलिप वहाँ होंगे। वे मुझसे मिलने आ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक यह नहीं पता कि मैंने उनकी ओर से आपसे सलाह ली है।" हम इस सुझाव पर तुरंत सहमत हो गए और टैक्सी से वहाँ चले गए। श्री फिलिप रिजवे हमसे पहले वहाँ पहुँच गए थे और अपनी मंगेतर को दो अजनबियों के साथ आते देख कुछ आश्चर्यचकित लग रहे थे। वे एक अच्छे दिखने वाले युवक थे, लंबे और चुस्त-दुरुस्त, कनपटी पर हल्के भूरे बाल थे, हालाँकि उनकी उम्र तीस से ज़्यादा नहीं रही होगी। मिस फारक्वार उनके पास गईं और उनके हाथ पर हाथ रखा। "फिलिप, आपको मुझे माफ करना होगा कि मैंने आपसे सलाह लिए बिना यह काम किया," उसने कहा। "चलिए, मैं आपको महाशय हरक्यूल पोइरोट से मिलवाती हूँ, जिनके बारे में आपने अक्सर सुना होगा, और उनके मित्र, कैप्टन हेस्टिंग्स से।" रिजवे बहुत आश्चर्यचकित दिखे।
"बेशक मैंने आपके बारे में सुना है, महाशय पोइरोट," उन्होंने हाथ मिलाते हुए कहा। "लेकिन मुझे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि एस्मी मेरी - हमारी समस्या के बारे में आपसे सलाह लेने की सोच रही थी।"
"मुझे डर था कि आप मुझे ऐसा नहीं करने देंगे, फिलिप," मिस फारक्वार ने विनम्रता से कहा।

"तो आपने सावधानी बरती है," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे उम्मीद है कि महाशय पोइरोट इस असाधारण पहेली पर कुछ प्रकाश डाल पाएंगे, क्योंकि मैं खुलकर स्वीकार करता हूं कि मैं इसके बारे में चिंता और घबराहट से लगभग पागल हो गया हूं।"
वास्तव में, उनका चेहरा मुरझाया हुआ और थका हुआ लग रहा था और उस तनाव को स्पष्ट रूप से दर्शा रहा था जिसके तहत वह काम कर रहे थे।
“अच्छा, अच्छा,” पोइरोट ने कहा। “चलिए दोपहर का भोजन करते हैं, और भोजन के दौरान हम मिलकर विचार करेंगे कि क्या किया जा सकता है। मैं श्री रिजवे की कहानी उन्हीं के मुँह से सुनना चाहता हूँ।” जब हम उस रेस्तरां के बेहतरीन स्टेक और किडनी पुडिंग पर चर्चा कर रहे थे, फिलिप रिजवे ने बॉन्ड के गायब होने की घटनाओं का ब्योरा दिया। उनकी कहानी मिस फारक्वार की कहानी से हर तरह से मेल खाती थी। जब उन्होंने अपनी बात समाप्त कर ली, तो पोइरोट ने एक प्रश्न के साथ बात को आगे बढ़ाया।
"मिस्टर रिजवे, आपको आखिर किस बात से पता चला कि बॉन्ड चोरी हो गए थे?" वह कुछ कड़वाहट भरी हंसी हंसा।
"वह चीज़ मेरे सामने ही थी, महाशय पोइरोट। मैं उसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था। मेरा केबिन ट्रंक बंक के नीचे से आधा बाहर निकला हुआ था और उस पर जगह-जगह खरोंच और कट के निशान थे, जहाँ उन्होंने ताला तोड़ने की कोशिश की थी।"
"लेकिन मुझे तो यह समझ में आया था कि इसे चाबी से खोला गया था?"
"बिल्कुल सही। उन्होंने जबरदस्ती करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। और अंत में, उन्होंने किसी न किसी तरह से इसे अनलॉक कर ही लिया होगा।" "अजीब बात है," पोइरोट ने कहा, उनकी आँखों में वही हरी रोशनी चमकने लगी जिसे मैं अच्छी तरह जानता था। "बहुत अजीब बात है! वे इसे खोलने की कोशिश में बहुत समय बर्बाद करते हैं, और फिर - अचानक! उन्हें पता चलता है कि चाबी तो उनके पास हमेशा से ही है - क्योंकि हब्स के सभी ताले अनोखे हैं।" "इसीलिए उनके पास चाबी नहीं हो सकती थी। यह दिन-रात कभी मुझसे दूर नहीं हुई।"
"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"

मैं कसम खाकर कह सकता हूँ, और वैसे भी, अगर उनके पास चाबी या उसकी डुप्लीकेट होती, तो वे एक स्पष्ट रूप से न खुलने वाले ताले को खोलने की कोशिश में समय क्यों बर्बाद करते!
"अरे! यही तो वो सवाल है जो हम खुद से पूछ रहे हैं! मैं भविष्यवाणी करने की हिम्मत करता हूँ कि अगर हमें कभी इसका हल मिला, तो वो इसी विचित्र तथ्य पर निर्भर करेगा। अगर मैं आपसे एक और सवाल पूछूँ तो कृपया मुझ पर हमला न करें: क्या आपको पूरा यकीन है कि आपने ट्रंक को खुला नहीं छोड़ा था?" फिलिप रिजवे ने बस उसकी तरफ देखा, और पोइरोट ने माफी मांगते हुए इशारे किए। "अरे, लेकिन ऐसी चीजें हो सकती हैं, मैं आपको यकीन दिलाता हूँ! अच्छा हुआ, बक्से ट्रंक से चोरी हो गए। चोर ने उनका क्या किया? वह उन्हें लेकर किनारे तक कैसे पहुँचा?"
"आह!" रिजवे चिल्लाया। "बस यही तो बात है। कैसे? खबर सीमा शुल्क अधिकारियों तक पहुंच गई, और जहाज से उतरने वाले हर व्यक्ति की बारीकी से जांच की गई!"
"और मुझे लगता है कि वे बांड एक भारी पैकेज थे?"
"बिल्कुल, उन्होंने ऐसा किया होगा। उन्हें जहाज पर छिपाना तो नामुमकिन था
- और वैसे भी, हम जानते हैं कि ऐसा नहीं था क्योंकि ओलंपिया के आने के आधे घंटे के भीतर ही उन्हें बिक्री के लिए पेश कर दिया गया था, मेरे केबल चालू करने और नंबर भेजने से बहुत पहले। एक ब्रोकर कसम खाकर कहता है कि उसने ओलंपिया के आने से पहले ही उनमें से कुछ खरीद लिए थे। लेकिन आप वायरलेस के जरिए बॉन्ड नहीं भेज सकते।"
"वायरलेस के जरिए तो नहीं, लेकिन क्या कोई टगबोट बगल में आई?"
"सिर्फ़ आधिकारिक दस्तावेज़, और वो भी तब जब चेतावनी जारी की गई थी और हर कोई सतर्क था। मैं खुद भी इस बात का ध्यान रख रहा था कि कहीं वो दस्तावेज़ किसी और को न सौंप दिए जाएँ। हे भगवान, श्रीमान पोइरोट, ये सब मुझे पागल कर देगा! लोग कहने लगे हैं कि मैंने खुद ही उन्हें चुराया है।"
"लेकिन लैंडिंग के समय आपकी भी तलाशी ली गई थी, है ना?" पोइरोट ने नरमी से पूछा।
"हाँ।"
युवक ने हैरानी भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।

"लगता है आप मेरी बात समझ नहीं पाए," पोइरोट ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा। "अब मैं बैंक में कुछ पूछताछ करना चाहूंगा।"
रिजवे ने एक कार्ड निकाला और उस पर कुछ शब्द लिख दिए।
"इसे भेज दीजिए और मेरे चाचा आपसे तुरंत मिल लेंगे।"
पोइरोट ने उन्हें धन्यवाद दिया, मिस फारक्वार को विदाई दी और हम दोनों थ्रेडनीडल स्ट्रीट स्थित लंदन एंड स्कॉटिश बैंक के मुख्यालय के लिए निकल पड़े। रिजवे का कार्ड दिखाते ही हमें काउंटरों और डेस्कों के भूलभुलैया से होते हुए, जमा करने वाले क्लर्कों और भुगतान निकालने वाले क्लर्कों से बचते हुए, पहली मंजिल पर एक छोटे से कार्यालय में ले जाया गया, जहाँ संयुक्त महाप्रबंधकों ने हमारा स्वागत किया। वे दोनों गंभीर स्वभाव के सज्जन थे, जिनके बाल बैंक की सेवा में सफ़ेद हो गए थे। श्री वावासौर की छोटी सफ़ेद दाढ़ी थी, जबकि श्री शॉ क्लीन शेव्ड थे।
श्री वावासौर ने कहा, "मुझे पता चला है कि आप पूरी तरह से एक निजी जांच एजेंसी हैं?" "जी हां, जी हां। हमने अपना काम स्कॉटलैंड यार्ड को सौंप दिया है। इंस्पेक्टर मैकनील इस मामले की जांच कर रहे हैं। मेरी राय में वे एक बहुत ही सक्षम अधिकारी हैं।"
"मुझे पूरा यकीन है," पोइरोट ने विनम्रता से कहा। "क्या आप अपने भतीजे की ओर से कुछ प्रश्न पूछने की अनुमति देंगे?"
इस ताले के बारे में, इसे हब्स से किसने मंगवाया था?
श्री शॉ ने कहा, "मैंने इसे स्वयं ऑर्डर किया था। मैं इस मामले में किसी क्लर्क पर भरोसा नहीं कर सकता। चाबियों की बात करें तो, एक चाबी श्री रिजवे के पास है, और बाकी दो मेरे सहयोगी और मेरे पास हैं।"
"और किसी भी क्लर्क को उन तक पहुंच नहीं मिली है?"
श्री शॉ ने प्रश्नवाचक भाव से श्री वावासौर की ओर देखा।
श्री वावासौर ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं सही कह रहा हूँ कि वे उसी सुरक्षित स्थान पर हैं जहाँ हमने उन्हें Z3rd पर रखा था। मेरे सहयोगी दुर्भाग्यवश दो सप्ताह पहले बीमार पड़ गए थे - वास्तव में उसी दिन जब फिलिप हमें छोड़कर चले गए। वे अभी-अभी ठीक हुए हैं।"
श्री शॉ ने खेद व्यक्त करते हुए कहा, "मेरी उम्र के व्यक्ति के लिए गंभीर ब्रोंकाइटिस कोई मज़ाक नहीं है। लेकिन मुझे खेद है कि मेरी अनुपस्थिति के

कारण श्री वावासौर को काफी परेशानी उठानी पड़ी है, खासकर इस अप्रत्याशित चिंता के कारण।"
पॉयरॉट ने कुछ और सवाल पूछे। मुझे लगा कि वह चाचा-भतीजे के बीच घनिष्ठता की सही मात्रा का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे। श्री वावासौर के जवाब संक्षिप्त और सटीक थे। उनका भतीजा बैंक का एक विश्वसनीय अधिकारी था और जहाँ तक उन्हें पता था, उस पर कोई कर्ज या आर्थिक परेशानी नहीं थी। उसे पहले भी इसी तरह के काम सौंपे गए थे। अंत में, हमें विनम्रतापूर्वक विदा किया गया।
सड़क पर निकलते ही पोइरोट ने कहा, "मैं निराश हूं।"
"क्या आपको और अधिक जानने की उम्मीद थी? वे तो बड़े ही रूढ़िवादी बूढ़े आदमी हैं।"
"मुझे उनकी रूढ़िवादिता से निराशा नहीं हुई है, मेरे मित्र। मैं किसी बैंक प्रबंधक में 'तेज नजर वाला कुशल वित्तविद' जैसी उम्मीद नहीं करता, जैसा कि आपके पसंदीदा उपन्यासों में वर्णित है। नहीं, मुझे इस मामले से निराशा हुई है - यह बहुत ही सरल है!"
"आसान?"
"हां, क्या आपको यह लगभग बचकाना सरल नहीं लगता?"
"क्या आपको पता है कि बॉन्ड किसने चुराए?"
"मैं करता हूं।"
लेकिन फिर - हमें अवश्य - क्यों -
"हेस्टिंग्स, घबराओ मत और परेशान मत हो। हम फिलहाल कुछ नहीं करने वाले हैं।"
"लेकिन क्यों? आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं?"
"ओलंपिया के लिए। वह मंगलवार को न्यूयॉर्क से अपनी वापसी यात्रा पर निकलने वाली हैं।"
"लेकिन अगर आपको पता है कि बॉन्ड किसने चुराए हैं, तो इंतजार क्यों करें? वह भाग सकता है।"
"दक्षिण सागर के किसी ऐसे द्वीप पर जहाँ प्रत्यर्पण नहीं होता? नहीं, मेरे दोस्त, वहाँ उसका जीवन बहुत ही प्रतिकूल होगा। जहाँ तक मेरे इंतज़ार करने की बात है - खैर, हरक्यूल पोइरोट जैसी बुद्धि वाले व्यक्ति के लिए मामला बिल्कुल स्पष्ट है, लेकिन दूसरों के फायदे के लिए, जो ईश्वर की कृपा से

इतने बुद्धिमान नहीं हैं - उदाहरण के लिए इंस्पेक्टर मैकनील - तथ्यों को स्थापित करने के लिए कुछ पूछताछ करना बेहतर होगा। हमें अपने से कम बुद्धिमान लोगों के प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए।"
हे भगवान, पोइरोट! क्या आप जानते हैं, मैं आपको एक बार पूरी तरह से मूर्ख बनते देखने के लिए अच्छी खासी रकम देने को तैयार हूँ। आप हद से ज़्यादा अभिमानी हैं!
"खुद को क्रोधित मत करो, हेस्टिंग्स। वास्तव में, मैंने देखा है कि कई बार तुम मुझसे लगभग नफरत करते हो! अफसोस, मुझे महानता का दंड भुगतना पड़ता है!" उस छोटे आदमी ने अपनी छाती फुलाई और इतनी हास्यास्पद ढंग से आह भरी कि मुझे हँसी आ गई। मंगलवार को हम लिवरपूल के लिए एल एंड एन डब्ल्यू आर की प्रथम श्रेणी की गाड़ी में तेज़ी से रवाना हुए। पोइरोट ने हठपूर्वक मुझे अपने संदेहों - या निश्चितताओं - के बारे में बताने से इनकार कर दिया था। उन्होंने बस इतना कहकर संतोष किया कि उन्हें आश्चर्य है कि मैं भी इस स्थिति से उतना ही परिचित नहीं हूँ। मैंने बहस करने से परहेज किया और अपनी जिज्ञासा को दिखावटी उदासीनता के पर्दे के पीछे छिपा लिया।
जैसे ही पोइरोट उस घाट पर पहुँचे जहाँ विशाल अटलांटिक-पार करने वाला जहाज़ खड़ा था, वे चुस्त और सतर्क हो गए। हमारी कार्यवाही में चार क्रमिक स्टीवर्डों का साक्षात्कार लेना और पोइरोट के एक मित्र के बारे में पूछताछ करना शामिल था, जो 23 तारीख को न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए थे।
"एक बुजुर्ग सज्जन, चश्मा पहने हुए। एक बेहद बीमार व्यक्ति, जो मुश्किल से ही अपने केबिन से बाहर निकलते थे।" यह विवरण मिस्टर वेंटनोर से मिलता- जुलता प्रतीत हुआ, जो केबिन सी 24 में रहते थे, जो फिलिप रिजवे के केबिन के बगल में था। हालांकि मैं यह नहीं समझ पा रहा था कि पोइरोट ने मिस्टर वेंटनोर के अस्तित्व और उनके रूप-रंग का अनुमान कैसे लगाया, फिर भी मैं बहुत उत्सुक था।
मैंने चिल्लाकर कहा, "बताइए, क्या ये सज्जन न्यूयॉर्क पहुँचने पर सबसे पहले उतरने वालों में से एक थे?" एयर होस्टेस ने सिर हिलाया।
"जी नहीं, बिल्कुल, महोदय, वह नाव से उतरने वाले अंतिम लोगों में से एक था।" मैं निराश होकर वहां से चला गया और देखा कि पोइरोट मेरी तरफ देखकर मुस्कुरा रहा है। उसने स्टीवर्ड को धन्यवाद दिया, एक नोट का आदान-प्रदान हुआ और हम वहां से रवाना हो गए।

मैंने गुस्से में कहा, "यह सब तो ठीक है, लेकिन उस आखिरी जवाब ने आपके बहुमूल्य सिद्धांत को ज़रूर धूमिल कर दिया होगा, अब आप मुस्कुराते रहिए!" "हमेशा की तरह, हेस्टिंग्स, तुम्हें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। इसके विपरीत, वह आखिरी जवाब मेरे सिद्धांत का आधारशिला है।"
मैंने हताशा में अपने हाथ ऊपर उठा दिए।
मैं इसे छोड़ देता हूँ।
जब हम ट्रेन में थे और ट्रेन लंदन की ओर तेजी से बढ़ रही थी, तब पोइरोट ने कुछ मिनटों तक तेजी से लिखा और फिर परिणाम को एक लिफाफे में बंद कर दिया। "यह माननीय इंस्पेक्टर मैकनील के लिए है। हम इसे स्कॉटलैंड यार्ड में थोड़ी देर के लिए छोड़ देंगे और फिर रेंडेज़वस रेस्टोरेंट चलेंगे, जहाँ मैंने मिस एस्मी फारक्वार से हमारे साथ भोजन करने का अनुरोध किया है।" "रिडवे के बारे में क्या?"
"उसके बारे में क्या?" पोइरोट ने शरारती मुस्कान के साथ पूछा।
"क्यों, आप ऐसा नहीं सोचते - आप ऐसा नहीं कर सकते -"
"हेस्टिंग्स, तुममें असंगतता की आदत बढ़ती जा रही है। सच कहूँ तो मैंने यही सोचा था। अगर रिड्जवे ही चोर होता - जो कि पूरी तरह संभव था - तो मामला बेहद दिलचस्प होता; एक सुव्यवस्थित और सटीक काम।"
"लेकिन मिस फारक्वार के लिए यह इतना आकर्षक नहीं है।"
"शायद आप सही हैं। इसलिए सब कुछ अच्छा ही हुआ। अब, हेस्टिंग्स, आइए मामले की समीक्षा करें। मैं देख सकता हूँ कि आप ऐसा करने के लिए बेताब हैं। सीलबंद पैकेट को ट्रंक से निकाला गया और वह गायब हो गया, जैसा कि मिस फारक्वार ने कहा है। हम हवा में गायब होने के सिद्धांत को खारिज करते हैं, जो विज्ञान की वर्तमान स्थिति में व्यावहारिक नहीं है, और विचार करते हैं कि उसका क्या हुआ होगा। हर कोई इसे तस्करी करके किनारे तक पहुँचाए जाने की अविश्वसनीयता पर ज़ोर देता है।"
"हां, लेकिन हम जानते हैं -"
"शायद आपको पता हो, हेस्टिंग्स। मुझे नहीं पता। मेरा मानना है कि चूंकि यह अविश्वसनीय लग रहा था, इसलिए यह अविश्वसनीय ही था। दो संभावनाएं हैं: या तो इसे जहाज पर छिपाया गया था - जो कि काफी मुश्किल है - या इसे समुद्र में फेंक दिया गया था।"
"क्या आपका मतलब है कि उस पर कॉर्क लगा हुआ है?"

"बिना कॉर्क के।"
मैंने शुरू किया।
"लेकिन अगर बांडों को समुद्र में फेंक दिया जाता, तो उन्हें न्यूयॉर्क में बेचा नहीं जा सकता था।"
"हेस्टिंग्स, मैं आपके तार्किक दिमाग की प्रशंसा करता हूँ। बॉन्ड न्यूयॉर्क में बेचे गए थे, इसलिए उन्हें समुद्र में नहीं फेंका गया था। आप समझ रहे हैं कि इससे क्या निष्कर्ष निकलता है?"
"हम शुरुआत में कहाँ थे।"
"जमैस डे ला वी! अगर पैकेज को जहाज से समुद्र में फेंक दिया गया था, और बॉन्ड न्यूयॉर्क में बेचे गए थे, तो पैकेज में बॉन्ड हो ही नहीं सकते थे। क्या कोई सबूत है कि पैकेज में बॉन्ड थे? याद रखिए, मिस्टर रिजवे ने लंदन में उनके हाथों में आने के बाद से इसे कभी खोला ही नहीं।"
"हाँ, लेकिन फिर-"
पोइरोट ने अधीरता से हाथ हिलाया।
मुझे आगे बोलने दीजिए। आखिरी बार जब बॉन्ड बॉन्ड के रूप में देखे गए थे, वह 23 तारीख की सुबह लंदन और स्कॉटिश बैंक के कार्यालय में था। वे ओलंपिया के न्यूयॉर्क पहुंचने के आधे घंटे बाद फिर से न्यूयॉर्क में दिखाई दिए, और एक आदमी के अनुसार, जिसकी कोई नहीं सुनता, वास्तव में उसके पहुंचने से पहले ही। तो मान लीजिए कि वे कभी ओलंपिया पर थे ही नहीं! क्या उनके न्यूयॉर्क पहुंचने का कोई और तरीका हो सकता है? हाँ। गिगेंटिक उसी दिन साउथेम्प्टन से रवाना होती है जिस दिन ओलंपिया रवाना होती है, और अटलांटिक महासागर पार करने का रिकॉर्ड उसी के नाम है। गिगेंटिक द्वारा भेजे जाने पर, बॉन्ड ओलंपिया के पहुंचने से एक दिन पहले न्यूयॉर्क पहुंच जाते। सब कुछ स्पष्ट है, मामला अपने आप सुलझने लगता है। सीलबंद पैकेट केवल एक नकली है, और इसे बदलने का समय बैंक के कार्यालय में ही होना चाहिए। वहां मौजूद तीनों व्यक्तियों में से किसी के लिए भी एक नकली पैकेट तैयार करना आसान था जिसे असली पैकेट से बदला जा सके। बहुत बढ़िया, बॉन्ड न्यूयॉर्क में एक साथी को भेजे जाते हैं, इस निर्देश के साथ कि ओलंपिया के पहुंचते ही उन्हें बेच दिया जाए। अंदर तो जाना होगा, लेकिन किसी को ओलंपिया पर यात्रा करनी होगी ताकि कथित डकैती के क्षण को अंजाम दिया जा सके।"
"लेकिन क्यों?"

क्योंकि अगर रिजवे सिर्फ पैकेट खोलता और उसे नकली पाता, तो शक तुरंत लंदन की तरफ जाता। नहीं, बगल वाले केबिन में मौजूद आदमी अपना काम करता है, जानबूझकर ताला तोड़ने का नाटक करता है ताकि चोरी की तरफ तुरंत ध्यान जाए, फिर असल में नकली चाबी से ट्रंक खोलता है, पैकेट को समुद्र में फेंक देता है और नाव से सबसे आखिर में निकलने का इंतज़ार करता है। ज़ाहिर है, वह अपनी आँखों को छिपाने के लिए चश्मा पहनता है, और विकलांग होने का नाटक करता है क्योंकि वह रिजवे से मिलने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। वह न्यूयॉर्क में किनारे पर उतरता है और जो पहली नाव मिलती है, उसी से वापस लौट जाता है। "लेकिन वह कौन था?"
"जिस आदमी के पास डुप्लीकेट चाबी थी, जिस आदमी ने ताला बनवाया था, जिस आदमी को अपने देहाती घर में ब्रोंकाइटिस जैसी गंभीर बीमारी नहीं हुई थी - आखिरकार, वो 'रूखा' बूढ़ा आदमी, मिस्टर शॉ! मेरे दोस्त, कभी-कभी ऊंचे पदों पर भी अपराधी होते हैं। आह, आखिरकार हम यहाँ पहुँच गए। मैडमोजेल, मैं सफल हो गया! क्या आप अनुमति देंगी?"
और, मुस्कुराते हुए, पोइरोट ने आश्चर्यचकित लड़की के दोनों गालों पर हल्के से चुंबन किया!

मिस्र के मकबरे का रोमांच

मैंने हमेशा यह माना है कि पोइरोट के साथ साझा किए गए कई रोमांचक और नाटकीय कारनामों में से एक राजा मेन-हेर-रा के मकबरे की खोज और उसे खोलने के बाद हुई रहस्यमय मौतों की श्रृंखला की हमारी जांच थी।
लॉर्ड कार्नरवॉन द्वारा तुतनख-अमेन के मकबरे की खोज के तुरंत बाद, न्यूयॉर्क के सर जॉन विलार्ड और श्री ब्लेबनर, काहिरा से कुछ ही दूरी पर, गीज़ा के पिरामिडों के पास खुदाई करते हुए, अप्रत्याशित रूप से कई अंत्येष्टि कक्षों की खोज में जुट गए। उनकी इस खोज ने लोगों में गहरी रुचि जगाई। ऐसा प्रतीत होता था कि यह मकबरा राजा मेन-हेर-रा का था, जो आठवीं राजवंश के उन रहस्यमय राजाओं में से एक थे, जब प्राचीन साम्राज्य पतन की ओर अग्रसर था। इस काल के बारे में बहुत कम जानकारी थी, और इस खोज की पूरी खबर अखबारों में प्रकाशित हुई।

कुछ ही समय बाद एक ऐसी घटना घटी जिसने जनता के मन पर गहरा प्रभाव डाला। सर जॉन विलार्ड का दिल का दौरा पड़ने से अचानक निधन हो गया।
सनसनीखेज समाचार पत्रों ने तुरंत ही कुछ मिस्र के खजानों से जुड़ी बदकिस्मती की पुरानी अंधविश्वासी कहानियों को फिर से जीवित करने का अवसर उठाया। ब्रिटिश संग्रहालय में रखी बदकिस्मत ममी, वह घिसा-पिटा किस्सा, नए जोश के साथ फिर से उठाया गया, संग्रहालय द्वारा चुपचाप इनकार किया गया, लेकिन फिर भी उसे हमेशा की तरह खूब प्रचार मिला।
दो सप्ताह बाद श्री ब्लेइबनर की तीव्र रक्त विषाक्तता से मृत्यु हो गई, और कुछ दिनों बाद उनके भतीजे ने न्यूयॉर्क में आत्महत्या कर ली। "मेन-हेर-रा का अभिशाप" उस दिन चर्चा का विषय बन गया था, और मिस्र की जादुई शक्ति को अंधविश्वास की हद तक महिमामंडित कर दिया गया था।
तभी पोइरोट को मृत पुरातत्वविद् की विधवा लेडी विलार्ड का एक संक्षिप्त पत्र मिला, जिसमें उन्होंने पोइरोट को केंसिंग्टन स्क्वायर स्थित अपने घर पर उनसे मिलने के लिए कहा था। मैं उनके साथ गया। लेडी विलार्ड लंबी और पतली महिला थीं, जो गहरे शोक के वस्त्र पहने हुए थीं। उनका मुरझाया हुआ चेहरा उनके हाल के दुख का स्पष्ट प्रमाण था।
"आपका इतनी जल्दी आना हमारी कृपा है, महाशय पोइरोट।"
"मैं आपकी सेवा में हूँ, लेडी विलार्ड। आप मुझसे परामर्श करना चाहती थीं?" "मुझे पता है कि आप एक जासूस हैं, लेकिन मैं आपसे केवल एक जासूस के रूप में ही परामर्श नहीं लेना चाहता। मैं जानता हूँ कि आप मौलिक विचारों वाले व्यक्ति हैं, आपके पास कल्पनाशीलता है, दुनिया का अनुभव है - कृपया बताइए, महाशय पोइरोट, अलौकिक घटनाओं के बारे में आपके क्या विचार हैं?"
पोइरोट ने जवाब देने से पहले एक पल के लिए संकोच किया। ऐसा लग रहा था कि वह सोच-विचार कर रहे हैं। अंत में उन्होंने कहा:
"लेडी विलार्ड, कृपया हमें एक-दूसरे को गलत न समझें। आप मुझसे जो प्रश्न पूछ रही हैं वह सामान्य प्रश्न नहीं है। इसका व्यक्तिगत संदर्भ है, है ना? आप अप्रत्यक्ष रूप से अपने दिवंगत पति की मृत्यु का जिक्र कर रही हैं।" "यह सच है," उसने स्वीकार किया।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं उसकी मौत के कारणों की जांच करूं?"
"मैं चाहता हूँ कि आप मुझे ठीक-ठीक पता लगाएँ कि इसमें से कितना अखबारों की अफवाह है और कितना तथ्यों पर आधारित है। तीन मौतें, महाशय पोइरोट - हर एक

अपने आप में समझ में आती है, लेकिन तीनों एक साथ होना यकीनन एक अविश्वसनीय संयोग है, और वो भी मकबरा खुलने के एक महीने के भीतर! यह महज़ अंधविश्वास हो सकता है, या अतीत का कोई शक्तिशाली श्राप हो सकता है जो आधुनिक विज्ञान की कल्पना से परे तरीकों से काम करता है। तथ्य यही है - तीन मौतें! और मैं डरा हुआ हूँ, महाशय पोइरोट, बहुत डरा हुआ हूँ। शायद अभी अंत नहीं हुआ है।" "तुम किससे डरते हो?"
"मेरे बेटे के लिए। जब मेरे पति की मृत्यु की खबर आई तो मैं बीमार पड़ गई। मेरा बेटा, जो अभी-अभी ऑक्सफोर्ड से लौटा है, वहाँ गया। वह शव को घर ले आया, लेकिन अब मेरी प्रार्थनाओं और विनतियों के बावजूद वह फिर से चला गया है। वह काम से इतना मोहित है कि वह अपने पिता का स्थान लेकर खुदाई की व्यवस्था को आगे बढ़ाना चाहता है। आप मुझे मूर्ख, भोली औरत समझ सकते हैं, लेकिन, महाशय पोइरोट, मुझे डर है। मान लीजिए कि मृत राजा की आत्मा अभी तक शांत नहीं हुई है? शायद आपको मेरी बातें बेतुकी लग रही हों।"
"जी नहीं, बिल्कुल नहीं, लेडी विलार्ड," पोइरोट ने तुरंत कहा। "मैं भी अंधविश्वास की शक्ति में विश्वास करता हूँ, जो दुनिया की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है।"
मैंने हैरानी से उसकी तरफ देखा। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि पोइरोट अंधविश्वासी होगा। लेकिन वह छोटा आदमी सचमुच गंभीर था।
"आप वास्तव में मुझसे यह अपेक्षा करते हैं कि मैं आपके बेटे की रक्षा करूं? मैं उसे नुकसान से बचाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा।"
"हां, सामान्य तरीके से, लेकिन किसी तांत्रिक प्रभाव के विरुद्ध?"
"लेडी विलार्ड, मध्य युग के ग्रंथों में आपको काले जादू का मुकाबला करने के कई तरीके मिलेंगे। शायद वे हम आधुनिक लोगों से कहीं अधिक जानते थे, भले ही हम विज्ञान का कितना भी दावा करते हों। चलिए अब तथ्यों पर आते हैं, ताकि मुझे मार्गदर्शन मिल सके। आपके पति हमेशा से ही मिस्र के पुरातत्वविदों के प्रति समर्पित रहे थे, है ना?"
"जी हां, उनकी युवावस्था से ही। वे इस विषय पर जीवित सबसे महान विशेषज्ञों में से एक थे।"
"लेकिन मुझे लगता है कि मिस्टर ब्लेबनर लगभग एक शौकिया खिलाड़ी थे?" "हाँ, बिल्कुल। वह एक बहुत धनी व्यक्ति थे जो किसी भी विषय में रुचि लेने के लिए स्वतंत्र थे। मेरे पति ने उन्हें मिस्र विज्ञान में रुचि दिलाने

में कामयाबी हासिल की, और उन्हीं के पैसों से इस अभियान का वित्तपोषण बहुत उपयोगी साबित हुआ।"
"और भतीजा? आपको उसकी पसंद के बारे में क्या पता है? क्या वह पार्टी में शामिल था?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता। वास्तव में, अखबार में उनकी मृत्यु की खबर पढ़ने तक मुझे उनके अस्तित्व के बारे में पता ही नहीं था। मुझे नहीं लगता कि उनका और श्री ब्लेबनर का कोई घनिष्ठ संबंध रहा होगा। उन्होंने कभी भी किसी रिश्तेदार होने की बात नहीं कही।"
"पार्टी के अन्य सदस्य कौन हैं?"
"खैर, वहां ब्रिटिश संग्रहालय से जुड़े एक छोटे अधिकारी डॉ. टॉसविल हैं; न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन संग्रहालय के श्री श्नाइडर हैं; एक युवा अमेरिकी सचिव हैं; डॉ. एम्स हैं, जो अपनी पेशेवर क्षमता में अभियान के साथ हैं; और हसन हैं, जो मेरे पति के वफादार देशी नौकर हैं।"
क्या आपको अमेरिकी सचिव का नाम याद है?
"मुझे लगता है, हार्पर था, लेकिन मैं निश्चित नहीं कह सकता। मुझे पता है कि वह मिस्टर ब्लेबनर के साथ ज्यादा समय से नहीं था। वह बहुत ही मिलनसार नौजवान था।"
"धन्यवाद, लेडी विलार्ड।"
"अगर और कुछ है तो...?"
"फिलहाल, कुछ नहीं। इसे अभी मेरे हाथों में छोड़ दीजिए, और निश्चिंत रहिए कि मैं आपके बेटे की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।"
ये शब्द बिल्कुल भी दिलासा देने वाले नहीं थे, और मैंने देखा कि जब उन्होंने ये शब्द कहे तो लेडी विलार्ड थोड़ी सहमी हुई। फिर भी, साथ ही साथ, यह तथ्य कि उन्होंने उनकी चिंताओं को खारिज नहीं किया था, अपने आप में उनके लिए राहत की बात थी।
मुझे पहले कभी यह शक नहीं था कि पोइरोट के स्वभाव में अंधविश्वास की इतनी गहरी छाप है। घर लौटते समय मैंने उनसे इस विषय पर बात की। उनका लहजा गंभीर और संजीदा था।
"लेकिन हां, हेस्टिंग्स। मैं इन चीजों में विश्वास करता हूं। आपको अंधविश्वास की शक्ति को कम नहीं आंकना चाहिए।"
"हम इसके बारे में क्या करने वाले हैं?"

"हमेशा की तरह व्यावहारिक, हेस्टिंग्स! खैर, सबसे पहले हम युवा श्री ब्लेबनर की मृत्यु के बारे में पूरी जानकारी के लिए न्यूयॉर्क को तार भेजेंगे।"
उसने विधिवत अपना तार भेज दिया। जवाब पूरा और सटीक था। युवा रूपर्ट ब्लेइबनर कई वर्षों से बुरे दौर से गुजर रहा था। वह दक्षिण सागर के कई द्वीपों में आवारागर्दी और पैसे भेजने का काम करता रहा था, लेकिन दो साल पहले न्यूयॉर्क लौट आया था, जहाँ उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। मेरे विचार से सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि उसने हाल ही में मिस्र जाने के लिए पर्याप्त पैसे उधार ले लिए थे। उसने कहा था, "वहाँ मेरा एक अच्छा दोस्त है जिससे मैं उधार ले सकता हूँ।" लेकिन यहाँ उसकी योजनाएँ विफल हो गईं। वह अपने कंजूस चाचा को कोसते हुए न्यूयॉर्क लौट आया, जिसे अपने खून के रिश्तों से ज़्यादा मरे हुए राजाओं की हड्डियों की परवाह थी। मिस्र में रहने के दौरान ही सर जॉन विलार्ड की मृत्यु हुई। रूपर्ट न्यूयॉर्क में फिर से अय्याशी भरी जिंदगी में डूब गया, और फिर अचानक उसने आत्महत्या कर ली, और अपने पीछे एक पत्र छोड़ गया जिसमें कुछ अजीबोगरीब वाक्य थे। ऐसा लगता था जैसे उसने पश्चाताप के अचानक आवेश में यह पत्र लिखा हो। उसने खुद को कुष्ठ रोगी और समाज से बहिष्कृत बताया, और पत्र का अंत इस घोषणा के साथ हुआ कि उस जैसे लोगों का मर जाना ही बेहतर है।
मेरे मन में एक अस्पष्ट सिद्धांत कौंधा। मैंने कभी भी किसी मर चुके मिस्र के राजा के प्रतिशोध पर विश्वास नहीं किया था। मुझे यहाँ एक आधुनिक अपराध नज़र आया। मान लीजिए कि इस युवक ने अपने चाचा को मारने का फैसला किया था - अधिमानतः ज़हर देकर। गलती से सर जॉन विलार्ड को घातक खुराक मिल गई। युवक अपने अपराध से त्रस्त होकर न्यूयॉर्क लौटता है। उसे अपने चाचा की मृत्यु की खबर मिलती है। उसे एहसास होता है कि उसका अपराध कितना अनावश्यक था, और पश्चाताप से व्याकुल होकर वह आत्महत्या कर लेता है।
मैंने पोइरोट को अपने समाधान बताए। उन्हें इसमें दिलचस्पी थी।
"आपने जो सोचा है वह वाकई अद्भुत है - निश्चित रूप से अद्भुत है। यह सच भी हो सकता है। लेकिन आप मकबरे के घातक प्रभाव को नजरअंदाज कर रहे हैं।" मैंने अपने कंधे उचका दिए।
"क्या आपको अब भी लगता है कि इसका इससे कुछ लेना-देना है?"
"इतना ही नहीं, मेरे दोस्त, कि हम कल मिस्र के लिए रवाना होंगे।"

"क्या?" मैंने आश्चर्यचकित होकर कहा।
"मैंने कह दिया है।" पोइरोट के चेहरे पर सचेत वीरता का भाव फैल गया। फिर वह कराह उठा।
"लेकिन, ओह," उसने विलाप करते हुए कहा, "समुद्र! वह घृणित समुद्र!"
एक हफ़्ता बीत चुका था। हमारे पैरों के नीचे रेगिस्तान की सुनहरी रेत थी। सिर पर तेज़ धूप पड़ रही थी। पोइरोट, मानो दुख की मूर्ति, मेरे बगल में मुरझाया बैठा था। वह छोटा सा आदमी सफ़र में अच्छा नहीं था। मार्सिले से हमारी चार दिन की यात्रा उसके लिए एक लंबी पीड़ा साबित हुई थी। अलेक्जेंड्रिया पहुँचते ही वह अपने पुराने रूप का साया खो बैठा था, यहाँ तक कि उसकी हमेशा की साफ-सफाई भी गायब हो गई थी। हम काहिरा पहुँचे और तुरंत पिरामिडों की छाया में स्थित मीना हाउस होटल चले गए। मिस्र के आकर्षण ने मुझे मोह लिया था। लेकिन पोइरोट पर इसका कोई असर नहीं हुआ। लंदन वाले कपड़ों में ही, वह अपनी जेब में एक छोटा सा कपड़े साफ़ करने वाला ब्रश लिए बैठा था और अपने काले कपड़ों पर जमी धूल से लगातार जूझ रहा था।
“और मेरे जूते,” वह विलाप करते हुए बोला। “देखो इन्हें, हेस्टिंग्स। मेरे जूते, साफ-सुथरे पेटेंट चमड़े के, जो आमतौर पर इतने स्मार्ट और चमकदार होते हैं। देखो, इनके अंदर रेत भरी है, जो चुभ रही है, और बाहर भी, जो आँखों को चुभ रही है। साथ ही, गर्मी से मेरी मूंछें भी बेजान हो गई हैं - बिलकुल बेजान!”
"स्फ़िंक्स को देखो," मैंने आग्रह किया। "मैं भी इसके रहस्य और आकर्षण को महसूस कर सकता हूँ।" पोइरोट ने असंतुष्ट भाव से उसकी ओर देखा।
"इसमें खुशी का कोई भाव नहीं है," उसने कहा। "यह भला कैसे खुश हो सकता है, जब यह रेत में इस तरह बेतरतीब ढंग से आधा दबा हुआ है। आह, यह मनहूस रेत!"
"अरे, बेल्जियम में तो बहुत सारी रेत है," मैंने उसे याद दिलाया, मुझे नॉक-सुर-मेर में बिताई गई अपनी छुट्टियां याद आ रही थीं, जहां गाइडबुक के अनुसार "लेस ड्यून्स इम्पेकेबल्स" (बेहतरीन रेत के टीले) थे।
"ब्रसेल्स में नहीं," पोइरोट ने कहा। उन्होंने पिरामिडों को ध्यान से देखा। "यह सच है कि कम से कम उनका आकार ठोस और ज्यामितीय है, लेकिन उनकी सतह की असमानता बहुत अप्रिय है। और मुझे ताड़ के पेड़ भी पसंद नहीं हैं। उन्हें पंक्तियों में भी नहीं लगाया गया है!" मैंने उनकी शिकायतों को बीच में ही रोकते हुए सुझाव दिया कि हमें शिविर के लिए चलना चाहिए। हमें ऊंटों

पर सवार होकर जाना था, और ऊंट धैर्यपूर्वक घुटनों के बल बैठे हमारा इंतजार कर रहे थे, जिनकी देखरेख कुछ आकर्षक लड़के कर रहे थे, जिनका नेतृत्व एक बातूनी दुभाषिया कर रहा था।
मैंने पोइरोट को ऊँट पर सवार होते हुए देखने का नज़ारा अनदेखा कर दिया। उन्होंने कराहते और विलाप करते हुए शुरुआत की और चीखते-चिल्लाते, इशारे करते और कुंवारी मरियम तथा कैलेंडर में अंकित हर संत का आह्वान करते हुए अपना सफर समाप्त किया। मुझे मानना पड़ेगा कि दौड़ते हुए ऊँट पर सवारी करना नौसिखिए के लिए आसान नहीं है। कई दिनों तक मेरा शरीर अकड़ा रहा। आखिरकार हम खुदाई स्थल के पास पहुँचे। धूप से झुलसा हुआ, सफ़ेद दाढ़ी वाला एक आदमी, सफ़ेद कपड़े पहने और हेलमेट लगाए, हमसे मिलने आया।
"महाशय पोइरोट और कप्तान हेस्टिंग्स? हमें आपका संदेश मिला। मुझे खेद है कि काहिरा में आपसे मिलने कोई नहीं आया। एक अप्रत्याशित घटना घटी जिससे हमारी सारी योजनाएँ पूरी तरह से गड़बड़ा गईं।" पोइरोट का चेहरा पीला पड़ गया। उनका हाथ, जो उनके कपड़े साफ करने वाले ब्रश की ओर बढ़ गया था, वहीं रुक गया।
"एक और मौत नहीं?" उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"हाँ।"
"सर गाइ विलार्ड?" मैंने हैरानी से कहा।
"नहीं, कैप्टन हेस्टिंग्स। मेरे अमेरिकी सहकर्मी, श्री श्नाइडर।"
"और इसका कारण क्या है?" पोइरोट ने पूछा।
"टेटनस।"
मैं पीला पड़ गया। मेरे चारों ओर बुराई का एक सूक्ष्म और भयावह वातावरण महसूस हो रहा था। एक भयानक विचार मेरे मन में कौंध गया। अगर मैं अगला शिकार हुआ तो?
"हे भगवान," पोइरोट ने बहुत धीमी आवाज़ में कहा, "मुझे यह समझ नहीं आ रहा है। यह भयानक है। महोदय, क्या इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह टिटनेस ही था?"
"मुझे नहीं लगता। लेकिन डॉ. एम्स आपको मुझसे ज्यादा बता सकते हैं।"
"अरे, बिल्कुल, आप डॉक्टर नहीं हैं।"
मेरा नाम टॉसविल है।

तो ये वही ब्रिटिश विशेषज्ञ थे जिनका वर्णन लेडी विलार्ड ने ब्रिटिश संग्रहालय में एक मामूली अधिकारी के रूप में किया था। उनमें एक साथ गंभीरता और दृढ़ता का भाव था जिसने मुझे आकर्षित किया।
डॉ. टॉसविल ने आगे कहा, "अगर आप मेरे साथ आएँगे, तो मैं आपको सर गाइ विलार्ड के पास ले जाऊँगा। वे आपके आने की सूचना पाने के लिए बेहद उत्सुक थे।" हमें शिविर के उस पार एक बड़े तंबू में ले जाया गया। डॉ. टॉसविल ने तंबू का पर्दा उठाया और हम अंदर चले गए। अंदर तीन आदमी बैठे थे।
"श्री गाय, महाशय पोइरोट और कैप्टन हेस्टिंग्स आ गए हैं," टॉसविल ने कहा। तीनों में सबसे छोटा उछलकर खड़ा हुआ और हमारा अभिवादन करने के लिए आगे आया। उसके हावभाव में एक खास तरह की चंचलता थी जो मुझे उसकी माँ की याद दिलाती थी। वह बाकियों की तरह धूप से झुलसा हुआ नहीं था, और इस तथ्य के साथ-साथ उसकी आँखों के आसपास की झुर्रियाँ उसे उसकी बाईस साल की उम्र से बड़ा दिखा रही थीं। वह स्पष्ट रूप से गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उसने अपने दो साथियों का परिचय कराया, डॉ. एम्स, जो तीस के आसपास का एक सक्षम दिखने वाला व्यक्ति था, जिसके कनपटी पर हल्के भूरे बाल थे, और श्री हार्पर, सचिव, एक मिलनसार दुबला-पतला युवक, जिसने सींग के फ्रेम वाला चश्मा पहन रखा था।
कुछ मिनटों की संक्षिप्त बातचीत के बाद, वह व्यक्ति बाहर चला गया, और डॉ. टॉसविल भी उसके पीछे-पीछे चले गए। हम सर गाय और डॉ. एम्स के साथ अकेले रह गए।
विलार्ड ने कहा, "आप जो भी सवाल पूछना चाहें, पूछ सकते हैं, महाशय पोइरोट। हम इन अजीबोगरीब घटनाओं की श्रृंखला से पूरी तरह से स्तब्ध हैं, लेकिन यह महज़ संयोग नहीं हो सकता।" उनके हाव-भाव में घबराहट झलक रही थी, जो उनके शब्दों से बिल्कुल मेल नहीं खा रही थी। मैंने देखा कि पोइरोट उन्हें ध्यान से देख रहे थे।
"क्या आप सचमुच इस काम में दिल से लगे हुए हैं, सर गाइ?"
"बिल्कुल। चाहे कुछ भी हो जाए, या इसका जो भी नतीजा निकले, काम जारी रहेगा। इस बात को स्वीकार कर लो।"
पोइरोट दूसरी ओर घूम गया।
"इस बारे में आपका क्या कहना है, महाशय डॉक्टर?"

“खैर,” डॉक्टर ने धीमी आवाज़ में कहा, “मैं खुद छोड़ने के पक्ष में नहीं हूँ।” पोइरोट ने अपने उन भावपूर्ण चेहरों में से एक बनाया।
"तो, ज़ाहिर है, हमें यह पता लगाना होगा कि हमारी स्थिति क्या है। श्री श्नाइडर की मृत्यु कब हुई थी?"
"तीन दिन पहले।"
"क्या आपको यकीन है कि यह टिटनेस ही था?"
"पक्का यकीन है।"
"क्या यह स्ट्राइकिन जहर का मामला नहीं हो सकता था, उदाहरण के लिए?" "नहीं, महाशय पोइरोट। मैं समझ गया कि आप क्या कहना चाह रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट रूप से टिटनेस का मामला था।"
"क्या आपने एंटी-सीरम का इंजेक्शन नहीं लगाया?"
डॉक्टर ने रूखेपन से कहा, "बिल्कुल हमने कोशिश की। हर संभव उपाय आजमाया गया।"
"क्या आपके पास एंटी-सीरम था?"
"नहीं। हमने इसे काहिरा से मंगवाया था।"
"क्या शिविर में टिटनेस के कोई अन्य मामले सामने आए हैं?"
"नहीं, एक भी नहीं।"
"क्या आपको यकीन है कि श्री ब्लेबनर की मृत्यु टिटनेस के कारण नहीं हुई थी?"
"बिल्कुल निश्चित। उसके अंगूठे पर एक खरोंच थी जो जहरीली हो गई और सेप्टीसीमिया हो गया। एक आम आदमी को यह लगभग एक जैसा लग सकता है, लेकिन दोनों चीजें पूरी तरह से अलग हैं।"
"फिर हमारे पास चार मौतें हैं - सभी पूरी तरह से भिन्न हैं, एक हृदय गति रुकने से, एक रक्त विषाक्तता से, एक आत्महत्या से और एक टिटनेस से।" "बिल्कुल सही, महाशय पोइरोट।"
"क्या आपको यकीन है कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो इन चारों को आपस में जोड़ सके?"
मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई?
मैं इसे सीधे शब्दों में कहूँगा। क्या उन चारों व्यक्तियों द्वारा ऐसा कोई कार्य किया गया था जो मेन-हेर-रा की आत्मा के प्रति अनादर का संकेत देता प्रतीत हो?

डॉक्टर ने अचरज से पोइरोट की ओर देखा।
"आप तो बिल्कुल बेतुकी बातें कर रहे हैं, महाशय पोइरोट। क्या सच में आपको बहकावे में आकर इन सब मूर्खतापूर्ण बातों पर विश्वास हो गया है?" "बिल्कुल बकवास," विलार्ड ने गुस्से से बुदबुदाया।
पोइरोट शांत भाव से अविचलित रहे, अपनी हरी बिल्ली जैसी आंखों से थोड़ी सी पलकें झपकाते रहे।
"तो आप इस पर विश्वास नहीं करते, महाशय डॉक्टर?"
"नहीं, महोदय, मैं ऐसा नहीं मानता," डॉक्टर ने दृढ़ता से कहा। "मैं एक वैज्ञानिक हूं, और मैं केवल वही मानता हूं जो विज्ञान सिखाता है।"
"क्या प्राचीन मिस्र में विज्ञान का कोई अस्तित्व नहीं था?" पोइरोट ने धीमी आवाज़ में पूछा। उन्होंने जवाब का इंतज़ार नहीं किया, और वास्तव में डॉ. एम्स उस समय कुछ असमंजस में लग रहे थे। "नहीं, नहीं, मुझे जवाब मत दीजिए, बल्कि मुझे यह बताइए। वहाँ के कारीगर क्या सोचते हैं?"
डॉ. एम्स ने कहा, "मुझे लगता है कि जहां गोरे लोग अपना आपा खो देते हैं, वहां मूल निवासी भी पीछे नहीं हटेंगे। मैं मानता हूं कि वे डर रहे हैं - लेकिन उन्हें डरने की कोई वजह नहीं है।"
"मुझे आश्चर्य हो रहा है," पोइरोट ने अनिर्णयपूर्ण लहजे में कहा।
सर गाय आगे की ओर झुके।
"ज़रूर," वह अविश्वास से चिल्लाया, "आप इस पर विश्वास नहीं कर सकते - ओह, यह तो बेतुका है! अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आप प्राचीन मिस्र के बारे में कुछ भी नहीं जानते।"
जवाब में पोइरोट ने अपनी जेब से एक छोटी सी किताब निकाली - एक प्राचीन, फटी- पुरानी किताब। जैसे ही उसने उसे आगे बढ़ाया, मैंने उसका शीर्षक देखा, 'मिस्रवासियों और कसदियों का जादू'। फिर, मुड़कर वह तम्बू से बाहर निकल गया। डॉक्टर मुझे घूरता रहा।
उसका यह छोटा सा विचार क्या है?
पोइरोट के होठों पर अक्सर सुनाई देने वाला यह वाक्यांश, जब किसी और के मुँह से निकला तो मुझे मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया।
"मुझे ठीक से पता नहीं," मैंने स्वीकार किया। "मुझे लगता है कि उसके पास बुरी आत्माओं को भगाने की कोई योजना है।" मैं पोइरोट की तलाश में गया और

उसे उस दुबले-पतले युवक से बात करते हुए पाया जो स्वर्गीय श्री ब्लेबनर का सचिव था।
"नहीं," श्री हार्पर कह रहे थे, "मैं इस अभियान में केवल छह महीने से हूं। हां, मैं श्री ब्लेबनर के मामलों से अच्छी तरह वाकिफ था।"
"क्या आप मुझे उनके भतीजे के बारे में कुछ बता सकते हैं?"
"एक दिन वो यहाँ अचानक आ गया, देखने में बुरा नहीं था। मैं उससे पहले कभी नहीं मिला था, लेकिन कुछ लोग उससे मिल चुके थे - मुझे लगता है एम्स और श्नाइडर। बूढ़ा आदमी उसे देखकर बिल्कुल भी खुश नहीं हुआ। देखते ही देखते वे दोनों झट से उस पर टूट पड़े। बूढ़े आदमी ने चिल्लाकर कहा, 'एक पैसा भी नहीं। न अभी, न मरने के बाद। मैं अपना सारा पैसा अपने जीवन भर के काम को आगे बढ़ाने में लगाना चाहता हूँ। आज मैंने श्री श्नाइडर से इस बारे में बात की है।' और फिर वही सब कुछ दोहराया गया। युवा ब्लेबनर तुरंत काहिरा के लिए निकल पड़ा।"
"क्या उस समय वह पूरी तरह स्वस्थ थे?"
"बुज़ुर्ग आदमीं?"
नहीं, छोटा वाला।
"मुझे लगता है कि उसने जिक्र किया था कि उसे कुछ परेशानी है। लेकिन यह कुछ गंभीर नहीं हो सकता था, वरना मुझे याद रहता।"
"एक और बात, क्या मिस्टर ब्लेबनर ने कोई वसीयत छोड़ी है?"
"जहां तक हमें पता है, उसने ऐसा नहीं किया है।"
"क्या आप अभियान में बने रहेंगे, श्री हार्पर?"
"नहीं, महोदय, मैं नहीं हूँ। यहाँ मामला सुलझते ही मैं न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो जाऊँगा। आप चाहें तो हँस सकते हैं, लेकिन मैं इस दुष्ट बूढ़े मेन-हेर-रा का अगला शिकार नहीं बनने वाला। अगर मैं यहाँ रुका तो वो मुझे मार डालेगा।" युवक ने अपने माथे से पसीना पोंछा।
पोइरोट ने मुंह फेर लिया। कंधे के ऊपर से उसने एक अजीब सी मुस्कान के साथ कहा:
"याद रखना, उसने अपने पीड़ितों में से एक को न्यूयॉर्क में मारा था।" "अरे बाप रे!" श्री हार्पर ने गुस्से से कहा।
"वह युवक घबराया हुआ है," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा। "वह बिल्कुल किनारे पर है, लेकिन पूरी तरह से किनारे पर है।"

मैंने उत्सुकता से पोइरोट की ओर देखा, लेकिन उनकी रहस्यमयी मुस्कान ने मुझे कुछ नहीं बताया। सर गाय विलार्ड और डॉ. टॉसविल के साथ हमें खुदाई स्थल का भ्रमण कराया गया। मुख्य वस्तुएँ काहिरा ले जाई जा चुकी थीं, लेकिन मकबरे का कुछ सामान बेहद दिलचस्प था। युवा बैरोनेट का उत्साह स्पष्ट था, लेकिन मुझे लगा कि उनके हावभाव में थोड़ी घबराहट झलक रही थी, मानो वे वातावरण में व्याप्त खतरे की भावना से पूरी तरह बच नहीं पा रहे थे। शाम के भोजन से पहले स्नान करने के लिए जब हम अपने लिए निर्धारित तंबू में दाखिल हुए, तो सफेद वस्त्र पहने एक लंबे, सांवले व्यक्ति ने एक तरफ हटकर हमें रास्ता दिया और अरबी में धीरे से अभिवादन किया। पोइरोट रुक गए।
"क्या आप हसन हैं, स्वर्गीय सर जॉन विलार्ड के नौकर?"
“मैंने अपने स्वामी सर जॉन की सेवा की, अब मैं उनके पुत्र की सेवा करता हूँ।” वह हमारे करीब आकर धीमी आवाज़ में बोले, “लोग कहते हैं कि तुम बुद्धिमान हो, बुरी आत्माओं से निपटने में पारंगत हो। इस युवा स्वामी को यहाँ से चले जाने दो। हमारे आसपास वातावरण में बुराई व्याप्त है।”
और एक अचानक इशारे के साथ, जवाब का इंतजार किए बिना, वह तेजी से चला गया। "हवा में कुछ बुराई है," पोइरोट ने बुदबुदाया। "हाँ, मुझे महसूस हो रहा है।" हमारा भोजन बिल्कुल भी खुशनुमा नहीं था। बोलने का मौका डॉ. टॉसविल को दिया गया, जिन्होंने मिस्र की प्राचीन वस्तुओं पर लंबा भाषण दिया। जैसे ही हम आराम करने की तैयारी कर रहे थे, सर गाय ने पोइरोट का हाथ पकड़ा और इशारा किया। तंबुओं के बीच एक धुंधली आकृति हिल रही थी। वह कोई इंसान नहीं था: मैंने मकबरे की दीवारों पर खुदी हुई कुत्ते के सिर वाली आकृति को साफ-साफ पहचान लिया। उसे देखकर मेरा खून जम गया।
"हे भगवान!" पोइरोट ने बुदबुदाते हुए ज़ोर से क्रॉस का निशान बनाया। "अनुबिस, सियार के सिर वाला, आत्माओं के विदा होने का देवता।"
"कोई हमें धोखा दे रहा है," डॉ. टॉसविल ने आक्रोश से उठते हुए चिल्लाकर कहा।
"यह तुम्हारे तम्बू में घुस गया, हार्पर," सर गाय ने बुदबुदाते हुए कहा, उनका चेहरा भयानक रूप से पीला पड़ गया था।
"नहीं," पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा, "डॉक्टर एम्स के पास।" डॉक्टर ने अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखा; फिर, डॉक्टर टॉसविल के शब्दों को दोहराते हुए, वह चिल्लाया:

"कोई हमें धोखा दे रहा है। आओ, हम जल्द ही उस आदमी को पकड़ लेंगे।"
वह उस धुंधली आकृति का पीछा करते हुए तेज़ी से भागा। मैं भी उसके पीछे गया, लेकिन लाख कोशिश करने के बावजूद हमें उस रास्ते से किसी भी जीवित प्राणी के गुज़रने का कोई निशान नहीं मिला। हम कुछ व्याकुल मन से वापस लौटे तो देखा कि पोइरोट अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने तरीके से ज़ोर-शोर से तैयारी कर रहा था। वह रेत पर तरह-तरह के चित्र और आकृतियाँ बनाकर हमारे तंबू के चारों ओर व्यस्त था। मैंने कई बार बने पंचकोणीय तारे को पहचाना। अपनी आदत के अनुसार, पोइरोट साथ ही साथ जादू-टोने और तंत्र-मंत्र पर एक अनौपचारिक व्याख्यान भी दे रहा था। काले जादू के विपरीत सफेद जादू के बारे में, जिसमें का और मृतकों की पुस्तक का भी ज़िक्र था।
ऐसा प्रतीत हुआ कि इससे डॉ. टॉसविल में घोर तिरस्कार की भावना जागृत हुई, जिन्होंने मुझे एक तरफ खींच लिया और सचमुच गुस्से से गुर्राने लगे। "बिल्कुल बकवास, महोदय," उन्होंने क्रोध से कहा। "पूरी तरह बकवास। यह आदमी पाखंडी है। इसे मध्य युग के अंधविश्वासों और प्राचीन मिस्र की मान्यताओं में कोई अंतर नहीं पता। मैंने अज्ञानता और अंधविश्वास का ऐसा घालमेल पहले कभी नहीं सुना।"
मैंने उत्तेजित विशेषज्ञ को शांत किया और पोइरोट के साथ तम्बू में चला गया। मेरा छोटा दोस्त बेहद खुश था।
“अब हम चैन से सो सकते हैं,” उसने खुशी से कहा। “और मुझे भी थोड़ी नींद की ज़रूरत है। मेरा सिर बुरी तरह दुख रहा है। आह, एक बढ़िया हर्बल चाय मिल जाए तो कितना अच्छा होगा!”
मानो प्रार्थना का उत्तर मिला हो, तंबू का पर्दा उठा और हसन एक गर्म प्याला लिए हुए प्रकट हुआ, जो उसने पोइरोट को दिया। पता चला कि वह कैमोमाइल चाय थी, जो उसे बेहद पसंद थी। हसन को धन्यवाद देते हुए और अपने लिए एक और प्याला देने से इनकार करते हुए, हम फिर से अकेले रह गए। कपड़े उतारने के कुछ समय बाद मैं तंबू के दरवाजे पर खड़ा होकर रेगिस्तान की ओर देख रहा था। “कितनी अद्भुत जगह है,” मैंने ज़ोर से कहा, “और कितना अद्भुत काम है। मैं इसका आकर्षण महसूस कर सकता हूँ। यह रेगिस्तानी जीवन, एक लुप्त सभ्यता के हृदय में झाँकना। पोइरोट, यकीनन आप भी इसका आकर्षण महसूस करते होंगे!” मुझे कोई जवाब नहीं मिला, और मैं थोड़ा चिढ़कर मुड़ा। मेरी झुंझलाहट जल्दी ही चिंता में बदल गई। पोइरोट खुरदुरे सोफे पर लेटे हुए थे, उनका चेहरा बुरी

तरह सिकुड़ा हुआ था। उनके बगल में खाली प्याला पड़ा था। मैं दौड़कर उनके पास गया, फिर भागकर शिविर के उस पार डॉ. एम्स के तंबू की ओर गया।
"डॉक्टर एम्स!" मैंने चिल्लाकर कहा। "तुरंत आइए।"
"क्या बात है?" डॉक्टर ने पायजामा पहने हुए कहा।
"मेरा दोस्त। वह बीमार है। मर रहा है। कैमोमाइल चाय। हसन को शिविर से बाहर मत जाने देना।" डॉक्टर पलक झपकते ही हमारे तंबू की ओर दौड़ा। जब मैं पोइरोट को छोड़कर गया, तो वह लेटा हुआ था।
"असाधारण!" एम्स चिल्लाया। "लगता है उसे दौरा पड़ा है - या - तुमने क्या कहा था कि उसने कुछ पिया है?" उसने खाली प्याला उठाया।
"सिर्फ मैंने इसे नहीं पिया!" एक शांत आवाज ने कहा।
हम आश्चर्य से मुड़े। पोइरोट बिस्तर पर बैठा था। वह मुस्कुरा रहा था। “नहीं,” उन्होंने धीरे से कहा। “मैंने इसे नहीं पिया। जब मेरा अच्छा दोस्त हेस्टिंग्स रात भर बातें कर रहा था, तो मैंने मौका देखकर इसे अपने गले से नीचे उतारने के बजाय एक छोटी बोतल में डाल लिया। वह छोटी बोतल मैं किसी रसायनज्ञ के पास ले जाऊंगा। नहीं –” डॉक्टर के अचानक हिलने से पहले – “एक समझदार आदमी होने के नाते, आप समझेंगे कि हिंसा का कोई फायदा नहीं होगा। हेस्टिंग्स के आपको लाने के लिए थोड़ी देर के लिए बाहर जाने के दौरान, मुझे बोतल को सुरक्षित रखने का समय मिल गया। अरे, जल्दी करो, हेस्टिंग्स, उसे पकड़ो!” मैं पोइरोट की घबराहट को गलत समझ गया। अपने दोस्त को बचाने के लिए बेताब होकर, मैं उनके सामने कूद पड़ा। लेकिन डॉक्टर की इस तेज हरकत का कुछ और ही मतलब था। उनका हाथ उनके मुंह पर गया, कड़वे बादाम की गंध हवा में फैल गई, और वे आगे की ओर लड़खड़ाकर गिर पड़े।
"एक और शिकार," पोइरोट ने गंभीरता से कहा, "लेकिन आखिरी। शायद यही सबसे अच्छा तरीका है। उसके सिर पर तीन मौतों का बोझ है।"
"डॉक्टर एम्स?" मैं अचंभित होकर चिल्लाया। "लेकिन मुझे लगा था कि आप किसी तांत्रिक शक्ति में विश्वास करते हैं!"
"हेस्टिंग्स, तुमने मुझे गलत समझा। मेरा मतलब यह था कि मैं अंधविश्वास की अपार शक्ति में विश्वास करता हूँ। एक बार यह बात पक्की हो जाए कि सिलसिलेवार मौतें अलौकिक हैं, तो तुम दिन दहाड़े किसी को चाकू मार भी दो, तब भी उसे श्राप ही कहोगे, क्योंकि अलौकिक शक्तियों का बोध मानव जाति में इतनी गहराई से बैठा हुआ है। मुझे शुरू से ही शक था कि कोई व्यक्ति इसी बोध

का फायदा उठा रहा है। मुझे लगता है कि सर जॉन विलार्ड की मृत्यु के बाद उसके मन में यह विचार आया। देखते ही देखते अंधविश्वास का सैलाब उमड़ पड़ा।
जहाँ तक मैं देख सकता था, सर जॉन की मृत्यु से किसी को कोई खास लाभ नहीं मिल सकता था। श्री ब्लेबनर का मामला अलग था। वह बहुत धनी व्यक्ति थे।
न्यूयॉर्क से मुझे जो जानकारी मिली, उसमें कई संकेत देने वाले बिंदु थे। सबसे पहले, युवा ब्लेबनर ने कथित तौर पर कहा था कि मिस्र में उनका एक अच्छा दोस्त है जिससे वह उधार ले सकते हैं। यह मान लिया गया था कि उनका मतलब उनके चाचा से था, लेकिन मुझे लगता है कि अगर ऐसा होता तो वह सीधे-सीधे कह देते। इन शब्दों से किसी घनिष्ठ मित्र का संकेत मिलता है।" उसने खुद ही पैसे जुटाए। दूसरी बात, उसने किसी तरह मिस्र जाने के लिए पर्याप्त धन इकट्ठा किया, उसके चाचा ने उसे एक पैसा भी देने से साफ इनकार कर दिया, फिर भी वह न्यूयॉर्क लौटने का किराया देने में सक्षम था। किसी ने तो उसे पैसे उधार दिए ही होंगे।
मैंने आपत्ति जताते हुए कहा, "वह सब बहुत पतला था।"
"लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। हेस्टिंग्स, अक्सर ऐसा होता है कि लाक्षणिक रूप से बोले गए शब्दों को शाब्दिक रूप से ले लिया जाता है। इसका उल्टा भी हो सकता है। इस मामले में, जिन शब्दों का शाब्दिक अर्थ था, उन्हें लाक्षणिक रूप से ले लिया गया। युवा ब्लेबनर ने साफ-साफ लिखा था: 'मैं एक कुष्ठ रोगी हूँ,' लेकिन किसी को यह एहसास नहीं हुआ कि उसने खुद को गोली इसलिए मारी क्योंकि उसे विश्वास था कि उसे कुष्ठ रोग हो गया है।"
"क्या?" मैंने हैरानी से कहा।
यह एक शातिर दिमाग की चालाकी भरी साजिश थी। युवा ब्लेइबनर को मामूली त्वचा की समस्या थी, वह दक्षिण सागर द्वीपों में रहता था, जहाँ यह बीमारी आम है। एम्स उसका पुराना दोस्त और एक प्रसिद्ध चिकित्सक था, वह उसकी बात पर शक करने की सोच भी नहीं सकता था। जब मैं यहाँ पहुँचा, तो मेरा शक हार्पर और डॉ. एम्स के बीच बँटा हुआ था, लेकिन जल्द ही मुझे एहसास हुआ कि केवल डॉक्टर ही इन अपराधों को अंजाम दे सकता था और छिपा सकता था, और मुझे हार्पर से पता चला कि वह युवा ब्लेइबनर को पहले से जानता था। निस्संदेह, ब्लेइबनर ने कभी न कभी वसीयत बनाई होगी या डॉक्टर के नाम अपनी जान का बीमा कराया होगा। डॉक्टर को धन कमाने का मौका दिख रहा था। उसके लिए मिस्टर ब्लेइबनर को जानलेवा कीटाणुओं से संक्रमित करना आसान था। फिर, अपने दोस्त द्वारा दी गई

भयानक खबर से हताश होकर भतीजे ने खुद को गोली मार ली। मिस्टर ब्लेइबनर ने, चाहे उसकी मंशा कुछ भी रही हो, कोई वसीयत नहीं बनाई थी। उसकी संपत्ति उसके भतीजे को और उससे डॉक्टर को मिलनी थी।
और श्री श्नाइडर?
"हम निश्चित नहीं हो सकते। याद रहे, वह युवा ब्लेइबनर को भी जानता था, और शायद उसे कुछ शक हुआ हो, या फिर, डॉक्टर ने सोचा हो कि एक और बेबुनियाद मौत अंधविश्वास को और मजबूत कर देगी। इसके अलावा, मैं आपको एक दिलचस्प मनोवैज्ञानिक तथ्य बताता हूँ, हेस्टिंग्स। एक हत्यारे में हमेशा अपने सफल अपराध को दोहराने की प्रबल इच्छा होती है, उसे अपराध करने की लत लग जाती है। इसलिए मुझे युवा विलार्ड के लिए डर लग रहा है। आज रात आपने जो अनुबिस की आकृति देखी, वह हसन था, जिसे मैंने आदेश पर तैयार किया था। मैं देखना चाहता था कि क्या मैं डॉक्टर को डरा सकता हूँ। लेकिन उसे डराने के लिए अलौकिक शक्तियों से कहीं अधिक की आवश्यकता होगी। मैं देख सकता था कि वह तंत्र-मंत्र में मेरे विश्वास के दिखावे से पूरी तरह प्रभावित नहीं हुआ था। मैंने उसके लिए जो छोटा सा नाटक किया, उससे वह धोखा नहीं खा सका। मुझे शक था कि वह मुझे अगला शिकार बनाने की कोशिश करेगा। आह, लेकिन भयानक समुद्र, असहनीय गर्मी और रेत की परेशानियों के बावजूद, मेरे दिमाग की छोटी- छोटी कोशिकाएँ अभी भी काम कर रही थीं!" पोइरोट अपने अनुमानों में बिल्कुल सही साबित हुए। कुछ साल पहले, युवा ब्लेबनर ने नशे में धुत होकर एक मज़ाकिया वसीयत बनाई थी, जिसमें उसने लिखा था, "मेरा सिगरेट का डिब्बा जिसकी आप इतनी प्रशंसा करते हैं और मेरी मृत्यु के समय मेरे पास जो कुछ भी होगा, वह सब मुझे देना है, जो मुख्य रूप से मेरे अच्छे दोस्त रॉबर्ट एम्स के ऋण के रूप में होगा, जिन्होंने एक बार मुझे डूबने से बचाया था।"
इस मामले को यथासंभव दबा दिया गया, और आज तक लोग मेन-हेर-रा के मकबरे से जुड़ी मौतों की उस उल्लेखनीय श्रृंखला को एक बीते हुए राजा द्वारा अपने मकबरे को अपवित्र करने वालों पर लिए गए प्रतिशोध के विजयी प्रमाण के रूप में बात करते हैं - एक ऐसी मान्यता जो, जैसा कि पोइरोट ने मुझे बताया, सभी मिस्र के विश्वास और विचार के विपरीत है।

द ग्रैंड में गहनों की चोरी

महानगरीय
मैंने कहा, "पोइरोट, थोड़ी ताज़ी हवा आपके लिए अच्छी रहेगी।"
"क्या तुम्हें ऐसा लगता है, मेरे दोस्त?"
"मुझे इसका पूरा यकीन है।"
"अरे?" मेरे दोस्त ने मुस्कुराते हुए कहा। "तो सब कुछ तय हो गया है?"
"आप आओगे?"
आप मुझे कहाँ ले जाना चाहते हैं?
"ब्राइटन। दरअसल, सिटी में मेरे एक दोस्त ने मुझे एक बहुत अच्छी जगह के बारे में बताया, और - खैर, जैसा कि कहावत है, मेरे पास खर्च करने के लिए बहुत पैसा है। मुझे लगता है कि ग्रैंड मेट्रोपॉलिटन में एक सप्ताहांत बिताना हम सभी के लिए बहुत अच्छा रहेगा।"
"धन्यवाद, मैं इसे अत्यंत कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करता हूँ। एक बुजुर्ग के बारे में सोचने के लिए आपका हृदय बहुत अच्छा है। और अच्छा हृदय, अंततः सभी छोटी-छोटी दिमागी कोशिकाओं से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। हाँ, हाँ, मैं जो आपसे बात कर रहा हूँ, कभी-कभी यह बात भूलने के कगार पर होता हूँ।" मुझे यह बात कुछ खास पसंद नहीं आई। मुझे लगता है कि पोइरोट कभी-कभी मेरी मानसिक क्षमताओं को थोड़ा कम आंकते हैं। लेकिन उनकी खुशी इतनी स्पष्ट थी कि मैंने अपनी थोड़ी झुंझलाहट को एक तरफ रख दिया।
"तो फिर ठीक है," मैंने जल्दी से कहा।
शनिवार शाम को हमने ग्रैंड मेट्रोपॉलिटन में एक जीवंत भीड़ के बीच भोजन किया। ऐसा लग रहा था मानो दुनिया भर के लोग ब्राइटन में ही हों। पोशाकें शानदार थीं, और गहने - जिन्हें कभी-कभी शालीनता से ज़्यादा दिखावे के लिए पहना जाता था - सचमुच भव्य थे।
"हेइन, यह तो एक अद्भुत नज़ारा है!" पोइरोट ने बुदबुदाते हुए कहा। "यही तो मुनाफाखोर का घर है, हैस्टिंग्स?"
“ऐसा ही होना चाहिए,” मैंने जवाब दिया। “लेकिन हम उम्मीद करेंगे कि उन सभी पर मुनाफाखोरी का आरोप न लगे।” पोइरोट ने शांतिपूर्वक अपने चारों ओर देखा।

"इतने सारे गहने देखकर मुझे लगता है कि काश मैंने अपराध का पता लगाने के बजाय अपराध को सुलझाने में अपना दिमाग लगाया होता। किसी प्रतिष्ठित चोर के लिए कितना शानदार मौका है! हेस्टिंग्स, खंभे के पास खड़ी उस हष्ट-पुष्ट महिला को देखो। जैसा कि तुम कहते हो, वह गहनों से लदी हुई है।" मैंने उसकी आँखों का पीछा किया।
मैंने हैरानी से कहा, "अरे वाह, ये तो श्रीमती ओपल्सेन हैं!"
"आप उसे जानते हैं?"
"थोड़ा-बहुत। उनके पति एक अमीर स्टॉकब्रोकर हैं जिन्होंने हाल ही में तेल की कीमतों में आई तेजी से खूब दौलत कमाई है।" रात के खाने के बाद लाउंज में हमारी मुलाकात ओपल्सन परिवार से हुई और मैंने पोइरोट का उनसे परिचय कराया। हमने कुछ मिनट बातचीत की और अंत में साथ में कॉफी पी।
पोइरोट ने महिला के सुडौल सीने पर सजे कुछ कीमती रत्नों की प्रशंसा में कुछ शब्द कहे, और वह तुरंत ही प्रसन्न हो उठी।
"यह मेरा एकदम सही शौक है, मिस्टर पोइरोट। मुझे गहने बहुत पसंद हैं। एड मेरी कमजोरी जानता है, और जब भी सब कुछ ठीक चलता है, वह मेरे लिए कुछ नया लाता है। क्या आपको कीमती पत्थरों में दिलचस्पी है?"
"मेरा इनसे समय-समय पर काफी वास्ता रहा है, महोदया। मेरे पेशे ने मुझे दुनिया के कुछ सबसे प्रसिद्ध रत्नों से परिचित कराया है।" उन्होंने सावधानीपूर्वक छद्म नामों का प्रयोग करते हुए एक प्रतिष्ठित परिवार के ऐतिहासिक रत्नों की कहानी सुनाना शुरू किया, और श्रीमती ओपल्सेन ने बड़ी उत्सुकता से उनकी बात सुनी।
"देखो!" उसने अपनी बात खत्म करते ही कहा। "यह तो बिल्कुल किसी नाटक जैसा है! तुम्हें पता है, मेरे पास भी कुछ मोती हैं जिनका अपना एक इतिहास है। मेरा मानना है कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन हारों में से एक है - मोती इतने खूबसूरती से जड़े हुए हैं और रंग भी एकदम सही हैं। मैं कसम खाती हूँ, मुझे इसे तुरंत जाकर लाना चाहिए!"
"ओह, मैडम," पोइरोट ने विरोध करते हुए कहा, "आप बहुत ही मिलनसार हैं। कृपया अपना मानसिक संतुलन न बिगाड़ें!"
"ओह, लेकिन मैं इसे आपको दिखाना चाहूँगा।"
सुडौल महिला फुर्ती से लड़खड़ाते हुए लिफ्ट की ओर बढ़ी। उसका पति, जो मुझसे बात कर रहा था, ने पोइरोट की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।

"महोदया, आपकी पत्नी इतनी मिलनसार हैं कि वे मुझे अपना मोतियों का हार दिखाने पर जोर दे रही हैं," बाद वाले ने समझाया।
"ओह, मोती!" ओपल्सेन ने संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ कहा। "देखने लायक तो हैं। कीमत भी काफी ज्यादा है! खैर, पैसा तो है ही; मैं इनके लिए जो कीमत चुकाई है, वो किसी भी दिन वसूल सकता हूँ - शायद उससे भी ज्यादा। अगर हालात ऐसे ही चलते रहे तो शायद मुझे ऐसा करना ही पड़े। शहर में पैसों की बहुत तंगी है। ये सब ईपीडी की वजह से है।" वो बड़बड़ाते रहे और तकनीकी बातों में उलझ गए, जिन्हें मैं समझ नहीं पाया। तभी एक छोटा सा सेवक पास आया और उनके कान में कुछ फुसफुसाया, जिससे उनकी बात बीच में ही रुक गई।
"अरे - क्या? मैं अभी आता हूँ। कहीं बीमार तो नहीं हैं? क्षमा कीजिए, सज्जनों।" वह अचानक हमें छोड़कर चले गए। पोइरोट पीछे झुके और अपनी छोटी सी रूसी सिगरेट जलाई। फिर, बड़ी सावधानी से, उन्होंने खाली कॉफी के कपों को एक कतार में करीने से सजाया और परिणाम देखकर प्रसन्न हुए। कुछ मिनट बीत गए। ओपल्सन परिवार वापस नहीं आया।
मैंने अंत में कहा, "अजीब बात है। मुझे आश्चर्य है कि वे कब लौटेंगे।" पोइरोट धुएं के ऊपर उठते हुए गुबार को देखता रहा और फिर सोच-विचार करते हुए बोला:
वे वापस नहीं आएंगे।
"क्यों?"
"क्योंकि, मेरे दोस्त, कुछ हुआ है।"
"किस तरह की चीज? आपको कैसे पता?" मैंने उत्सुकता से पूछा।
पोइरोट मुस्कुराया।
कुछ देर पहले मैनेजर जल्दी से अपने दफ्तर से बाहर निकला और ऊपर की ओर भागा। वह बहुत परेशान था। लिफ्ट वाला नौकर एक नौकर से गहरी बातचीत कर रहा है। लिफ्ट की घंटी तीन बार बज चुकी है, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया। तीसरी बात, यहाँ तक कि वेटर भी परेशान हैं; और एक वेटर को परेशान करना-” पोइरोट ने निर्णायक भाव से सिर हिलाया। “मामला वाकई बहुत गंभीर होना चाहिए। आह, जैसा मैंने सोचा था वैसा ही है!”
पुलिस आ रही है।

दो आदमी अभी-अभी होटल में दाखिल हुए थे - एक वर्दी में, दूसरा सादे कपड़ों में। उन्होंने एक सेवक से बात की और उन्हें तुरंत ऊपर ले जाया गया। कुछ मिनट बाद, वही लड़का नीचे आया और हमारे पास आकर बैठ गया।
"श्री ओपल्सन की ओर से शुभकामनाएँ, और क्या आप ऊपर आ सकते हैं?"
पोइरोट फुर्ती से उठ खड़ा हुआ। ऐसा लग रहा था मानो वह किसी आदेश का इंतजार कर रहा हो। मैं भी उतनी ही तत्परता से उसके पीछे-पीछे चला।
ओपल्सेन का अपार्टमेंट पहली मंज़िल पर था। दरवाज़ा खटखटाने के बाद, नौकर चला गया, और हमने अंदर आने की आवाज़ सुनी, "अंदर आइए!" हमारे सामने एक अजीब नज़ारा था। कमरा श्रीमती ओपल्सेन का शयनकक्ष था, और उसके बीचोंबीच, एक कुर्सी पर लेटी हुई, वह खुद ज़ोर-ज़ोर से रो रही थीं। उनका चेहरा बेहद उदास था, उनके चेहरे पर लगे पाउडर में आँसुओं की गहरी लकीरें बन गई थीं। श्री ओपल्सेन गुस्से में इधर-उधर घूम रहे थे। दो पुलिस अधिकारी कमरे के बीच में खड़े थे, एक के हाथ में नोटबुक थी। एक होटल की नौकरानी, जो बेहद डरी हुई लग रही थी, चिमनी के पास खड़ी थी; और कमरे के दूसरी तरफ एक फ्रांसीसी महिला, जो स्पष्ट रूप से श्रीमती ओपल्सेन की नौकरानी थी, रो रही थी और अपने हाथ मल रही थी, उसका दुख उसकी मालकिन के दुख से कहीं ज़्यादा गहरा था।
इस अफरा-तफरी के बीच पोइरोट बड़े करीने से मुस्कुराते हुए दाखिल हुए। तुरंत ही, अपने भारी-भरकम शरीर के बावजूद आश्चर्यजनक फुर्ती के साथ, श्रीमती ओपल्सेन अपनी कुर्सी से उछलकर उनकी ओर दौड़ पड़ीं।
"अब बस, एड चाहे जो कहे, लेकिन मैं किस्मत पर यकीन करती हूँ, सच में। आज शाम आपसे मिलना मेरी नियति थी, और मुझे लगता है कि अगर आप मेरे मोती वापस नहीं ला सकतीं तो कोई और भी नहीं ला सकता।"
"कृपया शांत हो जाइए, महोदया।" पोइरोट ने उनके हाथ पर प्यार से थपथपाते हुए कहा, "स्वयं को दिलासा दीजिए। सब ठीक हो जाएगा। हरक्यूल पोइरोट आपकी मदद करेंगे!"
श्री ओपल्सेन ने पुलिस इंस्पेक्टर की ओर रुख किया।
"मुझे लगता है कि मेरे द्वारा - अह - इस सज्जन को बुलाने पर कोई आपत्ति नहीं होगी?"
"बिल्कुल नहीं, महोदय," उस व्यक्ति ने विनम्रतापूर्वक, लेकिन पूर्ण उदासीनता के साथ उत्तर दिया। "शायद अब आपकी पत्नी बेहतर महसूस कर रही हैं, तो वे हमें सच्चाई बता देंगी!"

श्रीमती ओपल्सेन ने असहाय होकर पोइरोट की ओर देखा। पोइरोट उन्हें वापस उनकी कुर्सी पर ले गए।
"मैडम, कृपया बैठ जाइए और बिना विचलित हुए हमें पूरी कहानी सुनाइए।" इस प्रकार मना किए जाने पर, श्रीमती ओपल्सेन ने धीरे से अपनी आँखें पोंछीं और बोलना शुरू किया।
"मैं रात के खाने के बाद ऊपर आई थी ताकि मिस्टर पोइरोट को दिखाने के लिए अपने मोती ले आऊं। हमेशा की तरह नौकरानी और सेलेस्टीन दोनों कमरे में मौजूद थीं।"
"क्षमा कीजिए महोदया, लेकिन 'हमेशा की तरह' से आपका क्या तात्पर्य है?" श्री ओपल्सन ने समझाया।
मैंने यह नियम बना रखा है कि जब तक नौकरानी सेलेस्टीन मौजूद न हो, तब तक कोई भी इस कमरे में नहीं आ सकता। सेलेस्टीन की मौजूदगी में नौकरानी सुबह कमरे की सफाई करती है और रात के खाने के बाद भी इन्हीं शर्तों के तहत बिस्तर ठीक करने आती है; अन्यथा वह कभी भी कमरे में प्रवेश नहीं करती। "खैर, जैसा कि मैं कह रही थी," श्रीमती ओपल्सेन ने आगे कहा, "मैं ऊपर आई। मैं यहाँ दराज के पास गई -" उन्होंने घुटने के आकार की ड्रेसिंग टेबल के निचले दाहिने दराज की ओर इशारा करते हुए कहा - "मैंने अपना गहनों का डिब्बा निकाला और उसे खोला। वह बिल्कुल पहले जैसा ही लग रहा था - लेकिन मोती वहाँ नहीं थे!" इंस्पेक्टर अपनी नोटबुक में व्यस्त था।
"आपने उन्हें आखिरी बार कब देखा था?" उसने पूछा।
"जब मैं रात का खाना खाने नीचे गया तो वे वहीं थे।"
"आपको यकीन है?"
"बिल्कुल। मुझे इस बात का संदेह था कि मैं उन्हें पहनूं या नहीं, लेकिन अंत में मैंने पन्ना पहनने का फैसला किया और उन्हें वापस गहनों के डिब्बे में रख दिया।"
"ज्वेलरी बॉक्स को किसने लॉक किया?"
"मैंने किया। मैं चाबी को एक चेन में डालकर अपने गले में पहनता हूँ।" बोलते समय उसने उसे ऊपर उठा रखा था।
निरीक्षक ने उसकी जांच की और अपने कंधे उचका दिए।
"चोर के पास चाबी की डुप्लीकेट कॉपी रही होगी। कोई मुश्किल बात नहीं। ताला तो काफी सरल है। गहनों का डिब्बा बंद करने के बाद आपने क्या किया?"

मैंने इसे वापस नीचे वाले दराज में रख दिया, जहाँ मैं इसे हमेशा रखता हूँ। "आपने दराज को लॉक नहीं किया?"
"नहीं, मैं ऐसा कभी नहीं करती। मेरी नौकरानी मेरे आने तक कमरे में ही रहती है, इसलिए इसकी कोई ज़रूरत नहीं है।" इंस्पेक्टर का चेहरा और भी गंभीर हो गया।
"क्या मुझे यह समझना चाहिए कि जब आप रात के खाने के लिए नीचे गए थे तब गहने वहीं थे, और तब से नौकरानी कमरे से बाहर नहीं निकली है?"
अचानक, मानो पहली बार अपनी स्थिति की भयावहता का अहसास उस पर हुआ हो, सेलेस्टीन ने एक तीखी चीख मारी और पोइरोट पर गिरते हुए, अस्पष्ट फ्रेंच में शब्दों की एक धारा बहा दी।
यह सुझाव कुख्यात था! कि उस पर मैडम को लूटने का संदेह किया जाना चाहिए! पुलिस अपनी अविश्वसनीय मूर्खता के लिए जानी जाती थी! लेकिन महाशय, जो एक फ्रांसीसी थे -
"एक बेल्जियन," पोइरोट ने बीच में कहा, लेकिन सेलेस्टीन ने सुधार पर कोई ध्यान नहीं दिया। महाशय चुपचाप खड़े होकर उसे झूठे आरोप में फँसते हुए नहीं देख सकते थे, जबकि वह बदनाम नौकरानी आज़ाद घूम रही थी। वह उसे कभी पसंद नहीं करती थी - एक उद्दंड, लाल चेहरे वाली औरत - जन्मजात चोर। उसने शुरू से ही कहा था कि वह ईमानदार नहीं है। और जब वह मैडम का कमरा साफ़ कर रही थी, तब भी उसने उस पर कड़ी नज़र रखी थी! उन बेवकूफ पुलिसवालों को उसकी तलाशी लेने दो, और अगर उन्हें उसके पास से मैडम के मोती नहीं मिले तो यह बहुत आश्चर्य की बात होगी!
हालांकि यह भाषण तेज और उग्र फ्रेंच में दिया गया था, सेलेस्टीन ने इसमें कई तरह के हाव-भाव का इस्तेमाल किया था, और नौकरानी को कम से कम उसका कुछ अर्थ समझ में आ गया। वह गुस्से से लाल हो गई।
"अगर वह विदेशी महिला कह रही है कि मैंने मोती चुराए हैं, तो यह झूठ है!" उसने गुस्से में कहा। "मैंने उन्हें कभी देखा तक नहीं।"
"उसकी तलाशी लो!" दूसरे ने चिल्लाकर कहा। "जैसा मैं कहूँगी, तुम्हें मिल जाएगा।"
"तुम झूठी हो - सुन रही हो?" नौकरानी ने उसकी ओर बढ़ते हुए कहा। "खुद चुराई हैं और इल्जाम मुझ पर डालना चाहती हो। अरे, मैं तो उस महिला के आने से पहले सिर्फ तीन मिनट ही कमरे में थी, और तुम तो हमेशा की तरह यहाँ बैठी रही, जैसे

कोई बिल्ली चूहे को देख रही हो।" इंस्पेक्टर ने सवालिया निगाहों से सेलेस्टीन की ओर देखा।
"क्या यह सच है? क्या आप कमरे से बिल्कुल भी बाहर नहीं गए थे?"
"मैंने उसे सचमुच अकेला नहीं छोड़ा था," सेलेस्टीन ने अनिच्छा से स्वीकार किया, "लेकिन मैं यहाँ दरवाजे से होते हुए दो बार अपने कमरे में गई थी - एक बार सूती रील लेने के लिए, और एक बार अपनी कैंची लेने के लिए। उसने ही शायद तब ऐसा किया होगा।"
“तुम एक मिनट के लिए भी नहीं गई थीं,” नौकरानी ने गुस्से से जवाब दिया। “बस थोड़ी देर के लिए बाहर गई और फिर अंदर आ गई। अगर पुलिस मेरी तलाशी ले ले तो मुझे खुशी होगी। मुझे डरने की कोई बात नहीं है।” तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। इंस्पेक्टर दरवाजा खोलने गया। सामने वाले को देखकर उसका चेहरा खिल उठा। "आह!" उसने कहा। "यह तो बड़ी अच्छी बात है। मैंने अपनी एक महिला खोजी को बुलवाया था, और वह अभी-अभी आई है। अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो कृपया बगल वाले कमरे में चले जाइए।"
उसने नौकरानी की ओर देखा, जो सिर झटकते हुए दहलीज पार कर गई, और तलाशी लेने वाला व्यक्ति उसके पीछे-पीछे चल रहा था।
फ्रांसीसी लड़की सिसकते हुए कुर्सी पर बैठ गई थी। पोइरोट कमरे में चारों ओर देख रहा था, जिसकी मुख्य विशेषताओं को मैंने एक रेखाचित्र के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है।
"वह दरवाजा कहाँ जाता है?" उसने खिड़की के पास वाले दरवाजे की ओर सिर हिलाते हुए पूछा।
इंस्पेक्टर ने कहा, "मुझे लगता है कि यह अगले अपार्टमेंट में है। वैसे भी, इस तरफ से यह बंद है।" पोइरोट चलकर उसके पास गए, दरवाजा खोलने की कोशिश की, फिर कुंडी खोली और दोबारा कोशिश की।
"और दूसरी तरफ भी," उसने कहा। "अच्छा, इससे तो यह संभावना खत्म हो जाती है।" वह खिड़कियों के पास गया और बारी-बारी से एक-एक करके उनकी जांच करने लगा। और फिर से - कुछ नहीं। बाहर एक बालकनी भी नहीं।
निरीक्षक ने अधीरता से कहा, "अगर ऐसा होता भी, तो मुझे नहीं लगता कि इससे हमें कोई मदद मिलेगी, अगर नौकरानी कभी कमरे से बाहर ही न निकले।"
"ज़ाहिर है," पोइरोट ने बिना विचलित हुए कहा। "चूंकि मैडमोजेल को पूरा यकीन है कि वह कमरे से बाहर नहीं निकलीं -"

तभी सफाईकर्मी और पुलिस तलाशीकर्मी के दोबारा प्रकट होने से उसकी बात में बाधा उत्पन्न हुई।
"कुछ नहीं," दूसरे ने संक्षिप्त रूप से कहा।
"मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा," नौकरानी ने नेक भाव से कहा। "और उस बदचलन फ्रांसीसी औरत को एक नेक लड़की की इज्जत लूटने पर शर्म आनी चाहिए!" "चिंता मत करो, मेरी बच्ची; कोई बात नहीं," इंस्पेक्टर ने दरवाजा खोलते हुए कहा। "किसी को तुम पर शक नहीं है। तुम जाओ और अपना काम करो।"
नौकरानी अनिच्छा से गई।
"क्या तुम उसकी तलाशी लेने जा रहे हो?" उसने सेलेस्टीन की ओर इशारा करते हुए पूछा।
"हाँ, हाँ!" उसने उसके सामने दरवाजा बंद कर दिया और चाबी घुमा दी।
सेलेस्टाइन भी बारी-बारी से खोजकर्ता के साथ उस छोटे कमरे में गई। कुछ मिनट बाद वह भी वापस लौट आई।
उसके पास से कुछ भी नहीं मिला था।
निरीक्षक का चेहरा और भी गंभीर हो गया।
"मुझे खेद है कि मुझे आपसे फिर भी साथ चलने के लिए कहना पड़ेगा, महोदया।" वह श्रीमती ओपल्सेन की ओर मुड़ा। "मुझे खेद है, महोदया, लेकिन सभी सबूत इसी ओर इशारा करते हैं। अगर वे उसके पास नहीं हैं, तो वे कमरे में कहीं छिपे हुए हैं।"
सेलेस्टीन चीख पड़ी और पोइरोट की बांह से लिपट गई। पोइरोट झुके और लड़की के कान में कुछ फुसफुसाया। लड़की ने संदेह भरी निगाहों से उनकी ओर देखा। "जी जी, जी मेरे बच्चे - मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि विरोध न करना ही बेहतर है।" फिर वह निरीक्षक की ओर मुड़ा। "आप अनुमति देते हैं, महोदय? एक छोटा सा प्रयोग - केवल अपनी संतुष्टि के लिए।"
"यह इस बात पर निर्भर करता है कि मामला क्या है," पुलिस अधिकारी ने टालमटोल भरे लहजे में जवाब दिया। पोइरोट ने एक बार फिर सेलेस्टीन से बात की।
आपने हमें बताया था कि आप अपने कमरे में रुई की रील लेने गए थे। वह कहाँ थी? "दराजों की पेटी के ऊपर, महोदय।"
और कैंची?
"वे भी।"

"क्या आपको उन दोनों क्रियाओं को दोहराने के लिए कहना बहुत असुविधाजनक होगा, महोदया? आप कहती हैं कि आप यहाँ अपने काम के साथ बैठी थीं?" सेलेस्टीन बैठ गई, और फिर पोइरोट के इशारे पर उठी, बगल वाले कमरे में गई, दराजों वाली अलमारी से एक वस्तु उठाई और वापस आ गई।
पोइरोट का ध्यान उसके हाव-भाव और उसकी हथेली में पकड़ी हुई एक बड़ी सी घड़ी के बीच बँटा हुआ था।
"एक बार फिर, कृपया, महोदया।"
दूसरे प्रदर्शन के समापन पर, उन्होंने अपनी पॉकेटबुक में एक नोट बनाया और घड़ी को वापस अपनी जेब में रख लिया।
"धन्यवाद, महोदया। और आप, महोदय -" उन्होंने निरीक्षक को झुककर प्रणाम किया
- "आपकी शिष्टाचार के लिए धन्यवाद।" निरीक्षक को उनकी इस अत्यधिक विनम्रता पर कुछ हंसी आई। सेलेस्टीन फूट-फूटकर रोते हुए वहां से चली गईं, उनके साथ वह महिला और सादे कपड़ों में मौजूद अधिकारी भी थे। फिर, श्रीमती ओपल्सेन से संक्षिप्त माफी मांगकर, निरीक्षक ने कमरे की तलाशी शुरू कर दी। उन्होंने दराजें उधेड़ दीं, अलमारियां खोल दीं, बिस्तर पूरी तरह से उलट दिया और फर्श पर थपथपाया। श्री ओपल्सेन संदेह भरी नजरों से देखते रहे। "क्या आपको सच में लगता है कि आप उन्हें ढूंढ पाएंगे?"
"जी हाँ, महोदय। यह तर्कसंगत है। उसके पास उन्हें कमरे से बाहर ले जाने का समय नहीं था। महिला को इतनी जल्दी चोरी का पता चलने से उसकी योजनाएँ बिगड़ गईं। नहीं, वे यहीं हैं। उन दोनों में से किसी एक ने उन्हें छिपाया होगा - और नौकरानी द्वारा ऐसा करना बहुत ही असंभव है।"
"संभावना से भी कहीं अधिक - असंभव!" पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा। "क्या?" निरीक्षक ने हैरानी से देखा।
पोइरोट ने विनम्रता से मुस्कुराया।
मैं करके दिखाऊंगा। हेस्टिंग्स, मेरे प्यारे दोस्त, मेरी घड़ी को ध्यान से अपने हाथ में लो। यह हमारे खानदानी धरोहर है! अभी मैंने मैडमोजेल की गतिविधियों का समय नोट किया - कमरे से उनकी पहली अनुपस्थिति बारह सेकंड की थी, दूसरी पंद्रह सेकंड की। अब मेरी हरकतों को देखो। मैडम कृपा करके मुझे गहनों के डिब्बे की चाबी दे देंगी। धन्यवाद। मेरे दोस्त हेस्टिंग्स कृपा करके कहेंगे...
'जाना!'"

"जाओ!" मैंने कहा।
लगभग अविश्वसनीय फुर्ती के साथ, पोइरोट ने ड्रेसिंग टेबल का दराज खोला, गहनों का डिब्बा निकाला, ताले में चाबी लगाई, डिब्बा खोला, एक गहना चुना, डिब्बा बंद किया और ताला लगाया, और उसे वापस दराज में रख दिया, जिसे उन्होंने फिर से बंद कर दिया। उनकी हरकतें बिजली की तरह तेज थीं।
"तो, मेरे दोस्त?" उसने हांफते हुए मुझसे पूछा।
मैंने उत्तर दिया, "छियालीस सेकंड।"
"देखा?" उसने चारों ओर देखा। "नौकरानी के पास हार निकालने तक का समय नहीं होता, छिपाने की तो बात ही छोड़ो।"
"तो अब नौकरानी ही दोषी है," निरीक्षक ने संतुष्टि से कहा और अपनी तलाशी में लौट गया। वह बगल वाले कमरे में नौकरानी के शयनकक्ष में चला गया। पोइरोट सोच-विचार करते हुए माथे पर शिकन लिए खड़ा था। अचानक उसने श्री ओपल्सेन से एक सवाल पूछ डाला।
"यह हार - निस्संदेह, बीमाकृत था?"
श्री ओपल्सन प्रश्न सुनकर थोड़ा आश्चर्यचकित दिखे।
"हां," उसने हिचकिचाते हुए कहा, "यह सच है।"
"लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है?" श्रीमती ओपल्सेन ने रोते हुए बीच में कहा। "मुझे तो अपना हार चाहिए। वह अनोखा था। कोई भी पैसा उसकी बराबरी नहीं कर सकता।"
"मैं समझता हूँ, महोदया," पोइरोट ने शांत भाव से कहा। "मैं पूरी तरह समझता हूँ। स्त्री के लिए भावनाएँ ही सब कुछ होती हैं - है ना! लेकिन महोदय, जिनमें इतनी संवेदनशीलता नहीं है, उन्हें इस तथ्य से कुछ सांत्वना अवश्य मिलेगी।"
“बिल्कुल, बिल्कुल,” श्री ओपल्सेन ने कुछ अनिश्चितता से कहा। “फिर भी-” इंस्पेक्टर की विजयी चीख ने उनकी बात काट दी। वह अपनी उंगलियों में कुछ लटकाए हुए अंदर आया।
एक चीख के साथ, श्रीमती ओपल्सेन अपनी कुर्सी से उठ खड़ी हुईं। वह पूरी तरह बदल चुकी थीं।
"ओह, ओह, मेरा हार!"
उसने दोनों हाथों से उसे अपनी छाती से लगा लिया। हम सब उसके चारों ओर जमा हो गए।

"वह कहाँ था?" ओपल्सेन ने पूछा।
नौकरानी का पलंग। तार के गद्दे के स्प्रिंगों के बीच में। उसने इसे चुराया होगा और नौकरानी के आने से पहले इसे वहाँ छिपा दिया होगा।
"क्या आप अनुमति देंगी, महोदया?" पोइरोट ने विनम्रता से कहा। उन्होंने उनसे हार लिया और उसे ध्यान से देखा; फिर झुककर उसे वापस कर दिया।
"माफ़ कीजिए, महोदया, फिलहाल आपको इसे हमें सौंपना होगा," इंस्पेक्टर ने कहा। "हमें शुल्क के लिए इसकी आवश्यकता होगी। लेकिन इसे जल्द से जल्द आपको लौटा दिया जाएगा।" श्री ओपल्सेन ने भौंहें चढ़ाईं।
"क्या यह आवश्यक है?"
"जी हां, महोदय। यह सिर्फ एक औपचारिकता है।"
"अरे, उसे ले जाने दो, एड!" उसकी पत्नी चिल्लाई। "अगर वह ले जाए तो मुझे ज्यादा सुरक्षित महसूस होगा। मुझे इस बात की चिंता सताती है कि कहीं कोई और इसे हथियाने की कोशिश न करे। वह मनहूस लड़की! और मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह ऐसा करेगी।"
"शांत हो जाओ, मेरी प्यारी, इतना गुस्सा मत करो।" मुझे अपनी बांह पर हल्का सा दबाव महसूस हुआ। यह पोइरोट थे।
"क्या हम चुपके से निकल जाएं, मेरे दोस्त? मुझे लगता है कि अब हमारी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।" हालांकि, बाहर निकलते ही वह हिचकिचाया, और फिर, मुझे बहुत आश्चर्य हुआ, उसने कहा:
मैं बगल वाला कमरा देखना चाहूंगा।
दरवाजा बंद नहीं था, और हम अंदर चले गए। कमरा, जो एक बड़ा डबल कमरा था, खाली था। चारों ओर काफी धूल जमी हुई थी, और मेरे संवेदनशील मित्र ने खिड़की के पास मेज पर बने एक आयताकार निशान पर उंगली फेरते हुए अपना विशिष्ट मुंह बनाया।
"सेवा उम्मीद के मुताबिक नहीं है," उन्होंने रूखेपन से कहा।
वह खिड़की से बाहर सोच-विचार करते हुए देख रहा था, और ऐसा लग रहा था मानो वह किसी गहरी सोच में डूब गया हो।
"तो?" मैंने अधीरता से पूछा। "हम यहाँ किसलिए आए थे?" वह घूरने लगा।
"Je vous demande pardon, mon ami. I wished to see if the door was really bolted on this side also."("मैं माफ़ी चाहता हूँ, मोन अमी। मैं देखना चाहता था कि क्या दरवाज़ा सच में इस तरफ़ भी बंद है।")

“अच्छा,” मैंने उस कमरे के दरवाजे की ओर देखते हुए कहा, जिससे हम अभी-अभी निकले थे, “यह तो कुंडी से बंद है।” पोइरोट ने सिर हिलाया। वह अभी भी सोच रहे थे।
"और वैसे भी," मैंने आगे कहा, "इससे क्या फर्क पड़ता है? मामला खत्म हो चुका है। काश आपको खुद को साबित करने का और मौका मिला होता। लेकिन यह ऐसा मामला था जिसमें उस इंस्पेक्टर जैसे अड़ियल बेवकूफ से भी गलती नहीं हो सकती थी।" पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"मामला अभी खत्म नहीं हुआ है, मेरे दोस्त। यह तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हमें पता नहीं चल जाता कि मोती किसने चुराए।"
लेकिन नौकरानी ने किया!
"आप क्यों कहते हो कि?"
मैंने हकलाते हुए कहा, "क्यों, वे तो मिले थे - दरअसल उसके गद्दे में।" "टा, टा, टा!" पोइरोट ने अधीरता से कहा। "ये मोती नहीं थे।"
"क्या?"
"नकल, मेरे दोस्त।"
उस बयान ने मुझे स्तब्ध कर दिया। पोइरोट शांति से मुस्कुरा रहे थे। "यह भले निरीक्षक गहनों के बारे में कुछ नहीं जानता। लेकिन अभी तो खूब हंगामा मचेगा!"
"आओ!" मैंने चिल्लाते हुए उसका हाथ पकड़ लिया।
"कहाँ?"
"हमें ओपल्सेंस को तुरंत बताना होगा।"
मुझे नहीं लगता।
लेकिन वह बेचारी महिला -
"ठीक है; वह बेचारी औरत, जैसा कि आप उसे कहते हैं, गहनों के सुरक्षित होने की बात जानकर कहीं बेहतर रात बिताएगी।"
लेकिन चोर उन्हें लेकर भाग सकता है!
"हमेशा की तरह, मेरे दोस्त, तुम बिना सोचे-समझे बोलते हो। तुम्हें कैसे पता कि श्रीमती ओपल्सेन ने आज रात जिन मोतियों को इतनी सावधानी से बंद करके रखा था, वे नकली नहीं थे, और असली चोरी तो बहुत पहले ही हो चुकी थी?"
"ओह!" मैंने अचंभित होकर कहा।

"बिल्कुल सही," पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा। "हम फिर से शुरुआत करते हैं।"
वह कमरे से बाहर निकलने के लिए आगे बढ़ा, कुछ पल रुका जैसे सोच रहा हो, और फिर गलियारे के अंत तक चला गया, उस छोटे से कमरे के बाहर रुका जहाँ अलग-अलग मंजिलों की नौकरानियाँ और नौकर इकट्ठा होते थे। हमारी नौकरानी वहाँ एक छोटी सी सभा कर रही थी और अपने हाल के अनुभवों को सुनने वालों को सुना रही थी। वह एक वाक्य के बीच में ही रुक गई। पोइरोट ने अपनी हमेशा की विनम्रता से झुककर अभिवादन किया।
"माफ़ कीजिए अगर मैं आपको परेशान कर रहा हूँ, लेकिन अगर आप मेरे लिए मिस्टर ओपल्सन के कमरे का दरवाजा खोल देंगे तो मैं आपका आभारी रहूँगा।"
महिला स्वेच्छा से उठी और हम उसके साथ गलियारे से नीचे गए। श्री ओपल्सेन का कमरा गलियारे के दूसरी ओर था, जिसका दरवाजा उनकी पत्नी के कमरे के दरवाजे के सामने था। नौकरानी ने अपनी चाबी से दरवाजा खोला और हम अंदर चले गए।
जब वह जाने ही वाली थी, तभी पोइरोट ने उसे रोक लिया।
"एक पल रुकिए; क्या आपने श्री ओपल्सेन के सामान में कभी इस तरह का कार्ड देखा है?" उन्होंने एक सादा सफेद कार्ड आगे बढ़ाया, जो काफी चमकदार और देखने में अनोखा था। नौकरानी ने उसे लिया और ध्यान से देखा।
"नहीं महोदय, मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने ऐसा किया है। लेकिन, वैसे भी, नौकर का काम ज्यादातर सज्जनों के कमरों से संबंधित होता है।"
"मैं देखता हूं आपको धन्यवाद।"
पोइरोट ने कार्ड वापस ले लिया। महिला चली गई। पोइरोट कुछ देर तक सोचते रहे। फिर उन्होंने सिर हिलाकर संक्षिप्त अभिवादन किया।
"हेस्टिंग्स, कृपया घंटी बजाइए। नौकर के लिए तीन बार।" मैं उत्सुकता से भर गया और मैंने उनकी बात मान ली। इसी बीच पोइरोट ने कूड़ेदान को ज़मीन पर खाली कर दिया था और तेज़ी से उसमें रखी चीज़ों को देख रहे थे।
कुछ ही क्षणों में नौकर ने घंटी का जवाब दिया। पोइरोट ने उससे वही सवाल पूछा और उसे जांच के लिए कार्ड सौंप दिया। लेकिन जवाब वही था। नौकर ने श्री ओपल्सेन के सामान में उस खास तरह का कार्ड पहले कभी नहीं देखा था। पोइरोट ने उसे धन्यवाद दिया और वह कुछ अनिच्छा से, उलटे पड़े कूड़ेदान और फर्श पर

बिखरे कचरे पर जिज्ञासु नज़र डालते हुए चला गया। फटे हुए कागजों को समेटते समय पोइरोट की विचारपूर्ण टिप्पणी को उसने शायद ही अनजाने में सुना होगा। और उस हार का भारी बीमा कराया गया था...
"पोइरोट," मैं चिल्लाया, "मैं समझ गया -"
"तुम्हें कुछ नहीं दिख रहा, मेरे दोस्त," उसने तुरंत जवाब दिया। "हमेशा की तरह, कुछ भी नहीं! यह अविश्वसनीय है - लेकिन यही सच है। चलो अपने-अपने अपार्टमेंट में वापस चलते हैं।"
हमने चुपचाप ऐसा किया। वहाँ पहुँचकर, मुझे बेहद आश्चर्य हुआ, जब पोइरोट ने झटपट अपने कपड़े बदल लिए।
उन्होंने बताया, "मैं आज रात लंदन जा रहा हूँ। यह बेहद जरूरी है।"
"क्या?"
बिल्कुल। असली काम, दिमाग का काम (अहा, वो बहादुर नन्हे भूरे सेल्स!), हो चुका है। मैं पुष्टि लेने जा रहा हूँ। मुझे मिल जाएगी! हरक्यूल पोइरोट को धोखा देना नामुमकिन है!
"एक दिन तुम बुरी तरह फंस जाओगे," मैंने उसकी इस घमंडी प्रवृत्ति से काफी चिढ़ते हुए कहा।
"कृपया क्रोधित न हों, मेरे मित्र। मैं आपसे एक सेवा की अपेक्षा रखता हूँ - आपकी मित्रता की।"
"बेशक," मैंने उत्सुकता से कहा, अपनी उदासी पर थोड़ा शर्मिंदा होते हुए। "क्या बात है?"
"मैंने जो कोट की आस्तीन उतारी है - क्या आप उसे साफ कर देंगे? देखिए, उस पर थोड़ा सा सफेद पाउडर लगा हुआ है। आपने मुझे ड्रेसिंग टेबल के दराज में उंगली फेरते हुए जरूर देखा होगा।"
"नहीं, मैंने नहीं किया।"
"मेरे दोस्त, तुम्हें मेरे कार्यों पर गौर करना चाहिए। इस प्रकार मैंने अपनी उंगली पर पाउडर लिया और थोड़ा उत्तेजित होकर उसे अपनी आस्तीन पर मल लिया; यह एक अविवेकी कार्य था जिसकी मैं निंदा करता हूँ - यह मेरे सभी सिद्धांतों के विरुद्ध था।"
"लेकिन वह पाउडर क्या था?" मैंने पूछा, मुझे पोइरोट के सिद्धांतों में खास दिलचस्पी नहीं थी।

"बोर्जियास का ज़हर नहीं," पोइरोट ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। "मुझे लगता है आपकी कल्पना शक्ति बढ़ रही है। मुझे कहना चाहिए कि यह फ्रांसीसी चाक था।"
"फ्रेंच चॉक?"
"हां, कैबिनेट बनाने वाले इसका इस्तेमाल दराजों को सुचारू रूप से चलाने के लिए करते हैं।"
मैं हँस पड़ा।
"अरे बूढ़े पापी! मुझे लगा था कि तुम कुछ रोमांचक करने की तैयारी कर रहे हो।"
"अलविदा, मेरे दोस्त। मैं खुद को बचा लेता हूँ। मैं उड़ जाता हूँ!"
उसके पीछे दरवाजा बंद हो गया। मैंने आधे उपहास और आधे स्नेह से भरी मुस्कान के साथ कोट उठाया और कपड़े सुखाने वाले ब्रश के लिए हाथ बढ़ाया। अगली सुबह, पोइरोट से कोई खबर न मिलने पर, मैं टहलने निकल गया, कुछ पुराने दोस्तों से मिला और उनके होटल में उनके साथ दोपहर का भोजन किया। दोपहर में हम घूमने निकले। टायर पंचर होने के कारण हमें देर हो गई और जब मैं ग्रैंड मेट्रोपॉलिटन वापस लौटा तो आठ बज चुके थे।
मेरी नजर सबसे पहले पोइरोट पर पड़ी, जो हमेशा की तरह और भी छोटे कद के दिख रहे थे, ओपल्सेंस के बीच में खड़े थे और शांत संतुष्टि की मुद्रा में मुस्कुरा रहे थे।
"मेरे दोस्त हेस्टिंग्स!" वह चिल्लाया और मेरी ओर दौड़ पड़ा। "मुझे गले लगा लो, मेरे दोस्त; सब कुछ एक चमत्कार की ओर बढ़ रहा है!"
सौभाग्य से, वह आलिंगन केवल प्रतीकात्मक था - पोइरोट के मामले में ऐसी बात हमेशा निश्चित नहीं होती।
"क्या आपका मतलब है-" मैंने कहना शुरू किया।
"वाह, क्या बात है!" श्रीमती ओपल्सेन ने अपने मोटे चेहरे पर मुस्कान बिखेरते हुए कहा। "क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था, एड, कि अगर वह मेरे मोती वापस नहीं ला सका तो कोई और भी नहीं ला पाएगा?"
"हाँ, तुमने किया, मेरी प्यारी, तुमने किया। और तुम सही थी।"
मैंने असहाय होकर पोइरोट की ओर देखा, और उन्होंने भी मेरी ओर देखा।

"मेरा दोस्त हेस्टिंग्स, जैसा कि आप इंग्लैंड में कहते हैं, समुद्र किनारे मौज-मस्ती कर रहा है। आप बैठ जाइए, मैं आपको उस पूरे घटनाक्रम के बारे में बताऊंगा जिसका सुखद अंत हुआ है।"
"समाप्त हो गया?"
"लेकिन हां। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।"
"किसे गिरफ्तार किया गया है?"
"नौकरानी और नौकर, परब्लू! क्या आपको शक नहीं हुआ? मेरे विदाई के इशारे के बावजूद, जिसमें मैंने फ्रेंच चाक के बारे में बताया था?"
"आपने कहा था कि फर्नीचर बनाने वाले इसका इस्तेमाल करते थे।"
"बिल्कुल, वे ऐसा करते हैं - दराजों को आसानी से सरकाने के लिए। कोई चाहता होगा कि दराज बिना किसी आवाज़ के अंदर-बाहर सरके। वह कौन हो सकता है? ज़ाहिर है, केवल नौकरानी। यह योजना इतनी चालाकी भरी थी कि यह तुरंत किसी की नज़र में नहीं आई - यहाँ तक कि हरक्यूल पोइरोट की भी नहीं।"
सुनो, ये सब ऐसे हुआ। नौकर बगल वाले खाली कमरे में इंतज़ार कर रहा था। फ्रांसीसी नौकरानी कमरे से बाहर चली गई। पलक झपकते ही नौकरानी ने दराज खोली, गहनों का डिब्बा निकाला और कुंडी लगाकर उसे दरवाजे से अंदर कर दिया। नौकर ने अपने पास रखी हुई डुप्लीकेट चाबी से आराम से दरवाजा खोला, हार निकाला और इंतज़ार करने लगा। सेलेस्टीन फिर से कमरे से बाहर चली गई और - फुसफुसाते ही! - डिब्बा वापस दराज में रख दिया गया।
"मैडम आती हैं, चोरी का पता चल जाता है। नौकरानी बड़े गुस्से में अपनी तलाशी की मांग करती है और बिना किसी दाग के कमरे से निकल जाती है। नकली हार, जिसे उन्होंने अपने पास रखा था, नौकरानी ने उसी सुबह फ्रांसीसी लड़की के बिस्तर में छिपा दिया था - वाह, क्या मास्टर ट्रिक है!"
"लेकिन आप लंदन किसलिए गए थे?"
"तुम्हें वो कार्ड याद है?"
"बिल्कुल। इसने मुझे उलझन में डाल दिया था - और अब भी डाल देता है। मैंने सोचा था -" मैंने श्री ओपल्सेन की ओर देखते हुए धीरे से हिचकिचाया। पोइरोट दिल खोलकर हँसा।
"एक मज़ाक! नौकर के फायदे के लिए। कार्ड की सतह विशेष रूप से उंगलियों के निशान के लिए तैयार की गई थी। मैं सीधे स्कॉटलैंड यार्ड गया, अपने पुराने दोस्त इंस्पेक्टर जैप से मिलने को कहा और उनके सामने सारी बातें रख दीं।

जैसा कि मुझे शक था, उंगलियों के निशान दो कुख्यात गहने चोरों के निकले जो कुछ समय से 'वांछित' थे। जैप मेरे साथ आए, चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया और हार नौकर के पास से बरामद हुआ। चालाक जोड़ी थी, लेकिन उनका तरीका नाकाम रहा। क्या मैंने तुम्हें, हेस्टिंग्स, कम से कम छत्तीस बार नहीं बताया है कि बिना तरीके के-"
"कम से कम छत्तीस हज़ार बार!" मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा। "लेकिन उनकी 'पद्धति' में गड़बड़ी कहाँ हुई?"
"मेरे दोस्त, नौकरानी या नौकर की नौकरी लेना अच्छा विचार है - लेकिन तुम्हें अपना काम नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने खाली कमरे की धूल साफ नहीं की थी; और इसलिए, जब उस आदमी ने गहनों का डिब्बा पास के दरवाजे के पास छोटी मेज पर रखा, तो उस पर एक चौकोर निशान बन गया।"
"मुझे याद है," मैं रो पड़ी।
"पहले मैं असमंजस में था। फिर - मुझे पता चल गया!"
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया।
"और मुझे मेरे मोती मिल गए," श्रीमती ओपल्सेन ने एक तरह से ग्रीक कोरस की तरह कहा।
मैंने कहा, "अच्छा, मुझे खाना खा लेना चाहिए।"
पोइरोट मेरे साथ आए थे।
मैंने कहा, "इसका मतलब तो आपको बधाई मिलनी चाहिए।"
"बिल्कुल नहीं," पोइरोट ने शांत भाव से उत्तर दिया। "जैप और स्थानीय इंस्पेक्टर आपस में क्रेडिट बाँट लेंगे। लेकिन-" उन्होंने अपनी जेब थपथपाई- "मेरे पास श्री ओपल्सेन का एक चेक है, और, मेरे दोस्त, आपका क्या कहना है? यह सप्ताहांत योजना के अनुसार नहीं बीता। क्या हम अगले सप्ताहांत यहाँ वापस आ सकते हैं - इस बार मेरे खर्चे पर?"

अपहृत प्रधानमंत्री

अब जबकि युद्ध और युद्ध की समस्याएं अतीत की बात हो चुकी हैं, मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय संकट के उस क्षण में अपने मित्र पोइरोट की भूमिका को दुनिया के सामने प्रकट करने का साहस कर सकता हूँ। इस रहस्य को बड़ी सावधानी से छिपाकर रखा गया था। इसकी खबर प्रेस तक ज़रा भी नहीं पहुँची। लेकिन अब जब गोपनीयता की आवश्यकता समाप्त हो गई है, तो मुझे लगता है कि यह उचित ही है कि इंग्लैंड को मेरे उस विलक्षण मित्र के ऋणी होने का एहसास हो, जिसके अद्भुत मस्तिष्क ने इतनी कुशलता से एक बड़ी आपदा को टाल दिया।
एक शाम खाने के बाद - मैं तारीख का ज़िक्र नहीं करूँगा; बस इतना कहना काफ़ी है कि उस समय इंग्लैंड के दुश्मनों का नारा "बातचीत से शांति" था - मैं और मेरा दोस्त उसके कमरे में बैठे थे। सेना से अस्वस्थता के कारण छुट्टी मिलने के बाद मुझे भर्ती का काम मिल गया था, और मेरी आदत बन गई थी कि मैं हर शाम खाने के बाद पोइरोट के घर जाकर उनसे उन मामलों पर बात करता था जो उनके पास दिलचस्प हों।
मैं उनसे उस दिन की सनसनीखेज खबर पर चर्चा करने की कोशिश कर रहा था - इंग्लैंड के प्रधानमंत्री श्री डेविड मैकएडम की हत्या का प्रयास। अखबारों में छपी खबर को स्पष्ट रूप से सावधानीपूर्वक सेंसर किया गया था। कोई विवरण नहीं दिया गया था, सिवाय इसके कि प्रधानमंत्री चमत्कारिक रूप से बच गए थे, गोली उनके गाल को छूकर निकल गई थी।
मुझे लगा कि ऐसी घटना होने के लिए हमारी पुलिस की लापरवाही बेहद शर्मनाक रही होगी। मैं समझ सकता था कि इंग्लैंड में जर्मन एजेंट ऐसी उपलब्धि के लिए कितना जोखिम उठाने को तैयार होंगे। "फाइटिंग मैक," जैसा कि उनकी अपनी पार्टी ने उन्हें उपनाम दिया था, ने शांतिवादी प्रभाव का पुरजोर और स्पष्ट रूप से मुकाबला किया था, जो तेजी से फैल रहा था। वे इंग्लैंड के प्रधानमंत्री से कहीं बढ़कर थे - वे इंग्लैंड ही थे; और उन्हें उनके प्रभाव क्षेत्र से हटाना ब्रिटेन के लिए एक करारा और पंगु कर देने वाला आघात होता। पोइरोट एक छोटे से स्पंज से एक भूरे रंग के सूट को पोंछने में व्यस्त थे। हरक्यूल पोइरोट जैसा सजग व्यक्ति कोई नहीं था। स्वच्छता और व्यवस्था उनका जुनून थे। अब, बेंजीन की गंध से भरी हवा में, वे मुझे पूरी तरह से ध्यान नहीं दे पा रहे थे।

"बस एक मिनट में मैं तुम्हारे पास आ रहा हूँ, मेरे दोस्त। मेरा काम लगभग पूरा हो गया है। चिकनाई का वो धब्बा - वो अच्छा नहीं है - मैं उसे हटा देता हूँ - तो!" उसने अपना स्पंज लहराया।
मैंने एक और सिगरेट जलाते हुए मुस्कुरा दिया।
"कुछ दिलचस्प चल रहा है क्या?" मैंने एक-दो मिनट बाद पूछा।
"मैं एक - उसे क्या कहते हैं? - 'सफाईकर्मी' को उसके पति को ढूंढने में मदद कर रही हूँ। यह एक मुश्किल काम है, जिसमें समझदारी की ज़रूरत है। क्योंकि मुझे थोड़ा सा भी अंदाज़ा है कि जब वह मिल जाएगा तो वह खुश नहीं होगा। आप क्या सोचते? जहाँ तक मेरी बात है, मुझे उससे सहानुभूति है। वह समझदार आदमी था जिसने खुद को खो दिया।" मैं हँस पड़ी।
"आखिरकार! वो चिकनाई का धब्बा चला गया! मैं आपकी सेवा में तत्पर हूँ।"
मैं आपसे पूछ रहा था कि मैकएडम की हत्या के इस प्रयास के बारे में आपकी क्या राय है?
"यह तो बचकाना तरीका है!" पोइरोट ने तुरंत जवाब दिया। "इसे गंभीरता से लेना मुश्किल है। राइफल से गोली चलाना कभी सफल नहीं होता। यह बीते जमाने की तरकीब है।"
मैंने उसे याद दिलाया, "इस बार हम सफलता के बहुत करीब थे।"
पोइरोट ने अधीरता से अपना सिर हिलाया। वह जवाब देने ही वाला था कि मकान मालकिन ने दरवाजे से अंदर झाँककर उसे बताया कि नीचे दो सज्जन उससे मिलना चाहते हैं।
"वे अपना नाम नहीं बताएंगे, महोदय, लेकिन उनका कहना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है।"
"इन्हें अंदर आने दो," पोइरोट ने अपनी धूसर पतलून को ध्यान से मोड़ते हुए कहा। कुछ ही मिनटों में दोनों आगंतुकों को अंदर लाया गया, और मेरा दिल खुशी से उछल पड़ा जब मैंने सबसे आगे बैठे व्यक्ति को हाउस ऑफ कॉमन्स के नेता लॉर्ड एस्टेयर के रूप में पहचाना; जबकि उनके साथी, श्री बर्नार्ड डॉज, भी युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्य थे, और जैसा कि मैं जानता था, प्रधानमंत्री के घनिष्ठ मित्र थे।
"महाशय पोइरोट?" लॉर्ड एस्टेयर ने प्रश्नवाचक स्वर में कहा। मेरे मित्र ने झुककर अभिवादन किया। उस महान व्यक्ति ने मेरी ओर देखा और झिझकते हुए कहा, "मेरा मामला निजी है।"

मेरे मित्र ने मुझे रुकने का इशारा करते हुए कहा, "कैप्टन हेस्टिंग्स के सामने आप खुलकर बोल सकते हैं। उनके पास सारी प्रतिभाएँ नहीं हैं, नहीं! लेकिन उनकी समझदारी की ज़िम्मेदारी मेरी है।"
लॉर्ड एस्टेयर अभी भी हिचकिचा रहे थे, लेकिन मिस्टर डॉज ने अचानक बीच में दखल दिया:
अरे, चलो इधर-उधर की बातें न करें! जहाँ तक मुझे लगता है, जल्द ही पूरे इंग्लैंड को पता चल जाएगा कि हम किस मुश्किल में हैं। समय ही सब कुछ है। "कृपया बैठ जाइए, महोदय," पोइरोट ने विनम्रता से कहा। "क्या आप बड़ी कुर्सी पर बैठेंगे, महोदय?" लॉर्ड एस्टेयर थोड़ा चौंक गए। "आप मुझे जानते हैं?" पोइरोट मुस्कुराया। "बिल्कुल। मैंने तस्वीरों वाले छोटे-छोटे अखबार पढ़े हैं। मैं आपको कैसे नहीं पहचान सकता?"
"महाशय पोइरोट, मैं आपसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले पर परामर्श करने आया हूँ। मुझे आपसे पूर्ण गोपनीयता का अनुरोध करना होगा।"
"आपके पास हरक्यूल पोइरोट का वचन है - मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता!" मेरे मित्र ने बड़े ही अलंकारिक लहजे में कहा।
"यह प्रधानमंत्री से संबंधित मामला है। हम गंभीर संकट में हैं।"
"हम पेड़ पर चढ़ गए हैं!" श्री डॉज ने बीच में कहा।
"तो चोट गंभीर है?" मैंने पूछा।
"किस तरह की चोट?"
"गोली का घाव।"
"अरे, वो!" श्री डॉज ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "वो तो पुरानी बात हो गई।" "जैसा कि मेरे सहयोगी ने कहा," लॉर्ड एस्टेयर ने आगे कहा, "वह मामला अब खत्म हो चुका है। सौभाग्य से, यह असफल रहा। काश मैं दूसरे प्रयास के बारे में भी ऐसा ही कह पाता।"
"तो क्या यह दूसरा प्रयास था?"
"जी हां, हालांकि यह उसी तरह की घटना नहीं है। महाशय पोइरोट, प्रधानमंत्री लापता हो गए हैं।"
"क्या?"
"उसका अपहरण हो गया है!"
"असंभव!" मैं अचंभित होकर चिल्लाया।

पोइरोट ने मेरी ओर एक तीखी नजर डाली, जिसे देखकर मैं समझ गया कि मुझे चुप रहना चाहिए।
"दुर्भाग्यवश, भले ही यह असंभव लगे, लेकिन यह बिलकुल सच है," लॉर्ड पोइरोट ने अपनी बात जारी रखी। पोइरोट ने मिस्टर डॉज की ओर देखा। "महाशय, आपने अभी कहा था कि समय ही सब कुछ है। आपका इससे क्या मतलब था?"
दोनों व्यक्तियों ने एक दूसरे की ओर देखा, और फिर लॉर्ड एस्टेयर ने कहा: "क्या आपने आगामी मित्र राष्ट्र सम्मेलन के बारे में सुना है, महाशय पोइरोट?" मेरे मित्र ने सिर हिलाया।
स्पष्ट कारणों से, इसके आयोजन के समय और स्थान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि इसे समाचार पत्रों से दूर रखा गया है, लेकिन राजनयिक हलकों में इसकी तारीख सर्वविदित है। सम्मेलन कल - गुरुवार - शाम को वर्साय में आयोजित किया जाएगा। अब आप स्थिति की भयावहता को समझ सकते हैं। मैं आपसे यह नहीं छिपाऊंगा कि सम्मेलन में प्रधानमंत्री की उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। हमारे बीच मौजूद जर्मन एजेंटों द्वारा शुरू किया गया और जारी रखा गया शांतिवादी प्रचार बहुत सक्रिय रहा है। यह सर्वमान्य मत है कि सम्मेलन का निर्णायक बिंदु प्रधानमंत्री का सशक्त व्यक्तित्व होगा। उनकी अनुपस्थिति के गंभीर परिणाम हो सकते हैं - संभवतः एक असमय और विनाशकारी शांति। और हमारे पास उनकी जगह भेजने के लिए कोई नहीं है। केवल वही इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।
पोइरोट का चेहरा एकदम गंभीर हो गया था। "तो क्या आप प्रधानमंत्री के अपहरण को सम्मेलन में उनकी उपस्थिति को रोकने का सीधा प्रयास मानते हैं?" "बिल्कुल, मुझे पता है। दरअसल, उस समय वह फ्रांस जा रहा था।"
"और सम्मेलन आयोजित होने वाला है?"
"कल रात नौ बजे।"
पोइरोट ने अपनी जेब से एक विशाल घड़ी निकाली।
"अभी पौने नौ बज रहे हैं।"
श्री डॉज ने सोच-समझकर कहा, "चौबीस घंटे।"
"और एक चौथाई," पोइरोट ने सुधार करते हुए कहा। "महोदय, चौथाई मत भूलिएगा - यह काम आ सकता है। अब विवरण पर आते हैं - अपहरण, क्या यह इंग्लैंड में हुआ था या फ्रांस में?"

"फ्रांस में। श्री मैकएडम आज सुबह फ्रांस पहुंचे। उन्हें आज रात कमांडर-इन-चीफ के अतिथि के रूप में रुकना था और कल पेरिस के लिए रवाना होना था। उन्हें विध्वंसक पोत द्वारा इंग्लिश चैनल के पार ले जाया गया। बोलोग्ने में जनरल हेडक्वार्टर की एक कार और कमांडर-इन-चीफ के एक ए.डी.सी. ने उनका स्वागत किया।"
"कुंआ?"
"खैर, उन्होंने बोलोग्ने से शुरुआत की थी - लेकिन वे कभी पहुंचे ही नहीं।" "क्या?"
"महाशय पोइरोट, वह एक नकली कार और नकली ए.डी.सी. था। असली कार एक सुनसान सड़क पर मिली, जिसमें ड्राइवर और ए.डी.सी. को बड़ी सफाई से मुंह पर पट्टी बांधकर बांधा गया था।"
और वो नकली कार?
वह अभी भी फरार है।
पोइरोट ने अधीरता का भाव दिखाते हुए कहा, "अविश्वसनीय! क्या यह लंबे समय तक लोगों की नज़र से बच सकता है?"
"हमने यही सोचा था। ऐसा लग रहा था कि बस अच्छी तरह से तलाशी लेनी है। फ्रांस का वह हिस्सा सैन्य कानून के अधीन है। हमें पूरा यकीन था कि कार ज्यादा देर तक किसी की नजरों से बच नहीं सकती। फ्रांसीसी पुलिस, हमारे स्कॉटलैंड यार्ड के जवान और सेना पूरी कोशिश कर रहे हैं। जैसा कि आपने कहा, यह अविश्वसनीय है - लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं मिला है!"
उसी समय दरवाजे पर दस्तक हुई और एक युवा अधिकारी एक भारी सीलबंद लिफाफा लेकर अंदर आया, जिसे उसने लॉर्ड एस्टेयर को सौंप दिया।
"सर, मैं अभी-अभी फ्रांस से आया हूँ। आपके निर्देशानुसार इसे यहाँ ले आया हूँ।" मंत्री जी ने उत्सुकता से इसे खोला और एक विस्मयबोधक शब्द कहा। अधिकारी पीछे हट गया।
आखिरकार खबर मिली! इस टेलीग्राम को अभी-अभी डिकोड किया गया है। पुलिस को दूसरी कार, साथ ही सचिव डेनियल, क्लोरोफॉर्म से बेहोश, मुंह पर पट्टी बांधे और बंधे हुए हालत में, सी- के पास एक सुनसान खेत में मिले हैं। उन्हें कुछ भी याद नहीं है, सिवाय इसके कि पीछे से उनके मुंह और नाक पर कुछ दबाया गया था और वे खुद को छुड़ाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। पुलिस उनके बयान की प्रामाणिकता से संतुष्ट है।

"और उन्हें इसके अलावा कुछ नहीं मिला?"
"नहीं।"
"प्रधानमंत्री का शव तो नहीं? फिर उम्मीद की किरण है। लेकिन यह अजीब है। आज सुबह उन्हें गोली मारने की कोशिश करने के बाद, अब उन्हें ज़िंदा रखने के लिए इतनी मशक्कत क्यों की जा रही है?" डॉज ने सिर हिलाया। "एक बात तो पक्की है। वे हर कीमत पर उन्हें सम्मेलन में शामिल होने से रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।"
"यदि मानवीय रूप से संभव हो तो प्रधानमंत्री वहाँ अवश्य उपस्थित हों। ईश्वर करे कि अभी देर न हुई हो। अब, महोदय, मुझे सब कुछ शुरू से बताइए। मुझे इस गोलीबारी की घटना के बारे में भी जानना आवश्यक है।"
"कल रात, प्रधानमंत्री अपने एक सचिव, कैप्टन डेनियल के साथ -"
"वही व्यक्ति जो उसके साथ फ्रांस गया था?"
"जी हां। जैसा कि मैं कह रहा था, वे विंडसर के लिए रवाना हुए, जहां प्रधानमंत्री को मुलाकात का अवसर दिया गया। आज सुबह वे शहर लौट आए, और रास्ते में ही उन पर जानलेवा हमला हुआ।"
"ज़रा रुकिए। ये कैप्टन डेनियल कौन हैं? क्या आपके पास उनकी फाइल है?" लॉर्ड एस्टेयर मुस्कुराए। "मुझे पता था कि आप यही सवाल पूछेंगे। हम उनके बारे में ज़्यादा नहीं जानते। उनका कोई खास पारिवारिक संबंध नहीं है। उन्होंने अंग्रेज़ी सेना में सेवा की है और वे एक बेहद कुशल सचिव हैं, साथ ही भाषा के भी असाधारण जानकार हैं। मेरा मानना है कि वे सात भाषाएँ बोलते हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री ने उन्हें अपने साथ फ्रांस जाने के लिए चुना है।"
क्या इंग्लैंड में उनके कोई रिश्तेदार हैं?
"दो चाचियाँ। एक श्रीमती एवरार्ड, जो हैम्पस्टेड में रहती हैं, और एक मिस डेनियल, जो एस्कॉट के पास रहती हैं।"
"एस्कॉट? यह विंडसर के पास ही है, है ना?"
"उस बात को नजरअंदाज नहीं किया गया है। लेकिन उससे कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।"
"तो क्या आप कैप्टन डेनियल को संदेह से परे मानते हैं?" लॉर्ड एस्टेयर की आवाज में थोड़ी कड़वाहट झलक रही थी, जब उन्होंने जवाब दिया:

"नहीं, महाशय पोइरोट। इन दिनों, मैं किसी को भी संदेह से परे घोषित करने से पहले संकोच करूंगा।"
"बहुत बढ़िया। अब मैं समझ गया, महोदय, कि प्रधानमंत्री को स्वाभाविक रूप से कड़ी पुलिस सुरक्षा दी जा रही होगी, जिससे उन पर किसी भी तरह का हमला असंभव हो जाना चाहिए?" लॉर्ड एस्टेयर ने सिर झुकाया। "बिल्कुल सही। प्रधानमंत्री की कार के ठीक पीछे सादे कपड़ों में जासूसों से भरी एक और कार चल रही थी। श्री मैकएडम को इन सुरक्षा उपायों की कोई जानकारी नहीं थी। वे स्वयं एक निडर व्यक्ति हैं और वे इन्हें मनमाने ढंग से दरकिनार कर सकते थे। लेकिन, स्वाभाविक रूप से, पुलिस अपने इंतजाम खुद करती है। दरअसल, प्रधानमंत्री का ड्राइवर, ओ'मर्फी, एक सी.आई.डी. का आदमी है।"
"ओ'मर्फी? यह तो आयरलैंड का नाम है, है ना?"
"हां, वह एक आयरिश व्यक्ति है।"
"आयरलैंड के किस हिस्से से?"
"मुझे लगता है, यह काउंटी क्लेयर है।"
"टीन्स! लेकिन आगे बढ़िए, महाराज।"
"प्रधानमंत्री लंदन के लिए रवाना हुए। कार बंद थी। वे और कैप्टन डेनियल अंदर बैठे थे। दूसरी कार हमेशा की तरह पीछे-पीछे चल रही थी। लेकिन, दुर्भाग्यवश, किसी अज्ञात कारण से, प्रधानमंत्री की कार मुख्य सड़क से भटक गई।"
"क्या उस बिंदु पर जहां सड़क मुड़ती है?" पोइरोट ने बीच में ही टोकते हुए पूछा।
"हां - लेकिन आपको कैसे पता चला?"
"अरे, ये तो बिल्कुल स्पष्ट है! आगे बढ़ो!"
“किसी अज्ञात कारणवश,” लॉर्ड एस्टेयर ने आगे कहा, “प्रधानमंत्री की कार मुख्य सड़क से हट गई। पुलिस की कार, इस विचलन से अनभिज्ञ होकर, मुख्य सड़क पर चलती रही। थोड़ी दूर पर, सुनसान गली में, प्रधानमंत्री की कार को अचानक नकाबपोश लोगों के एक समूह ने रोक लिया। ड्राइवर-”
"वह बहादुर ओ'मर्फी!" पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए धीरे से कहा।
"चालक क्षण भर के लिए चौंक गया और उसने अचानक ब्रेक लगा दिए। प्रधानमंत्री ने खिड़की से अपना सिर बाहर निकाला। देखते ही देखते एक गोली चली - फिर दूसरी। पहली गोली उनके गाल को छूकर निकल गई, दूसरी, सौभाग्य से, चूक गई। अब

खतरे को भांपते हुए चालक तुरंत सीधे आगे बढ़ गया और लोगों के समूह को तितर-बितर कर दिया।"
"बाल-बाल बच गया," मैंने कांपते हुए कहा।
श्री मैकएडम ने अपने मामूली घाव को लेकर कोई हंगामा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह महज़ एक खरोंच है। वे पास के एक छोटे से अस्पताल में रुके, जहाँ उनके घाव पर पट्टी बाँधी गई - ज़ाहिर है, उन्होंने अपनी पहचान ज़ाहिर नहीं की। फिर वे तय समय के अनुसार सीधे चैरिंग क्रॉस के लिए रवाना हुए, जहाँ डोवर के लिए एक विशेष ट्रेन उनका इंतज़ार कर रही थी। कैप्टन डेनियल्स द्वारा चिंतित पुलिस को घटना का संक्षिप्त विवरण देने के बाद, वे फ्रांस के लिए रवाना हो गए। डोवर में, वे इंतज़ार कर रहे विध्वंसक पोत पर सवार हो गए। जैसा कि आप जानते हैं, बोलोग्ने में उनके लिए नकली कार इंतज़ार कर रही थी, जिस पर यूनियन जैक लगा हुआ था और वह हर तरह से बिल्कुल सही थी।
"बस इतना ही बताना है आपको?"
"हाँ।"
"क्या आपने कोई अन्य परिस्थिति छोड़ी है, महोदय?"
"खैर, एक काफी अजीब बात है।"
"हाँ?"
"प्रधानमंत्री को चैरिंग क्रॉस पर छोड़ने के बाद उनकी कार वापस घर नहीं लौटी। पुलिस ओ'मर्फी से पूछताछ करने के लिए उत्सुक थी, इसलिए तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया। कार सोहो में एक छोटे से, संदिग्ध रेस्तरां के बाहर खड़ी मिली, जो जर्मन एजेंटों के मिलन स्थल के रूप में कुख्यात है।"
और ड्राइवर?
"ड्राइवर का कहीं पता नहीं चला। वह भी गायब हो गया था।"
"तो," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "दो लोग लापता हो गए हैं: फ्रांस में प्रधानमंत्री और लंदन में ओ'मर्फी।"
उन्होंने लॉर्ड एस्टेयर की ओर ध्यानपूर्वक देखा, जिन्होंने निराशा का भाव व्यक्त किया।
"मैं आपको केवल इतना ही बता सकता हूँ, महाशय पोइरोट, कि अगर कल किसी ने मुझसे कहा होता कि ओ'मर्फी एक गद्दार है, तो मैं उसके चेहरे पर हँस देता।" और आज?

आज मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूं।
पोइरोट ने गंभीरता से सिर हिलाया। उन्होंने अपनी पुरानी घड़ी पर फिर से नजर डाली।
"मैं समझती हूं कि मुझे पूरी छूट है, महोदय - हर तरह से, मेरा मतलब है? मुझे जहां चाहूं वहां जाने और जैसे चाहूं वैसे जाने की आजादी होनी चाहिए।" "बिल्कुल। एक घंटे में डोवर के लिए एक विशेष ट्रेन रवाना हो रही है, जिसमें स्कॉटलैंड यार्ड से एक और दल होगा। आपके साथ एक सैन्य अधिकारी और एक सी.आई.डी. कर्मी होंगे, जो हर तरह से आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे। क्या यह संतोषजनक है?"
"बिल्कुल। आपके जाने से पहले एक और सवाल, महोदय। आप मेरे पास क्यों आए? मैं आपके इस महान लंदन में एक अनजान, गुमनाम व्यक्ति हूँ।"
"हमने आपके देश के एक बहुत बड़े व्यक्ति की स्पष्ट सिफारिश और इच्छा पर आपसे संपर्क किया।"
"टिप्पणी? मेरे पुराने दोस्त, प्रीफ़ेट -?"
लॉर्ड एस्टेयर ने अपना सिर हिलाया।
"एक समय वह प्रीफेक्ट से भी ऊँचा पद रखता था। एक ऐसा व्यक्ति जिसका वचन कभी बेल्जियम में कानून हुआ करता था - और फिर से होगा! इंग्लैंड ने इसकी शपथ ली है!"
पोइरोट ने नाटकीय अंदाज़ में हाथ हिलाते हुए अभिवादन किया। "बिल्कुल सही! आह, लेकिन मेरे स्वामी भूले नहीं हैं... महोदय, मैं, हरक्यूल पोइरोट, आपकी निष्ठापूर्वक सेवा करूंगा। ईश्वर करे कि सब कुछ समय पर हो जाए। लेकिन यह अंधेरा है - अंधेरा... मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा।"
"अच्छा, पोइरोट," मंत्रियों के पीछे दरवाजा बंद होते ही मैंने अधीरता से कहा, "आप क्या सोचते हैं?" मेरा दोस्त फुर्ती से एक छोटा सा सूटकेस पैक करने में व्यस्त था। उसने सोच-विचार करते हुए सिर हिलाया।
मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूं। मेरा दिमाग काम करना बंद कर चुका है। "जैसा कि आपने कहा, उसका अपहरण क्यों करें, जबकि सिर पर एक हल्की सी चोट से भी काम चल जाएगा?" मैंने सोचा।
"माफ़ करना मेरे दोस्त, लेकिन मैंने ऐसा नहीं कहा। उसे अगवा करना निस्संदेह उनका ही काम है।"
"लेकिन क्यों?"

"क्योंकि अनिश्चितता से दहशत पैदा होती है। यह एक कारण है। अगर प्रधानमंत्री की मृत्यु हो जाती, तो यह एक भयानक आपदा होती, लेकिन स्थिति का सामना करना ही पड़ता। लेकिन अब तो गतिरोध है। क्या प्रधानमंत्री फिर से प्रकट होंगे या नहीं? क्या वे जीवित हैं या मृत? कोई नहीं जानता, और जब तक पता नहीं चलता, कुछ भी निश्चित नहीं किया जा सकता। और, जैसा कि मैंने आपको बताया, अनिश्चितता दहशत पैदा करती है, जिसका फायदा जर्मन सरकार उठा रही है। फिर, अगर अपहरणकर्ता उन्हें कहीं गुप्त रूप से रखे हुए हैं, तो उन्हें दोनों पक्षों से समझौता करने का लाभ है। जर्मन सरकार आम तौर पर उदार भुगतानकर्ता नहीं है, लेकिन इस तरह के मामले में उनसे बड़ी रकम निकलवाई जा सकती है। तीसरा, उन्हें फांसी की सजा का कोई खतरा नहीं है। निश्चित रूप से, अपहरण करना उनका काम है।"
"तो फिर, अगर ऐसा है, तो उन्होंने पहले उसे गोली मारने की कोशिश क्यों की!" पोइरोट ने गुस्से का भाव दिखाया। "अरे, यही तो मेरी समझ से परे है! यह समझ से परे है - बेवकूफी है!"
उन्होंने अपहरण के लिए सारी व्यवस्थाएँ कर ली हैं (और बहुत अच्छी व्यवस्थाएँ भी!), फिर भी वे एक नाटकीय हमले से पूरे मामले को खतरे में डाल देते हैं, जो किसी सिनेमाई दृश्य के योग्य है, और उतना ही अवास्तविक भी। लंदन से बीस मील से भी कम दूरी पर नकाबपोश लोगों के इस गिरोह पर विश्वास करना लगभग असंभव है!
"शायद ये दो बिल्कुल अलग-अलग प्रयास थे जो एक दूसरे से स्वतंत्र रूप से हुए थे," मैंने सुझाव दिया।
"अरे नहीं, ये तो बहुत बड़ा संयोग होगा! फिर, आगे - गद्दार कौन है? पहले मामले में तो कोई गद्दार ज़रूर रहा होगा। लेकिन वो कौन था - डेनियल या ओ'मर्फी! इन दोनों में से कोई एक तो ज़रूर रहा होगा, वरना गाड़ी मुख्य सड़क से क्यों उतर गई? हम ये तो नहीं मान सकते कि प्रधानमंत्री ने अपनी ही हत्या की साजिश रची! क्या ओ'मर्फी ने अपनी मर्ज़ी से वो मोड़ लिया था, या डेनियल ने उसे ऐसा करने को कहा था?"
"निश्चित रूप से यह ओ'मर्फी का ही काम रहा होगा।"
"हाँ, क्योंकि अगर यह डेनियल्स का आदेश होता तो प्रधानमंत्री ने इसे सुना होता और कारण पूछा होता। लेकिन इस मामले में बहुत सारे सवाल हैं और वे एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं। अगर ओ'मर्फी ईमानदार आदमी है, तो उसने मुख्य

सड़क क्यों छोड़ी? लेकिन अगर वह बेईमान था, तो उसने केवल दो गोलियां चलने के बाद कार दोबारा क्यों स्टार्ट की - जिससे संभवतः प्रधानमंत्री की जान बच गई? और फिर, अगर वह ईमानदार था, तो चारिंग क्रॉस से निकलते ही वह जर्मन जासूसों के एक कुख्यात अड्डे पर क्यों चला गया?"
मैंने कहा, "यह बुरा लग रहा है।"
आइए इस मामले को व्यवस्थित ढंग से देखें। इन दोनों व्यक्तियों के पक्ष और विपक्ष में हमारे पास क्या सबूत हैं? पहले ओ'मर्फी को लें। विपक्ष में: मुख्य सड़क छोड़ने का उनका व्यवहार संदिग्ध था; वे काउंटी क्लेयर के एक आयरिश नागरिक हैं; उनका गायब होना बेहद संदिग्ध तरीके से हुआ है। पक्ष में: कार को तुरंत दोबारा चालू करने से प्रधानमंत्री की जान बच गई; वे स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारी हैं, और जाहिर है, उन्हें सौंपे गए पद के कारण, एक भरोसेमंद जासूस हैं। अब डेनियल की बात करते हैं। उनके खिलाफ ज्यादा सबूत नहीं हैं, सिवाय इसके कि उनके पूर्ववृत्त के बारे में कुछ भी पता नहीं है, और एक अच्छे अंग्रेज के लिए वे बहुत सारी भाषाएँ बोलते हैं! (क्षमा करें, मेरे मित्र, लेकिन भाषाविदों के रूप में, आप निंदनीय हैं!) अब उनके पक्ष में, हमारे पास यह तथ्य है कि वे मुंह पर पट्टी बांधे, बंधे हुए और क्लोरोफॉर्म दिए हुए पाए गए - जिससे ऐसा नहीं लगता कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना था।
"हो सकता है उसने शक को दूर करने के लिए खुद को मुंह पर पट्टी बांध ली हो और बांध लिया हो।" पोइरोट ने सिर हिलाया। "फ्रांसीसी पुलिस ऐसी गलती नहीं करेगी। इसके अलावा, एक बार जब उसका मकसद पूरा हो जाता और प्रधानमंत्री का सुरक्षित अपहरण हो जाता, तो उसके पीछे रहने का कोई मतलब नहीं रह जाता। उसके साथी उसे मुंह पर पट्टी बांधकर और क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर सकते थे, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि वे इससे क्या हासिल करना चाहते थे। अब वह उनके किसी काम का नहीं है, क्योंकि जब तक प्रधानमंत्री से जुड़े सारे मामले साफ नहीं हो जाते, उस पर कड़ी नजर रखी जाएगी।"
"शायद वह पुलिस को गलत सुराग की ओर मोड़ने की उम्मीद कर रहा था?"
"तो फिर उसने ऐसा क्यों नहीं किया? वह बस इतना कहता है कि उसकी नाक और मुंह पर कुछ दबाया गया था, और उसे इससे ज्यादा कुछ याद नहीं है। इसमें कोई बनावटी गंध नहीं है। यह बात बिल्कुल सच लगती है।"

"अच्छा," मैंने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हमें स्टेशन के लिए निकलना चाहिए। फ्रांस में आपको शायद और सुराग मिल जाएं।"
"शायद, मेरे दोस्त, लेकिन मुझे संदेह है। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि प्रधानमंत्री उस सीमित क्षेत्र में नहीं पकड़े गए, जहाँ उन्हें छिपाना बेहद मुश्किल होगा। अगर दो देशों की सेना और पुलिस उन्हें नहीं ढूंढ पाईं, तो मैं कैसे ढूंढ पाऊँगा?" चैरिंग क्रॉस पर हमारी मुलाकात श्री डॉज से हुई।
"ये स्कॉटलैंड यार्ड के डिटेक्टिव बार्न्स और मेजर नॉर्मन हैं। ये पूरी तरह से आपकी सेवा में तत्पर हैं। आपको शुभकामनाएँ। मामला गंभीर है, लेकिन मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। अब मुझे जाना होगा।" और मंत्री तेज़ी से चले गए।
हमने मेजर नॉर्मन से बेतरतीब ढंग से बातचीत की। प्लेटफार्म पर खड़े लोगों के छोटे समूह के बीच में मैंने एक छोटे, नेवले जैसे चेहरे वाले व्यक्ति को एक लंबे, गोरे आदमी से बात करते हुए देखा। वह पोइरोट का एक पुराना परिचित था - जासूस निरीक्षक जैप, जो स्कॉटलैंड यार्ड के सबसे होशियार अधिकारियों में से एक माना जाता था। वह पास आया और मेरे दोस्त का खुशी से अभिवादन किया।
मैंने सुना था कि तुम भी इस काम में लगे हो। बढ़िया काम है। अभी तक तो वे सामान लेकर भागने में कामयाब रहे हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे उसे ज़्यादा देर तक छिपा पाएंगे। हमारे लोग पूरे फ्रांस में छानबीन कर रहे हैं। फ्रांसीसी भी यही कर रहे हैं। मुझे लगता है कि अब बस कुछ ही घंटों की बात है।
“मतलब, अगर वो अभी भी ज़िंदा है,” लंबे जासूस ने उदास स्वर में कहा। जैप का चेहरा उतर गया। “हाँ... लेकिन मुझे कहीं न कहीं लग रहा है कि वो ज़िंदा है।” पोइरोट ने सिर हिलाया। “हाँ, हाँ; वो ज़िंदा है। लेकिन क्या उसे समय रहते ढूँढा जा सकेगा? तुम्हारी तरह मुझे भी यकीन नहीं था कि वो इतने लंबे समय तक छिपा रह सकता है।”
सीटी बजी और हम सब पुलमैन कार में चढ़ गए। फिर, एक धीमी, अनचाही झटके के साथ, ट्रेन स्टेशन से निकल पड़ी।
यह एक अनोखी यात्रा थी। स्कॉटलैंड यार्ड के लोग एक साथ जमा थे। उत्तरी फ्रांस के नक्शे फैले हुए थे, और उत्सुकता से तर्जनी उंगलियां सड़कों और

गांवों की रेखाओं पर चल रही थीं। हर किसी का अपना-अपना सिद्धांत था। पोइरोट अपनी सामान्य वाचालता में नहीं थे, बल्कि अपने सामने घूरते बैठे थे, उनके चेहरे पर एक उलझन भरे बच्चे का भाव था। मैंने नॉर्मन से बात की, जो मुझे काफी मनोरंजक लगे। डोवर पहुंचने पर पोइरोट का व्यवहार मुझे बेहद मजेदार लगा। नाव पर चढ़ते समय उस छोटे से आदमी ने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया। हवा ज़ोरों से बह रही थी।
"हे भगवान!" उसने बुदबुदाया। "यह तो भयानक है!"
"हिम्मत रखो, पोइरोट," मैंने पुकार कर कहा। "तुम ज़रूर कामयाब होगे। तुम उसे ढूंढ लोगे। मुझे पूरा यकीन है।"
"अरे, मेरे मित्र, तुम मेरी भावना को गलत समझ रहे हो। मुझे तो इस दुष्ट समुद्र से परेशानी है! यह समुद्री बीमारी - यह भयानक पीड़ा है!"
"ओह!" मैंने थोड़ा अचंभित होकर कहा।
इंजनों की पहली गड़गड़ाहट महसूस हुई और पोइरोट कराह उठा और अपनी आँखें बंद कर लीं।
"मेजर नॉर्मन के पास उत्तरी फ्रांस का नक्शा है, अगर आप उसका अध्ययन करना चाहें तो?" पोइरोट ने अधीरता से सिर हिलाया।
"लेकिन नहीं, लेकिन नहीं! मुझे अकेला छोड़ दो, मेरे दोस्त। देखो, सोचने के लिए, पेट और दिमाग में सामंजस्य होना चाहिए। लावेर्गियर के पास समुद्री बीमारी से बचने का एक बेहतरीन तरीका है। धीरे-धीरे सांस अंदर लो और बाहर छोड़ो, सिर को बाएं से दाएं घुमाते हुए और हर सांस के बीच छह तक गिनो।" मैंने उसे उसकी कसरत करते हुए छोड़ दिया और डेक पर चला गया।
जैसे ही हम धीरे-धीरे बोलोन बंदरगाह में पहुँचे, पोइरोट साफ-सुथरे और मुस्कुराते हुए प्रकट हुए और फुसफुसाते हुए मुझसे कहा कि लावेर्गियर की योजना "अद्भुत रूप से" सफल रही! जैप की तर्जनी उंगली अभी भी अपने नक्शे पर काल्पनिक रास्ते बना रही थी। "बकवास! गाड़ी बोलोन से चली थी - यहाँ से वे अलग हो गए। अब, मेरा अनुमान है कि उन्होंने प्रधानमंत्री को दूसरी गाड़ी में स्थानांतरित कर दिया। देखा?"
"ठीक है," लंबे जासूस ने कहा, "मैं बंदरगाहों की ओर चलूँगा। 10 में से 1 चांस है कि उन्होंने उसे चुपके से किसी जहाज पर चढ़ा दिया होगा।"
जैप ने सिर हिलाया। "बहुत स्पष्ट था। सभी बंदरगाहों को तुरंत बंद करने का आदेश जारी किया गया था।" जब हम उतरे तब सुबह हो रही थी। मेजर नॉर्मन ने

पोइरोट के हाथ पर हाथ रखा। "महोदय, आपके लिए यहाँ एक सैन्य गाड़ी इंतज़ार कर रही है।"
"धन्यवाद, महोदय। लेकिन फिलहाल, मेरा बोलोग्ने छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।"
"क्या?"
"नहीं, हम यहीं घाट के किनारे स्थित इस होटल में प्रवेश करेंगे।"
उसने अपने शब्दों को अमल में लाया, एक निजी कमरा मांगा और उसे वह मिल गया। हम तीनों हैरान और असमंजस में उसके पीछे-पीछे चले गए।
उसने हम पर एक नज़र डाली। "ऐसा तो नहीं है कि एक अच्छे जासूस को हरकत करनी चाहिए, है ना? मैंने तुम्हारा विचार समझ लिया। उसे ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। उसे इधर-उधर भागना चाहिए। उसे धूल भरी सड़क पर लेटकर एक छोटे से शीशे से टायरों के निशान ढूंढने चाहिए। उसे सिगरेट का टुकड़ा, गिरी हुई माचिस की तीली उठानी चाहिए? यही तुम्हारा विचार है, है ना?"
उनकी आँखों ने हमें चुनौती दी। "लेकिन मैं - हरक्यूल पोइरोट - आपसे कहता हूँ कि ऐसा नहीं है! असली सुराग तो यहीं हैं!"
उन्होंने अपने माथे पर हाथ फेरा। "देखो, मुझे लंदन छोड़ने की ज़रूरत नहीं थी। मेरे लिए वहाँ अपने कमरों में चुपचाप बैठे रहना ही काफ़ी होता। जो मायने रखता है वो है मेरे भीतर की छोटी-छोटी बुद्धि। चुपके से और खामोशी से वो अपना काम करती रहती है, और फिर अचानक मैं नक्शा माँगता हूँ, और एक जगह पर उंगली रखता हूँ - ठीक है - और कहता हूँ: प्रधानमंत्री वहाँ हैं! और सच में ऐसा ही होता है! विधि और तर्क से सब कुछ हासिल किया जा सकता है! फ्रांस की ये हड़बड़ी एक गलती थी - ये तो बच्चों का लुका-छिपी का खेल खेलने जैसा है। लेकिन अब, भले ही बहुत देर हो चुकी हो, मैं भीतर से सही तरीके से काम शुरू करूँगा। मेरे दोस्तों, मैं आप सभी से चुप रहने की विनती करता हूँ।"
और पाँच लंबे घंटों तक वह छोटा आदमी बिना हिले-डुले बैठा रहा, बिल्ली की तरह अपनी पलकें झपकाता रहा, उसकी हरी आँखें झपकती रहीं और धीरे-धीरे और हरी होती गईं। स्कॉटलैंड यार्ड का आदमी स्पष्ट रूप से तिरस्कारपूर्ण था, मेजर नॉर्मन ऊब और अधीर थे, और मुझे भी समय बहुत धीमी गति से बीतता हुआ महसूस हुआ।
आखिरकार, मैं उठा और जितना हो सके चुपचाप खिड़की की ओर चला गया। मामला एक तमाशा बनता जा रहा था। मैं अपने दोस्त के लिए मन ही मन चिंतित था। अगर वह

असफल होता, तो मैं चाहता कि वह कम हास्यास्पद तरीके से असफल हो। खिड़की से मैं यूँ ही घाट के किनारे खड़ी, धुएँ के गुबार उगलती हुई नाव को देखता रहा।
अचानक मेरी कोहनी के पास से आती हुई पोइरोट की आवाज सुनकर मैं जाग उठा। "मेरे दोस्तों, चलिए शुरू करते हैं!"
मैंने मुड़कर देखा। मेरे दोस्त में एक असाधारण परिवर्तन आ गया था। उसकी आँखें उत्साह से चमक रही थीं, उसका सीना पूरी तरह फूला हुआ था।
"मैं कितना मूर्ख था, मेरे दोस्तों! लेकिन आखिरकार मुझे उम्मीद की किरण दिख गई है।" मेजर नॉर्मन जल्दी से दरवाजे की ओर बढ़े। "मैं गाड़ी मंगवाता हूँ।"
"इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। मैं इसका उपयोग नहीं करूंगा। शुक्र है हवा थम गई है।"
"क्या आपका मतलब है कि आप पैदल चलकर आएंगे, महोदय?"
"नहीं, मेरे युवा मित्र। मैं कोई संत पीटर नहीं हूँ। मैं नाव से समुद्र पार करना पसंद करता हूँ।"
"समुद्र पार करने के लिए?"
"जी हां। व्यवस्थित ढंग से काम करने के लिए, शुरुआत से ही शुरू करना पड़ता है। और इस मामले की शुरुआत इंग्लैंड में हुई थी। इसलिए, हम इंग्लैंड लौटते हैं।"
तीन बजे हम एक बार फिर चारिंग क्रॉस प्लेटफार्म पर खड़े थे। हमारी तमाम दलीलों के बावजूद, पोइरोट ने अनसुना कर दिया और बार-बार यही दोहराया कि शुरुआत से शुरू करना समय की बर्बादी नहीं, बल्कि एकमात्र रास्ता है। रास्ते में उन्होंने नॉर्मन से दबी आवाज़ में बात की थी और नॉर्मन ने डोवर से कई टेलीग्राम भेजे थे।
नॉर्मन के पास मौजूद विशेष पासों की बदौलत हम हर जगह रिकॉर्ड समय में पहुँच गए। लंदन में एक बड़ी पुलिस गाड़ी हमारा इंतज़ार कर रही थी, जिसमें कुछ सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी थे, जिनमें से एक ने मेरे दोस्त को टाइप किया हुआ कागज़ का एक टुकड़ा दिया। उसने मेरी जिज्ञासा भरी नज़र का जवाब दिया।
"लंदन के पश्चिम में एक निश्चित दायरे में स्थित कॉटेज अस्पतालों की एक सूची। मैंने डोवर से इसके लिए तार भेजा था।" हम लंदन की सड़कों पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। हम बाथ रोड पर थे। हम हैमरस्मिथ, चिसविक और ब्रेंटफोर्ड से

होते हुए आगे बढ़े। मुझे अपना लक्ष्य दिखने लगा। विंडसर से होते हुए एस्कॉट। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। एस्कॉट में डेनियल की एक चाची रहती थीं। तो हम उन्हीं के पीछे थे, ओ'मर्फी के पीछे नहीं।
हम एक सजे-धजे विला के द्वार पर रुके। पोइरोट गाड़ी से उतरे और घंटी बजाई। मैंने उनके चेहरे की चमक फीकी पड़ते हुए उलझन भरी शिकन देखी। साफ था कि वे संतुष्ट नहीं थे। घंटी का जवाब मिला और उन्हें अंदर बुलाया गया। कुछ ही क्षणों में वे फिर बाहर आए और सिर हिलाते हुए कार में बैठ गए। मेरी उम्मीदें धूमिल होने लगीं। अब चार बज चुके थे। अगर उन्हें डेनियल्स को दोषी ठहराने वाले कुछ सबूत मिल भी जाते, तो उनका क्या फायदा, जब तक कि वे किसी से फ्रांस में उस सटीक जगह का पता न लगा लें जहाँ प्रधानमंत्री को रखा गया था?
लंदन की ओर हमारी वापसी यात्रा बाधित रही। हम कई बार मुख्य सड़क से भटक गए और बीच-बीच में एक छोटी सी इमारत के पास रुकते रहे, जिसे पहचानना मेरे लिए एक कॉटेज अस्पताल के रूप में आसान था। पोइरोट हर जगह कुछ ही मिनट बिताते थे, लेकिन हर पड़ाव पर उनका आत्मविश्वास और भी अधिक बढ़ जाता था।
उसने नॉर्मन के कान में कुछ फुसफुसाया, जिस पर नॉर्मन ने जवाब दिया:
"हाँ, अगर आप बाईं ओर मुड़ेंगे, तो वे पुल के पास आपका इंतज़ार कर रहे होंगे।" हम एक संकरी सड़क पर मुड़े, और ढलते उजाले में मैंने सड़क के किनारे खड़ी एक दूसरी कार देखी। उसमें सादे कपड़ों में दो आदमी थे। पोइरोट नीचे उतरे और उनसे बात की, फिर हम उत्तर दिशा में चल पड़े, दूसरी कार हमारे ठीक पीछे आ रही थी। हम कुछ देर तक गाड़ी चलाते रहे, हमारा लक्ष्य स्पष्ट रूप से लंदन के उत्तरी उपनगरों में से एक था। आखिरकार, हम एक ऊँचे मकान के सामने पहुँचे, जो सड़क से थोड़ा पीछे अपने परिसर में बना हुआ था।
नॉर्मन और मैं कार के साथ रह गए। पोइरोट और एक जासूस दरवाजे तक गए और घंटी बजाई। एक साफ-सुथरी नौकरानी ने दरवाजा खोला। जासूस ने बात की।
"मैं एक पुलिस अधिकारी हूँ, और मेरे पास इस घर की तलाशी लेने का वारंट है।" लड़की ने हल्की सी चीख मारी, और हॉल में उसके पीछे एक लंबी, आकर्षक अधेड़ उम्र की महिला प्रकट हुई।
"दरवाजा बंद कर दो, एडिथ। मुझे लगता है कि वे चोर हैं।"
लेकिन पोइरोट ने झट से अपना पैर दरवाजे में डाला और उसी क्षण सीटी बजा दी।
देखते ही देखते बाकी जासूस दौड़े और घर में घुस गए, और दरवाजा बंद कर लिया।

नॉर्मन और मैं लगभग पाँच मिनट तक अपनी मजबूरी में निष्क्रिय रहने पर कोसते रहे। आखिरकार दरवाजा फिर खुला और वे लोग तीन कैदियों - एक महिला और दो पुरुषों - को साथ लेकर बाहर आए। महिला और एक पुरुष को दूसरी गाड़ी में ले जाया गया। दूसरे पुरुष को पोइरोट ने खुद हमारी गाड़ी में बिठाया।
"मुझे बाकी लोगों के साथ जाना होगा, मेरे दोस्त। लेकिन इस सज्जन का बहुत ध्यान रखना। आप इन्हें नहीं जानते, है ना? खैर, चलिए मैं आपको महाशय ओ'मर्फी से मिलवाता हूँ!"
ओह मर्फी! दोबारा शुरू होते ही मैं उसे देखकर अवाक रह गया। उसके हाथों में हथकड़ी नहीं थी, लेकिन मुझे नहीं लगता था कि वह भागने की कोशिश करेगा। वह जैसे स्तब्ध होकर सामने घूर रहा था। खैर, नॉर्मन और मैं तो उसका मुकाबला करने के लिए काफी थे।
मुझे आश्चर्य हुआ कि हम अभी भी उत्तर की ओर ही जा रहे थे। तो हम लंदन वापस नहीं लौट रहे थे! मैं बहुत उलझन में था। अचानक, जैसे ही कार धीमी हुई, मुझे एहसास हुआ कि हम हेंडन हवाई अड्डे के पास हैं। तुरंत ही मुझे पोइरोट का विचार समझ आ गया। उनका प्रस्ताव था कि वे हवाई जहाज से फ्रांस पहुँचें। यह एक रोमांचक विचार था, लेकिन देखने में अव्यावहारिक लग रहा था। टेलीग्राम भेजना कहीं अधिक तेज़ होता। समय ही सब कुछ था। प्रधानमंत्री को बचाने का श्रेय उन्हें दूसरों को ही देना था। जैसे ही हम पहुँचे, मेजर नॉर्मन कूदकर बाहर निकले और उनकी जगह एक सादे कपड़ों वाला व्यक्ति बैठ गया। उसने पोइरोट से कुछ मिनट बात की और फिर तेज़ी से चला गया। मैं भी कूदकर बाहर निकला और पोइरोट का हाथ पकड़ लिया।
"बधाई हो, मेरे दोस्त! उन्होंने तुम्हें छिपने की जगह बता दी है? लेकिन, ध्यान रहे, तुम्हें तुरंत फ्रांस को तार भेजना होगा। अगर तुम खुद जाओगे तो बहुत देर हो जाएगी।"
पोइरोट ने एक-दो मिनट तक उत्सुकता से मेरी ओर देखा।
"दुर्भाग्यवश, मेरे दोस्त, कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें टेलीग्राम द्वारा नहीं भेजा जा सकता।"
उसी समय मेजर नॉर्मन एक युवा अधिकारी के साथ फ्लाइंग कोर की वर्दी में वापस लौटे।
"ये कैप्टन लायल हैं, जो आपको फ्रांस ले जाएंगे। वे तुरंत रवाना हो सकते हैं।"

“महाराज, अच्छे से कपड़े पहन लीजिए,” युवा पायलट ने कहा। “अगर आप चाहें तो मैं आपको एक कोट दे सकता हूँ।” पोइरोट अपनी विशाल घड़ी देख रहे थे। उन्होंने मन ही मन बुदबुदाया: “हाँ, समय है – बस समय है।” फिर उन्होंने ऊपर देखा और युवा अधिकारी को विनम्रतापूर्वक प्रणाम किया। “धन्यवाद, महोदय। लेकिन मैं आपका यात्री नहीं हूँ। बल्कि यह सज्जन हैं।”
बोलते-बोलते वह थोड़ा किनारे हट गया, और अंधेरे से एक आकृति आगे आई। यह वही दूसरा पुरुष कैदी था जो दूसरी गाड़ी में गया था, और जैसे ही रोशनी उसके चेहरे पर पड़ी, मैं आश्चर्य से चौंक गया।
यह प्रधानमंत्री थे!
"भगवान के लिए, मुझे सब कुछ बताओ," मैंने अधीरता से चिल्लाते हुए कहा, जब पोइरोट, नॉर्मन और मैं कार से लंदन वापस जा रहे थे। "आखिर वे उसे चुपके से इंग्लैंड वापस लाने में कैसे कामयाब हुए?"
"उन्हें चुपके से वापस लाने की कोई ज़रूरत नहीं थी," पोइरोट ने रूखेपन से जवाब दिया। "प्रधानमंत्री ने कभी इंग्लैंड छोड़ा ही नहीं। विंडसर से लंदन जाते समय उनका अपहरण कर लिया गया था।"
"क्या?"
मैं सब कुछ स्पष्ट कर देता हूँ। प्रधानमंत्री अपनी कार में थे, उनके बगल में उनका सचिव बैठा था। अचानक उनके चेहरे पर क्लोरोफॉर्म से भीगा हुआ पैड रख दिया गया -"
"लेकिन किसके द्वारा?"
"चतुर भाषाविद कैप्टन डेनियल्स की बदौलत। प्रधानमंत्री के बेहोश होते ही, डेनियल्स ने स्पीकिंग-ट्यूब उठाई और ओ'मर्फी को दाईं ओर मुड़ने का निर्देश दिया, जिसे ड्राइवर ने बिना किसी संदेह के मान लिया। उस सुनसान सड़क पर कुछ ही गज आगे एक बड़ी कार खड़ी थी, जो शायद खराब हो गई थी। उसके ड्राइवर ने ओ'मर्फी को रुकने का इशारा किया। ओ'मर्फी ने गाड़ी धीमी कर दी। अजनबी पास आया। डेनियल्स खिड़की से बाहर झुके और शायद एथिलक्लोराइड जैसे किसी तात्कालिक बेहोशी की दवा की मदद से क्लोरोफॉर्म का जादू दोहराया। कुछ ही सेकंड में, दोनों असहाय व्यक्तियों को बाहर खींचकर दूसरी कार में ले जाया गया और उनकी जगह दो अन्य लोग बैठ गए।"
"असंभव!"

"बिल्कुल नहीं! क्या आपने संगीत हॉल कलाकारों को मशहूर हस्तियों की अद्भुत सटीकता के साथ नकल करते नहीं देखा है?"
किसी सार्वजनिक हस्ती का रूप धारण करना बहुत आसान होता है। उदाहरण के लिए, इंग्लैंड के प्रधानमंत्री का रूप धारण करना, क्लैफम के श्री जॉन स्मिथ की नकल करने से कहीं ज्यादा आसान है। जहाँ तक ओ'मर्फी के 'हमशक्ल' की बात है, प्रधानमंत्री के जाने तक उस पर किसी का ध्यान नहीं जाने वाला था, और तब तक तो वह गायब ही हो चुका होता। वह चैरिंग क्रॉस से सीधे अपने दोस्तों के मिलने की जगह पर जाता है। वह ओ'मर्फी बनकर जाता है, और एक बिलकुल अलग इंसान बनकर निकलता है। ओ'मर्फी गायब हो जाता है, और अपने पीछे एक ऐसा संदिग्ध सुराग छोड़ जाता है जो आसानी से संदेह पैदा कर देता है।
लेकिन प्रधानमंत्री का रूप धारण करने वाले व्यक्ति को सभी ने देखा! उन्हें निजी तौर पर या घनिष्ठ रूप से जानने वाले किसी भी व्यक्ति ने नहीं देखा था। डेनियल ने उन्हें यथासंभव हर किसी के संपर्क से बचाए रखा। इसके अलावा, उनके चेहरे पर पट्टियाँ बंधी हुई थीं, और उनके व्यवहार में कोई भी असामान्य बात इस तथ्य से जोड़ दी जाती कि वे अपने जीवन पर हुए हमले के परिणामस्वरूप सदमे में थे। श्री मैकएडम का गला कमजोर है, और वे किसी भी महत्वपूर्ण भाषण से पहले अपनी आवाज़ को यथासंभव बचाकर रखते हैं। फ्रांस तक इस धोखे को बनाए रखना बिल्कुल आसान था। वहाँ यह अव्यावहारिक और असंभव होता - इसलिए प्रधानमंत्री गायब हो जाते हैं। इस देश की पुलिस इंग्लिश चैनल पार कर जाती है, और कोई भी पहले हमले के विवरण में जाने की जहमत नहीं उठाता। यह भ्रम बनाए रखने के लिए कि अपहरण फ्रांस में हुआ है, डेनियल को इस तरह से चुप कराया जाता है और क्लोरोफॉर्म सुंघाया जाता है कि वह विश्वसनीय लगे।
और वह व्यक्ति जिसने प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई है?
"वह अपना भेस उतार देता है। उसे और नकली ड्राइवर को संदिग्ध मानकर गिरफ्तार किया जा सकता है, लेकिन नाटक में उनकी असली भूमिका पर किसी को शक नहीं होगा, और अंततः सबूतों के अभाव में उन्हें रिहा कर दिया जाएगा।"
और असली प्रधानमंत्री कौन है?
"उसे और ओ'मर्फी को सीधे हैम्पस्टेड में 'श्रीमती एवरार्ड' के घर ले जाया गया, जो डेनियल की तथाकथित 'चाची' थीं। असल में, वह फ्राउ बर्था एबेंथल हैं, और पुलिस उन्हें काफी समय से ढूंढ रही थी। यह एक कीमती छोटा सा तोहफा है जो

मैंने उन्हें दिया है - डेनियल की तो बात ही छोड़ो! आह, यह एक चालाक योजना थी, लेकिन उसने हरक्यूल पोइरोट की चतुराई का अंदाजा नहीं लगाया था!" मुझे लगता है कि मेरे दोस्त को उसके इस पल के घमंड के लिए माफ किया जा सकता है। आपको इस मामले की सच्चाई पर पहली बार कब संदेह होने लगा?
"जब मैंने सही तरीके से काम करना शुरू किया - भीतर से! मैं उस गोलीबारी वाली घटना को इसमें फिट नहीं कर सका - लेकिन जब मैंने देखा कि इसका नतीजा यह हुआ कि प्रधानमंत्री पट्टी बांधकर फ्रांस चले गए, तब मुझे बात समझ में आने लगी! और जब मैंने विंडसर और लंदन के बीच के सभी छोटे अस्पतालों का दौरा किया, और पाया कि मेरी बताई गई शक्ल का कोई भी व्यक्ति उस सुबह पट्टी बांधकर नहीं बैठा था, तब मुझे यकीन हो गया! उसके बाद, मेरे जैसे दिमाग के लिए यह सब कुछ बच्चों का खेल था!"
अगली सुबह, पोइरोट ने मुझे एक टेलीग्राम दिखाया जो उसे अभी-अभी मिला था। उस पर भेजने वाले का नाम नहीं था और उस पर हस्ताक्षर भी नहीं थे। उसमें लिखा था:
"समय के भीतर।"
बाद में दिन में शाम के समाचार पत्रों ने मित्र देशों के सम्मेलन का विवरण प्रकाशित किया। उन्होंने विशेष रूप से श्री डेविड मैकएडम को मिली शानदार तालियों की गड़गड़ाहट पर जोर दिया, जिनके प्रेरणादायक भाषण ने गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा था।

श्री डेवनहाइम का गायब होना

पोइरोट और मैं स्कॉटलैंड यार्ड के अपने पुराने दोस्त इंस्पेक्टर जैप के चाय पर आने का इंतज़ार कर रहे थे। हम चाय की मेज के चारों ओर बैठे उनके आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। पोइरोट ने अभी-अभी उन प्यालों और तश्तरियों को बड़े ध्यान से सीधा किया था जिन्हें हमारी मकान मालकिन मेज पर रखने के बजाय फेंकने की आदत रखती थीं। उन्होंने धातु की चायदानी पर गहरी साँस भी ली थी और उसे रेशमी रूमाल से चमकाया था। केतली उबल रही थी और उसके बगल में एक छोटे से एनामेल सॉस पैन में कुछ गाढ़ी, मीठी चॉकलेट थी जो पोइरोट को उस चॉकलेट से कहीं ज़्यादा पसंद थी जिसे उन्होंने "तुम्हारा अंग्रेज़ी ज़हर"

बताया था। नीचे से एक तेज़ "रैट-टैट" की आवाज़ आई और कुछ मिनट बाद जैप तेज़ी से अंदर आ गए।
"उम्मीद है कि मैं देर से नहीं आया हूँ," उन्होंने हमारा अभिवादन करते हुए कहा। "सच कहूँ तो, मैं मिलर से बातचीत कर रहा था, जो डेवनहाइम मामले के प्रभारी हैं।"
मेरी आंखें चौकन्नी हो गईं। पिछले तीन दिनों से अखबारों में मशहूर बैंकर और फाइनेंसर कंपनी डेवनहाइम एंड सैल्मन के वरिष्ठ पार्टनर श्री डेवनहाइम के रहस्यमय ढंग से गायब होने की खबरें छाई हुई थीं। पिछले शनिवार को वे अपने घर से निकले थे और तब से उन्हें देखा तक नहीं गया था। मैं जैप से कुछ दिलचस्प जानकारियां निकालने के लिए उत्सुक था।
मैंने कहा, "मुझे लगा था कि किसी का 'गायब' होना लगभग असंभव होगा।"
आजकल।"
पोइरोट ने ब्रेड और मक्खन की प्लेट को एक इंच के आठवें हिस्से जितना खिसकाया और तीखे स्वर में कहा:
"स्पष्ट-स्पष्ट बताओ, मेरे दोस्त। 'गायब होना' से तुम्हारा क्या मतलब है? तुम किस प्रकार के गायब होने की बात कर रहे हो?"
"तो क्या गुमशुदा लोगों को वर्गीकृत और लेबल किया जाता है?" मैं हँस पड़ा। जैप भी मुस्कुराया। पोइरोट ने हम दोनों को घूरकर देखा।
"लेकिन निश्चित रूप से वे हैं! वे तीन श्रेणियों में आते हैं: पहला, और सबसे आम, स्वेच्छा से गायब होना। दूसरा, बहुत अधिक दुरुपयोग किया जाने वाला 'स्मृति हानि' का मामला - दुर्लभ, लेकिन कभी-कभी वास्तविक। तीसरा, हत्या, और शव का कमोबेश सफल निपटान। क्या आप इन तीनों को ही असंभव निष्पादन मानते हैं?"
"लगभग ऐसा ही है, मुझे लगता है। आप अपनी याददाश्त खो सकते हैं, लेकिन कोई न कोई आपको पहचान ही लेगा - खासकर डेवनहाइम जैसे जाने-माने व्यक्ति के मामले में। फिर 'लाशों' को हवा में गायब नहीं किया जा सकता। देर-सवेर वे मिल ही जाती हैं, सुनसान जगहों पर छिपी हुई या संदूकों में। हत्या का पर्दाफाश तो हो ही जाता है। ठीक इसी तरह, आज के वायरलेस टेलीग्राफी के ज़माने में, भगोड़ा क्लर्क या घरेलू बिल न चुकाने वाला पकड़ा ही जाएगा। उसे विदेशों से ही रोका जा सकता है; बंदरगाहों और रेलवे स्टेशनों पर निगरानी रखी जाती है;

और इस देश में छिपने की बात करें तो, अखबार पढ़ने वाले हर पाठक को उसकी शक्ल-सूरत पता होगी। वह सभ्यता के खिलाफ खड़ा है।"
"मेरे दोस्त," पोइरोट ने कहा, "आप एक गलती कर रहे हैं। आप इस तथ्य को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं कि जो व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को - या लाक्षणिक अर्थ में स्वयं को - खत्म करने का फैसला कर चुका हो, वह एक विलक्षण कुशल व्यक्ति हो सकता है। वह इस कार्य में बुद्धिमत्ता, प्रतिभा और बारीकियों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण ला सकता है; और फिर मुझे नहीं लगता कि वह पुलिस बल को चकमा देने में सफल क्यों नहीं होगा।"
"लेकिन आप नहीं, मुझे लगता है?" जैप ने हंसते हुए मुझसे कहा और मेरी तरफ़ आँख मारी। "वह आपको नहीं हरा सकता, है ना, महाशय पोइरोट?"
पोइरोट ने विनम्रता दिखाने की पूरी कोशिश की, लेकिन इसमें वह बुरी तरह असफल रहे। "मैं भी! क्यों नहीं? यह सच है कि मैं ऐसी समस्याओं को एक सटीक विज्ञान, एक गणितीय परिशुद्धता के साथ हल करता हूँ, जो अफसोस की बात है कि जासूसों की नई पीढ़ी में बहुत कम देखने को मिलती है!"
जैप की मुस्कान और भी चौड़ी हो गई।
"मुझे नहीं पता," उसने कहा। "मिलर, जो इस मामले की जांच कर रहा है, वह बहुत समझदार आदमी है। आप यकीन मानिए कि वह किसी पदचिह्न, सिगार की राख या यहां तक कि किसी टुकड़े को भी नज़रअंदाज़ नहीं करेगा। उसकी नज़रें सब कुछ देख लेती हैं।"
"तो, मेरे दोस्त," पोइरोट ने कहा, "लंदन की गौरैया ने ऐसा ही किया है। लेकिन फिर भी, मैं उस छोटी भूरी चिड़िया से मिस्टर डेवनहाइम की समस्या हल करने के लिए नहीं कहूंगा।"
"मान लीजिए, महोदय, आप सुराग के रूप में विवरणों के महत्व को कम करके नहीं आंकने वाले हैं?"
"बिल्कुल नहीं। ये सब बातें अपने-अपने तरीके से अच्छी हैं। खतरा ये है कि कहीं ये ज़रूरत से ज़्यादा अहमियत न ले लें। ज़्यादातर बातें महत्वहीन होती हैं; एक-दो ही ज़रूरी होती हैं। असल में दिमाग, यानी दिमाग की छोटी- छोटी दिमागी कोशिकाएं—" उन्होंने माथे पर हाथ रखते हुए कहा—"जिस पर भरोसा करना चाहिए। इंद्रियां गुमराह करती हैं। सच्चाई को भीतर खोजना चाहिए—बाहर नहीं।"

"आपका मतलब यह तो नहीं है, महाशय पोइरोट, कि आप अपनी कुर्सी से हिले बिना किसी मामले को सुलझाने का जिम्मा लेंगे, है ना?"
"मेरा मतलब बिल्कुल यही है - बशर्ते कि तथ्य मेरे सामने रखे गए हों। मैं खुद को एक परामर्शदाता विशेषज्ञ मानता हूं।"
जैप ने अपने घुटने पर हाथ मारा। "अगर मैं तुम्हारी बात पर यकीन न करूं तो फांसी पर चढ़ जाऊंगा। मैं शर्त लगाता हूं कि तुम एक हफ्ते के अंदर मिस्टर डेवनहाइम को, चाहे जिंदा हो या मुर्दा, पकड़ नहीं पाओगे - या यूं कहूं कि मुझे यह नहीं बता पाओगे कि मुझे उन्हें कहां पकड़ना है।"
पोइरोट ने सोचा। "ठीक है, मेरे दोस्त, मैं स्वीकार करता हूँ। खेल तो तुम अंग्रेजों का जुनून है। अब - तथ्यों की बात करते हैं।"
पिछले शनिवार को, अपनी आदत के अनुसार, श्री डेवनहाइम ने विक्टोरिया से चिंगसाइड के लिए दोपहर 12:40 बजे की ट्रेन ली, जहाँ उनका आलीशान घर, द सीडर्स स्थित है। दोपहर के भोजन के बाद, उन्होंने परिसर में टहलते हुए बागवानों को कई निर्देश दिए। सभी इस बात से सहमत हैं कि उनका व्यवहार बिल्कुल सामान्य और हमेशा की तरह था। चाय के बाद, उन्होंने अपनी पत्नी के शयनकक्ष में सिर रखकर कहा कि वे गाँव जाकर कुछ पत्र पोस्ट करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे श्री लोवेन से मिलने आ रहे हैं, जो किसी काम से आ रहे हैं। यदि लोवेन उनके लौटने से पहले आ जाएँ, तो उन्हें अध्ययन कक्ष में ले जाकर प्रतीक्षा करने के लिए कहा जाए। इसके बाद श्री डेवनहाइम मुख्य द्वार से घर से निकले, आराम से ड्राइववे से होते हुए गेट से बाहर आ गए, और फिर कभी दिखाई नहीं दिए। उस क्षण से, वे पूरी तरह गायब हो गए।
"बहुत सुंदर - सचमुच बहुत सुंदर - कुल मिलाकर एक मनमोहक छोटी सी समस्या," पोइरोट ने धीरे से कहा। "आगे बढ़ो, मेरे प्यारे दोस्त।"
लगभग पंद्रह मिनट बाद, घनी काली मूंछों वाला एक लंबा, सांवला आदमी दरवाजे की घंटी बजाकर आया और बताया कि उसकी श्री डेवनहाइम से मुलाकात है। उसने अपना नाम लोवेन बताया और बैंकर के निर्देशों के अनुसार उसे अध्ययन कक्ष में ले जाया गया। लगभग एक घंटा बीत गया। श्री डेवनहाइम वापस नहीं लौटे। अंत में श्री लोवेन ने घंटी बजाई और बताया कि वह और इंतजार नहीं कर सकते, क्योंकि उन्हें शहर वापस जाने वाली ट्रेन पकड़नी है। श्रीमती डेवनहाइम ने अपने पति की अनुपस्थिति के लिए क्षमा मांगी, जो समझ से परे लग रही थी,

क्योंकि उन्हें पता था कि उनके पति आगंतुक की प्रतीक्षा कर रहे थे। श्री लोवेन ने फिर से खेद व्यक्त किया और चले गए।
"खैर, जैसा कि सभी जानते हैं, श्री डेवनहाइम वापस नहीं लौटे। रविवार की सुबह पुलिस से संपर्क किया गया, लेकिन उन्हें मामले की कोई तह तक जानकारी नहीं मिली। ऐसा लगा जैसे श्री डेवनहाइम हवा में गायब हो गए हों। वे डाकघर नहीं गए थे; न ही उन्हें गांव से गुजरते देखा गया था। स्टेशन पर उन्हें पूरा यकीन था कि वे किसी ट्रेन से रवाना नहीं हुए थे। उनकी अपनी कार गैरेज से बाहर नहीं निकली थी। अगर उन्होंने किसी सुनसान जगह पर उनसे मिलने के लिए कार किराए पर ली होती, तो सूचना देने वाले को दिए जाने वाले बड़े इनाम को देखते हुए, अब तक उसका ड्राइवर सामने आकर अपनी जानकारी जरूर दे देता। यह सच है कि पांच मील दूर एंटफील्ड में एक छोटी सी घुड़दौड़ थी, और अगर वे पैदल चलकर उस स्टेशन तक गए होते तो शायद भीड़ में किसी का ध्यान उन पर न जाता। लेकिन तब से उनकी तस्वीर और उनका पूरा विवरण हर अखबार में छपा है, और कोई भी उनके बारे में कोई खबर नहीं दे पाया है। हमें बेशक पूरे इंग्लैंड से कई पत्र मिले हैं, लेकिन अब तक मिले सभी पत्र निराशाजनक रहे हैं।"
सोमवार सुबह एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ। श्री डेवनहाइम के अध्ययन कक्ष में एक पर्दे के पीछे एक तिजोरी रखी थी, और उस तिजोरी को तोड़कर उसमें से सामान निकाल लिया गया था। अंदर से खिड़कियां मजबूती से बंद थीं, जिससे सामान्य चोरी की संभावना कम हो जाती है, जब तक कि घर में मौजूद किसी साथी ने बाद में उन्हें दोबारा बंद न कर दिया हो। दूसरी ओर, रविवार बीत जाने और घर में अफरा-तफरी मची होने के कारण, यह संभव है कि चोरी शनिवार को हुई हो और सोमवार तक किसी को पता न चला हो।
"बिल्कुल," पोइरोट ने रूखेपन से कहा। "तो क्या उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, बेचारे मिस्टर लोवेन?" जैप मुस्कुराया। "अभी नहीं। लेकिन उस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।" पोइरोट ने सिर हिलाया। "तिजोरी से क्या लिया गया? क्या आपको कोई जानकारी है?"
"हम फर्म के कनिष्ठ साझेदार और श्रीमती डेवनहाइम के साथ इस मामले की जांच कर रहे हैं। जाहिर तौर पर, हाल ही में हुए किसी बड़े लेन-देन के कारण, बियरर बॉन्ड में काफी बड़ी रकम और नोटों में भी बहुत बड़ी राशि थी। गहनों में भी काफी धन था। श्रीमती डेवनहाइम के सभी गहने तिजोरी में रखे थे। उनके पति को

हाल के वर्षों में गहने खरीदने का शौक हो गया था और शायद ही कोई महीना ऐसा बीतता था जब वे उन्हें कोई दुर्लभ और कीमती रत्न उपहार में न देते हों।" "कुल मिलाकर अच्छा माल मिला," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा। "अब लोवेन के बारे में क्या? क्या पता है कि उस शाम डेवनहाइम के साथ उसका क्या काम था?" "खैर, दोनों व्यक्तियों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। लोवेन एक मामूली सट्टेबाज है। फिर भी, वह बाजार में डेवनहाइम से एक-दो बार लाभ कमाने में सफल रहा है, हालांकि ऐसा लगता है कि वे शायद ही कभी मिले हों। दक्षिण अमेरिकी शेयरों से संबंधित एक मामले के कारण ही बैंकर ने यह नियुक्ति की थी।"
"तो क्या डेवनहाइम के दक्षिण अमेरिका में भी हित थे?"
"मुझे ऐसा ही लगता है। श्रीमती डेवनहाइम ने संयोगवश उल्लेख किया था कि उन्होंने पिछली पूरी शरद ऋतु ब्यूनस आयर्स में बिताई थी।"
"क्या उनके घरेलू जीवन में कोई परेशानी थी? क्या पति-पत्नी के बीच अच्छे संबंध थे?"
"मुझे कहना चाहिए कि उनका घरेलू जीवन काफी शांतिपूर्ण और घटनाहीन था। श्रीमती डेवनहाइम एक मिलनसार, बल्कि कम बुद्धि वाली महिला हैं। मेरे विचार से वह बिल्कुल महत्वहीन हैं।"
"तो हमें इस रहस्य का हल वहां नहीं खोजना चाहिए। क्या उसके कोई शत्रु थे?" "उसके कई वित्तीय प्रतिद्वंद्वी थे, और निस्संदेह ऐसे कई लोग हैं जिन्हें उसने मात दी है और जो उसके प्रति कोई विशेष सद्भावना नहीं रखते। लेकिन ऐसा कोई नहीं था जो उसे मार डालता - और अगर किसी ने ऐसा किया भी होता, तो शव कहाँ है?"
"बिल्कुल सही। जैसा कि हेस्टिंग्स कहते हैं, शव घातक दृढ़ता के साथ सामने आने की आदत रखते हैं।"
वैसे, एक माली का कहना है कि उसने एक आकृति को घर के एक तरफ से गुलाब के बगीचे की ओर जाते देखा। अध्ययन कक्ष की लंबी फ्रेंच खिड़की गुलाब के बगीचे की ओर खुलती है, और श्री डेवनहाइम अक्सर उसी रास्ते से घर में आते-जाते थे। लेकिन वह आदमी काफी दूर था, खीरे के पौधों पर काम कर रहा था, और वह यह भी नहीं कह सकता कि वह उसके मालिक की आकृति थी या नहीं। साथ ही, वह समय भी ठीक से नहीं बता सकता। यह छह बजे से पहले का समय रहा होगा, क्योंकि माली उस समय काम बंद कर देते हैं।

"और श्री डेवनहाइम घर से चले गए?"
लगभग साढ़े पाँच बजे के आसपास।
"गुलाब के बगीचे के उस पार क्या है?"
"एक झील।"
"क्या उसमें बोटहाउस भी है?"
"जी हां, वहां दो नावें रखी हैं। मुझे लगता है आप आत्महत्या करने की सोच रहे हैं, महाशय पोइरोट? खैर, मैं आपको बता दूं कि मिलर कल खास तौर पर उस पानी के टुकड़े को खींचने के लिए नीचे जा रहा है। वह ऐसा ही आदमी है!" पॉयरॉट ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और मेरी ओर मुड़े। "हेस्टिंग्स, कृपया मुझे डेली मेगाफोन की वह प्रति दे दीजिए। अगर मुझे सही याद है, तो उसमें लापता व्यक्ति की एक बेहद स्पष्ट तस्वीर है।"
मैं उठा और मुझे आवश्यक कागज़ मिल गया। पोइरोट ने चेहरे के भावों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया।
"हम्म!" उसने धीरे से कहा। "उसके बाल काफी लंबे और लहराते हुए हैं, घनी मूंछें और नुकीली दाढ़ी है, घनी भौहें हैं। आंखें काली हैं?"
"हाँ।"
"क्या आपके बाल और दाढ़ी सफेद हो रहे हैं?"
जासूस ने सिर हिलाया। "अच्छा, महाशय पोइरोट, इस सब पर आपका क्या कहना है? एकदम स्पष्ट है, है ना?"
इसके विपरीत, यह अत्यंत अस्पष्ट है।
स्कॉटलैंड यार्ड का जवान खुश दिख रहा था।
"इससे मुझे इसे सुलझाने की बहुत उम्मीदें हैं," पोइरोट ने शांत भाव से कहा। "एह?"
"जब कोई मामला अस्पष्ट हो तो मुझे यह एक अच्छा संकेत लगता है। अगर कोई बात दिन के उजाले की तरह स्पष्ट हो तो - ठीक है, उस पर अविश्वास करो!"
किसी ने इसे ऐसा बना दिया है।"
जैप ने लगभग दया भाव से सिर हिलाया। "खैर, सबकी अपनी-अपनी पसंद होती है। लेकिन आगे का रास्ता साफ दिखना कोई बुरी बात नहीं है।"
"मुझे कुछ दिखाई नहीं देता," पोइरोट ने धीरे से कहा। "मैं अपनी आँखें बंद कर लेता हूँ और सोचता हूँ।" जैप ने आह भरी। "खैर, तुम्हारे पास सोचने के लिए पूरा एक हफ़्ता है।"

"और आप मुझे कोई भी नई जानकारी देंगे जो सामने आए - उदाहरण के लिए, मेहनती और पैनी नजर वाले इंस्पेक्टर मिलर के प्रयासों का परिणाम?"
"बिल्कुल। यह सौदे का हिस्सा है।"
जब मैं जैप के साथ दरवाजे तक जा रहा था, तो उसने मुझसे कहा, "यह तो शर्मनाक बात है, है ना? जैसे किसी बच्चे को लूटना!"
मैं मुस्कुराते हुए सहमति जताए बिना नहीं रह सकी। कमरे में वापस प्रवेश करते समय भी मेरे चेहरे पर मुस्कान थी।
"अरे वाह!" पोइरोट ने तुरंत कहा। "तुम पापा पोइरोट का मज़ाक उड़ा रहे हो, है ना?" उन्होंने मेरी ओर उंगली हिलाते हुए कहा। "तुम्हें उनके दिमाग पर भरोसा नहीं है? अरे, घबराओ मत! चलो इस छोटी सी समस्या पर चर्चा करते हैं - मैं मानता हूँ कि यह अभी पूरी नहीं है, लेकिन इसमें कुछ दिलचस्प बातें तो दिख रही हैं।"
"झील!" मैंने महत्वपूर्वक कहा।
और झील से भी ज्यादा, नौकागृह!
मैंने पोइरोट की ओर तिरछी नज़र से देखा। वह अपने सबसे रहस्यमय अंदाज़ में मुस्कुरा रहे थे। मुझे लगा कि फिलहाल उनसे और सवाल करना बिल्कुल बेकार होगा।
अगली शाम तक हमें जैप के बारे में कुछ भी पता नहीं चला, जब वह लगभग नौ बजे अंदर आया। मैंने उसके चेहरे के भाव से तुरंत समझ लिया कि वह किसी खबर से बहुत उत्साहित था।
"अच्छा, मेरे दोस्त," पोइरोट ने कहा। "सब ठीक चल रहा है? लेकिन मुझे यह मत बताना कि तुमने अपनी झील में श्री डेवनहाइम का शव खोज लिया है, क्योंकि मैं तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं करूंगा।"
"हमें शव तो नहीं मिला, लेकिन हमें उसके कपड़े मिल गए हैं - वही कपड़े जो उसने उस दिन पहने थे। इस बारे में आपका क्या कहना है?"
"क्या घर से कोई और कपड़े गायब हैं?"
"नहीं, उनके नौकर ने इस बात पर पूरी तरह से यकीन जताया है। उनके बाकी कपड़े सुरक्षित हैं। और भी जानकारी है। हमने लोवेन को गिरफ्तार कर लिया है। एक नौकरानी, जिसका काम शयनकक्ष की खिड़कियों को बंद करना है, ने बताया कि उसने लोवेन को लगभग सवा छह बजे गुलाब के बगीचे से होते हुए अध्ययन कक्ष की ओर आते देखा था। यानी घर से निकलने से लगभग दस मिनट पहले।"

"इस बारे में वह खुद क्या कहता है?"
सबसे पहले तो उसने इस बात से इनकार किया कि वह कभी स्टडी रूम से बाहर गया था। लेकिन नौकरानी को पूरा यकीन था, और बाद में उसने बहाना बनाया कि वह बस खिड़की से बाहर निकलकर गुलाब की एक अनोखी किस्म को देखने गया था और भूल गया था। बड़ी ही कमजोर कहानी! और अब उसके खिलाफ नए सबूत सामने आए हैं। श्री डेवनहाइम हमेशा अपने दाहिने हाथ की छोटी उंगली में हीरे जड़ी मोटी सोने की अंगूठी पहनते थे। खैर, शनिवार रात को लंदन में बिली केलेट नाम के एक आदमी ने वह अंगूठी गिरवी रख दी! वह पुलिस के लिए पहले से ही जाना-पहचाना है - पिछले पतझड़ में एक बुजुर्ग की घड़ी चुराने के जुर्म में उसने तीन महीने जेल काटी थी। ऐसा लगता है कि उसने अंगूठी को कम से कम पांच अलग-अलग जगहों पर गिरवी रखने की कोशिश की, आखिरी जगह पर उसे सफलता मिली, फिर उसने गिरवी से मिले पैसों से जमकर शराब पी, एक पुलिसवाले पर हमला किया और परिणामस्वरूप उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मैं मिलर के साथ बो स्ट्रीट गया और उससे मिला। अब वह काफी होश में है, और मुझे यह मानने में कोई आपत्ति नहीं है कि हमने उसे काफी डरा दिया था, यह इशारा करते हुए कि उस पर हत्या का आरोप लग सकता है। यह उसकी कहानी है, और यह बहुत ही अजीब कहानी है।
"शनिवार को वह एंटफील्ड रेस में था, हालांकि मुझे लगता है कि उसका धंधा सट्टेबाजी से ज़्यादा स्कार्फ पिन बेचने का था। खैर, उसका दिन खराब था और उसकी किस्मत खराब चल रही थी। वह चिंगसाइड जाने वाली सड़क पर पैदल चल रहा था और गांव में पहुंचने से ठीक पहले आराम करने के लिए एक नाले में बैठ गया। कुछ मिनट बाद उसने देखा कि एक आदमी गांव की ओर आ रहा है, 'सांवला आदमी, बड़ी मूंछों वाला, शहर के रईसों में से एक,' केलेट ने उस आदमी का वर्णन इस तरह किया। केलेट पत्थरों के ढेर के पीछे सड़क से आधा छिपा हुआ था। उसके पास पहुंचने से ठीक पहले, उस आदमी ने सड़क पर जल्दी से ऊपर-नीचे देखा और उसे सुनसान देखकर उसने अपनी जेब से एक छोटी सी चीज़ निकाली और उसे झाड़ी के ऊपर फेंक दिया। फिर वह स्टेशन की ओर चल पड़ा। अब, झाड़ी के ऊपर फेंकी गई चीज़ हल्की सी 'चटक' की आवाज़ के साथ गिरी, जिससे नाले में बैठे उस आदमी की जिज्ञासा जाग उठी। उसने जांच की और थोड़ी देर ढूंढने के बाद उसे अंगूठी मिल गई! यही केलेट की कहानी है।" यह कहना बिल्कुल उचित होगा कि लोवेन इस बात से पूरी तरह इनकार करता है, और ज़ाहिर है कि केलेट जैसे व्यक्ति की बात

पर ज़रा भी भरोसा नहीं किया जा सकता। यह संभव है कि उसकी मुलाकात डेवनहाइम से गली में हुई हो और उसने उसे लूटकर उसकी हत्या कर दी हो।
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"बहुत ही असंभव है, मेरे दोस्त। उसके पास शव को ठिकाने लगाने का कोई साधन नहीं था। अब तक तो शव मिल ही गया होता। दूसरी बात, जिस खुलेआम तरीके से उसने अंगूठी गिरवी रखी, उससे यह असंभव लगता है कि उसने अंगूठी पाने के लिए हत्या की हो। तीसरी बात, तुम्हारा यह चोर शायद ही कभी हत्यारा होता है। चौथी बात, चूंकि वह शनिवार से जेल में है, इसलिए यह महज़ एक संयोग ही होगा कि वह लोवेन का इतना सटीक वर्णन कर सके।"
जैप ने सिर हिलाया। "मैं यह नहीं कह रहा कि आप गलत हैं। लेकिन फिर भी, किसी जेल में बंद व्यक्ति के सबूतों पर जूरी ज्यादा ध्यान नहीं देगी। मुझे जो बात अजीब लगती है, वह यह है कि लोवेन अंगूठी को ठिकाने लगाने का कोई और चालाक तरीका क्यों नहीं ढूंढ पाया।"
पोइरोट ने कंधे उचकाते हुए कहा, "खैर, अगर यह आस-पास ही कहीं मिल जाए, तो यह तर्क दिया जा सकता है कि इसे खुद डेवनहाइम ने गिराया होगा।"
"लेकिन इसे शरीर से निकालने की ज़रूरत ही क्यों है?" मैंने रोते हुए कहा। जैप ने कहा, "शायद इसका कोई कारण हो। क्या आप जानते हैं कि झील के ठीक उस पार एक छोटा सा गेट पहाड़ी की ओर खुलता है, और वहाँ से तीन मिनट की पैदल दूरी पर आपको क्या मिलेगा? - एक चूना भट्ठा मिलेगा?"
"हे भगवान!" मैं चिल्लाई। "क्या आपका मतलब यह है कि जिस चूने ने शरीर को नष्ट कर दिया, वह अंगूठी की धातु पर कोई असर नहीं डालेगा?"
"बिल्कुल।"
मैंने कहा, "मुझे तो यही लगता है कि इससे सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। कितना भयानक अपराध है!" हम दोनों ने सर्वसम्मति से पोइरोट की ओर मुड़कर देखा। वह चिंतन में डूबे हुए लग रहे थे, उनकी भौंहें तन गई थीं, मानो किसी गहन मानसिक प्रयास से जूझ रहे हों। मुझे लगा कि अंततः उनकी तीक्ष्ण बुद्धि अपना असर दिखा रही है। उनके पहले शब्द क्या होंगे? हमें ज्यादा देर तक संशय में नहीं रहना पड़ा। एक आह के साथ, उनके चेहरे का तनाव कम हुआ और जैप की ओर मुड़कर उन्होंने पूछा:
"क्या आपको कोई अंदाज़ा है, मेरे दोस्त, कि श्रीमान और श्रीमती डेवनहाइम एक ही कमरे में सोते थे?" यह सवाल इतना बेतुका लगा कि एक पल के लिए हम दोनों

चुपचाप देखते रह गए। फिर जैप ज़ोर से हँस पड़ा। "हे भगवान, महाशय पोइरोट, मुझे लगा था कि आप कोई चौंकाने वाली बात कहने वाले हैं। आपके सवाल का जवाब मुझे बिल्कुल नहीं पता।"
"क्या आप पता लगा सकते हैं?" पोइरोट ने उत्सुकतापूर्वक पूछा।
"हाँ, बिल्कुल - अगर आप सचमुच जानना चाहते हैं।"
"धन्यवाद, मेरे मित्र। अगर आप ऐसा करेंगे तो मैं आपका आभारी रहूंगा।" जैप कुछ मिनट और उसे देखता रहा, लेकिन पोइरोट मानो हम दोनों को भूल गया था। जासूस ने मेरी तरफ उदास होकर सिर हिलाया और बुदबुदाते हुए, "बेचारा बूढ़ा! युद्ध उसके लिए बहुत कष्टदायी रहा!" धीरे से कमरे से बाहर निकल गया। चूंकि पोइरोट अब भी दिवास्वप्न में डूबे हुए लग रहे थे, मैंने एक कागज़ लिया और उस पर कुछ नोट्स लिखकर अपना मनोरंजन किया। मेरे मित्र की आवाज़ ने मुझे जगाया। वह अपने ख्यालों से बाहर आ चुके थे और चुस्त-दुरुस्त लग रहे थे।
"तुम यहाँ क्या कर रहे हो, मेरे दोस्त?"
"मैं इस मामले में जो मुख्य बातें मुझे दिलचस्प लगीं, उन्हें लिख रहा था।" "आखिरकार तुम व्यवस्थित हो ही गए!" पोइरोट ने प्रशंसा करते हुए कहा। मैंने अपनी खुशी छुपाई। "क्या मैं इन्हें आपको पढ़कर सुनाऊं?"
"हर तरह से।"
मैंने अपना गला साफ किया।
"'पहला: सभी सबूत इस ओर इशारा करते हैं कि लोवेन ही वह व्यक्ति था जिसने तिजोरी को जबरदस्ती तोड़ा था।'
"'दूसरा: उसे डेवनहाइम से द्वेष था।
"'तीसरा: उसने अपने पहले बयान में झूठ बोला था कि उसने कभी अध्ययन कक्ष नहीं छोड़ा था।
"चौथा: अगर आप बिली केलेट की कहानी को सच मानते हैं, तो लोवेन निस्संदेह इसमें फंसा हुआ है।" मैं रुका। "तो?" मैंने पूछा, क्योंकि मुझे लगा कि मैंने सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को पकड़ लिया है। पोइरोट ने दया भरी नजरों से मेरी ओर देखा और बहुत धीरे से सिर हिलाया। "मेरे बेचारे दोस्त! लेकिन बात यह है कि आपमें वह प्रतिभा नहीं है! सबसे महत्वपूर्ण बात, आप उसकी कद्र कभी नहीं करते! साथ ही, आपका तर्क भी गलत है।"
"कैसे?"

मुझे आपके चार अंक लेने दीजिए।
"पहला: श्री लोवेन को यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि उन्हें तिजोरी खोलने का मौका मिलेगा। वे एक व्यावसायिक साक्षात्कार के लिए आए थे। उन्हें पहले से यह पता नहीं था कि श्री डेवनहाइम एक पत्र पोस्ट करने के लिए अनुपस्थित रहेंगे, और परिणामस्वरूप वे अध्ययन कक्ष में अकेले होंगे!"
मैंने सुझाव दिया, "हो सकता है उसने इस अवसर का लाभ उठाया हो।"
और औजार? शहर के सज्जन लोग यूं ही चोरी के औजार लेकर नहीं घूमते! और उस तिजोरी को तो कोई पेननाइफ से काट ही नहीं सकता, यह तो सबको पता है!
"तो फिर दूसरे नंबर के बारे में क्या?"
"आप कहते हैं कि लोवेन को मिस्टर डेवनहाइम से द्वेष था। आपका मतलब है कि वह एक-दो बार उन पर हावी हो गया था। और संभवतः वे सौदे उसने अपने फायदे के लिए किए थे। वैसे भी, आमतौर पर आप उस व्यक्ति से द्वेष नहीं रखते जिसे आपने हराया हो - बल्कि इसके विपरीत होने की संभावना अधिक होती है। जो भी द्वेष रहा हो, वह मिस्टर डेवनहाइम की तरफ से ही रहा होगा।"
"अच्छा, आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि उसने अध्ययन कक्ष छोड़ने के बारे में झूठ बोला था?"
नहीं। लेकिन हो सकता है वह डरा हुआ हो। याद है, लापता व्यक्ति के कपड़े अभी-अभी झील में मिले थे। बेशक, हमेशा की तरह, उसके लिए सच बोलना बेहतर होता।
और चौथा बिंदु!
"मैं आपकी बात मानता हूँ। अगर केलेट की कहानी सच है, तो लोवेन निस्संदेह इसमें शामिल है। यही बात इस मामले को इतना दिलचस्प बनाती है।"
"तो क्या मैंने एक महत्वपूर्ण तथ्य को समझा?"
"शायद - लेकिन आपने दो सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है, वे बिंदु जिनमें निस्संदेह पूरे मामले का सुराग छिपा है।" और कृपया बताइए, वे क्या हैं?
"पहला, श्री डेवनहाइम में पिछले कुछ वर्षों में गहने खरीदने का जो जुनून पैदा हुआ है। दूसरा, पिछले पतझड़ में उनकी ब्यूनस आयर्स की यात्रा।" "पोइरोट, तुम मजाक कर रहे हो!"
"मैं पूरी तरह गंभीर हूं। ओह, हे भगवान, लेकिन मुझे उम्मीद है कि जैप मेरा छोटा सा काम नहीं भूलेगा।" लेकिन जासूस, मजाक के भाव में आकर, इसे इतनी

अच्छी तरह से याद रख पाया कि अगले दिन लगभग ग्यारह बजे पोइरोट को एक टेलीग्राम मिला। उनके अनुरोध पर मैंने उसे खोला और पढ़कर सुनाया:
"पति और पत्नी पिछली सर्दियों से अलग-अलग कमरों में रह रहे हैं।"
"आहा!" पोइरोट चिल्लाया। "और अब हम जून के मध्य में हैं! सब कुछ सुलझ गया!" मैंने उसे हैरानी से देखा।
"क्या आपके पास डेवनहाइम और सैल्मन के बैंक में कोई पैसा नहीं है, मेरे दोस्त?"
"नहीं," मैंने आश्चर्य से कहा। "क्यों?"
"क्योंकि मैं आपको सलाह दूंगा कि आप इसे वापस ले लें - इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।"
"आप क्या उम्मीद करते हैं?"
"मुझे कुछ दिनों में, शायद उससे भी पहले, एक बड़ी सफलता की उम्मीद है। और हाँ, मुझे याद आया, हम जैप को भी ऐसा ही जवाब देंगे। बस एक पेंसिल और एक फॉर्म। बस! 'आपको सलाह दी जाती है कि संबंधित फर्म में जमा किया गया कोई भी पैसा निकाल लें।' यह जैप को ज़रूर चौंका देगा! उसकी आँखें फटी रह जाएँगी - बिल्कुल फटी रह जाएँगी! उसे ज़रा भी समझ नहीं आएगा - कल तक, या परसों तक!" मैं संशय में था, लेकिन अगले दिन मुझे अपने दोस्त की असाधारण क्षमताओं को स्वीकार करना पड़ा। हर अखबार में डेवनहाइम बैंक की सनसनीखेज विफलता की बड़ी हेडलाइन छपी थी। बैंक के वित्तीय मामलों के खुलासे के बाद उस मशहूर फाइनेंसर के गायब होने का पहलू पूरी तरह बदल गया।
नाश्ता आधा भी नहीं हुआ था कि दरवाजा अचानक खुला और जैप अंदर आ गया। उसके बाएं हाथ में एक कागज था; दाहिने हाथ में पोइरोट का टेलीग्राम था, जिसे उसने मेरे दोस्त के सामने मेज पर पटक दिया।
"आपको कैसे पता चला, महाशय पोइरोट? आपको भला कैसे पता चला?" पोइरोट ने शांत भाव से मुस्कुराते हुए उनसे कहा। "अरे, मेरे दोस्त, तुम्हारे तार के बाद तो यह पक्का हो गया था! शुरू से ही, मुझे लग रहा था कि तिजोरी में चोरी कुछ अजीब थी। गहने, नकद पैसे, जमानत - सब कुछ इतनी आसानी से किसके लिए रखा गया था? खैर, जैसा कि तुमने कहा, माननीय श्री डेवनहाइम उन लोगों में से थे जो 'सिर्फ़ अपने बारे में सोचते हैं'! यह लगभग निश्चित लग रहा था कि यह सब उनके लिए ही रखा गया था! फिर गहने खरीदने का उनका पुराना शौक! कितना आसान! उन्होंने जो धन गबन किया, उसे गहनों में बदल दिया, और संभवतः उनकी जगह नकली

गहने रख दिए, और इस तरह उन्होंने किसी और के नाम से एक बड़ी दौलत सुरक्षित रख ली, जिसका आनंद वे तब उठाएंगे जब सब लोग बेखबर हो जाएंगे। अपनी व्यवस्था पूरी करने के बाद, उन्होंने श्री लोवेन से मिलने का समय तय किया (जो अतीत में एक-दो बार इस महान व्यक्ति से पंगा लेने की गलती कर चुके थे), तिजोरी में एक छेद किया, मेहमान को अध्ययन कक्ष में ले जाने का आदेश दिया, और घर से बाहर निकल गए - कहाँ?" पॉयरॉट रुका और एक और उबला अंडा लेने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने माथे पर शिकन डाली। बुदबुदाते हुए बोला, "यह सचमुच असहनीय है कि हर मुर्गी अलग-अलग आकार का अंडा देती है! नाश्ते की मेज पर भला समरूपता कैसे हो सकती है? कम से कम दुकान पर तो उन्हें दर्जन के हिसाब से अलग-अलग करके रखना चाहिए!"
जैप ने अधीरता से कहा, "अंडों की चिंता मत करो। उन्हें चाहे जैसे भी अंडे देने हैं, दे दो। हमें बताओ कि हमारा ग्राहक 'द सीडर्स' से निकलने के बाद कहाँ गया - अगर तुम्हें पता हो तो!"
"अरे हाँ, वह अपने छिपने की जगह पर चला गया। आह, ये श्रीमान डेवनहाइम, हो सकता है उनके दिमाग की कोशिकाओं में कुछ गड़बड़ी हो, लेकिन वे तो बेहतरीन हैं!"
"क्या आपको पता है कि वह कहाँ छिपा है?"
"बिल्कुल! यह बहुत ही शानदार है।"
"भगवान के लिए, हमें बताओ!"
पोइरोट ने बड़ी सावधानी से अपनी प्लेट से अंडे के छिलके के हर टुकड़े को उठाया, उन्हें अंडे के कप में रखा और खाली अंडे के छिलके को उनके ऊपर उल्टा करके रख दिया। यह छोटी सी प्रक्रिया पूरी होने पर, उन्होंने साफ-सुथरे परिणाम पर मुस्कुराया और फिर हम दोनों की ओर स्नेह से देखा।
"आओ, मेरे मित्रों, तुम बुद्धिमान लोग हो। अपने आप से वही प्रश्न पूछो जो मैंने अपने आप से पूछा था।"
'अगर मैं यह आदमी होता, तो मैं कहाँ छिपता?' हेस्टिंग्स, तुम क्या कहते हो?' “खैर,” मैंने कहा, “मुझे तो लगता है कि मैं भागने की कोशिश बिल्कुल नहीं करूँगा। मैं लंदन में ही रहूँगा – शहर के बीचोंबीच, ट्यूब और बसों से सफ़र करूँगा; दस में से एक चांस है कि मुझे कोई पहचान ही नहीं पाएगा। भीड़ में सुरक्षा होती है।” पोइरोट ने सवालिया निगाह से जैप की ओर देखा।

"मैं सहमत नहीं हूँ। तुरंत यहाँ से निकल जाओ - यही एकमात्र मौका है। मेरे पास पहले से तैयारी करने के लिए काफी समय होता। एक नौका तैयार रहती, और हंगामा शुरू होने से पहले ही मैं दुनिया के सबसे सुनसान कोनों में से एक में निकल जाता!" हम दोनों ने पोइरोट की ओर देखा। "आप क्या कहते हैं, महोदय?" कुछ पल के लिए वह चुप रहा। फिर उसके चेहरे पर एक बहुत ही जिज्ञासु मुस्कान आ गई।
"मेरे दोस्तों, अगर मैं पुलिस से छिप रहा होता, तो क्या आप जानते हैं कि मुझे कहाँ छिपना चाहिए? जेल में!"
"क्या!"
"आप श्री डेवनहाइम को जेल में डालने के लिए उनकी तलाश कर रहे हैं, इसलिए आप यह देखने का सपना भी नहीं देखते कि कहीं वह पहले से ही जेल में तो नहीं हैं!"
"आपका क्या मतलब है?"
"आप कहते हैं कि मैडम डेवनहाइम बहुत बुद्धिमान महिला नहीं हैं। फिर भी मुझे लगता है कि अगर आप उन्हें बो स्ट्रीट ले जाकर बिली केलेट से मिलवा दें, तो वह उन्हें पहचान लेंगी! भले ही उन्होंने अपनी दाढ़ी, मूंछ और घनी भौहें मुंडवा ली हों और बाल छोटे कटवा लिए हों। एक महिला लगभग हमेशा अपने पति को पहचान लेती है, भले ही बाकी दुनिया धोखा खा जाए!"
"बिली केलेट? लेकिन वह तो पुलिस की नज़र में है!"
"क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि डेवनहाइम एक चालाक आदमी था? उसने अपना अलीबी बहुत पहले ही तैयार कर लिया था। वह पिछली शरद ऋतु में ब्यूनस आयर्स में नहीं था - वह बिली केलेट का किरदार गढ़ रहा था, 'तीन महीने की सजा काट रहा था', ताकि समय आने पर पुलिस को कोई शक न हो। याद है, वह एक बड़ी दौलत के साथ-साथ आजादी के लिए भी खेल रहा था। इस काम को पूरी तरह से करना फायदेमंद था। केवल

- "

"हाँ?"
"अरे हाँ, बाद में उसे नकली दाढ़ी और विग पहननी पड़ी, खुद को फिर से असली रूप में पेश करना पड़ा, और नकली दाढ़ी के साथ सोना आसान नहीं है - इससे पकड़े जाने का खतरा रहता है! वह अपनी पत्नी मैडम के साथ कमरा साझा करने का जोखिम नहीं उठा सकता। आपने मुझे पता लगाया कि पिछले छह महीनों से, या कहें

कि ब्यूनस आयर्स से उसकी कथित वापसी के बाद से, वह और श्रीमती डेवनहाइम अलग-अलग कमरों में रह रहे थे। तब मुझे यकीन हो गया! सब कुछ ठीक बैठ गया। माली जिसने सोचा था कि उसने अपने मालिक को घर के किनारे जाते देखा था, वह बिल्कुल सही था। वह बोटहाउस गया, अपने 'आवारा' वाले कपड़े पहने, जो आप यकीन मानिए कि उसके नौकर की नज़रों से सुरक्षित रूप से छिपाए गए थे, बाकी कपड़े झील में फेंक दिए, और अंगूठी को खुलेआम गिरवी रखकर और फिर एक पुलिसकर्मी पर हमला करके अपनी योजना को अंजाम दिया, और सुरक्षित रूप से बो स्ट्रीट के सुरक्षित ठिकाने में पहुँच गया, जहाँ कोई भी उसे ढूंढने का सपना भी नहीं देखेगा!"
"यह असंभव है," जैप ने धीरे से कहा।
"मैडम से पूछिए," मेरे दोस्त ने मुस्कुराते हुए कहा।
अगले दिन पोइरोट की थाली के पास एक पंजीकृत पत्र पड़ा था। उन्होंने उसे खोला, और उसमें से पाँच पाउंड का नोट निकला।
मेरे दोस्त की भौंहें सिकुड़ गईं।
"अरे बाप रे! लेकिन मैं इसका क्या करूँ? मुझे बहुत पछतावा हो रहा है! बेचारा जैप! अरे, एक विचार आया! हम तीनों थोड़ा खाना खा लेते हैं! इससे मुझे तसल्ली मिली। यह तो बहुत आसान था। मुझे शर्म आ रही है। मैं, जो एक बच्चे को भी नहीं लूट सकता - हज़ार टन! मेरे दोस्त, तुम्हें क्या हुआ है कि तुम इतनी ज़ोर से हंस रहे हो?"

इतालवी रईस का साहसिक कार्य

पोइरोट और मेरे कई अनौपचारिक मित्र और परिचित थे। इनमें से एक थे डॉ. हॉकर, जो हमारे पड़ोसी और चिकित्सक थे। यह उनकी आदत थी कि वे कभी-कभी शाम को आकर पोइरोट से बातचीत करते थे, जिनकी प्रतिभा के वे प्रबल प्रशंसक थे। स्वयं डॉक्टर, जो अत्यंत स्पष्टवादी और संदेहहीन थे, अपनी प्रतिभा से बिल्कुल भिन्न प्रतिभाओं की प्रशंसा करते थे।
जून के आरंभिक वर्षों की एक शाम, वह लगभग साढ़े आठ बजे पहुंचे और अपराधों में आर्सेनिक ज़हर के प्रचलन जैसे सुखद विषय पर आराम से चर्चा करने लगे। लगभग पंद्रह मिनट बाद, हमारे बैठक कक्ष का दरवाजा अचानक खुला और एक विचलित महिला कमरे में दाखिल हुई।
"ओह, डॉक्टर साहब, आपकी तो बहुत ज़रूरत है! कितनी भयानक आवाज़ है! सच में, सुनकर मैं चौंक गई।" मैंने हमारे नए मेहमान में डॉक्टर हॉकर की नौकरानी मिस राइडर को पहचाना। डॉक्टर साहब अविवाहित थे और कुछ गलियों दूर एक पुराने, उदास से मकान में रहते थे। आमतौर पर शांत रहने वाली मिस राइडर आज बेसुध सी लग रही थीं।
"यह कैसी भयानक आवाज है? यह किसकी आवाज है, और क्या परेशानी है?"
"डॉक्टर साहब, टेलीफोन की घंटी बजी। मैंने फोन उठाया और एक आवाज सुनाई दी। 'मदद करो,' उसने कहा। 'डॉक्टर साहब, मदद कीजिए। उन्होंने मुझे मार डाला है!' फिर आवाज धीमी हो गई। 'कौन बोल रहा है?' मैंने कहा। 'कौन बोल रहा है?' फिर मुझे जवाब मिला, मानो फुसफुसाहट हो, 'फोस्केटाइन' - कुछ ऐसा ही - 'रीजेंट्स कोर्ट'।" डॉक्टर ने हैरानी से कहा।
"कोर्ट फोस्काटिनी। रीजेंट्स कोर्ट में उनका एक फ्लैट है। मुझे तुरंत जाना होगा। आखिर क्या हुआ होगा?"
"क्या वह आपका मरीज है?" पोइरोट ने पूछा।
कुछ हफ़्ते पहले मैंने उनकी मामूली बीमारी का इलाज किया था। वो इटैलियन हैं, लेकिन अंग्रेज़ी बहुत अच्छी तरह बोलते हैं। खैर, मुझे आपको शुभ रात्रि कहना चाहिए, महाशय पोइरोट, जब तक कि..." वह हिचकिचाए।
"मुझे आपके मन की बात समझ आ गई है," पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे आपके साथ चलने में खुशी होगी। हेस्टिंग्स, नीचे जाओ और एक टैक्सी पकड़ो।"

जब समय की सख्त कमी हो, तब टैक्सी की तलाश करना हमेशा आसान होता है, लेकिन आखिरकार मुझे एक टैक्सी मिल ही गई और हम जल्द ही रीजेंट्स पार्क की ओर चल पड़े। रीजेंट्स कोर्ट सेंट जॉन्स वुड रोड से कुछ ही दूरी पर स्थित एक नई इमारत थी। इसका निर्माण हाल ही में हुआ था और इसमें आधुनिक सुविधाएं मौजूद थीं।
हॉल में कोई नहीं था। डॉक्टर ने बेसब्री से लिफ्ट की घंटी बजाई, और जब लिफ्ट आई तो उन्होंने वर्दीधारी अटेंडेंट से तीखे सवाल पूछे।
"फ्लैट 11. काउंट फोस्काटिनी. मुझे पता चला है कि वहां कोई दुर्घटना हुई है।" वह आदमी उसे घूर रहा था।
"मुझे इसके बारे में पहली बार पता चला है। मिस्टर ग्रेव्स - जो काउंट फोस्काटिनी के आदमी हैं - लगभग आधे घंटे पहले बाहर गए थे, और उन्होंने कुछ नहीं कहा।"
"क्या फ्लैट में काउंट अकेले हैं?"
"नहीं, महोदय, उनके साथ दो सज्जन भोजन कर रहे हैं।"
मैंने उत्सुकता से पूछा, "वे कैसे होते हैं?"
अब हम लिफ्ट में थे, जो तेजी से दूसरी मंजिल की ओर जा रही थी, जहां फ्लैट नंबर 11 स्थित था।
"मैंने उन्हें स्वयं नहीं देखा, महोदय, लेकिन मुझे पता चला है कि वे विदेशी सज्जन थे।" उन्होंने लोहे का दरवाज़ा खोला और हम बाहर सीढ़ियों पर आ गए। 11 नंबर का मकान हमारे सामने था। डॉक्टर ने घंटी बजाई। कोई जवाब नहीं आया और अंदर से कोई आवाज़ नहीं सुनाई दी। डॉक्टर ने बार-बार घंटी बजाई; हमें अंदर घंटी की आवाज़ सुनाई दे रही थी, लेकिन जीवन का कोई संकेत नहीं मिला। "मामला गंभीर होता जा रहा है," डॉक्टर ने बुदबुदाते हुए कहा। वह लिफ्ट अटेंडेंट की ओर मुड़ा।
क्या इस दरवाजे की कोई पास-की है?
"नीचे चौकीदार के कार्यालय में एक है।"
"ठीक है, इसे ले आओ, और देखो, मुझे लगता है कि तुम्हें पुलिस को बुला लेना चाहिए।" पोइरोट ने सिर हिलाकर सहमति जताई।
वह व्यक्ति थोड़ी देर बाद लौट आया; उसके साथ प्रबंधक भी था।
"क्या आप मुझे बताएंगे, सज्जनों, कि इन सबका क्या अर्थ है?"

"ज़रूर। मुझे काउंट फोस्काटिनी का फ़ोन आया था कि उन पर हमला हुआ है और वे मरणासन्न हैं। आप समझ सकते हैं कि हमें ज़रा भी देर नहीं करनी चाहिए - कहीं ऐसा न हो कि पहले ही बहुत देर हो चुकी हो।" मैनेजर ने बिना देर किए चाबी निकाली और हम सब फ्लैट में दाखिल हो गए। सबसे पहले हम एक छोटे से चौकोर लाउंज हॉल में पहुँचे। उसके दाहिनी ओर का एक दरवाज़ा आधा खुला था। मैनेजर ने सिर हिलाकर उसकी ओर इशारा किया।
भोजन कक्ष।
डॉ. हॉकर आगे-आगे चल रहे थे। हम उनके ठीक पीछे-पीछे चल रहे थे। कमरे में प्रवेश करते ही मैं चौंक गया। बीच में रखी गोल मेज पर खाने के बचे हुए टुकड़े पड़े थे; तीन कुर्सियाँ पीछे की ओर खिसकी हुई थीं, मानो उन पर बैठे लोग अभी-अभी उठे हों। चूल्हे के दाहिनी ओर कोने में एक बड़ी लेखन मेज थी, और उस पर एक आदमी बैठा था - या कहें कि जो कभी आदमी था। उसका दाहिना हाथ अभी भी टेलीफोन के निचले हिस्से को पकड़े हुए था, लेकिन वह आगे की ओर गिर पड़ा था, पीछे से सिर पर ज़ोरदार प्रहार हुआ था। हथियार आसानी से मिल गया। जहाँ उसे जल्दबाजी में रखा गया था, वहाँ संगमरमर की एक छोटी मूर्ति खड़ी थी, जिसका निचला हिस्सा खून से सना हुआ था।
डॉक्टर की जांच में एक मिनट भी नहीं लगा।
"बिल्कुल मृत। लगभग पल भर में ही हो गया होगा। मुझे आश्चर्य है कि वह फोन करने में कामयाब भी कैसे हुआ। पुलिस के आने तक उसे हिलाना-डुलाना ठीक नहीं होगा।"
मैनेजर के सुझाव पर हमने फ्लैट की तलाशी ली, लेकिन नतीजा पहले से ही तय था। हत्यारों के वहाँ छिपे होने की संभावना नहीं थी, क्योंकि उन्हें बस बाहर निकलना था। हम भोजन कक्ष में वापस आ गए। पोइरोट हमारे साथ नहीं आए थे। मैंने उन्हें बीच वाली मेज का बड़े ध्यान से निरीक्षण करते हुए पाया। मैं भी उनके साथ बैठ गया। यह एक अच्छी तरह से पॉलिश की हुई गोल महोगनी की मेज थी। बीच में गुलाबों का एक कटोरा रखा था, और चमकदार सतह पर सफेद लेस की चटाइयाँ बिछी थीं। फलों की एक थाली रखी थी, लेकिन मिठाई की तीनों प्लेटें वैसी ही थीं। तीन कॉफी के कपों में कॉफी के अवशेष थे - दो बिना दूध वाली, एक दूध वाली। तीनों आदमियों ने पोर्ट वाइन पी थी, और आधा भरा हुआ डेकैंटर बीच वाली प्लेट के सामने रखा था। एक आदमी ने सिगार पिया था, बाकी दो ने दो सिगरेट। सिगार और सिगरेट रखने वाला कछुए की खोल और चांदी का एक डिब्बा मेज

पर खुला रखा था। मैंने ये सारे तथ्य मन ही मन दोहराए, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि इनसे स्थिति पर कोई स्पष्ट प्रकाश नहीं पड़ा। मुझे आश्चर्य हुआ कि पोइरोट को इनमें ऐसा क्या दिखा कि वह इतना गंभीर हो गया। मैंने उससे पूछा।
"मेरे दोस्त," उसने जवाब दिया, "तुम बात समझ नहीं रहे हो। मैं कुछ ऐसा ढूंढ रहा हूँ जो मुझे दिखाई नहीं दे रहा है।"
"वह क्या है?"
"हत्यारे की ओर से एक गलती - भले ही छोटी सी गलती हो।" वह तेज़ी से बगल की छोटी रसोई में गया, अंदर देखा और अपना सिर हिलाया।
“महामहिम,” उसने प्रबंधक से कहा, “कृपा करके मुझे यहाँ भोजन परोसने की आपकी प्रणाली समझाएँ।” प्रबंधक दीवार में बने एक छोटे से छेद की ओर बढ़ा।
“यह सर्विस लिफ्ट है,” उन्होंने समझाया। “यह इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित रसोईघरों तक जाती है। आप इस टेलीफोन से ऑर्डर देते हैं, और व्यंजन एक-एक करके लिफ्ट से नीचे भेजे जाते हैं। गंदी प्लेटें और बर्तन भी इसी तरह ऊपर भेजे जाते हैं। समझ रहे हैं ना, घर की कोई चिंता नहीं, और साथ ही आप रेस्तरां में खाना खाने की उबाऊ चहल-पहल से भी बच जाते हैं।” पोइरोट ने सिर हिलाया।
"तो आज रात इस्तेमाल हुई प्लेटें और थालियाँ रसोई में ऊपर रखी हैं। क्या आप मुझे वहाँ चढ़ने की अनुमति देंगे?" "जी हाँ, ज़रूर! लिफ्टमैन रॉबर्ट्स आपको ऊपर ले जाएगा और सब कुछ बता देगा; लेकिन मुझे डर है कि आपको वहाँ कुछ भी काम का नहीं मिलेगा। वे सैकड़ों प्लेटें और थालियाँ संभाल रहे हैं, और वे सब एक साथ ढेर लगी होंगी।"
हालांकि, पोइरोट अपने रुख पर अडिग रहे, और हम दोनों ने मिलकर रसोईघर का दौरा किया और उस व्यक्ति से पूछताछ की जिसने फ्लैट नंबर 11 से ऑर्डर लिया था।
“ऑर्डर तीन लोगों के लिए à la carte मेनू से दिया गया था,” उन्होंने समझाया। “सूप जूलियन, फ़िलेट डी सोल नॉर्मंडे, बीफ़ टूरनेडोस और राइस सूफ़ले। समय क्या था? लगभग आठ बजे, मुझे लगता है। नहीं, मुझे अफ़सोस है कि अब तक सारी प्लेटें और बर्तन धो दिए गए होंगे। दुर्भाग्यपूर्ण। मुझे लगता है कि आप उंगलियों के निशान के बारे में सोच रहे थे?”

"बिल्कुल नहीं," पोइरोट ने एक रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा। "मुझे काउंट फोस्काटिनी की भूख में ज़्यादा दिलचस्पी है। क्या उन्होंने हर व्यंजन का स्वाद लिया?"
"हाँ; लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि उसने प्रत्येक व्यंजन कितना खाया। प्लेटें पूरी तरह से गंदी थीं और बर्तन खाली थे - सिवाय चावल के सूफ़ले के। उसका भी काफी हिस्सा बचा हुआ था।"
"आह!" पोइरोट ने कहा और इस तथ्य से संतुष्ट प्रतीत हुआ।
जब हम वापस फ्लैट में उतरने लगे तो उसने धीमी आवाज़ में कहा:
"हमें निश्चित रूप से एक व्यवस्थित व्यक्ति की आवश्यकता है।"
"क्या आपका मतलब हत्यारे से है, या काउंट फोस्काटिनी से?"
"वह निःसंदेह एक अनुशासित सज्जन थे। मदद की गुहार लगाने और अपनी आसन्न मृत्यु की घोषणा करने के बाद, उन्होंने सावधानीपूर्वक टेलीफोन का रिसीवर रख दिया।"
मैंने पोइरोट को घूर कर देखा। उनके वर्तमान शब्द और हाल ही में की गई उनकी पूछताछ से मुझे एक विचार की हल्की सी झलक मिली।
"क्या आपको ज़हर का शक है?" मैंने धीमी आवाज़ में पूछा। "सिर पर लगी चोट जानबूझकर की गई थी।" पोइरोट ने बस मुस्कुरा दिया।
हम फ्लैट में वापस दाखिल हुए तो देखा कि स्थानीय पुलिस निरीक्षक दो कांस्टेबलों के साथ आ चुके थे। उन्हें हमारी मौजूदगी से थोड़ी नाराज़गी थी, लेकिन पोइरोट ने स्कॉटलैंड यार्ड के हमारे दोस्त, इंस्पेक्टर जैप का ज़िक्र करके उन्हें शांत किया और हमें अनिच्छा से ही सही, वहीं रहने की इजाज़त मिल गई। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात थी, क्योंकि हमारे वापस आने के पाँच मिनट के भीतर ही एक व्याकुल अधेड़ उम्र का आदमी दुख और घबराहट के भाव से कमरे में आ भागा।
यह ग्रेव्स था, जो दिवंगत काउंट फोस्काटिनी का नौकर-चाकर था। उसके पास सुनाने के लिए एक सनसनीखेज कहानी थी।
पिछली सुबह, दो सज्जन उनके स्वामी से मिलने आए थे। वे इतालवी थे, और उनमें से बड़े, लगभग चालीस वर्ष के व्यक्ति ने अपना नाम सिग्नोर अस्कानियो बताया। छोटा लगभग चौबीस वर्ष का एक सुसज्द्ध वस्त्रधारी युवक था। काउंट फोस्काटिनी स्पष्ट रूप से उनके आगमन के लिए तैयार थे और उन्होंने तुरंत ग्रेव्स को किसी मामूली काम से बाहर भेज दिया। यहाँ ग्रेव्स अपनी कहानी

सुनाते हुए रुका और हिचकिचाया। अंत में, उसने स्वीकार किया कि मुलाकात के उद्देश्य को लेकर उत्सुकतावश उसने तुरंत आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि कुछ सुनने की कोशिश में वहीं रुका रहा।
बातचीत इतनी धीमी आवाज़ में हुई कि उन्हें उतनी सफलता नहीं मिली जितनी उन्होंने उम्मीद की थी; लेकिन उन्हें इतना समझ आ गया कि किसी तरह के आर्थिक प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी, और उसका आधार धमकी थी। चर्चा बिल्कुल भी सौहार्दपूर्ण नहीं थी। अंत में, काउंट फोस्काटिनी ने अपनी आवाज़ थोड़ी ऊंची की, और सुनने वाले ने ये शब्द स्पष्ट रूप से सुने:
"अब मेरे पास और बहस करने का समय नहीं है, सज्जनों। यदि आप कल रात आठ बजे मेरे साथ भोजन करेंगे, तो हम चर्चा फिर से शुरू करेंगे।"
छुपकर बातें सुनने के पकड़े जाने के डर से ग्रेव्स अपने मालिक का काम निपटाने के लिए जल्दी से बाहर निकल गया था। आज शाम दोनों आदमी ठीक आठ बजे पहुँच गए थे। खाने के दौरान उन्होंने राजनीति, मौसम और रंगमंच की दुनिया जैसे मामूली विषयों पर बातें कीं। जब ग्रेव्स ने पोर्ट वाइन टेबल पर रखी और कॉफी लेकर आया, तो उसके मालिक ने उससे कहा कि उसे आज शाम छुट्टी मिल सकती है।
निरीक्षक ने पूछा, "क्या मेहमान आने पर वह ऐसा ही करता था?"
"नहीं, महोदय; ऐसा नहीं था। इसी वजह से मुझे लगा कि वह इन सज्जनों के साथ किसी बहुत ही असामान्य प्रकार के मामले पर चर्चा करने जा रहे थे।"
इस तरह ग्रेव्स की कहानी समाप्त हुई। वह लगभग 8:30 बजे बाहर गए थे और एक दोस्त से मिलने के बाद उसके साथ एडगवेयर रोड स्थित मेट्रोपॉलिटन म्यूजिक हॉल गए थे।
दोनों आदमियों को जाते हुए किसी ने नहीं देखा था, लेकिन हत्या का समय ठीक 8:47 बजे तय हो गया था। लिखने की मेज पर रखी एक छोटी घड़ी फॉस्काटिनी के हाथ से टकराकर गिर गई थी और उसी समय पर रुक गई थी, जो मिस राइडर के टेलीफोन कॉल के समय से मेल खाती थी।
पुलिस सर्जन ने शव की जांच कर ली थी और अब वह पलंग पर पड़ा था। मैंने पहली बार उसका चेहरा देखा— सांवला रंग, लंबी नाक, घनी काली मूंछें और चमकदार सफेद दांतों से पीछे हटे हुए भरे हुए लाल होंठ। देखने में बिल्कुल भी सुखद चेहरा नहीं था।

"ठीक है," इंस्पेक्टर ने अपनी नोटबुक को दोबारा लगाते हुए कहा। "मामला काफी स्पष्ट लग रहा है। एकमात्र मुश्किल होगी इस सिग्नोर अस्कानियो को पकड़ना। मुझे लगता है कि कहीं उसका पता मरे हुए आदमी के पर्स में तो नहीं है?"
जैसा कि पोइरोट ने कहा था, दिवंगत फोस्काटिनी एक अनुशासित व्यक्ति थे। छोटे, साफ-सुथरे अक्षरों में लिखा था, "सिग्नोर पाओलो अस्कानियो, ग्रोसवेनर होटल।" इंस्पेक्टर टेलीफोन पर व्यस्त हो गए, फिर मुस्कुराते हुए हमारी ओर मुड़े।
"बिल्कुल सही समय पर। हमारे सज्जन महाद्वीप जाने वाली नाव-ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। खैर, सज्जनों, हम यहाँ बस इतना ही कर सकते हैं। यह एक बुरा मामला है, लेकिन सीधा-सादा है। संभवतः यह इटली के किसी प्रतिशोध का मामला है।" इस तरह हमें हल्के-फुल्के अंदाज में विदा किया गया और हम नीचे की ओर चल पड़े। डॉ. हॉकर बेहद उत्साहित थे।
"किसी उपन्यास की शुरुआत की तरह, है ना? वाकई रोमांचक। अगर आप इसके बारे में पढ़ेंगे तो यकीन नहीं करेंगे।" पोइरोट चुप रहे। वे बहुत सोच-विचार में डूबे हुए थे। पूरी शाम उन्होंने शायद ही कुछ बोला था।
"जासूसों के उस्ताद क्या कहते हैं?" हॉकर ने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा। "इस बार दिमाग खपाने की कोई जरूरत नहीं है।"
"क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
"वहाँ क्या हो सकता है?"
"उदाहरण के लिए, खिड़की तो है ही।"
"खिड़की? लेकिन वह तो बंद थी। उस तरह से कोई अंदर या बाहर नहीं जा सकता था। मैंने इस बात पर खास ध्यान दिया।"
और आपको यह कैसे पता चला?
डॉक्टर असमंजस में दिख रहे थे। पोइरोट ने तुरंत समझाने की कोशिश की। "मेरा इशारा पर्दों की तरफ है। वे खींचे हुए नहीं थे। यह थोड़ा अजीब था। और फिर कॉफी थी। वह एकदम काली कॉफी थी।"
"तो फिर इसमें क्या बुराई है?"
"बहुत काला," पोइरोट ने दोहराया। "इसके साथ ही, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि चावल के सूफ़ले का बहुत कम हिस्सा खाया गया था, और हमें क्या मिलता है?" "बकवास!" डॉक्टर हँसते हुए बोला। "तुम मेरा मज़ाक उड़ा रहे हो।"

"मैं कभी मजाक नहीं करता। हेस्टिंग्स को पता है कि मैं पूरी तरह से गंभीर हूं।"
मैंने स्वीकार किया, "मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाह रहे हैं। आपको नौकर पर शक नहीं है, है ना? हो सकता है वह गिरोह में शामिल हो और उसने कॉफी में कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया हो। मुझे लगता है कि वे उसकी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करेंगे।"
"निस्संदेह, मेरे दोस्त; लेकिन मुझे सिग्नोर अस्कानियो की अलबी में दिलचस्पी है।"
"क्या आपको लगता है कि उसके पास पुख्ता सबूत है कि वह कहीं और था?"
"यही बात मुझे चिंतित करती है। मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द ही हमें इस बारे में जानकारी मिल जाएगी।" डेली न्यूजमॉन्गर के माध्यम से हमें आगे की घटनाओं की जानकारी मिली। सिग्नोर अस्कानियो को गिरफ्तार किया गया और उन पर काउंट फोस्काटिनी की हत्या का आरोप लगाया गया। गिरफ्तारी के समय उन्होंने काउंट को जानने से इनकार किया और कहा कि अपराध की शाम या उससे पिछली सुबह वे रीजेंट्स कोर्ट के आसपास भी नहीं थे। दूसरा व्यक्ति पूरी तरह से गायब हो गया था। सिग्नोर अस्कानियो हत्या से दो दिन पहले महाद्वीप से अकेले ग्रोसवेनर होटल पहुंचे थे। दूसरे व्यक्ति का पता लगाने के सभी प्रयास विफल रहे।
हालांकि, अस्कानियो पर मुकदमा नहीं चलाया गया। स्वयं इतालवी राजदूत ने पुलिस अदालत में गवाही दी कि अस्कानियो उस शाम आठ से नौ बजे तक दूतावास में उनके साथ था। कैदी को रिहा कर दिया गया। स्वाभाविक रूप से, बहुत से लोगों का मानना था कि यह अपराध राजनीतिक था और इसे जानबूझकर दबाया जा रहा था। पोइरोट ने इन सभी पहलुओं में गहरी दिलचस्पी दिखाई थी। फिर भी, मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ जब उन्होंने अचानक एक सुबह मुझे बताया कि ग्यारह बजे उनके पास एक आगंतुक आने वाला है, और वह आगंतुक कोई और नहीं बल्कि स्वयं अस्कानियो था।
"क्या वह आपसे परामर्श करना चाहता है?"
"बिल्कुल, हेस्टिंग्स। मैं उनसे परामर्श करना चाहता हूँ।"
"किस बारे में?"
"रीजेंट कोर्ट हत्याकांड।"
"क्या आप यह साबित करने जा रहे हैं कि उसने ही यह किया है?"

"हेस्टिंग्स, किसी व्यक्ति पर हत्या के लिए दो बार मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। थोड़ी समझदारी से काम लो। आह, यह तो हमारे दोस्त की अंगूठी है।" कुछ मिनट बाद सिग्नोर अस्कानियो को अंदर लाया गया - एक छोटा, दुबला-पतला आदमी जिसकी आँखों में रहस्यमयी और दबी हुई निगाहें थीं। वह खड़ा रहा और हममें से हर एक पर संदेह भरी निगाहें घुमाता रहा।
"श्रीमान पोइरोट?"
मेरे छोटे दोस्त ने धीरे से अपनी छाती पर थपथपाया।
"बैठ जाइए, महोदय। आपको मेरा पत्र मिल गया है। मैं इस रहस्य की तह तक जाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ। आप थोड़ी बहुत मेरी सहायता कर सकते हैं। चलिए शुरू करते हैं। आप - अपने एक मित्र के साथ - मंगलवार, 9 तारीख की सुबह स्वर्गीय काउंट फोस्काटिनी से मिलने गए थे।"
इतालवी व्यक्ति ने गुस्से का इशारा किया।
मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। मैंने अदालत में शपथ ली है-"
"Précisément - और मुझे थोड़ा सा आभास है कि आपने झूठी शपथ ली है।"
"तुम मुझे धमका रहे हो? छी! मुझे तुमसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे बरी कर दिया गया है।"
"बिल्कुल; और चूंकि मैं मूर्ख नहीं हूँ, इसलिए मैं तुम्हें फांसी की धमकी नहीं दे रहा हूँ - बल्कि बदनामी की धमकी दे रहा हूँ। बदनामी! मुझे लगता है कि तुम्हें यह शब्द पसंद नहीं है। मुझे पहले से ही पता था कि तुम्हें पसंद नहीं आएगा। मेरे छोटे-छोटे विचार, तुम्हें पता है, मेरे लिए बहुत कीमती हैं। आइए, महोदय, आपके पास मुझसे खुलकर बात करने के अलावा कोई चारा नहीं है। मैं यह नहीं जानना चाहता कि किसकी गलतियों के कारण आप इंग्लैंड आए हैं। मुझे बस इतना पता है कि आप विशेष रूप से काउंट फोस्काटिनी से मिलने आए हैं।"
"वह कोई काउंट नहीं था," इतालवी ने गुर्राते हुए कहा।
"मैंने पहले ही इस तथ्य पर ध्यान दिया है कि उनका नाम गोथा के पंचांग में नहीं है। कोई बात नहीं, ब्लैकमेल करने के धंधे में काउंट की उपाधि अक्सर काम आती है।"
"मुझे लगता है कि मुझे खुलकर बोलना चाहिए। लगता है आपको काफी जानकारी है।"

मैंने अपने दिमाग का कुछ हद तक सही इस्तेमाल किया है। आइए, श्रीमान अस्कानियो, आपने मंगलवार की सुबह उस मृत व्यक्ति से मुलाकात की थी - क्या यह सच नहीं है?
"हाँ, लेकिन मैं अगली शाम वहाँ नहीं गया। कोई ज़रूरत नहीं थी। मैं आपको सब कुछ बताता हूँ। इटली के एक बड़े ओहदे वाले आदमी के बारे में कुछ जानकारी इस बदमाश के हाथ लग गई थी। उसने कागज़ात के बदले मोटी रकम माँगी। मैं इस मामले को सुलझाने के लिए इंग्लैंड आया। मैंने उस सुबह तय समय पर उससे मुलाक़ात की। दूतावास का एक युवा सचिव मेरे साथ था। काउंट मेरी उम्मीद से ज़्यादा समझदार निकला, हालाँकि तब भी मैंने उसे बहुत बड़ी रकम दी।"
"माफ़ कीजिए, इसका भुगतान कैसे हुआ?"
"मैंने अपेक्षाकृत कम मूल्यवर्ग के इतालवी नोटों में पैसे दे दिए। उसने मुझे वे कागजात सौंप दिए जिनसे मुझे अपराध का दोषी ठहराया जा सकता था। उसके बाद मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा।"
"गिरफ्तार होने के समय आपने यह सब क्यों नहीं कहा?"
"मेरी नाजुक स्थिति को देखते हुए, मुझे उस व्यक्ति के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।"
"तो फिर आप उस शाम की घटनाओं का क्या कारण बताते हैं?"
"मुझे लगता है कि किसी ने जानबूझकर मेरा रूप धारण किया होगा। मुझे पता चला है कि फ्लैट में कोई पैसा नहीं मिला।"
पोइरोट ने उसकी ओर देखा और अपना सिर हिलाया।
"अजीब बात है," उसने धीरे से कहा। "हम सबके पास दिमाग की छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं। और हममें से बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका इस्तेमाल कैसे करना है। सुप्रभात, श्रीमान अस्कानियो। मुझे आपकी कहानी पर विश्वास है। यह काफी हद तक वैसी ही है जैसा मैंने सोचा था। लेकिन मुझे एक बार पक्का करना था।"
अपने मेहमान को विदा करने के बाद, पोइरोट अपनी कुर्सी पर वापस लौट आए और मेरी तरफ मुस्कुराए।
"क्या हम इस मामले पर एम. ले कैप्टेन हेस्टिंग्स की राय सुनना चाहेंगे?" "खैर, मुझे लगता है कि अस्कानियो सही कह रहा है - किसी ने उसका रूप धारण किया था।"

"भगवान ने तुम्हें जो बुद्धि दी है, उसका तुम कभी इस्तेमाल नहीं करोगे। उस रात फ्लैट छोड़ने के बाद मैंने जो शब्द कहे थे, उन्हें याद करो। मैंने खिड़की के पर्दों के न खींचे जाने का जिक्र किया था। जून का महीना चल रहा है। रात आठ बजे भी उजाला है। साढ़े आठ बजे तक उजाला कम होने लगता है। क्या तुम्हें कुछ समझ आया? मुझे ऐसा लग रहा है कि तुम किसी दिन ज़रूर आओगे। अब आगे बढ़ते हैं। जैसा कि मैंने कहा, कॉफ़ी एकदम काली थी। काउंट फोस्काटिनी के दांत बेहद सफेद थे। कॉफ़ी से दांतों पर दाग लग जाते हैं। इससे हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि काउंट फोस्काटिनी ने कॉफ़ी नहीं पी होगी। फिर भी तीनों कपों में कॉफ़ी थी। जब काउंट फोस्काटिनी ने कॉफ़ी नहीं पी थी, तो कोई यह दावा क्यों करेगा कि उन्होंने कॉफ़ी पी थी?"
मैं पूरी तरह से अचंभित होकर अपना सिर हिलाया।
"आइए, मैं आपकी मदद करता हूँ। हमारे पास क्या सबूत है कि अस्कानियो और उसका दोस्त, या उनके रूप में आए दो आदमी, उस रात फ्लैट में आए थे? किसी ने उन्हें अंदर जाते नहीं देखा; किसी ने उन्हें बाहर आते नहीं देखा। हमारे पास सिर्फ एक आदमी और कई निर्जीव वस्तुओं के सबूत हैं।"
"तुम्हारा मतलब है?"
"मेरा मतलब है चाकू, कांटे, प्लेटें और खाली थालियाँ। आह, लेकिन यह एक चालाक विचार था! ग्रेव्स एक चोर और बदमाश है, लेकिन क्या ही शातिर आदमी है! वह सुबह बातचीत का कुछ हिस्सा सुन लेता है, जिससे उसे एहसास हो जाता है कि एस्कानियो खुद का बचाव करने में मुश्किल स्थिति में होगा। अगली शाम, लगभग आठ बजे, वह अपने मालिक को बताता है कि उसे टेलीफोन पर बुलाया गया है। फोस्काटिनी बैठ जाता है, टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाता है, और पीछे से ग्रेव्स संगमरमर की मूर्ति से उसे नीचे गिरा देता है। फिर जल्दी से सर्विस टेलीफोन पर जाता है - तीन लोगों के लिए खाना! खाना आता है, वह मेज लगाता है, प्लेटें, चाकू, कांटे आदि गंदे कर देता है। लेकिन उसे खाना भी ठिकाने लगाना है। वह न केवल बुद्धिमान है; बल्कि उसका पेट भी बहुत बड़ा और विशाल है! लेकिन तीन टूर्नेडो खाने के बाद, चावल का सूफ़ले उसके लिए बहुत ज़्यादा हो जाता है! वह इस भ्रम को बनाए रखने के लिए एक सिगार और दो सिगरेट भी पीता है। आह, लेकिन यह शानदार ढंग से किया गया था! फिर, घड़ी की सुइयों को आगे बढ़ाकर..." 8:47 बजे, वह दरवाज़ा तोड़कर बंद कर देता है। एक चीज़ जो वह नहीं करता, वह है पर्दे खींचना। लेकिन अगर सच में कोई डिनर पार्टी होती, तो रोशनी कम होते

ही पर्दे खींच दिए जाते। फिर वह जल्दी से बाहर निकलता है, और लिफ्टमैन से मेहमानों का ज़िक्र करता है। वह एक टेलीफोन बूथ की ओर भागता है, और ठीक 8:47 बजे अपने मालिक की अंतिम चीख सुनाकर डॉक्टर को फोन करता है। उसका यह तरीका इतना कारगर साबित होता है कि किसी ने कभी यह नहीं पूछा कि उस समय फ्लैट नंबर 11 से कोई कॉल लगी थी या नहीं।
"शायद हरक्यूल पोइरोट को छोड़कर?" मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा। "हर्क्यूल पोइरोट भी नहीं," मेरे दोस्त ने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं अभी पूछताछ करने वाला हूँ। मुझे पहले तुम्हें अपनी बात साबित करनी थी। लेकिन तुम देखोगे, मैं सही साबित होऊंगा; और फिर जैप, जिसे मैंने पहले ही इशारा दे दिया है, सम्मानित ग्रेव्स को गिरफ्तार कर पाएगा। मुझे आश्चर्य है कि उसने कितना पैसा खर्च किया होगा।"
पोइरोट सही था। वो हमेशा सही होता है, धिक्कार है उसे!

गुम हुई वसीयत का मामला

मिस वायलेट मार्श द्वारा प्रस्तुत समस्या हमारे रोज़मर्रा के काम से एक सुखद बदलाव लेकर आई। पोइरोट को उस महिला से एक संक्षिप्त और औपचारिक पत्र मिला था जिसमें उन्होंने मिलने का समय मांगा था, और उन्होंने जवाब में उन्हें अगले दिन सुबह ग्यारह बजे आने के लिए कहा था। वह समय पर पहुंचीं - एक लंबी, खूबसूरत युवती, सादे लेकिन सलीके से कपड़े पहने हुए, आत्मविश्वास से भरी और पेशेवर अंदाज़ में। स्पष्ट रूप से एक ऐसी युवती जो दुनिया में आगे बढ़ना चाहती थी। मैं खुद तथाकथित 'नई महिला' का कोई बड़ा प्रशंसक नहीं हूं, और उनकी खूबसूरती के बावजूद, मैं उनके प्रति विशेष रूप से आकर्षित नहीं था।
कुर्सी पर बैठने के बाद उन्होंने कहना शुरू किया, "महाशय पोइरोट, मेरा काम कुछ असामान्य किस्म का है। बेहतर होगा कि मैं शुरुआत से बताऊं और आपको पूरी कहानी सुनाऊं।"

"यदि आप चाहें, महोदया।"
मैं अनाथ हूँ। मेरे पिता डेवोनशायर के एक छोटे किसान के दो बेटों में से एक थे। खेत छोटा था, और बड़ा भाई, एंड्रयू, ऑस्ट्रेलिया चला गया, जहाँ उसने खूब तरक्की की और ज़मीन के सफल निवेश से बहुत अमीर बन गया। छोटा भाई, रोजर (मेरे पिता), खेती-बाड़ी में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं रखता था। उसने किसी तरह थोड़ी-बहुत शिक्षा प्राप्त की और एक छोटी सी कंपनी में क्लर्क की नौकरी पा ली। उसने अपने से थोड़ी ऊँची खानदान की महिला से शादी की; मेरी माँ एक गरीब कलाकार की बेटी थी। जब मैं छह साल की थी तब मेरे पिता का निधन हो गया। जब मैं चौदह साल की थी, तब मेरी माँ भी चल बसीं। तब मेरे इकलौते जीवित रिश्तेदार मेरे चाचा एंड्रयू थे, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया से लौटे थे और अपने पैतृक जिले में क्रैबट्री मैनर नाम की एक छोटी सी जगह खरीदी थी। वे अपने भाई की अनाथ बच्ची के प्रति बहुत दयालु थे, मुझे अपने साथ रहने के लिए ले गए और हर तरह से मेरा ख्याल ऐसे रखा जैसे मैं उनकी अपनी बेटी हूँ। "क्रैबट्री मैनर, अपने नाम के बावजूद, वास्तव में एक पुराना फार्महाउस मात्र है। खेती मेरे चाचा के खून में थी, और वे विभिन्न आधुनिक कृषि प्रयोगों में गहन रुचि रखते थे। हालाँकि वे मेरे प्रति अत्यंत दयालु थे, फिर भी महिलाओं के पालन-पोषण के संबंध में उनके कुछ विशिष्ट और गहरे विचार थे। स्वयं कम या बिल्कुल भी शिक्षित न होने के बावजूद, असाधारण चतुराई के धनी होने के कारण, वे 'किताबी ज्ञान' को बहुत कम महत्व देते थे।" वह विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा के विरोधी थे। उनके विचार में, लड़कियों को व्यावहारिक घरेलू काम और दुग्धपान सीखना चाहिए, घर के कामों में उपयोगी होना चाहिए और किताबों से जितना हो सके उतना कम लेना चाहिए। उन्होंने मुझे इन्हीं सिद्धांतों पर पालने का प्रस्ताव रखा, जिससे मुझे घोर निराशा और गुस्सा आया। मैंने खुलकर विद्रोह किया। मैं जानती थी कि मेरा दिमाग अच्छा है, लेकिन घरेलू कामों में मेरी कोई प्रतिभा नहीं है। इस विषय पर मेरे चाचा और मेरे बीच कई तीखी बहसें हुईं, क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे से बहुत जुड़े हुए थे, लेकिन हम दोनों ही अपनी मनमानी करते थे। सौभाग्य से मुझे छात्रवृत्ति मिल गई, और एक हद तक मैं अपनी बात मनवाने में सफल रही। संकट तब आया जब मैंने गर्टन जाने का फैसला किया। मेरे पास अपनी मां द्वारा छोड़ी गई थोड़ी सी धनराशि थी, और मैं ईश्वर द्वारा प्रदत्त प्रतिभाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए पूरी तरह दृढ़ थी। मेरे चाचा के साथ मेरी एक

लंबी, अंतिम बहस हुई। उन्होंने मेरे सामने तथ्य स्पष्ट रूप से रख दिए। उनके कोई अन्य रिश्तेदार नहीं थे, और उन्होंने मुझे अपनी इकलौती वारिस बनाने का इरादा किया था। जैसा कि मैंने आपको बताया है, वह बहुत अमीर आदमी थे। अगर मैं इन बातों पर अड़ी रहती तो मेरे 'नए-नए विचारों' के बारे में, मुझे उससे कुछ भी उम्मीद नहीं करनी चाहिए। मैं विनम्र रही, लेकिन दृढ़ भी। मैंने उससे कहा कि मैं हमेशा उससे बहुत जुड़ी रहूंगी, लेकिन मुझे अपना जीवन भी जीना है। हम इसी बात पर अलग हुए। 'तुम्हें अपनी बुद्धि पर बहुत घमंड है, मेरी प्यारी,' उसके आखिरी शब्द थे। 'मेरे पास किताबी ज्ञान तो नहीं है, लेकिन फिर भी, मैं किसी भी दिन अपनी बुद्धि का तुमसे मुकाबला कर सकता हूं। देखते हैं क्या होता है।'
"यह नौ साल पहले की बात है। मैं कभी-कभार सप्ताहांत में उनके साथ रुका करता था, और हमारे संबंध पूरी तरह सौहार्दपूर्ण थे, हालांकि उनके विचार अपरिवर्तित रहे। उन्होंने कभी मेरे मैट्रिक पास करने या मेरे बीएससी करने का जिक्र नहीं किया। पिछले तीन वर्षों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था, और एक महीने पहले उनका निधन हो गया।"
"अब मैं अपनी यात्रा के मुख्य बिंदु पर आ रहा हूँ। मेरे चाचा ने एक असाधारण वसीयत छोड़ी है। उसके अनुसार, क्रैबट्री मनोर और उसमें मौजूद सभी चीजें उनकी मृत्यु के बाद एक वर्ष तक मेरे उपयोग में रहेंगी - 'इस दौरान मेरी होशियार भतीजी अपनी प्रतिभा साबित कर सकती है,' ये शब्द वसीयत में लिखे हैं। उस अवधि के अंत में, 'मेरी प्रतिभा उसकी प्रतिभा से बेहतर साबित होने पर,' घर और मेरे चाचा की सारी संपत्ति विभिन्न धर्मार्थ संस्थाओं को सौंप दी जाएगी।"
"यह आपके लिए थोड़ा कष्टदायक है, मैडम, क्योंकि आप मिस्टर मार्श की एकमात्र रक्त संबंधी थीं।"
"मैं इसे उस नज़रिए से नहीं देखता। अंकल एंड्रयू ने मुझे सही चेतावनी दी थी, और मैंने अपना रास्ता खुद चुना। चूंकि मैंने उनकी इच्छाओं का पालन नहीं किया, इसलिए उन्हें अपनी संपत्ति जिसे चाहें उसे देने की पूरी स्वतंत्रता थी।"
क्या वसीयत किसी वकील द्वारा तैयार की गई थी?

"नहीं; यह एक मुद्रित वसीयतनामा पर लिखा गया था और उस घर में रहने वाले और मेरे चाचा के लिए काम करने वाले व्यक्ति और उसकी पत्नी द्वारा गवाह के रूप में प्रस्तुत किया गया था।"
"क्या ऐसी वसीयत को पलटने की संभावना हो सकती है?"
मैं ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करूंगा।
तो क्या आप इसे अपने चाचा की ओर से एक खेल चुनौती मानते हैं?
"मैं इसे बिल्कुल इसी तरह देखता हूं।"
"निश्चित रूप से, यही व्याख्या संभव है," पोइरोट ने सोच-समझकर कहा। "इस पुराने, विशाल हवेली में कहीं न कहीं आपके चाचा ने नोटों के रूप में कुछ धनराशि या संभवतः दूसरी वसीयत छिपा रखी है, और आपको इसे खोजने के लिए अपनी सूझबूझ का प्रयोग करने के लिए एक साल का समय दिया है।"
"बिल्कुल सही, महाशय पोइरोट, और मैं यह मानकर आपको सम्मान दे रहा हूँ कि आपकी प्रतिभा मेरी प्रतिभा से कहीं अधिक होगी।"
"अरे, अरे! लेकिन यह तो आपकी बहुत ही प्यारी बात है। मेरी बुद्धि आपके लिए उपलब्ध है। आपने खुद कोई खोजबीन नहीं की?"
"यह तो बस सरसरी तौर पर किया गया काम है; लेकिन मुझे अपने चाचा की निर्विवाद क्षमताओं के प्रति इतना सम्मान है कि मैं यह नहीं सोच सकता कि यह काम आसान होगा।"
"क्या आपके पास वसीयत या उसकी एक प्रति है?"
मिस मार्श ने मेज के उस पार एक दस्तावेज़ थमाया। पोइरोट ने उसे सरसरी तौर पर पढ़ा और मन ही मन सिर हिलाया।
"तीन साल पहले बनाया गया। दिनांक 25 मार्च; और समय भी दिया गया है - सुबह 11 बजे - यह बहुत ही संकेतपूर्ण है। इससे खोज का दायरा सीमित हो जाता है। निश्चित रूप से यह कोई और वसीयत है जिसकी हमें तलाश करनी होगी। आधे घंटे बाद भी बनाई गई वसीयत इसे उलट देगी। खैर, महोदया, आपने मेरे सामने एक आकर्षक और विलक्षण समस्या प्रस्तुत की है। मुझे इसे आपके लिए हल करने में परम आनंद आएगा। मान लीजिए कि आपके चाचा एक सक्षम व्यक्ति थे, लेकिन उनकी बुद्धि हरक्यूल पोइरोट जैसी तो नहीं रही होगी!"
(सचमुच, पोइरोट का घमंड तो साफ तौर पर दिखता है!)

"सौभाग्य से, फिलहाल मेरे पास कोई महत्वपूर्ण काम नहीं है। हेस्टिंग्स और मैं आज रात क्रैबट्री मैनर जाएंगे। मुझे लगता है कि आपके चाचा की देखभाल करने वाले पति-पत्नी अभी भी वहीं हैं?"
"हां, उनका नाम बेकर है।"
अगली सुबह हमने शिकार के लिए अपना काम शुरू किया। हम पिछली रात देर से पहुँचे थे। मिस मार्श से टेलीग्राम मिलने के बाद श्रीमान और श्रीमती बेकर हमारा इंतज़ार कर रहे थे। वे एक मिलनसार दंपति थे, पुरुष झुर्रियों वाले और गुलाबी गालों वाले, मुरझाए हुए चिड़िया जैसे दिखते थे, और उनकी पत्नी विशाल कद-काठी की और सच्ची डेवोनशायर की शांत स्वभाव वाली महिला थीं। स्टेशन से आठ मील की लंबी और थका देने वाली यात्रा से थककर, हमने रात के खाने में भुना हुआ चिकन, सेब पाई और डेवोनशायर क्रीम खाकर तुरंत बिस्तर पर जाने का फैसला किया। हमने शानदार नाश्ता कर लिया था और अब हम एक छोटे से पैनल वाले कमरे में बैठे थे, जो स्वर्गीय श्री मार्श का अध्ययन कक्ष और बैठक कक्ष हुआ करता था। दीवार के सहारे कागजों से भरी एक फोल्डिंग डेस्क रखी थी, जिन पर करीने से दस्तावेज अंकित थे, और एक बड़ी चमड़े की कुर्सी स्पष्ट रूप से दर्शा रही थी कि यह इसके मालिक का नियमित विश्राम स्थल रही है। सामने वाली दीवार के साथ एक बड़ा चिंट्ज़ कवर वाला सोफा लगा था, और खिड़की के पास की गहरी और नीची सीटें उसी पुराने जमाने के फीके चिंट्ज़ से ढकी थीं।
"अरे हाँ, मेरे दोस्त," पोइरोट ने अपनी छोटी सी सिगरेट जलाते हुए कहा, "हमें अपनी अभियान योजना बनानी होगी। मैंने घर का मोटा-मोटा जायज़ा ले लिया है, लेकिन मुझे लगता है कि कोई सुराग इसी कमरे में मिलेगा। हमें डेस्क में रखे दस्तावेजों को बड़ी सावधानी से देखना होगा। ज़ाहिर है, मुझे उनमें वसीयत मिलने की उम्मीद नहीं है; लेकिन मुमकिन है कि कोई दिखने में साधारण सा कागज़ वसीयत के छिपे होने का सुराग छुपा दे। लेकिन पहले हमें थोड़ी सी जानकारी चाहिए। कृपया घंटी बजाएँ।"
मैंने वैसा ही किया। जब हम जवाब का इंतजार कर रहे थे, पोइरोट इधर-उधर घूमते हुए, चारों ओर संतुष्टि भरी निगाहों से देख रहे थे।
"श्री मार्श, ये तो बड़े ही सलीके से काम करने वाले आदमी हैं। देखिए कागज़ों के पैकेट कितनी सफाई से रखे गए हैं; हर दराज की चाबी पर हाथीदांत का लेबल लगा है - दीवार पर टंगी चीनी मिट्टी के बर्तनों की अलमारी की चाबी

पर भी यही लेबल लगा है; और देखिए अंदर रखे चीनी मिट्टी के बर्तन कितनी सलीके से रखे गए हैं। देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। यहाँ कुछ भी आँखों को चुभता नहीं है।" वह अचानक रुक गए, क्योंकि उनकी नज़र मेज की चाबी पर पड़ी, जिस पर एक गंदा लिफाफा चिपका हुआ था। पोइरोट ने उसे देखकर भौंहें चढ़ाईं और ताले से चाबी निकाली। उस पर टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट में लिखा था: "रोल टॉप डेस्क की चाबी", जो बाकी चाबियों पर लिखी साफ लिखावट से बिल्कुल अलग थी। "कुछ अजीब सा लग रहा है," पोइरोट ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। "मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि यहाँ अब मिस्टर मार्श की मौजूदगी नहीं है। लेकिन घर में और कौन आया था? केवल मिस मार्श, और अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो वह भी एक संस्कारी और सुव्यवस्थित युवती हैं।"
घंटी बजने पर बेकर जवाब में आया।
"क्या आप अपनी पत्नी मैडम को बुला लाएंगे और कुछ सवालों के जवाब देंगे?" बेकर चले गए और कुछ ही क्षणों में श्रीमती बेकर के साथ वापस आ गए, जो अपने एप्रन पर हाथ पोंछ रही थीं और उनके चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी।
कुछ स्पष्ट शब्दों में पोइरोट ने अपने मिशन का उद्देश्य बताया। बेकर परिवार तुरंत सहानुभूति जताने लगा।
"हम नहीं चाहते कि मिस वायलेट को उनकी संपत्ति से वंचित किया जाए," उस महिला ने कहा। "अस्पतालों के लिए यह सब हासिल करना बहुत ही क्रूर और कठिन होगा।"
पॉयरॉट ने अपने सवाल जारी रखे। जी हां, श्रीमान और श्रीमती बेकर को वसीयत पर हस्ताक्षर होते देखना पूरी तरह से याद था। बेकर को पहले पड़ोसी शहर में दो मुद्रित वसीयतनामा प्रपत्र लाने के लिए भेजा गया था।
"दो?" पोइरोट ने तीखे स्वर में कहा।
"जी हाँ, महोदय, सुरक्षा के लिए, शायद इसलिए कि कहीं वह किसी एक को बिगाड़ न दे - और वास्तव में उसने ऐसा ही किया। हमने एक पर हस्ताक्षर कर दिए थे -" "यह किस समय की बात है?"
बेकर ने अपना सिर खुजाया, लेकिन उसकी पत्नी उससे भी तेज़ थी। "अरे हाँ, मैंने तो ग्यारह बजे कोको के लिए दूध गैस पर रखा था। तुम्हें याद नहीं? जब हम रसोई में वापस आए तो सारा दूध चूल्हे पर उबल कर बाहर गिर गया था।"
"और बाद में?"

लगभग एक घंटे बाद, हमें फिर से अंदर जाना पड़ा। 'मुझसे गलती हो गई है,' बूढ़े मालिक ने कहा, 'मुझे सब कुछ फाड़ना पड़ेगा। मैं आपसे दोबारा हस्ताक्षर करवाऊंगा,' और हमने हस्ताक्षर कर दिए। और बाद में मालिक ने हम दोनों को अच्छी खासी रकम दी। 'मैंने अपनी वसीयत में तुम्हारे लिए कुछ नहीं छोड़ा है,' उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरे जीवित रहने के प्रत्येक वर्ष यह तुम्हारे लिए बचत का काम करेगा, मेरे जाने के बाद'; और सचमुच, ऐसा ही हुआ।' पोइरोट ने विचार किया।
"आपके दूसरी बार हस्ताक्षर करने के बाद, श्री मार्श ने क्या किया? क्या आपको पता है?"
"व्यापारियों के हिसाब-किताब चुकाने के लिए गांव गया था।"
यह बहुत आशाजनक नहीं लग रहा था। पोइरोट ने एक और तरीका आजमाया। उसने डेस्क की चाबी आगे बढ़ा दी।
"क्या यह आपके गुरु की रचना है?"
हो सकता है मैंने ऐसा सोचा हो, लेकिन मुझे लगता है कि बेकर के जवाब देने से पहले एक-दो पल बीत गए: "जी हाँ, महोदय, ऐसा ही है।"
मैंने सोचा, "वह झूठ बोल रहा है। लेकिन क्यों?"
"क्या आपके मालिक ने घर किराए पर दिया है? क्या पिछले तीन वर्षों में इसमें कोई अजनबी आया है?"
"जी नहीं, महोदय।"
"कोई आगंतुक नहीं?"
"केवल मिस वायलेट।"
"क्या इस कमरे में किसी भी प्रकार का कोई अजनबी नहीं आया है?"
"जी नहीं, महोदय।"
"तुम मजदूरों को भूल गए, जिम," उसकी पत्नी ने उसे याद दिलाया।
"कारीगर?" पोइरोट उसकी ओर मुड़ा। "कौन से कारीगर?" महिला ने बताया कि लगभग ढाई साल पहले कुछ कारीगर घर में मरम्मत का काम करने आए थे। मरम्मत किस काम की थी, यह वह ठीक से नहीं बता पाई। उसका मानना था कि यह सब उसके मालिक का एक शौक था और बिल्कुल अनावश्यक था। कारीगर कुछ समय के लिए अध्ययन कक्ष में भी गए थे; लेकिन उन्होंने वहाँ क्या किया, यह वह नहीं बता सकी, क्योंकि काम के दौरान उसके मालिक ने उनमें से किसी को भी कमरे में नहीं जाने दिया था।

दुर्भाग्य से, उन्हें काम पर रखी गई कंपनी का नाम याद नहीं था, बस इतना पता था कि वह प्लायमाउथ की कंपनी थी।
"हमें कुछ सुराग मिल रहा है, हेस्टिंग्स," बेकर्स के कमरे से निकलते ही पोइरोट ने अपने हाथ मलते हुए कहा। "साफ़ है कि उसने दूसरी वसीयत बनाई और फिर प्लायमाउथ से कारीगरों को बुलाकर एक उपयुक्त छिपने की जगह बनवाई। फर्श खोदने और दीवारों को टटोलने में समय बर्बाद करने के बजाय, हम प्लायमाउथ चलते हैं।" थोड़ी मशक्कत के बाद, हमें वह जानकारी मिल गई जो हम चाहते थे। एक-दो कोशिशों के बाद, हमें मिस्टर मार्श द्वारा नियुक्त फर्म का पता चल गया।
उनके सभी कर्मचारी कई वर्षों से उनके साथ काम कर रहे थे, और श्री मार्श के आदेश पर काम करने वाले दो आदमियों को ढूंढना आसान था। उन्हें काम पूरी तरह याद था। कई अन्य छोटे-मोटे कामों के साथ-साथ, उन्होंने पुराने जमाने की चिमनी की एक ईंट उखाड़ी, उसके नीचे एक गड्ढा बनाया, और ईंट को इस तरह काटा कि जोड़ दिखाई ही न दे। अंत से दूसरी ईंट को दबाकर, पूरी चिमनी को ऊपर उठा दिया गया। यह काफी जटिल काम था, और बुजुर्ग सज्जन इसे लेकर बहुत सतर्क थे। हमारे सूचना देने वाले का नाम कोघन था, जो एक लंबा-चौड़ा, दुबला-पतला आदमी था जिसकी मूंछें सफ़ेद थीं। वह एक बुद्धिमान व्यक्ति लगता था।
हम उमंग भरे मन से क्रैबट्री मैनर लौटे और अध्ययन कक्ष का दरवाजा बंद करके अपने नए ज्ञान को अमल में लाने लगे। ईंटों पर कोई निशान दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन जब हमने बताए गए तरीके से दबाया, तो तुरंत एक गहरा गड्ढा दिखाई दिया। पोइरोट ने उत्सुकता से अपना हाथ उसमें डाला। अचानक उनका चेहरा संतुष्टि भरी खुशी से घबराहट में बदल गया। उनके हाथ में केवल कड़े कागज का एक जला हुआ टुकड़ा था। इसके अलावा, गड्ढा बिल्कुल खाली था।
"अरे बाप रे!" पोइरोट गुस्से से चिल्लाया। "कोई हमसे पहले यहाँ आ चुका है।" हमने कागज़ के उस टुकड़े को उत्सुकता से देखा। स्पष्ट था कि यह वही चीज़ थी जिसकी हमें तलाश थी। बेकर के हस्ताक्षर का एक हिस्सा बचा था, लेकिन वसीयत की शर्तों का कोई संकेत नहीं था। पोइरोट अपनी एड़ियों पर बैठ गया। अगर हम इतने भावुक न होते तो उसका चेहरा हास्यास्पद लगता।
"मुझे समझ नहीं आ रहा," वह गुर्राया। "इसे किसने नष्ट किया? और उनका उद्देश्य क्या था?"
"बेकर्स?" मैंने सुझाव दिया।

क्यों? वसीयत में उनके लिए कोई प्रावधान नहीं है, और अस्पताल के स्वामित्व में आने की तुलना में उनके मिस मार्श के साथ रहने की संभावना अधिक है। वसीयत को नष्ट करना किसी के हित में कैसे हो सकता है? अस्पतालों को लाभ होगा - हाँ; लेकिन संस्थानों पर संदेह नहीं किया जा सकता।
"शायद उस बूढ़े आदमी ने अपना इरादा बदल लिया और खुद ही उसे नष्ट कर दिया," मैंने सुझाव दिया। पोइरोट उठ खड़ा हुआ और हमेशा की तरह बड़ी सावधानी से अपने घुटनों से धूल झाड़ी।
“हो सकता है,” उसने स्वीकार किया। “हेस्टिंग्स, यह आपकी सबसे समझदारी भरी टिप्पणियों में से एक है। खैर, अब हम यहाँ और कुछ नहीं कर सकते। हमने वह सब कर लिया है जो एक नश्वर मनुष्य कर सकता है। हमने स्वर्गीय एंड्रयू मार्श के विरुद्ध अपनी बुद्धि का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है; लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारी इस सफलता से उनकी भतीजी की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।” तुरंत स्टेशन जाने से हम किसी तरह लंदन जाने वाली ट्रेन पकड़ने में कामयाब हो गए, हालांकि वह मुख्य एक्सप्रेस ट्रेन नहीं थी। पोइरोट उदास और असंतुष्ट था। मैं थका हुआ था और एक कोने में ऊंघने लगा। अचानक, जैसे ही हम टॉनटन से बाहर निकल रहे थे, पोइरोट ने एक तीखी चीख मारी।
"जागो, हेस्टिंग्स! उठो और कूदो! लेकिन कूदो, मैं कहता हूँ!"
मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कहाँ हूँ। हम प्लेटफार्म पर नंगे बदन और बिना सूटकेस के खड़े थे, जबकि ट्रेन रात के अंधेरे में गायब हो गई। मैं बहुत गुस्से में थी। लेकिन पोइरोट ने मेरी ओर कोई ध्यान नहीं दिया।
"मैं कितना मूर्ख रहा हूँ!" वह चिल्लाया। "तिगुना मूर्ख! अब मैं अपने छोटे दिमाग का बखान नहीं करूँगा!"
मैंने चिड़चिड़ाते हुए कहा, "खैर, यह तो अच्छी बात है। लेकिन आखिर यह सब क्या है?" हमेशा की तरह, अपने ही विचारों पर अमल करते हुए, पोइरोट ने मेरी तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दिया।
"व्यापारियों के बहीखाते तो मैं बिल्कुल भूल ही गया था! हाँ, लेकिन कहाँ? कहाँ? कोई बात नहीं, मुझसे कोई गलती नहीं हो सकती। हमें तुरंत वापस लौटना होगा।"
कहना आसान है, करना मुश्किल। हम किसी तरह एक्सेटर के लिए एक धीमी ट्रेन पकड़ने में कामयाब रहे, और वहाँ पोइरोट ने एक कार किराए पर ली। हम सुबह तड़के क्रैबट्री मैनर वापस पहुँचे। जब हमने आखिरकार बेकर्स को जगाया, तो

उनकी हैरानी का मैंने ज़िक्र नहीं किया। किसी की परवाह न करते हुए, पोइरोट सीधे अध्ययन कक्ष की ओर चल दिए।
"मैं तिगुना मूर्ख नहीं, बल्कि छत्तीस गुना मूर्ख रहा हूँ, मेरे दोस्त," उन्होंने बड़ी विनम्रता से कहा। "अब देखो!"
सीधे मेज पर जाकर उसने चाबी निकाली और उससे लिफाफा अलग किया। मैं उसे हैरानी से देखता रहा। भला उस छोटे से लिफाफे में उसे वसीयत का बड़ा सा दस्तावेज कैसे मिल सकता था? उसने बड़ी सावधानी से लिफाफा खोला और उसे फैला दिया। फिर उसने आग जलाई और लिफाफे की सादी अंदरूनी सतह को लौ के पास रखा। कुछ ही मिनटों में धुंधले अक्षर दिखने लगे।
"देखो, मेरे दोस्त!" पोइरोट ने विजय भाव से चिल्लाया।
मैंने देखा। उस पर धुंधली लिखावट में बस कुछ पंक्तियाँ थीं जिनमें संक्षेप में लिखा था कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति अपनी भतीजी वायलेट मार्श के नाम कर दी है। इस पर 25 मार्च, दोपहर 12:30 बजे की तारीख थी और अल्बर्ट पाइक (एक हलवाई) और जेसी पाइक (एक विवाहित महिला) ने गवाह के तौर पर हस्ताक्षर किए थे।
"लेकिन क्या यह कानूनी है?" मैंने हैरानी से पूछा।
"जहाँ तक मुझे पता है, वसीयत को गायब होने वाली और सहानुभूति जगाने वाली स्याही के मिश्रण से लिखने के खिलाफ कोई कानून नहीं है। वसीयतकर्ता का इरादा स्पष्ट है, और लाभार्थी उसका एकमात्र जीवित रिश्तेदार है। लेकिन उसकी चालाकी तो देखिए! उसने हर उस कदम का अनुमान लगा लिया था जो कोई खोजकर्ता उठाएगा - और जो मैंने, बेचारे मूर्ख ने, उठाया। उसने वसीयत के दो फॉर्म तैयार करवाए, नौकरों से दो बार हस्ताक्षर करवाए, फिर एक गंदे लिफाफे के अंदर लिखी अपनी वसीयत और अपने बनाए हुए स्याही के मिश्रण वाले फाउंटेन पेन के साथ निकल गया। किसी बहाने से उसने हलवाई और उसकी पत्नी से अपने हस्ताक्षर के नीचे उनके नाम लिखवाए, फिर उसे अपनी मेज की चाबी से बांध दिया और मन ही मन हँसने लगा। अगर उसकी भतीजी उसकी इस छोटी सी चाल को समझ गई, तो उसने अपने जीवन और उच्च शिक्षा के चुनाव को सही ठहराया होगा, और उसके पैसे का वह पूरी तरह से स्वागत करेगी।"
"उसे मेरी चाल समझ नहीं आई, है ना?" मैंने धीरे से कहा। "यह तो काफी अन्यायपूर्ण लगता है। असल में बूढ़े आदमी की ही जीत हुई।"

"लेकिन नहीं, हेस्टिंग्स। तुम्हारी बुद्धि ही भटक रही है। मिस मार्श ने मामले को तुरंत मेरे हवाले करके अपनी बुद्धिमत्ता और महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के महत्व को साबित कर दिया। हमेशा विशेषज्ञ की ही सलाह लें। उन्होंने पैसे पर अपना अधिकार बखूबी साबित कर दिया है।"
मुझे आश्चर्य होता है - मुझे बहुत आश्चर्य होता है - कि पुराने एंड्रयू मार्श ने क्या सोचा होगा!

घूंघट वाली महिला

मैंने गौर किया था कि कुछ समय से पोइरोट लगातार असंतुष्ट और बेचैन होता जा रहा था। हाल ही में हमारे पास कोई दिलचस्प मामला नहीं आया था, ऐसा कुछ भी नहीं जिस पर मेरा छोटा दोस्त अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और असाधारण तर्कशक्ति का प्रदर्शन कर सके। आज सुबह उसने अधीरता से अखबार पटक दिया।
'चाह!' - यह उनकी पसंदीदा उद्गार थी, जो बिल्कुल बिल्ली के छींकने जैसी लगती थी।
'हेस्टिंग्स, वे मुझसे डरते हैं; तुम्हारे इंग्लैंड के अपराधी मुझसे डरते हैं! जब बिल्ली वहाँ होती है, तो छोटे चूहे पनीर के पास नहीं आते!'
'मुझे नहीं लगता कि उनमें से अधिकांश को आपके अस्तित्व का भी पता होगा,' मैंने हंसते हुए कहा। पोइरोट ने मुझे तिरस्कार भरी नज़रों से देखा। वह हमेशा यही सोचते हैं कि पूरी दुनिया हरक्यूल पोइरोट के बारे में सोच रही है और बात कर रही है। उन्होंने लंदन में बेशक अपना नाम कमा लिया था, लेकिन मुझे यह मानना मुश्किल था कि उनके अस्तित्व से आपराधिक जगत में दहशत फैलती होगी।
'पिछले दिनों बॉन्ड स्ट्रीट में दिनदहाड़े गहनों की चोरी के बारे में क्या?' मैंने पूछा।
'वाह, क्या बढ़िया कारनामा है!' पोइरोट ने प्रशंसा करते हुए कहा, 'हालाँकि यह मेरे बस की बात नहीं है। चालाकी नहीं, बस हिम्मत! एक भारी छड़ी लिए एक आदमी एक जौहरी की दुकान का शीशा तोड़कर कई कीमती पत्थर चुरा लेता है। भले

लोग तुरंत उसे पकड़ लेते हैं; एक पुलिसवाला आता है। वह गहनों के साथ रंगे हाथों पकड़ा जाता है। उसे पुलिस के पास ले जाया जाता है, और फिर पता चलता है कि पत्थर नकली हैं। उसने असली पत्थर अपने एक साथी को दे दिए हैं - उन्हीं भले लोगों में से एक को। वह जेल जाएगा - ठीक है; लेकिन जब वह बाहर आएगा, तो उसके लिए एक अच्छी-खासी दौलत इंतज़ार कर रही होगी। हाँ, बुरा नहीं सोचा। लेकिन मैं इससे बेहतर कर सकता हूँ। कभी-कभी, हेस्टिंग्स, मुझे अफसोस होता है कि मेरा स्वभाव इतना नैतिक है। कानून के खिलाफ काम करना, बदलाव के लिए अच्छा होगा।'
'खुश हो जाओ, पोइरोट; तुम जानते हो कि तुम अपने क्षेत्र में अद्वितीय हो।' 'लेकिन मेरे अपने क्षेत्र में अभी क्या उपलब्ध है?'
मैंने अखबार उठाया।
मैंने कहा, 'यह एक अंग्रेज है जिसकी रहस्यमय तरीके से हॉलैंड में हत्या कर दी गई है।'
'वे हमेशा यही कहते हैं - और बाद में पता चलता है कि उसने डिब्बाबंद मछली खाई थी और उसकी मौत पूरी तरह से स्वाभाविक थी।'
'अच्छा, अगर आप शिकायत करने पर तुले हुए हैं तो!'
'टीन्स!' पोइरोट ने खिड़की की ओर टहलते हुए कहा। 'यहाँ सड़क पर एक ऐसी महिला है जिसे उपन्यासों में "घूंघट ओढ़े महिला" कहते हैं। वह सीढ़ियाँ चढ़ती है; घंटी बजाती है - वह हमसे सलाह लेने आई है। यहाँ कुछ दिलचस्प होने की संभावना है। जब कोई इतनी युवा और सुंदर होती है, तो वह किसी खास अवसर के अलावा चेहरा नहीं ढकती।'
एक मिनट बाद हमारी मेहमान को अंदर लाया गया। जैसा कि पोइरोट ने कहा था, वह सचमुच घूंघट में लिपटी हुई थी। जब तक उसने अपना काला स्पैनिश लेस का घूंघट नहीं उठाया, तब तक उसके चेहरे के हाव-भाव पहचानना असंभव था। तब मैंने देखा कि पोइरोट का अनुमान सही था; वह महिला बेहद खूबसूरत थी, सुनहरे बालों और बड़ी नीली आँखों वाली। उसके महंगे और सादे पहनावे से मैंने तुरंत समझ लिया कि वह समाज के उच्च वर्ग से संबंध रखती है।
'महाशय पोइरोट,' महिला ने मधुर, कोमल स्वर में कहा, 'मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि आप मेरी मदद कर सकते हैं, लेकिन मैंने आपके बारे में इतनी अद्भुत बातें सुनी हैं कि मैं सचमुच अंतिम आशा के रूप में आपके पास असंभव को संभव करने की विनती करने आई हूँ।'

'असंभव चीज़ें मुझे हमेशा से पसंद हैं,' पोइरोट ने कहा। 'कृपया जारी रखें, महोदया।'
हमारी सुंदर अतिथि हिचकिचाई।
'लेकिन आपको स्पष्टवादी होना होगा,' पोइरोट ने आगे कहा। 'आपको मुझे किसी भी बात पर अंधेरे में नहीं रखना चाहिए।'
'मैं आप पर भरोसा करूंगी,' लड़की ने अचानक कहा। 'क्या आपने लेडी मिलिसेंट कैसल वॉन के बारे में सुना है?'
मैंने उत्सुकता से ऊपर देखा। लेडी मिलिसेंट की सगाई युवा ड्यूक ऑफ साउथशायर से होने की घोषणा कुछ दिन पहले ही प्रकाशित हुई थी। मुझे पता था कि वह एक गरीब आयरिश रईस की पाँचवीं बेटी थीं, और ड्यूक ऑफ साउथशायर इंग्लैंड में उनके लिए सबसे उपयुक्त वर माने जाते थे।
'मैं लेडी मिलिसेंट हूँ,' लड़की ने आगे कहा। 'आपने मेरी सगाई के बारे में पढ़ा होगा। मैं दुनिया की सबसे खुश लड़कियों में से एक होती; लेकिन ओह, मिस्टर पोइरोट, मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ! एक आदमी है, एक भयानक आदमी - उसका नाम लैविंगटन है; और वह - मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं आपको कैसे बताऊँ। मैंने एक पत्र लिखा था - उस समय मैं केवल सोलह साल की थी; और वह - वह -'
'क्या आपने मिस्टर लैविंगटन को कोई पत्र लिखा था?'
'अरे नहीं - उसके साथ ऐसा नहीं हुआ! एक युवा सैनिक के साथ - मैं उसे बहुत पसंद करता था - वह युद्ध में मारा गया।'
'मैं समझ गया,' पोइरोट ने विनम्रता से कहा।
'यह एक मूर्खतापूर्ण पत्र था, एक अविवेकी पत्र था, लेकिन वास्तव में, एम. पोइरोट, इससे ज्यादा कुछ नहीं। लेकिन इसमें कुछ ऐसे वाक्यांश हैं जिनकी अलग व्याख्या की जा सकती है।'
'मैं समझ गया,' पोइरोट ने कहा। 'और यह पत्र श्री लैविंगटन के कब्जे में आ गया है?'
'हां, और वह धमकी देता है कि जब तक मैं उसे एक बहुत बड़ी रकम का भुगतान नहीं कर देता, जो मेरे लिए जुटाना बिल्कुल असंभव है, ताकि वह उसे ड्यूक को भेज सके।'
'वह गंदा सूअर!' मैंने विस्मय से कहा। 'माफ़ कीजिए, लेडी मिलिसेंट।'
'क्या अपने होने वाले पति को सब कुछ बता देना ज्यादा समझदारी भरा कदम नहीं होगा?'

'मैं ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकती, एम. पोइरोट। ड्यूक एक अजीब चरित्र का व्यक्ति है, ईर्ष्यालु, शंकालु और हमेशा सबसे बुरा मानने वाला। बेहतर होगा कि मैं अपनी सगाई तुरंत तोड़ दूं।'
'हे भगवान,' पोइरोट ने भावपूर्ण चेहरे के साथ कहा। 'और आप मुझसे क्या करवाना चाहती हैं, महोदया?'
'मैंने सोचा कि शायद मैं श्री लैविंगटन से आपसे मिलने के लिए कहूँ। मैं उन्हें बताऊँगा कि मैंने आपको इस मामले पर चर्चा करने का अधिकार दिया है। शायद आप उनकी माँगें कम कर सकें।'
'वह किस राशि का जिक्र कर रहा है?'
'बीस हजार पाउंड - यह असंभव है। मुझे संदेह है कि मैं एक हजार पाउंड भी जुटा पाऊंगा।'
हो सकता है कि आप अपनी आने वाली शादी की उम्मीद में पैसे उधार ले लें - लेकिन मुझे संदेह है कि आप आधी रकम भी जुटा पाएंगे। इसके अलावा - खैर, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि आप भुगतान करें!
नहीं, हरक्यूल पोइरोट की चतुराई तुम्हारे दुश्मनों को हरा देगी! मुझे यह श्री लैविंगटन भेजिए। क्या वह पत्र अपने साथ लाएंगे?
लड़की ने अपना सिर हिलाया।
मुझे ऐसा नहीं लगता। वह बहुत सतर्क है।
'मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वास्तव में उसके पास यह है?' 'जब मैं उसके घर गया तो उसने मुझे वह दिखाया।'
'आप उनके घर गई थीं? यह बहुत ही नासमझी भरा काम था, महोदया।'
'क्या ऐसा था? मैं बहुत हताश थी। मुझे उम्मीद थी कि मेरी विनती शायद उन्हें प्रभावित कर दे।'
'अरे वाह! लैविंगटन जैसे लोग तो मिन्नतों से प्रभावित नहीं होते! वे तो इन्हें स्वीकार करेंगे, यह दर्शाने के लिए कि आप इस दस्तावेज़ को कितना महत्व देते हैं। आखिर यह सज्जन कहाँ रहते हैं?'
'विंबलडन के बुओना विस्टा में। मैं वहां अंधेरा होने के बाद गया था -' पोइरोट कराह उठा। 'मैंने कहा कि मैं अंत में पुलिस को सूचित कर दूंगा, लेकिन वह केवल एक भयानक, उपहासपूर्ण तरीके से हँसा। "ज़रूर, मेरी प्यारी लेडी मिलिसेंट, अगर आप चाहें तो ऐसा कर सकती हैं," उसने कहा।'
'हां, यह पुलिस के लिए कोई खास मामला नहीं है,' पोइरोट ने धीरे से कहा।

“लेकिन मुझे लगता है कि आप इससे ज़्यादा समझदार होंगे,” उसने आगे कहा। “देखिए, ये रहा आपका पत्र - इस छोटे से चीनी पहेली वाले डिब्बे में!” उसने उसे इस तरह पकड़ा कि मैं देख सकूँ। मैंने उसे छीनने की कोशिश की, लेकिन वह मुझसे ज़्यादा तेज़ था। एक भयानक मुस्कान के साथ उसने उसे मोड़कर छोटे लकड़ी के डिब्बे में वापस रख दिया। “मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, यह यहाँ बिल्कुल सुरक्षित रहेगा,” उसने कहा, “और डिब्बा खुद इतनी चालाकी से रखी गई जगह पर है कि आप इसे कभी नहीं ढूंढ पाएंगे।” मेरी नज़र उस छोटी सी दीवार में लगी तिजोरी पर पड़ी, और उसने अपना सिर हिलाया और हँस पड़ा। “मेरे पास इससे बेहतर तिजोरी है,” उसने कहा। ओह, वह कितना घिनौना था! मिस्टर पोइरोट, क्या आपको लगता है कि आप मेरी मदद कर सकते हैं?
'पापा पोइरोट पर भरोसा रखो। मैं कोई न कोई रास्ता निकाल लूंगा।'
ये सब दिलासा तो ठीक था, मैंने सोचा, जब पोइरोट ने बड़े ही सलीके से अपनी खूबसूरत मुवक्किल को सीढ़ियों से नीचे उतारा, लेकिन मुझे लगा कि हमारे सामने एक मुश्किल चुनौती है। पोइरोट के लौटने पर मैंने उनसे यही कहा। उन्होंने खेद से सिर हिलाया।
'हां - समाधान तुरंत नज़र नहीं आता। एम. लैविंगटन का पलड़ा भारी है। फिलहाल मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम उसे कैसे मात दे सकते हैं।'
उस दोपहर श्री लैविंगटन हमसे मिलने आए। लेडी मिलिसेंट ने उन्हें एक घृणित व्यक्ति बताया था, और उन्होंने बिल्कुल सही कहा था। मुझे अपने जूते के अगले हिस्से में झनझनाहट महसूस हो रही थी, मेरा मन कर रहा था कि उन्हें सीढ़ियों से नीचे धकेल दूं। उनका व्यवहार अकड़ू और दबंग था, वे पोइरोट के सौम्य सुझावों का उपहास करते थे और हर तरह से खुद को स्थिति का स्वामी समझते थे। मुझे यह महसूस हो रहा था कि पोइरोट अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में नहीं दिख रहे थे। वे निराश और हताश लग रहे थे।
'खैर, सज्जनों,' लैविंगटन ने अपनी टोपी उठाते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि हम ज्यादा आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। मामला इस प्रकार है: मैं लेडी मिलिसेंट को कम कीमत पर छोड़ दूंगा, क्योंकि वह एक बेहद आकर्षक युवती हैं।'
उसने घृणा से घूरते हुए कहा, 'हम अठारह हज़ार मान लेते हैं। मैं आज पेरिस जा रहा हूँ - वहाँ एक छोटा सा काम निपटाना है। मैं मंगलवार को वापस आ जाऊँगा। अगर मंगलवार शाम तक पैसे नहीं मिले, तो पत्र ड्यूक को भेज दिया जाएगा। मुझे यह मत कहना कि लेडी मिलिसेंट पैसे नहीं जुटा सकतीं। उनके कुछ सज्जन मित्र

इतनी खूबसूरत महिला को कर्ज देने के लिए खुशी-खुशी तैयार होंगे - बशर्ते वह सही तरीके से काम करें।'
मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया और मैंने एक कदम आगे बढ़ाया, लेकिन लैविंगटन ने अपना वाक्य पूरा करते ही कमरे से बाहर निकल गया।
'हे भगवान!' मैं चिल्लाई। 'कुछ तो करना ही होगा। पोइरोट, लगता है तुम चुपचाप बैठे रहोगे।'
'तुम्हारा दिल बहुत अच्छा है, मेरे दोस्त - लेकिन तुम्हारी बुद्धि की हालत दयनीय है। मुझे श्री लैविंगटन को अपनी क्षमताओं से प्रभावित करने की कोई इच्छा नहीं है। जितना अधिक वह मुझे डरपोक समझेंगे, उतना ही अच्छा होगा।' 'क्यों?'
पोइरोट ने याद करते हुए धीरे से कहा, 'यह अजीब बात है कि लेडी मिलिसेंट के आने से ठीक पहले मैंने कानून के खिलाफ काम करने की इच्छा व्यक्त की थी!' 'जब वह घर से बाहर होगा, तब तुम उसके घर में चोरी करने जा रहे हो?' मैंने हैरानी से पूछा।
'हेस्टिंग्स, कभी-कभी आपकी मानसिक प्रक्रियाएं आश्चर्यजनक रूप से तेज होती हैं।'
'मान लीजिए कि वह पत्र अपने साथ ले जाता है?'
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
'ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। जाहिर है, उसके घर में कोई ऐसी गुप्त जगह है जिसे वह काफी अभेद्य समझता है।'
'हम कब - मतलब - वो काम करेंगे?'
'कल रात। हम यहाँ से लगभग ग्यारह बजे निकलेंगे।'
निर्धारित समय पर मैं रवाना होने के लिए तैयार था। मैंने गहरे रंग का सूट और एक मुलायम गहरे रंग की टोपी पहन रखी थी। पोइरोट ने मेरी ओर देखकर स्नेहपूर्वक मुस्कुराया।
'लगता है तुमने बिल्कुल सही कपड़े पहने हैं,' उसने कहा। 'चलो मेट्रो से विंबलडन चलते हैं।'
'क्या हम अपने साथ कुछ भी नहीं ले जाएंगे? घुसपैठ करने के लिए औजार?' 'मेरे प्रिय हेस्टिंग्स, हरक्यूल पोइरोट ऐसे क्रूर तरीके नहीं अपनाते।' मैंने तिरस्कृत होकर सेवानिवृत्ति ले ली, लेकिन मेरी जिज्ञासा अभी भी जागृत थी।

आधी रात के ठीक बाद हम बुओना विस्टा के छोटे से उपनगरीय बगीचे में दाखिल हुए। घर में अंधेरा और सन्नाटा था। पोइरोट सीधे घर के पीछे वाली खिड़की के पास गए, चुपचाप खिड़की का चौखट उठाया और मुझे अंदर आने का इशारा किया। 'तुम्हें कैसे पता चला कि यह खिड़की खुली होगी?' मैंने फुसफुसाते हुए कहा, क्योंकि यह वाकई में बहुत अजीब लग रहा था।
'क्योंकि मैंने आज सुबह मछली को आरी से काट दिया।'
'क्या?'
लेकिन हां, यह सबसे आसान तरीका था। मैंने फोन किया, एक फर्जी कार्ड और इंस्पेक्टर जैप का एक आधिकारिक कार्ड दिखाया। मैंने कहा कि मुझे स्कॉटलैंड यार्ड की सिफारिश पर भेजा गया है, ताकि श्री लैविंगटन के अनुपस्थिति में कुछ चोर-रोधी ताले लगवा सकूं। हाउसकीपर ने मेरा उत्साहपूर्वक स्वागत किया। ऐसा लगता है कि हाल ही में यहां दो बार चोरी की कोशिश हुई है - जाहिर है, हमारा यह छोटा सा विचार श्री लैविंगटन के अन्य ग्राहकों को भी सूझा है - लेकिन कोई कीमती सामान नहीं चोरी हुआ। मैंने सभी खिड़कियों का निरीक्षण किया, अपनी छोटी सी व्यवस्था की, नौकरों को कल तक खिड़कियों को छूने से मना किया, क्योंकि उनमें बिजली का कनेक्शन था, और मैं शालीनता से वहां से चला गया।
'सचमुच, पोइरोट, आप अद्भुत हैं।'
'मेरे दोस्त, यह बहुत ही सरल था। अब काम पर लगो! नौकर घर के सबसे ऊपरी हिस्से में सोते हैं, इसलिए उन्हें परेशान करने का खतरा न के बराबर होगा।' 'मेरा अनुमान है कि तिजोरी दीवार में कहीं बनी हुई है?'
'सुरक्षित? बिलकुल नहीं! कोई सुरक्षित जगह नहीं है। श्री लैविंगटन एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आप देखेंगे, उन्होंने सुरक्षित जगह से कहीं अधिक समझदारी से कोई गुप्त स्थान बना लिया होगा। हर कोई सबसे पहले सुरक्षित जगह ही ढूंढता है।'
इसके बाद हमने पूरे घर की व्यवस्थित तलाशी शुरू की। लेकिन कई घंटों तक घर की छानबीन करने के बाद भी हमारी खोज व्यर्थ रही। मैंने पोइरोट के चेहरे पर क्रोध के लक्षण उभरते हुए देखे।
'अरे, बुद्धिमानों, क्या हरक्यूल पोइरोट को हराया जा सकता है? कभी नहीं! शांत हो जाओ। चिंतन करो। तर्क करो। अंत में, अपनी बुद्धि का प्रयोग करो!'

वह कुछ क्षणों के लिए रुका, एकाग्रता से अपनी भौंहें सिकोड़ीं; फिर वही हरी रोशनी, जिसे मैं अच्छी तरह जानता था, उसकी आँखों में झलक गई।
'मैं कितना मूर्ख था! रसोई!'
'रसोईघर!' मैं चिल्लाई। 'लेकिन यह असंभव है। नौकर!'
'बिल्कुल सही। सौ में से निन्यानवे लोग यही कहेंगे! और इसी वजह से रसोई सबसे उपयुक्त जगह है। यह तरह-तरह की घरेलू चीज़ों से भरी हुई है। रसोई की ओर!'
मैं पूरी तरह संदेह के साथ उसके पीछे-पीछे गया और देखता रहा कि वह ब्रेड के डिब्बों में हाथ डाल रहा है, बर्तनों को थपथपा रहा है और अपना सिर गैस ओवन में डाल रहा है। अंत में, उसे देखते-देखते थककर मैं वापस अध्ययन कक्ष में चला गया। मुझे पूरा यकीन था कि वहीं, और केवल वहीं, हमें खजाना मिलेगा। मैंने एक बार फिर बारीकी से तलाशी ली, देखा कि अब सवा चार बज चुके हैं और इसलिए जल्द ही उजाला होने वाला है, और फिर रसोई के क्षेत्र में वापस चला गया।
मुझे घोर आश्चर्य हुआ कि पोइरोट अब कोयले के डिब्बे के ठीक अंदर खड़ा था, जिससे उसका साफ-सुथरा हल्का सूट पूरी तरह से बर्बाद हो गया था। उसने मुंह बनाया।
'लेकिन हां, मेरे दोस्त, अपनी शक्ल-सूरत खराब करना मेरी सारी प्रवृत्ति के खिलाफ है, लेकिन तुम क्या करोगे?'
'लेकिन लैविंगटन ने इसे कोयले के नीचे तो नहीं दबा दिया होगा?'
'अगर आप अपनी आंखों का इस्तेमाल करेंगे तो आपको पता चलेगा कि मैं कोयले की जांच नहीं कर रहा हूं।'
फिर मैंने देखा कि कोयले के गोदाम के पीछे एक शेल्फ पर लकड़ी के कुछ लट्ठे रखे हुए थे। पोइरोट बड़ी कुशलता से उन्हें एक-एक करके नीचे उतार रहा था। अचानक उसने धीमी सी आवाज़ में विस्मय व्यक्त किया।
'हेस्टिंग्स, तुम्हारा चाकू!'
मैंने उसे वह चीज़ दे दी। ऐसा लगा जैसे उसने उसे लकड़ी में डाला हो, और अचानक लकड़ी का लट्ठा दो टुकड़ों में फट गया। उसे बड़ी सफाई से बीच से काटा गया था और बीच में एक खोखला हिस्सा बनाया गया था। उस खोखले हिस्से से पोइरोट ने चीनी निर्मित एक छोटा सा लकड़ी का डिब्बा निकाला।
'शाबाश!' मैंने अपने आप को जोश से भरते हुए कहा।

'शांत रहो, हेस्टिंग्स! अपनी आवाज ज्यादा ऊंची मत करो। चलो, सुबह होने से पहले हम यहां से चलें।'
डिब्बा जेब में रखते हुए, वह हल्के कदमों से कोयले के बंकर से बाहर कूदा, जितना हो सके खुद को झाड़ा और जिस रास्ते से हम आए थे उसी रास्ते से घर से निकलकर हम तेजी से लंदन की दिशा में चल पड़े।
'लेकिन यह कितनी असाधारण जगह है!' मैंने आपत्ति जताते हुए कहा। 'कोई भी उस लकड़ी के लट्ठे का इस्तेमाल कर सकता था।'
'जुलाई में, हेस्टिंग्स? और यह तो ढेर के सबसे नीचे था - एक बहुत ही चालाकी भरा छिपने का स्थान। आह, यहाँ एक टैक्सी है! अब घर चलते हैं, नहाते हैं और चैन की नींद सोते हैं।'
रात भर के रोमांच के बाद, मैं देर से सोया। जब मैं आखिरकार रात एक बजे से ठीक पहले अपने बैठक कक्ष में पहुँचा, तो मुझे पोइरोट को एक आरामकुर्सी पर पीछे की ओर झुके हुए देखकर आश्चर्य हुआ, उनके बगल में चीनी बक्सा खुला पड़ा था और वे शांति से उसमें से निकाला हुआ पत्र पढ़ रहे थे।
उन्होंने स्नेहपूर्वक मेरी ओर मुस्कुराया और अपने हाथ में पकड़े हुए कागज को थपथपाया।
'लेडी मिलिसेंट सही थीं; ड्यूक इस पत्र को कभी माफ नहीं करते! इसमें स्नेह के कुछ ऐसे अतिरंजित शब्द हैं जो मैंने आज तक नहीं पढ़े।'
'सच में, पोइरोट,' मैंने कुछ नाराज़गी भरे लहजे में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आपको वह पत्र पढ़ना चाहिए था। ऐसा करना ठीक नहीं है।'
'यह काम हरक्यूल पोइरोट ने किया है,' मेरे दोस्त ने शांत भाव से जवाब दिया। 'और एक और बात,' मैंने कहा। 'मुझे नहीं लगता कि कल जैप के आधिकारिक कार्ड का इस्तेमाल करना खेल के नियमों के अनुसार था।'
'लेकिन मैं कोई खेल नहीं खेल रहा था, हेस्टिंग्स। मैं एक मामले की पैरवी कर रहा था।'
मैंने कंधे उचका दिए। किसी के दृष्टिकोण से बहस नहीं की जा सकती। 'सीढ़ियों पर एक कदम,' पोइरोट ने कहा। 'वह लेडी मिलिसेंट होंगी।'
हमारी सम्मानित ग्राहक चिंतित चेहरे के साथ अंदर आई, जो पोइरोट द्वारा दिखाए गए पत्र और बक्से को देखकर खुशी के भाव में बदल गया।
'ओह, मिस्टर पोइरोट! आपने कमाल कर दिया! आपने यह कैसे किया?'

'काफी निंदनीय तरीकों से, महोदया। लेकिन श्री लैविंगटन मुकदमा नहीं चलाएंगे। यह आपका ही पत्र है, है ना?'
उसने उस पर सरसरी नजर डाली।
'जी हाँ। ओह, मैं आपका शुक्रिया कैसे अदा करूँ! आप एक अद्भुत, अद्भुत इंसान हैं। यह कहाँ छिपा हुआ था?'
पोइरोट ने उसे बताया।
'तुमने तो बड़ी चतुराई दिखाई!' उसने मेज से छोटा सा डिब्बा उठाया। 'मैं इसे यादगार के तौर पर रख लूंगी।'
'मुझे उम्मीद थी, महोदया, कि आप मुझे इसे अपने पास रखने की अनुमति देंगी - एक स्मृति चिन्ह के रूप में भी।'
'मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी शादी के दिन आपको इससे भी बेहतर स्मृति चिन्ह भेजूंगा। आप मुझे कृतघ्न नहीं समझेंगे, श्री पोइरोट।'
'आपकी सेवा करने से मुझे जो खुशी मिलेगी, वह चेक से कहीं अधिक होगी - इसलिए कृपया मुझे यह डिब्बा अपने पास रखने की अनुमति दें।'
'अरे नहीं, मिस्टर पोइरोट, मुझे वह चाहिए ही चाहिए,' वह हंसते हुए चिल्लाई। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन पोइरोट उससे पहले ही मौजूद थे। उन्होंने अपना हाथ उसके हाथ पर रख दिया।
'मुझे नहीं लगता।' उनकी आवाज़ बदल गई थी।
'तुम्हारा क्या मतलब है?' उसकी आवाज और भी तीखी हो गई थी।
खैर, मुझे इसके आगे के अंश संक्षेप में बताने की अनुमति दें। आप देख सकते हैं कि मूल गुहा आधी हो गई है। ऊपरी आधे भाग में, समझौता पत्र; निचले भाग में -'
उसने फुर्ती से इशारा किया, फिर अपना हाथ आगे बढ़ाया। हथेली पर चार बड़े चमकीले पत्थर और दो बड़े दूधिया सफेद मोती थे।
'मुझे लगता है कि बॉन्ड स्ट्रीट में कुछ दिन पहले जो गहने चोरी हुए थे, वही तो असली वजह होगी,' पोइरोट ने धीरे से कहा। 'जैप हमें बताएगा।'
मुझे बेहद आश्चर्य हुआ जब जैप खुद पोइरोट के बेडरूम से बाहर निकले।
'मुझे लगता है कि वह आपका कोई पुराना दोस्त है,' पोइरोट ने लेडी मिलिसेंट से विनम्रतापूर्वक कहा।
'भगवान की कृपा से पकड़ा गया!' लेडी मिलिसेंट ने अपने हावभाव में पूर्ण परिवर्तन लाते हुए कहा। 'तुम बड़े चालाक बूढ़े शैतान!'

उसने पोइरोट को लगभग स्नेहपूर्ण श्रद्धा के साथ देखा।
'खैर, गर्टी, मेरी प्यारी,' जैप ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस बार खेल खत्म हो गया है। इतनी जल्दी आपसे दोबारा मिलकर अच्छा लगा! हमें आपका दोस्त भी मिल गया है, वह सज्जन जो कुछ दिन पहले यहाँ आए थे और खुद को लैविंगटन बता रहे थे। जहाँ तक लैविंगटन की बात है, उर्फ क्रोकर, उर्फ रीड, मुझे आश्चर्य है कि उस गिरोह में से किसने हॉलैंड में कुछ दिन पहले उस पर चाकू से हमला किया था? आपको लगा था कि उसके पास सामान है, है ना? और उसके पास नहीं था। उसने आपको पूरी तरह से धोखा दिया - उन्हें अपने ही घर में छिपा दिया। आपने दो लोगों को उन्हें ढूंढने के लिए लगाया था, और फिर आपने एम. पोइरोट से पंगा लिया, और अविश्वसनीय किस्मत से उन्होंने उन्हें ढूंढ लिया।'
'तुम्हें बात करना बहुत पसंद है, है ना?' दिवंगत लेडी मिलिसेंट ने कहा। 'शांत हो जाओ, मैं चुपचाप चली जाऊंगी। तुम यह नहीं कह सकते कि मैं आदर्श महिला नहीं हूं। अलविदा!'
'जूते गलत थे,' पोइरोट ने स्वप्निल स्वर में कहा, जबकि मैं अभी भी इतना अचेत था कि कुछ बोल नहीं पा रहा था। 'मैंने आपके अंग्रेज़ राष्ट्र के बारे में थोड़ा बहुत गौर किया है, और एक महिला, जन्म से ही एक महिला, अपने जूतों को लेकर हमेशा सजग रहती है। उसके कपड़े भले ही फटे-पुराने हों, लेकिन जूते अच्छे होते हैं। अब, इस लेडी मिलिसेंट के पास महंगे और सजग कपड़े थे, और जूते सस्ते। यह संभव नहीं था कि न तो आपने और न ही मैंने असली लेडी मिलिसेंट को देखा हो; वह लंदन में बहुत कम रही हैं, और इस लड़की की शक्ल उनसे कुछ हद तक मिलती-जुलती थी जो ठीक-ठाक लग रही थी। जैसा कि मैंने कहा, जूतों ने सबसे पहले मेरे संदेह को जगाया, और फिर उसकी कहानी - और उसका घूंघट - थोड़ा नाटकीय था, है ना? ऊपर जाली आपत्तिजनक पत्र वाला चीनी बक्सा पूरे गिरोह को पता होना चाहिए था, लेकिन लकड़ी का लट्ठा स्वर्गीय श्री लैविंगटन का अपना विचार था। खैर, उदाहरण के लिए, हेस्टिंग्स, मुझे उम्मीद है कि आप कल की तरह फिर से मेरी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाएँगे, यह कहकर कि मैं आपराधिक वर्ग से अनजान हूँ।' अरे बाप रे, जब वे खुद असफल हो जाते हैं तब भी वे मुझे काम पर रख लेते हैं!

खोई हुई खदान

मैंने आह भरते हुए अपनी बैंक बुक नीचे रख दी।
मैंने कहा, 'यह एक अजीब बात है, लेकिन मेरा ओवरड्राफ्ट कभी कम होता हुआ प्रतीत नहीं होता।'
'और इससे आपको कोई परेशानी नहीं होती? अगर मेरे खाते में ओवरड्राफ्ट होता, तो मैं कभी भी रात भर अपनी आँखें बंद नहीं करता,' पोइरोट ने कहा।
'मुझे लगता है कि आप आरामदायक संतुलन में ही काम करते हैं!' मैंने पलटकर जवाब दिया।
'चार सौ चौवालीस पाउंड, चार पाउंड और चार पेंस,' पोइरोट ने कुछ संतुष्टि के साथ कहा। 'यह एक बढ़िया रकम है, है ना?'
'यह आपके बैंक मैनेजर की सूझबूझ ही होगी। जाहिर है, वह समरूपता के प्रति आपके जुनून से वाकिफ हैं। पोरक्यूपाइन तेल क्षेत्रों में, मान लीजिए तीन सौ डॉलर का निवेश करने के बारे में क्या ख्याल है? आज अखबारों में विज्ञापित उनके प्रॉस्पेक्टस में कहा गया है कि वे अगले साल सौ प्रतिशत लाभांश देंगे।'
'मेरे लिए नहीं,' पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा। 'मुझे सनसनीखेज चीजें पसंद नहीं हैं। मेरे लिए सुरक्षित, विवेकपूर्ण निवेश ही बेहतर है - लेस रेंटेस, द कंसोल्स, द - इसे क्या कहते हैं? - कन्वर्जन।'
'क्या आपने कभी कोई सट्टा निवेश नहीं किया है?'
'नहीं, मेरे मित्र,' पोइरोट ने सख्ती से जवाब दिया। 'मैंने ऐसा नहीं किया है। और मेरे पास केवल वही चौदह हजार शेयर हैं जिनमें वह 'सोने की परत' नहीं है जिसे आप 'सोने की परत' कहते हैं।'
पोइरोट कुछ देर के लिए रुक गए, मानो उन्हें आगे बोलने के लिए प्रोत्साहित किए जाने का इंतजार हो रहा हो।
'हां?' मैंने पूछा।
'और इसके लिए मैंने कोई नकद भुगतान नहीं किया - नहीं, ये तो मेरे दिमाग की छोटी-छोटी कोशिकाओं के इस्तेमाल का इनाम थे। क्या आप कहानी सुनना चाहेंगे? हाँ?'
'बेशक मैं ऐसा करूंगा।'
ये खदानें बर्मा के भीतरी इलाके में, रंगून से लगभग दो सौ मील अंदर स्थित हैं। इनकी खोज पंद्रहवीं शताब्दी में चीनियों ने की थी और मोहम्मद विद्रोह तक इनमें काम होता रहा, अंततः 1868 में इन्हें छोड़ दिया गया।

चीनियों ने अयस्क भंडार के ऊपरी हिस्से से समृद्ध सीसा-चांदी अयस्क निकाला, केवल चांदी के लिए इसे गलाया और बड़ी मात्रा में समृद्ध सीसा युक्त स्लैग छोड़ दिया। बर्मा में खोज कार्य के दौरान इसकी खोज शीघ्र ही हो गई, लेकिन पुराने खदानों में ढीली भराई और पानी भर जाने के कारण अयस्क के स्रोत का पता लगाने के सभी प्रयास निष्फल रहे। कई संगठनों द्वारा कई दल भेजे गए और उन्होंने एक बड़े क्षेत्र में खुदाई की, लेकिन यह समृद्ध खजाना फिर भी उनके हाथ नहीं लगा। लेकिन एक संगठन के प्रतिनिधि को एक चीनी परिवार का पता चला, जिनके बारे में माना जाता था कि उन्होंने अभी भी खदान की स्थिति का रिकॉर्ड रखा हुआ है। परिवार के वर्तमान मुखिया वू लिंग थे। 'व्यावसायिक रोमांस का कितना दिलचस्प पन्ना है!' मैंने विस्मय व्यक्त किया।
'है ना? आह, मेरे दोस्त, बेजोड़ सुंदरता वाली सुनहरे बालों वाली लड़कियों के बिना भी रोमांस हो सकता है - नहीं, मैं गलत हूँ; यह भूरे बाल ही हैं जो आपको हमेशा इतना आकर्षित करते हैं। आपको याद है ना -'
मैंने जल्दबाजी में कहा, 'कहानी जारी रखो।'
"अरे हाँ, मेरे दोस्त, वू लिंग से संपर्क किया गया। वह एक प्रतिष्ठित व्यापारी थे, और अपने प्रांत में उनका बहुत सम्मान था। उन्होंने तुरंत स्वीकार किया कि संबंधित दस्तावेज़ उन्हीं के हैं, और वे इस बिक्री के लिए बातचीत करने को पूरी तरह तैयार थे, लेकिन उन्होंने मुख्य व्यक्तियों के अलावा किसी और से सौदा करने से इनकार कर दिया। अंततः यह तय हुआ कि वे इंग्लैंड की यात्रा करेंगे और एक महत्वपूर्ण कंपनी के निदेशकों से मिलेंगे।"
वू लिंग एस.एस. असुंता नामक जहाज से इंग्लैंड की यात्रा पर निकले और नवंबर की एक ठंडी, धुंध भरी सुबह असुंता साउथेम्प्टन में आकर रुकी। कंपनी के निदेशकों में से एक, श्री पियर्सन, जहाज से मिलने साउथेम्प्टन गए, लेकिन धुंध के कारण ट्रेन बहुत देर से आई और जब तक वे पहुंचे, वू लिंग जहाज से उतरकर विशेष ट्रेन से लंदन के लिए रवाना हो चुके थे। श्री पियर्सन कुछ नाराज़ होकर शहर लौट आए, क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि वह चीनी नागरिक कहां ठहरने वाले हैं। हालांकि, उसी दिन बाद में कंपनी के दफ्तरों में फोन आया। वू लिंग रसेल स्क्वायर होटल में ठहरे हुए थे। यात्रा के बाद उनकी

इसमें कोई संदेह नहीं था कि यदि इन दोनों में से कोई भी दोषी पाया जाता, तो डायर ही वह व्यक्ति था। वह चीनी बदमाशों के एक गिरोह से जुड़ा हुआ माना जाता था, और इसलिए वह एक संभावित संदिग्ध था।
'हमारा अगला कदम रसेल स्क्वायर होटल जाना था। वू लिंग की एक तस्वीर दिखाते ही उन्होंने उसे तुरंत पहचान लिया। फिर हमने उन्हें डायर की तस्वीर दिखाई, लेकिन हमारी निराशा तब और बढ़ गई जब होटल के पोर्टर ने साफ तौर पर कहा कि वह उस मनहूस सुबह होटल में आया हुआ आदमी नहीं था। लगभग अचानक ही मैंने लेस्टर की तस्वीर दिखाई और मुझे आश्चर्य हुआ कि उस आदमी ने उसे तुरंत पहचान लिया।'
"जी हां, महोदय," उसने जोर देकर कहा, "ये वही सज्जन हैं जो साढ़े दस बजे आए थे और श्री वू लिंग के बारे में पूछा था, और बाद में उनके साथ बाहर चले गए थे।"
मामला आगे बढ़ रहा था। हमारा अगला कदम श्री चार्ल्स लेस्टर का साक्षात्कार लेना था। उन्होंने अत्यंत स्पष्टवादिता से हमारा सामना किया, चीनी व्यक्ति की असमय मृत्यु की खबर सुनकर वे बेहद दुखी थे और हर तरह से हमारी सहायता करने के लिए तत्पर थे। उनकी कहानी कुछ इस प्रकार थी: वू लिंग के साथ तय समय पर, उन्होंने साढ़े दस बजे होटल में उनसे मिलने का न्योता दिया। लेकिन वू लिंग नहीं आए। इसके बजाय, उनका नौकर आया, उसने बताया कि उनके मालिक को बाहर जाना पड़ा है, और उसने उस युवक को वहाँ ले जाने की पेशकश की जहाँ उसके मालिक अभी थे। लेस्टर को कुछ संदेह नहीं हुआ, इसलिए वे मान गए और चीनी व्यक्ति ने एक टैक्सी का इंतजाम किया। वे कुछ देर तक बंदरगाह की दिशा में चलते रहे। अचानक संदेह होने पर, लेस्टर ने टैक्सी रोक दी और नौकर के विरोध की अनसुनी करते हुए बाहर निकल गए। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि उन्हें बस इतना ही पता है।
हम संतुष्ट होकर उन्हें धन्यवाद देने और विदा लेने चले गए। उनकी कहानी जल्द ही कुछ हद तक गलत साबित हुई। पहली बात तो यह कि वू लिंग के साथ न तो नाव पर और न ही होटल में कोई नौकर था। दूसरी बात यह कि उस सुबह दोनों आदमियों को ले जाने वाला टैक्सी ड्राइवर सामने आया। लेस्टर के रास्ते में टैक्सी छोड़ने की बात तो दूर, वह और चीनी सज्जन लाइमहाउस में एक संदिग्ध जगह पर गए थे, जो चाइनाटाउन के ठीक बीच में स्थित थी। वह जगह लगभग हर जगह अफीम के अड्डे के रूप में जानी जाती थी। दोनों सज्जन अंदर गए - लगभग एक

घंटे बाद अंग्रेज सज्जन, जिनकी पहचान उन्होंने तस्वीर से की थी, अकेले बाहर आए। वे बहुत पीले और बीमार लग रहे थे, और उन्होंने टैक्सी ड्राइवर को उन्हें निकटतम मेट्रो स्टेशन ले जाने का निर्देश दिया।
चार्ल्स लेस्टर की प्रतिष्ठा के बारे में पूछताछ की गई और पता चला कि, हालांकि उनका चरित्र उत्कृष्ट था, वे भारी कर्ज में डूबे हुए थे और उन्हें जुए का गुप्त शौक था। डायर पर भी नजर रखी जा रही थी। ऐसा लग रहा था कि शायद उन्होंने दूसरे व्यक्ति का रूप धारण किया हो, लेकिन यह विचार पूरी तरह निराधार साबित हुआ। उस दिन के दौरान उनकी उपस्थिति का पुख्ता सबूत था। बेशक, अफीम के अड्डे के मालिक ने पूर्वी शैली में हर बात से इनकार किया। उन्होंने वू लिंग को कभी नहीं देखा था; उन्होंने चार्ल्स लेस्टर को कभी नहीं देखा था। उस सुबह कोई भी दो सज्जन उस जगह पर नहीं गए थे। वैसे भी, पुलिस गलत थी: वहां कभी अफीम का सेवन नहीं किया गया था।
भले ही चार्ल्स लेस्टर ने अच्छे इरादे से इनकार किया हो, लेकिन इससे उसे कोई खास मदद नहीं मिली। उसे वू लिंग की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सामान की तलाशी ली गई, लेकिन खदान से संबंधित कोई भी कागजात नहीं मिले। अफीम के अड्डे के मालिक को भी हिरासत में लिया गया, लेकिन उसके परिसर की सरसरी छापेमारी में कुछ भी नहीं मिला। पुलिस की कोशिशों के बावजूद अफीम की एक टिकिया भी हाथ नहीं आई।
'इसी बीच मेरे मित्र श्री पियर्सन बहुत बेचैन थे। वे मेरे कमरे में इधर-उधर घूमते रहे और बड़े विलाप करते रहे।'
"लेकिन आपके पास कुछ विचार तो होंगे ही, मिस्टर पोइरोट!" वह लगातार आग्रह करते रहे। "निश्चित रूप से आपके पास कुछ विचार तो होंगे ही?"
"निश्चित रूप से मेरे पास विचार हैं," मैंने सावधानीपूर्वक उत्तर दिया। "यही तो समस्या है - एक व्यक्ति के पास बहुत सारे विचार होते हैं; इसलिए वे सभी अलग-अलग दिशाओं में ले जाते हैं।"
"उदाहरण के लिए?" उसने सुझाव दिया।
उदाहरण के लिए - टैक्सी चालक। हमारे पास केवल उसी का बयान है कि उसने उन दोनों आदमियों को उस घर तक पहुँचाया था। यह एक संभावना है। तो क्या वे सचमुच उसी घर में गए थे? मान लीजिए कि उन्होंने टैक्सी वहीं छोड़ दी, घर से होकर गुजरे और दूसरे प्रवेश द्वार से बाहर निकल गए और कहीं और चले गए? 'श्री पियर्सन इससे काफी प्रभावित हुए।'

"लेकिन तुम तो बस बैठकर सोचते ही रहते हो? क्या हम कुछ नहीं कर सकते?" 'उनका स्वभाव अधीर था, आप समझ सकते हैं।'
“महाशय,” मैंने गरिमापूर्ण ढंग से कहा, “हरक्यूल पोइरोट का काम लाइमहाउस की बदबूदार गलियों में एक अनाड़ी कुत्ते की तरह इधर-उधर भागना नहीं है। शांत रहिए। मेरे एजेंट काम पर लगे हुए हैं।”
अगले दिन मेरे पास उसके लिए एक खबर थी। वे दोनों आदमी वाकई उस घर से होकर गुजरे थे, लेकिन उनका असली मकसद नदी के पास स्थित एक छोटा सा भोजनालय था। उन्हें वहां जाते हुए देखा गया, और लेस्टर अकेला बाहर आया।
और फिर, हेस्टिंग्स, खुद ही सोच लो, मिस्टर पियर्सन के मन में सबसे अतार्किक विचार आया होगा!
उन्हें बस यही मंजूर था कि हम खुद उस भोजनालय में जाकर छानबीन करें। मैंने उनसे बहस की और प्रार्थना भी की, पर उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। उन्होंने भेष बदलने की बात की - यहाँ तक कि उन्होंने सुझाव दिया कि मैं - मैं यह कहने में हिचकिचा रहा हूँ - अपनी मूंछें मुंडवा लूँ! जी हाँ, बिलकुल! मैंने उन्हें समझाया कि यह विचार हास्यास्पद और बेतुका है। सुंदरता की वस्तु को यूँ ही नष्ट नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, क्या मूंछों वाला बेल्जियम का सज्जन भी जीवन को देखने और अफीम पीने की उतनी ही इच्छा नहीं रखेगा जितनी बिना मूंछों वाला?
'अरे हाँ, उसने उस बात पर तो मान लिया, लेकिन फिर भी अपने प्रोजेक्ट पर अड़ा रहा। वो उस शाम आया - हे भगवान, क्या शख्सियत थी! उसने वो पहना हुआ था जिसे वो "पी-जैकेट" कहता था, उसकी ठुड्डी गंदी और बिना शेव की हुई थी; उसके पास एक बेहद घटिया सा स्कार्फ था जो नाक को चुभ रहा था। और ज़रा सोचिए, वो कितना मज़े कर रहा था!'
सचमुच, अंग्रेज पागल हैं! उसने मेरे रूप-रंग में कुछ बदलाव किए। मैंने इसकी अनुमति दे दी। भला कोई पागल से कैसे बहस कर सकता है? हमने शुरुआत की - आखिर, क्या मैं उसे अकेले जाने दे सकता था, एक बच्चे को जो अभिनय करने के लिए तैयार होकर आया था?'
'बेशक तुम नहीं कर सकते,' मैंने जवाब दिया।
'आगे की बात करें तो - हम पहुँच गए। मिस्टर पियर्सन बड़ी अजीब अंग्रेज़ी बोलते थे। उन्होंने खुद को समुद्री आदमी बताया। वे "लुबर्स" और "फोक्सेल्स" और न जाने क्या-क्या बातें करते रहे। वह एक छोटा सा कमरा था

जिसमें कई चीनी लोग थे। हमने अजीबोगरीब व्यंजन खाए। आह, हे भगवान!' पोइरोट ने आगे बोलने से पहले अपने पेट के उस हिस्से को कोमलता से पकड़ा। 'फिर हमारे पास मालिक आया, एक चीनी आदमी जिसके चेहरे पर शैतानी मुस्कान थी।' “आप लोगों को यहाँ का खाना पसंद नहीं है,” उसने कहा। “आप यहाँ अपनी पसंद की चीज़ों के लिए आते हैं। बढ़िया है ना?”
'मिस्टर पियर्सन ने मुझे मेज के नीचे ज़ोरदार लात मारी। (उन्होंने समुद्री बूट भी पहने हुए थे!) और उन्होंने कहा: "मुझे कोई आपत्ति नहीं है, जॉन। आगे बढ़ो।"
चीनी व्यक्ति मुस्कुराया और हमें एक दरवाजे से तहखाने में ले गया, फिर एक गुप्त दरवाजे से होते हुए कुछ सीढ़ियाँ उतरवाकर एक ऐसे कमरे में ले गया जो बेहद आरामदायक सोफे और गद्दों से भरा हुआ था। हम लेट गए और एक चीनी लड़के ने हमारे जूते उतारे। वह शाम का सबसे अच्छा पल था। फिर वे हमारे लिए अफीम के पाइप लाए और अफीम की गोलियाँ पकाईं, और हमने धूम्रपान करने और फिर सोने और सपने देखने का नाटक किया। लेकिन जब हम अकेले थे, तो श्री पियर्सन ने मुझे धीरे से पुकारा, और तुरंत ही वह फर्श पर रेंगने लगे। हम दूसरे कमरे में गए जहाँ दूसरे लोग सो रहे थे, और इसी तरह हम तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक हमें दो आदमियों की बातें सुनाई नहीं दीं। हम एक पर्दे के पीछे छिपकर सुनने लगे। वे वू लिंग के बारे में बात कर रहे थे।
"कागजात का क्या हुआ?" एक ने पूछा।
“श्री लेस्टर, उन्होंने ये सब ले लिए हैं,” दूसरे चीनी व्यक्ति ने उत्तर दिया। “उन्होंने कहा, इन्हें सुरक्षित स्थान पर रख दो जहाँ पुलिस न देख सके।”
"अरे, लेकिन वह पकड़ा गया है," पहले वाले ने कहा।
"उसे रिहा कर दिया गया। प्लीसमैन को यकीन नहीं है कि उसने यह किया है।" 'इसी तरह की और भी चीजें हुईं, फिर जाहिर तौर पर वे दोनों आदमी हमारी तरफ आ रहे थे, और हम जल्दी से अपने बिस्तरों पर वापस चले गए।'
कुछ मिनट बीतने के बाद पियर्सन ने कहा, "हमें यहाँ से निकल जाना चाहिए। यह जगह सेहत के लिए अच्छी नहीं है।"
"आप सही कह रहे हैं, महोदय," मैंने सहमति जताते हुए कहा। "हम बहुत लंबे समय से यह नाटक खेल रहे हैं।"

'हम भागने में कामयाब तो हो गए, लेकिन सिगरेट पीने के लिए हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी। लाइमहाउस से बाहर निकलते ही पियर्सन ने एक लंबी सांस ली।' उन्होंने कहा, "मुझे इससे छुटकारा पाकर खुशी हुई। लेकिन यह निश्चित रूप से एक जोखिम भरा कदम था।"
“हाँ, बिल्कुल,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “और मुझे लगता है कि आज शाम के मुखौटा नृत्य के बाद हमें अपनी मनचाही चीज़ ढूंढने में ज़्यादा कठिनाई नहीं होगी।”
'और इसमें कोई कठिनाई नहीं थी,' पोइरोट ने अचानक बात समाप्त की।
यह अचानक अंत इतना असाधारण लगा कि मैं उसे घूरता रह गया।
'लेकिन - लेकिन वे कहाँ थे?' मैंने पूछा।
'उसकी जेब में - दलाल सरल।'
लेकिन किसकी जेब में?
'मिस्टर पियर्सन का, पारब्लू!'
फिर, मेरे विस्मय भरे चेहरे को देखकर, उन्होंने धीरे से आगे कहा:
'क्या आपको अभी तक समझ नहीं आया? श्री पियर्सन, चार्ल्स लेस्टर की तरह, कर्ज में डूबे हुए थे। श्री पियर्सन, चार्ल्स लेस्टर की तरह, जुए के शौकीन थे। और उन्होंने चीनी व्यक्ति से कागजात चुराने का विचार बनाया। वे उससे साउथेम्प्टन में मिले, उसके साथ लंदन आए और उसे सीधे लाइमहाउस ले गए। उस दिन घना कोहरा था; चीनी व्यक्ति को पता ही नहीं चला कि वे कहाँ जा रहे हैं। मुझे लगता है कि श्री पियर्सन वहाँ अक्सर अफीम पीते थे और इसी वजह से उनके कुछ अजीब दोस्त बन गए थे। मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा हत्या का था। उनका विचार था कि चीनी व्यक्तियों में से कोई एक वू लिंग का रूप धारण करके दस्तावेज़ की बिक्री से मिले पैसे ले ले। अब तक तो सब ठीक था! लेकिन, पूर्वी मानसिकता के अनुसार, वू लिंग को मारना और उसके शरीर को नदी में फेंक देना कहीं अधिक आसान था, और पियर्सन के चीनी साथियों ने उनसे सलाह लिए बिना अपने तरीके अपना लिए। तो ज़रा सोचिए, श्री पियर्सन की इस हरकत को आप क्या कहेंगे?' किसी ने उसे वू लिंग के साथ ट्रेन में देखा होगा - हत्या करना साधारण अपहरण से बहुत अलग बात है।
'उसकी मुक्ति रसेल स्क्वायर होटल में वू लिंग का रूप धारण किए चीनी व्यक्ति के हाथों में है। बस, शव का पता जल्दी न चल जाए! संभवतः वू लिंग ने उसे अपने और चार्ल्स लेस्टर के बीच हुए समझौते के बारे में बताया था, जिसके

अनुसार लेस्टर को होटल में उससे मिलने आना था। पियर्सन को इसमें खुद पर से संदेह हटाने का एक बेहतरीन तरीका नज़र आता है। चार्ल्स लेस्टर ही वह आखिरी व्यक्ति होगा जिसे वू लिंग के साथ देखा जाएगा। उस व्यक्ति को आदेश दिया गया है कि वह लेस्टर के सामने खुद को वू लिंग का नौकर बताए और उसे जल्द से जल्द लाइमहाउस ले आए। वहाँ, संभवतः, उसे एक पेय पेश किया गया होगा। पेय में नशीली दवा मिलाई गई होगी, और जब लेस्टर एक घंटे बाद बाहर आएगा, तो उसे जो कुछ हुआ होगा उसकी धुंधली सी याद होगी। मामला इतना गंभीर था कि जैसे ही लेस्टर को वू लिंग की मृत्यु के बारे में पता चला, वह घबरा गया और उसने लाइमहाउस पहुँचने से ही इनकार कर दिया।'
'इस तरह, ज़ाहिर है, वह पियर्सन के जाल में फँस गया। लेकिन क्या पियर्सन संतुष्ट है? नहीं - मेरा व्यवहार उसे परेशान करता है, और वह लेस्टर के खिलाफ मामला पूरा करने का निश्चय कर लेता है। इसलिए वह एक भव्य नाटक रचता है। मुझे तो पूरी तरह से बेवकूफ बनाया जाना है। क्या मैंने अभी नहीं कहा था कि वह एक बच्चे की तरह नाटक कर रहा है? खैर, मैं अपनी भूमिका निभाता हूँ। वह खुशी-खुशी घर चला जाता है। लेकिन सुबह, इंस्पेक्टर मिलर उसके दरवाजे पर आ पहुँचता है। उसके पास से कागज़ात मिल जाते हैं; खेल खत्म हो जाता है। उसे हरक्यूल पोइरोट के साथ इस नाटक में शामिल होने पर बहुत पछतावा होता है! इस मामले में बस एक ही असली मुश्किल थी।'
'यह क्या था?' मैंने उत्सुकता से पूछा।
'इंस्पेक्टर मिलर को यकीन दिलाना! क्या गज़ब का आदमी था! हठी और मूर्ख दोनों। और अंत में सारा श्रेय उसी ने ले लिया।'
'बहुत बुरा हुआ,' मैंने रोते हुए कहा।
'खैर, मुझे मेरा मुआवज़ा मिल गया। बर्मा माइंस लिमिटेड के दूसरे निदेशक ने मेरी सेवाओं के बदले मुझे चौदह हज़ार शेयर दिए। बुरा नहीं है, है ना? लेकिन पैसा निवेश करते समय, हेस्टिंग्स, मेरी आपसे विनती है, पूरी तरह सतर्क रहें। अखबार में जो पढ़ते हैं, वो सच नहीं हो सकता। पोरक्यूपाइन के निदेशक
- उनमें से कई मिस्टर पियर्सन हो सकते हैं!'

चॉकलेट बॉक्स

वह आगे झुका और आग में एक लकड़ी डाली। फिर, चिमनी के पास एक कील पर टंगे छोटे से कपड़े से अपने हाथ सावधानीपूर्वक पोंछने के बाद, वह पीछे झुक गया और अपनी कहानी शुरू की। (एम. पोइरोट ने कहा) जो मैं आपको बता रहा हूँ, वह कई साल पहले बेल्जियम में घटी थी। यह उस समय की बात है जब फ्रांस में चर्च और राज्य के बीच भयंकर संघर्ष चल रहा था। एम. पॉल डेरौलार्ड एक प्रतिष्ठित फ्रांसीसी सांसद थे। यह सर्वविदित था कि उन्हें मंत्री पद मिलने वाला था। वह कैथोलिक विरोधी दल के सबसे कट्टर सदस्यों में से थे, और यह निश्चित था कि सत्ता में आने पर उन्हें घोर विरोध का सामना करना पड़ेगा। वह कई मायनों में एक विलक्षण व्यक्ति थे। हालाँकि वह न तो शराब पीते थे और न ही धूम्रपान करते थे, फिर भी अन्य मामलों में वह इतने ईमानदार नहीं थे। हेस्टिंग्स, आप समझ रहे हैं ना, यह महिलाओं का मामला था - हमेशा महिलाओं का!
कुछ साल पहले उन्होंने ब्रुसेल्स की एक युवती से शादी की थी, जिसने उन्हें अच्छी खासी दौलत दी थी। निःसंदेह, यह पैसा उनके करियर में उनके लिए उपयोगी साबित हुआ, क्योंकि उनका परिवार धनी नहीं था, हालांकि दूसरी ओर, अगर वे चाहते तो खुद को एम. ले बैरन कह सकते थे। इस शादी से कोई संतान नहीं हुई और उनकी पत्नी की दो साल बाद सीढ़ियों से गिरने के कारण मृत्यु हो गई। उनकी पत्नी ने उन्हें जो संपत्ति विरासत में दी, उसमें ब्रुसेल्स के एवेन्यू लुईस पर स्थित एक घर भी शामिल था। इसी घर में उनकी अचानक मृत्यु हुई, और यह घटना उस मंत्री के इस्तीफे के साथ हुई, जिसका पोर्टफोलियो उन्हें विरासत में मिलना था। सभी अखबारों में उनके करियर के बारे में विस्तृत लेख छपे। उनकी मृत्यु, जो शाम को भोजन के बाद अचानक हुई थी, का कारण हृदय गति रुकना बताया गया। उस समय, मेरे मित्र, जैसा कि आप जानते हैं, मैं बेल्जियम की जासूसी टीम का सदस्य था। एम. पॉल डेरौलार्ड की मृत्यु मेरे लिए विशेष रूप से रुचिकर नहीं थी। जैसा कि आप भी जानते हैं, मैं एक कट्टर कैथोलिक हूँ, और उनकी मृत्यु मुझे सौभाग्यपूर्ण लगी।
इसके लगभग तीन दिन बाद, जब मेरी छुट्टियां अभी शुरू ही हुई थीं, मेरे अपार्टमेंट में एक आगंतुक आई - एक महिला, जिसने घूंघट ओढ़ा हुआ था, लेकिन स्पष्ट रूप से काफी युवा थी; और मैंने तुरंत समझ लिया कि वह एक jeune fille tout à fait comme il faut (एक बिल्कुल सही युवा लड़की) थी।
'क्या आप महाशय हरक्यूल पोइरोट हैं?' उसने धीमी, मधुर आवाज में पूछा।
मैंने सिर झुकाया।

'जासूसी सेवा से?'
मैंने फिर से प्रणाम किया। 'कृपा करके बैठ जाइए, महोदया,' मैंने कहा। उसने एक कुर्सी स्वीकार की और अपना घूंघट हटाया। उसका चेहरा आकर्षक था, हालांकि आंसुओं से भीगा हुआ था, और मानो किसी गहरी चिंता से ग्रस्त था। 'महाशय,' उसने कहा, 'मुझे पता चला है कि आप अब छुट्टी पर हैं। इसलिए आप एक निजी मामला लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। आप समझते हैं कि मैं पुलिस को बुलाना नहीं चाहती।'
मैंने सिर हिलाया। 'मुझे डर है कि आप जो पूछ रही हैं वह असंभव है, मैडम। छुट्टी पर होने के बावजूद, मैं अभी भी पुलिस में ही हूँ।'
वह आगे झुकी। 'सुनिए, महोदय। मैं आपसे केवल इतना ही अनुरोध करती हूँ कि आप जाँच करें। आप अपनी जाँच के परिणाम पुलिस को बताने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। यदि मेरा अनुमान सही निकला, तो हमें कानून की पूरी शक्ति की आवश्यकता होगी।'
इससे मामले का स्वरूप कुछ अलग हो गया, और मैंने बिना किसी देरी के स्वयं को उसकी सेवा में समर्पित कर दिया।
उसके गालों पर हल्की सी लाली आ गई। 'धन्यवाद, महोदय। मैं आपसे श्री पॉल डेरौलार्ड की मृत्यु की जांच करने का अनुरोध करती हूं।'
'कोई टिप्पणी?' मैंने आश्चर्य से कहा।
'महाशय, मेरे पास कोई ठोस आधार नहीं है - केवल मेरी स्त्री की सहज प्रवृत्ति है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है - मैं आपको बता रही हूँ, मुझे पूरा विश्वास है - कि श्री डेरौलार्ड की मृत्यु स्वाभाविक नहीं हुई!'
लेकिन निश्चित रूप से डॉक्टर -'
'डॉक्टरों को गलतफहमी हो सकती है। वह इतना तंदुरुस्त, इतना बलवान था। आह, महाशय पोइरोट, मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरी मदद करें -'
बेचारी बच्ची लगभग बेहाल थी। वह मेरे सामने घुटने टेक देती। मैंने उसे यथासंभव शांत करने की कोशिश की।
'मैं आपकी मदद करूंगा, महोदया। मुझे लगभग पूरा यकीन है कि आपके डर निराधार हैं, लेकिन हम देखेंगे। सबसे पहले, मैं आपसे घर के सदस्यों का वर्णन करने के लिए कहूंगा।'
'घर में नौकरानियां तो हैं ही, जैसे जेनेट, फेलिसी और रसोइया डेनिस। डेनिस कई सालों से यहाँ काम कर रही है; बाकी सब सीधी-सादी देहाती लड़कियाँ हैं।

फ्रांस्वा भी है, लेकिन वो भी पुराना नौकर है। फिर श्रीमान डेरौलार्ड की माँ हैं जो उनके साथ रहती थीं, और मैं। मेरा नाम वर्जिनी मेसनार्ड है। मैं स्वर्गीय मैडम डेरौलार्ड, श्रीमान पॉल की पत्नी की एक गरीब चचेरी बहन हूँ, और तीन साल से ज़्यादा समय से उनके परिवार का हिस्सा हूँ। मैंने अब आपको घर का पूरा ब्यौरा दे दिया है। घर में दो मेहमान भी ठहरे हुए थे।'
'और वे कौन थे?'
'एम. डे सेंट अलार्ड, जो फ्रांस में एम. डेरोलार्ड के पड़ोसी थे। साथ ही एक अंग्रेज मित्र, श्री जॉन विल्सन।'
'क्या वे अभी भी आपके साथ हैं?'
'श्री विल्सन, जी हाँ, लेकिन एम. डी सेंट अलार्ड का निधन कल हो गया।'
'और आपकी योजना क्या है, मैडमोजेल मेसनार्ड?'
'यदि आप आधे घंटे में घर पर उपस्थित हो जाएँगी, तो मैं आपकी उपस्थिति का कोई न कोई कारण बता दूँगी। बेहतर होगा कि मैं आपको पत्रकारिता से किसी न किसी रूप में जोड़ दूँ। मैं कहूँगी कि आप पेरिस से आई हैं और एम. डी सेंट अलार्ड का परिचय पत्र लाई हैं। मैडम डेरौलार्ड का स्वास्थ्य बहुत कमजोर है और वे छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी।'
मैडमोजेल के चतुर बहाने पर मुझे घर में प्रवेश मिल गया, और मृत डिप्टी की मां के साथ एक संक्षिप्त मुलाकात के बाद, जो कि एक अद्भुत रूप से प्रभावशाली और कुलीन व्यक्तित्व थीं, हालांकि स्पष्ट रूप से उनका स्वास्थ्य खराब था, मुझे परिसर से मुक्त कर दिया गया।
मेरे मित्र (पोइरोट ने आगे कहा), क्या आप मेरी इस कार्य की कठिनाइयों को समझ सकते हैं? यहाँ एक ऐसा व्यक्ति था जिसकी मृत्यु तीन दिन पहले हुई थी। यदि इसमें कोई साजिश थी, तो केवल एक ही संभावना थी - ज़हर! और मुझे शव देखने का अवसर नहीं मिला था, और न ही उस माध्यम की जाँच या विश्लेषण करने की कोई संभावना थी जिसमें ज़हर दिया गया हो। विचार करने के लिए कोई सुराग नहीं था, चाहे वह झूठा हो या वास्तविक। क्या उस व्यक्ति को ज़हर दिया गया था? क्या उसकी मृत्यु स्वाभाविक थी? मुझे, हरक्यूल पोइरोट को, बिना किसी सहायता के, निर्णय लेना था। सबसे पहले, मैंने नौकरों से बात की, और उनकी सहायता से, मैंने उस शाम की घटनाओं का सारांश निकाला। मैंने रात के खाने पर विशेष ध्यान दिया, और उसे परोसने के तरीके पर भी। सूप श्री डेरौलार्ड ने स्वयं एक बड़े बर्तन से परोसा था। उसके बाद कटलेट की एक थाली, फिर चिकन। अंत में

फलों का एक कंपोट। और यह सब मेज पर रखा गया था, और स्वयं श्रीमान ने परोसा था। खाने की मेज पर एक बड़े बर्तन में कॉफी लाई गई। कुछ नहीं हुआ, मेरे दोस्त - एक को जहर दिए बिना सबको जहर देना असंभव है!
रात के खाने के बाद मैडम डेरोलार्ड अपने अपार्टमेंट में चली गईं और मैडमोजेल वर्जिनी उनके साथ गईं। तीनों पुरुष एम. डेरोलार्ड के अध्ययन कक्ष में चले गए। वहाँ उन्होंने कुछ देर सौहार्दपूर्ण बातचीत की, तभी अचानक, बिना किसी चेतावनी के, डिप्टी ज़मीन पर गिर पड़े। एम. डी सेंट एलार्ड दौड़कर बाहर आए और फ्रांस्वा को तुरंत डॉक्टर बुलाने को कहा। उन्होंने बताया कि यह निस्संदेह लकवा था। लेकिन जब डॉक्टर पहुंचे, तब तक मरीज़ को बचाया नहीं जा सकता था।
श्री जॉन विल्सन, जिनसे मेरा परिचय मैडमोजेल वर्जिनी ने कराया था, उन दिनों के जाने-माने एक मजबूत कद-काठी वाले अंग्रेज थे, जिनकी उम्र मध्यम और तगड़ी थी। उनका भाषण, जो उन्होंने बहुत ही ब्रिटिश फ्रेंच में दिया, लगभग वैसा ही था।
'डेरौलार्ड का चेहरा एकदम लाल हो गया और वह नीचे गिर पड़ा।'
वहाँ और कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद मैं त्रासदी के स्थल, अध्ययन कक्ष में गया, और अपनी इच्छा से वहाँ अकेला छोड़ दिया गया। अब तक मैडमोजेल मेसनार्ड के सिद्धांत का समर्थन करने वाला कुछ भी नहीं मिला था। मुझे विश्वास था कि यह उनका भ्रम था। स्पष्ट रूप से, उनके मन में मृत व्यक्ति के लिए प्रेम भाव था, जिसके कारण वे मामले को निष्पक्ष रूप से नहीं देख पा रही थीं। फिर भी, मैंने अध्ययन कक्ष की सावधानीपूर्वक तलाशी ली। यह संभव था कि मृत व्यक्ति की कुर्सी में एक हाइपोडर्मिक सुई इस तरह डाली गई हो जिससे घातक इंजेक्शन लगाया जा सके। इससे होने वाला छोटा सा छेद शायद किसी का ध्यान न खींच पाता। लेकिन मुझे इस सिद्धांत का समर्थन करने वाला कोई संकेत नहीं मिला। मैं निराशा के भाव से कुर्सी पर गिर पड़ा।
'अंततः, मैं इसे छोड़ देता हूँ!' मैंने ज़ोर से कहा। 'कहीं कोई सुराग नहीं है! सब कुछ बिल्कुल सामान्य है।'
जैसे ही मैंने ये शब्द कहे, मेरी नज़र पास की एक मेज़ पर रखे चॉकलेट के एक बड़े डिब्बे पर पड़ी और मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। हो सकता है ये एम. डेरोलार्ड की मौत का सुराग न हो, लेकिन कम से कम यहाँ कुछ तो असामान्य था। मैंने ढक्कन उठाया। डिब्बा पूरा भरा हुआ था, बिल्कुल सही सलामत; एक भी

चॉकलेट गायब नहीं थी - लेकिन इससे मेरी नज़र में आई वो अजीब बात और भी ज़्यादा चौंकाने वाली हो गई। क्योंकि, देखो, हेस्टिंग्स, डिब्बा तो गुलाबी था, लेकिन ढक्कन नीला। वैसे तो अक्सर गुलाबी डिब्बे पर नीला रिबन और इसके उलट भी देखने को मिलता है, लेकिन एक रंग का डिब्बा और दूसरे रंग का ढक्कन - बिलकुल नहीं; ये तो बिल्कुल ही असामान्य है!
मुझे अभी तक यह नहीं लगा था कि इस छोटी सी घटना से मुझे कोई फायदा होगा, फिर भी मैंने इसे असामान्य मानते हुए इसकी जांच करने का निश्चय किया। मैंने फ़्रांस्वा के लिए घंटी बजाई और उससे पूछा कि क्या उसके दिवंगत स्वामी को मिठाई बहुत पसंद थी। उसके होठों पर एक हल्की सी उदासी भरी मुस्कान आ गई। 'महाशय, उन्हें चॉकलेट से बेहद लगाव था। उनके घर में हमेशा चॉकलेट का एक डिब्बा रहता था। आप जानते हैं, वे किसी भी प्रकार की शराब नहीं पीते थे।' 'लेकिन इस डिब्बे को किसी ने छुआ तक नहीं?' मैंने उसे दिखाने के लिए ढक्कन उठाया।
'क्षमा करें, महोदय, लेकिन वह डिब्बा उनकी मृत्यु के दिन ही खरीदा गया एक नया डिब्बा था, जबकि दूसरा लगभग तैयार था।'
'फिर दूसरा डिब्बा उनकी मृत्यु के दिन ही बनकर तैयार हुआ,' मैंने धीरे से कहा।
'जी हां, महोदय, मुझे यह सुबह खाली मिला और मैंने इसे फेंक दिया।'
'क्या एम. डेरौलार्ड दिन भर मिठाई खाते थे?'
'आमतौर पर रात के खाने के बाद, महोदय।'
मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी।
मैंने कहा, 'फ्रांकोइस, क्या तुम विवेकशील हो सकते हो?'
'यदि आवश्यकता हो, महोदय।'
'बोन! तो जान लो कि मैं पुलिस वाला हूँ। क्या तुम मुझे वह दूसरा बक्सा ढूंढकर दे सकते हो?'
'निस्संदेह, महोदय। यह कूड़ेदान में ही जाएगा।'
वह चला गया और कुछ ही मिनटों में धूल से ढकी एक वस्तु लेकर लौटा। यह मेरे हाथ में मौजूद डिब्बे की हूबहू नकल थी, बस फर्क इतना था कि इस बार डिब्बा नीला था और ढक्कन गुलाबी। मैंने फ़्रांस्वा को धन्यवाद दिया, उसे एक बार फिर सावधानी बरतने की सलाह दी और बिना कुछ कहे एवेन्यू लुईस स्थित घर से निकल गया।

अगले दिन मैंने एम. डेरौलार्ड का इलाज करने वाले डॉक्टर से मुलाकात की। उनके साथ मेरा काम मुश्किल था। उन्होंने विद्वतापूर्ण शब्दावली की दीवार के पीछे खुद को खूबसूरती से सुरक्षित कर लिया, लेकिन मुझे लगा कि वे इस मामले के बारे में उतने आश्वस्त नहीं थे जितना वे होना चाहते थे।
जब मैंने उसे कुछ हद तक शांत कर लिया, तो उसने कहा, 'इस तरह की कई अजीबोगरीब घटनाएं हुई हैं। अचानक गुस्से का दौरा, तीव्र भावना - भारी भोजन के बाद, यह तो समझ में आता है - फिर, क्रोध के चरम पर, खून सिर में चढ़ जाता है, और बस! - आप वहीं पहुँच जाते हैं!'
लेकिन एम. डेरौलार्ड में कोई हिंसक भावना नहीं थी।
'नहीं? मैंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि उसका एम. डी सेंट अलार्ड के साथ तीखी बहस हुई थी।'
'उसे ऐसा क्यों करना चाहिए?'
'यह तो ज़ाहिर है!' डॉक्टर ने कंधे उचकाते हुए कहा। 'क्या एम. डी सेंट अलार्ड कट्टर कैथोलिक नहीं थे? चर्च और राज्य के इस सवाल ने उनकी दोस्ती को बर्बाद कर दिया था। एक भी दिन ऐसा नहीं गुज़रता था जब इस पर चर्चा न होती हो। एम. डी सेंट अलार्ड को तो डेरोलार्ड लगभग मसीह-विरोधी ही लगते थे।'
यह अप्रत्याशित था, और इसने मुझे सोचने के लिए प्रेरित किया।
'एक और सवाल, डॉक्टर: क्या चॉकलेट में जहर की घातक खुराक डालना संभव होगा?' 'मुझे लगता है, ऐसा संभव है,' डॉक्टर ने धीरे से कहा। 'शुद्ध प्रूसिक एसिड इस स्थिति के लिए उपयुक्त होगा यदि वाष्पीकरण की कोई संभावना न हो, और किसी भी चीज की एक छोटी सी बूंद अनजाने में निगल ली जाए।'
लेकिन यह कोई बहुत ही संभावित अनुमान नहीं लगता। मॉर्फिन या स्ट्राइकिन से भरी चॉकलेट -' उसने व्यंग्यात्मक चेहरा बनाया। 'आप समझते हैं, श्री पोइरोट - एक निवाला ही काफी होगा! भोला-भाला व्यक्ति औपचारिकता नहीं बरतेगा।'
'शुक्रिया डॉक्टर।'
मैं पीछे हट गया। इसके बाद मैंने दवा की दुकानों, विशेषकर एवेन्यू लुईस के आस-पास की दुकानों से पूछताछ की। पुलिस का सदस्य होना अच्छा होता है। मुझे बिना किसी परेशानी के मनचाही जानकारी मिल गई। केवल एक मामले में ही मुझे पता चला कि संबंधित घर में ज़हर की आपूर्ति की गई थी। यह मैडम डेरौलार्ड के लिए एट्रोपिन सल्फेट की कुछ आई ड्रॉप्स थीं। एट्रोपिन एक शक्तिशाली ज़हर

है, और उस क्षण मैं खुश हो गया, लेकिन एट्रोपिन विषाक्तता के लक्षण प्टोमाइन के लक्षणों से काफी मिलते-जुलते हैं, और उन लक्षणों से बिल्कुल अलग हैं जिनका मैं अध्ययन कर रहा था। इसके अलावा, नुस्खा पुराना था। मैडम डेरौलार्ड कई वर्षों से दोनों आँखों में मोतियाबिंद से पीड़ित थीं। मैं निराश होकर मुड़ने ही वाला था कि दवा विक्रेता की आवाज़ ने मुझे वापस बुला लिया।
'एक क्षण रुकिए, मिस्टर पोइरोट। मुझे याद है, वह लड़की जो वह नुस्खा लेकर आई थी, उसने कहा था कि उसे अंग्रेजी केमिस्ट के पास जाना होगा। आप वहां कोशिश कर सकते हैं।'
मैंने ऐसा ही किया। एक बार फिर अपनी आधिकारिक स्थिति का इस्तेमाल करते हुए, मुझे वह जानकारी मिल गई जो मैं चाहता था। एम. डेरोलार्ड की मृत्यु से एक दिन पहले उन्होंने श्री जॉन विल्सन के लिए एक पर्ची तैयार की थी। वैसे इसमें कुछ भी बनावटी नहीं था। वे बस ट्रिनिट्रिन की छोटी-छोटी गोलियां थीं। मैंने पूछा कि क्या मैं उन्हें देख सकता हूँ। उन्होंने मुझे दिखाया, और मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा - क्योंकि वे छोटी गोलियां चॉकलेट रंग की थीं।
'क्या यह जहर है?' मैंने पूछा।
'जी नहीं, महोदय।'
'क्या आप मुझे इसके प्रभाव का वर्णन कर सकते हैं?'
'यह रक्तचाप को कम करता है। यह हृदय संबंधी कुछ समस्याओं के लिए दिया जाता है - उदाहरण के लिए एनजाइना पेक्टोरिस। यह धमनियों के तनाव को कम करता है। धमनीकाठिन्य में -'
मैंने उसे बीच में ही रोक दिया। 'मा फोई! यह सब बकवास मुझे कुछ नहीं समझाती। क्या इससे चेहरा लाल हो जाता है?'
'बिल्कुल ऐसा ही है।'
और मान लीजिए कि मैंने आपकी दस-बीस छोटी गोलियां खा लीं, तो फिर क्या होगा? 'मैं आपको ऐसा करने की सलाह नहीं दूंगा,' उसने रूखेपन से जवाब दिया।
'और फिर भी आप कहते हैं कि यह जहर नहीं है?'
'ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिन्हें जहर नहीं कहा जाता, लेकिन वे इंसान को मार सकती हैं,' उसने हमेशा की तरह जवाब दिया। मैं दुकान से प्रसन्न होकर निकला। आखिरकार, चीजें सही दिशा में बढ़ने लगी थीं!

को यकीन दिलाने के लिए मुझे सबूत पेश करने होंगे। और मेरे पास पेश करने के लिए कोई सबूत नहीं था!
कोई बात नहीं। मुझे पता था - यही तो बड़ी बात थी। हेस्टिंग्स, तुम्हें स्टाइल्स मामले में हमारी मुश्किल याद है? वहाँ भी, मुझे पता था, लेकिन हत्यारे के खिलाफ सबूतों की कड़ी को पूरा करने वाली आखिरी कड़ी को ढूंढने में मुझे बहुत समय लग गया।
मैंने मैडमोजेल मेसनार्ड से साक्षात्कार का अनुरोध किया। वह तुरंत आ गईं। मैंने उनसे एम. डी सेंट अलार्ड का पता पूछा। उनके चेहरे पर परेशानी के भाव आ गए।
'महाशय, आपको इसकी आवश्यकता क्यों है?'
'मैडम, यह आवश्यक है।'
वह संशय में और परेशान लग रही थी।
'वह आपको कुछ नहीं बता सकता। वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसके विचार इस दुनिया में नहीं हैं। उसे अपने आसपास क्या हो रहा है, इसकी शायद ही कोई परवाह होती है।'
'शायद, महोदया। फिर भी, वह श्री डेरौलार्ड के पुराने मित्र थे। हो सकता है कि वह मुझे कुछ बातें बता सकें - अतीत की बातें - पुरानी दुश्मनी - पुराने प्रेम प्रसंग।'
लड़की का चेहरा लाल हो गया और उसने अपने होंठ काट लिए। 'जैसा आप चाहें - लेकिन - लेकिन - अब मुझे पूरा यकीन है कि मुझसे गलती हुई थी। मेरी बात मान लेना आपकी मेहरबानी थी, लेकिन उस समय मैं बहुत परेशान थी - लगभग व्याकुल थी। अब मुझे समझ आ गया है कि इसमें सुलझाने जैसा कोई रहस्य नहीं है। कृपया इसे छोड़ दें, महोदय।'
मैंने उसे गौर से देखा।
'महोदया,' मैंने कहा, 'कुत्ते के लिए कभी-कभी गंध ढूंढना मुश्किल होता है, लेकिन एक बार मिल जाने पर, दुनिया की कोई भी चीज उसे वहां से नहीं हटा सकती! बशर्ते वह एक अच्छा कुत्ता हो! और मैं, महोदया, मैं, हरक्यूल पोइरोट, एक बहुत अच्छा कुत्ता हूँ।'
बिना कुछ कहे वह मुँह फेरकर चली गई। कुछ मिनट बाद वह कागज पर पता लिखकर लौटी। मैं घर से निकल गया। फ़्रांस्वा बाहर मेरा इंतज़ार कर रहा था। उसने मुझे चिंता भरी नज़रों से देखा।

'कोई खबर नहीं है, महोदय?'
'अभी तक तो कोई नहीं, मेरे दोस्त।'
'आह! बेचारे श्रीमान डेरौलार्ड!' उसने आह भरी। 'मैं भी उन्हीं की तरह सोचता था। मुझे पुजारियों से कोई मतलब नहीं है। वैसे, मैं ये बात घर में नहीं कहूँगा। सारी औरतें बहुत धर्मनिष्ठ हैं - शायद ये अच्छी बात है। मैडम बहुत धर्मनिष्ठ हैं - और मैडम वर्जिन भी।'
मैडमोजेल वर्जिनी? क्या वह 'ट्रेस पियूज़' थीं? पहले दिन मैंने जो आँसुओं से भीगा हुआ भावुक चेहरा देखा था, उसे याद करते हुए, मैं सोचने लगा।
एम. डी सेंट अलार्ड का पता मिलते ही मैंने ज़रा भी देर नहीं की। मैं आर्डेन्स में उनके महल के पास ही पहुँचा, लेकिन घर में घुसने का बहाना ढूंढने में मुझे कुछ दिन लग गए। आख़िरकार घुस ही गया - कैसे, सोचो - एक प्लंबर बनकर, मेरे दोस्त! उनके बेडरूम में गैस लीक को ठीक करना पल भर का काम था। मैं अपने औज़ार लेने चला गया और इस बात का ध्यान रखा कि मैं ऐसे समय पर लौटूँ जब मुझे पता हो कि घर में ज़्यादातर कोई नहीं होगा। मैं क्या ढूंढ रहा था, यह मुझे ठीक से पता नहीं था। ज़रूरी चीज़, मुझे यकीन नहीं था कि मिलने की कोई उम्मीद थी। वह उसे छिपाने का जोखिम तो कभी नहीं उठाते। फिर भी, जब मुझे वॉशस्टैंड के ऊपर एक छोटी सी अलमारी बंद मिली, तो मैं उसके अंदर देखने की लालसा को रोक नहीं पाई। ताला खोलना काफी आसान था। दरवाजा खुल गया। वह पुरानी बोतलों से भरी हुई थी। मैंने कांपते हाथों से एक-एक करके उन्हें उठाया। अचानक, मेरे मुंह से एक चीख निकली। कल्पना कीजिए, मेरे दोस्त, मेरे हाथ में एक छोटी सी शीशी थी जिस पर एक अंग्रेजी केमिस्ट का लेबल लगा था। उस पर लिखा था: 'ट्रिनिट्रिन टैबलेट। जरूरत पड़ने पर एक गोली लें। श्री जॉन विल्सन।'
मैंने अपने गुस्से पर काबू पाया, छोटी सी अलमारी बंद की, बोतल को अपनी जेब में रखा और गैस लीक ठीक करने में जुट गया! हर काम व्यवस्थित तरीके से ही करना चाहिए। फिर मैं महल से निकला और जितनी जल्दी हो सके अपने देश के लिए ट्रेन पकड़ी। मैं उस रात देर से ब्रसेल्स पहुँचा। सुबह मैं प्रीफेक्ट के लिए एक रिपोर्ट लिख रहा था, तभी मुझे एक चिट्ठी मिली। यह बूढ़ी मैडम डेरौलार्ड की थी, जिसमें मुझे बिना देरी किए एवेन्यू लुईस स्थित घर पर बुलाया गया था।
फ्रांस्वा ने मेरे लिए दरवाजा खोला।

'मैडम ला बैरोन आपका इंतजार कर रही हैं।'
वह मुझे उनके अपार्टमेंट तक ले गया। वह एक बड़ी कुर्सी पर शान से बैठी थीं। मैडमोजेल वर्जिनी का कोई अता-पता नहीं था।
'एम. पोइरोट,' बूढ़ी महिला ने कहा। 'मुझे अभी पता चला है कि आप वो नहीं हैं जो आप होने का दिखावा करते हैं। आप एक पुलिस अधिकारी हैं।'
'जी हां, महोदया।'
'आप मेरे बेटे की मौत के हालात की जांच करने यहां आए हैं?'
मैंने फिर जवाब दिया: 'जी हां, मैडम।'
'अगर आप मुझे अपनी प्रगति के बारे में बताएँगे तो मुझे खुशी होगी।'
मैं झिझक गया।
'सबसे पहले मैं यह जानना चाहूंगा कि आपने यह सब कैसे सीखा, महोदया।'
'उस व्यक्ति से जो अब इस दुनिया में नहीं है।'
उसके शब्द और जिस गंभीर अंदाज में उसने उन्हें कहा, उससे मेरे दिल में सिहरन दौड़ गई। मैं कुछ बोल नहीं पा रहा था।
'इसलिए, महोदय, मैं आपसे अत्यंत निवेदन करता हूँ कि आप मुझे अपनी जांच में हुई प्रगति के बारे में सटीक जानकारी दें।'
'मैडम, मेरी जांच पूरी हो चुकी है।'
'मेरा बेटा?'
'जानबूझकर हत्या की गई।'
'तुम्हें पता है किसके द्वारा?'
'जी महोदया।'
'तो फिर कौन?'
'श्रीमान डी सेंट अलार्ड।'
बुजुर्ग महिला ने अपना सिर हिलाया।
'आप गलत हैं। एम. डी सेंट अलार्ड इस तरह का अपराध करने में असमर्थ हैं।' 'सबूत मेरे हाथ में हैं।'
'मैं आपसे एक बार फिर विनती करता हूं कि मुझे सब कुछ बताएं।'
इस बार मैंने उनकी बात मानी और सच्चाई तक पहुँचने के हर कदम को दोहराया।
उन्होंने ध्यान से सुना। अंत में उन्होंने सिर हिलाकर सहमति दी।

'हां, हां, सब कुछ वैसा ही है जैसा आप कह रहे हैं, सिवाय एक बात के। मेरे बेटे की हत्या एम. डी सेंट अलार्ड ने नहीं की थी। मैंने, उसकी मां ने, की थी।'
मैंने उसे घूर कर देखा। वह धीरे से अपना सिर हिलाती रही।
'अच्छा हुआ कि मैंने आपको बुलवाया। यह ईश्वर की कृपा है कि वर्जिन ने मठ जाने से पहले मुझे अपने किए के बारे में बता दिया। सुनिए, श्री पोइरोट! मेरा बेटा एक दुष्ट व्यक्ति था। उसने चर्च को सताया। उसने घोर पाप का जीवन जिया। उसने अपने साथ-साथ दूसरों की आत्माओं को भी अपने साथ घसीटा। लेकिन इससे भी बुरा कुछ हुआ। एक सुबह जब मैं इस घर में अपने कमरे से बाहर निकली, तो मैंने अपनी बहू को सीढ़ियों के ऊपर खड़े देखा। वह एक पत्र पढ़ रही थी। मैंने अपने बेटे को उसके पीछे से आते देखा। एक झटके में धक्का लगा और वह गिर पड़ी, उसका सिर संगमरमर की सीढ़ियों पर जा टकराया। जब उसे उठाया गया तो वह मर चुकी थी। मेरा बेटा हत्यारा था, और यह बात केवल मैं, उसकी माँ, जानती थी।'
उसने एक पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। 'महाशय, आप मेरी पीड़ा, मेरी निराशा की कल्पना भी नहीं कर सकते। मैं क्या करती? क्या मैं उसे पुलिस के हवाले कर देती? मैं ऐसा कर ही नहीं सकती थी। यह मेरा कर्तव्य था, पर मेरा शरीर कमज़ोर था। इसके अलावा, क्या वे मुझ पर विश्वास करते? मेरी दृष्टि कुछ समय से कमज़ोर हो रही थी - वे कहेंगे कि मैं गलत थी। मैं चुप रही। पर मेरा अंतरात्मा मुझे चैन नहीं लेने दे रहा था। चुप रहकर मैं भी एक हत्यारी थी। मेरे बेटे को उसकी पत्नी की संपत्ति विरासत में मिली। वह हरे-भरे पेड़ की तरह फला-फूला। और अब उसे पादरी का पद मिलने वाला था। चर्च पर उसका अत्याचार दुगना हो जाएगा। और वर्जिनी थी। वह बेचारी बच्ची, सुंदर, स्वभाव से धर्मपरायण, उससे मोहित थी। स्त्रियों पर उसका एक अजीब और भयानक प्रभाव था। मुझे इसका आभास था। मैं इसे रोक नहीं पाई। उसका उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं था। वह समय आ गया जब वह उसके सामने सब कुछ समर्पित करने को तैयार थी।'
फिर मुझे अपना रास्ता साफ दिखाई दिया। वह मेरा बेटा था। मैंने उसे जीवन दिया था। मैं उसकी ज़िम्मेदार थी। उसने एक औरत के शरीर को मार डाला था, अब वह दूसरी की आत्मा को भी मार डालेगा! मैं मिस्टर विल्सन के कमरे में गई और गोलियों की बोतल ले आई। उन्होंने एक बार हंसते हुए कहा था कि इसमें एक आदमी

को मारने के लिए काफी गोलियां हैं! मैं स्टडी रूम में गई और मेज पर हमेशा रखे रहने वाले चॉकलेट के बड़े डिब्बे को खोला। गलती से मैंने एक नया डिब्बा खोल दिया। दूसरा डिब्बा भी मेज पर ही था। उसमें सिर्फ एक चॉकलेट बची थी। इससे सब कुछ आसान हो गया। मेरे बेटे और वर्जिनी के अलावा कोई चॉकलेट नहीं खाता था। मैं उस रात उसे अपने साथ ही रखूंगी। सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा मैंने योजना बनाई थी।
वह थोड़ी देर रुकी, एक मिनट के लिए अपनी आंखें बंद कीं और फिर उन्हें खोल दिया।
'श्री पोइरोट, मैं आपके हाथों में हूँ। मुझे बताया गया है कि मेरे पास जीने के लिए ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। मैं ईश्वर के समक्ष अपने कर्मों का हिसाब देने को तैयार हूँ। क्या मुझे इस धरती पर भी इसका हिसाब देना होगा?'
मैं हिचकिचाया। 'लेकिन खाली बोतल, महोदया,' मैंने समय पाने के लिए कहा। 'वह एम. डी सेंट अलार्ड के कब्जे में कैसे आई?'
'जब वो मुझसे विदा लेने आए, महाशय, तो मैंने चुपके से बोतल उनकी जेब में रख दी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इसे कैसे ठिकाने लगाऊं। मैं इतनी कमज़ोर हूं कि बिना सहारे के ज़्यादा चल-फिर नहीं सकती, और अगर मेरे कमरे में खाली बोतल मिलती तो शक पैदा हो सकता था। आप समझते हैं, महाशय -' वह सीधी खड़ी हो गई - 'मेरा इरादा एम. डी सेंट अलार्ड पर शक पैदा करने का बिल्कुल नहीं था! मैंने कभी ऐसा सोचा भी नहीं था। मुझे लगा था कि उनका नौकर खाली बोतल पाएगा और बिना कुछ पूछे उसे फेंक देगा।'
मैंने अपना सिर झुकाया। 'मैं समझ गई, महोदया,' मैंने कहा।
'और आपका फैसला, महोदय?'
उसकी आवाज़ दृढ़ और अटल थी, उसका सिर हमेशा की तरह ऊंचा था। मैं उठ खड़ा हुआ।
'महोदया,' मैंने कहा, 'मुझे आपको शुभ दिन की शुभकामनाएं देने का सौभाग्य प्राप्त है। मैंने अपनी जांच कर ली है - और असफल रहा! मामला यहीं समाप्त होता है।'
वह एक पल के लिए चुप रहे, फिर धीरे से बोले: 'उनकी मृत्यु ठीक एक सप्ताह बाद हो गई। मैडमोजेल वर्जिन ने अपना दीक्षा संस्कार पूरा किया और विधिवत रूप से विवाह किया। यही कहानी है, मेरे मित्र। मुझे स्वीकार करना होगा कि इसमें मेरी कोई खास भूमिका नहीं है।'

'लेकिन यह तो कोई असफलता नहीं थी,' मैंने विरोध जताते हुए कहा। 'ऐसी परिस्थितियों में आप और क्या सोच सकते थे?'
'अरे, मेरे दोस्त,' पोइरोट अचानक जोश में आकर चिल्लाया। 'क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? मैं छत्तीस बार बेवकूफ था! मेरे दिमाग ने बिल्कुल काम नहीं किया। असली सुराग तो हर समय मेरे हाथों में ही था।'
'क्या सुराग?'
चॉकलेट का डिब्बा! क्या तुम्हें दिखाई नहीं दे रहा? क्या कोई स्वस्थ व्यक्ति ऐसी गलती कर सकता है? मुझे पता था कि मैडम डेरौलार्ड को मोतियाबिंद था - एट्रोपिन की बूंदों ने मुझे यही बताया था। घर में केवल एक ही व्यक्ति ऐसा था जिसकी दृष्टि इतनी कमजोर थी कि वह यह नहीं देख पाती थी कि कौन सा ढक्कन लगाना है। चॉकलेट के डिब्बे ने ही मुझे इस राह पर ला खड़ा किया, और फिर भी अंत तक मैं इसके असली महत्व को समझने में लगातार असफल रहा! 'मेरी मानसिकता भी गलत थी। अगर एम. डी सेंट अलार्ड अपराधी होते, तो वे कभी भी अपराध साबित करने वाली बोतल अपने पास नहीं रखते। उसका मिलना उनकी बेगुनाही का सबूत था। मुझे मैडमोजेल वर्जिनी से पहले ही पता चल गया था कि वे भुलक्कड़ थे। कुल मिलाकर, जो मैंने आपको बताया वह एक दुखद घटना थी! मैंने यह कहानी सिर्फ आपको ही सुनाई है। आप समझ रहे हैं, इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है!'
एक बूढ़ी औरत इतने सरल और चालाकी से अपराध करती है कि मैं, हरक्यूल पोइरोट, पूरी तरह से धोखा खा जाता हूँ। हे भगवान! इसके बारे में सोचना भी मुश्किल है! भूल जाओ। या नहीं - याद रखो, और अगर तुम्हें कभी भी लगे कि मैं घमंडी हो रहा हूँ - तो ऐसा होने की संभावना नहीं है, लेकिन हो सकता है।
मैंने अपनी मुस्कान छुपा ली।
'एह बिएन, मेरे दोस्त, तुम मुझसे कहोगे, "चॉकलेट बॉक्स"। क्या यह ठीक है?' 'यह एक सौदा है!'
'आखिरकार,' पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा, 'यह एक अनुभव था! मैं, जिसके पास निस्संदेह इस समय यूरोप का सबसे बेहतरीन दिमाग है, उदार होने का सामर्थ्य रखता हूँ!'
'चॉकलेट का डिब्बा,' मैंने धीरे से कहा।
'माफ़ कीजिएगा, मेरे दोस्त?'

मैंने पोइरोट के भोले-भाले चेहरे को देखा, जब वह प्रश्नवाचक भाव से आगे झुका, और मेरा दिल पसीज गया। मैंने उसके हाथों कई बार कष्ट झेला था, लेकिन मैं भी, भले ही यूरोप का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति न होऊं, उदार होने का साहस तो कर ही सकता था!
'कुछ नहीं,' मैंने झूठ बोला और मुस्कुराते हुए एक और पाइप जलाया।

***** समाप्त *****